

PUBLISHED BY AUTHORITY

र्स• 52]

नई बिल्ली, शनिवार, विसम्बर 28, 1974 (पीव 7, 1896)

No. 521

NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 28, 1974 (PAUSA 7, 1896)

इस जान में जिल्ल कुट संख्या थी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रजा जा सके Generate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड । PART III—SECTION 1

जण्य न्यायालयीं, नियंश्वक जीर सहालेखापरीकक, संघ लोक सेथा बायोग, रेस विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ सोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, विनांक 28 नवम्बर, 1974

सं० पी०/1825 प्रमा० I:—कृषि कालेज, कलकत्ता विध्व-विद्यालय में भृतपूर्व भाख्याता डा० बी० भट्टाचार्य को संघ सोक सेवा भायोग के कार्यालय में 1 नवम्यर, 1974 के पूर्वाह्न से भागामी भादेश तक भवर सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है।

ग्रवर सचिव, इसे ग्रध्यक्ष

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक पुधार विभाग)

केम्ब्रीय अन्तेषण बयुरो

नई विल्ली, दिनांक 27 नवम्बर, 1974

सं० पी० एफ०/जे०-78/73-प्रणासन-1:—-नुजरात राज्य पुलिस में प्रत्यावर्तन हो जाने पर, गुजरात राज्य पुलिस से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों में पुलिस निरीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त प्रधिक्षारी श्री जे० बी० मोहित को दिनांक 1 नवम्बर, 1974 के प्रपराह्म से केन्द्रीय प्रन्वेषण ब्यूरो, घहमदाबाद शाखा में घपने कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है। पुलिस ध्रायुक्त, ध्रहमदाबाद नगर के पास इ्यूटी के लिए रिपोर्ट करने के प्रनुदेश भी उन्हें दे दिए गए

विनांक 30 नवम्बर, 1974

RECISINERED No. D-(D)-73

सं० पी० एफ०/सी-2/69-प्रशा०-5---प्रपने मूल राज्य में प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री चन्त्र लाल, भारतीय पुलिस सेवा सहायक निदेशक (नीति), केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, मुख्यालय, नई दिल्ली ने दिनांक 11 जून, 1974 के श्रपराह्म में केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में श्रपने सहायक निदेशक (नीति) के पद का कार्यभार त्याग दिया।

इस कार्यालय की विनांक 4-7-74 की सम संख्यक श्रीध-सूचना एतदक्षारा रह की जाती है।

> गुलजारी लाल प्रग्नवाल प्रशासन प्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय धन्वेषण व्यूरो

गृह मंत्रालय

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय औद्योगिक सुरका बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 16 नवम्बर, 1974

सं० ई०-38013(2)/10/74-प्रणा० 1:—बोकारो स्टील सिटी से स्थानान्तरित होने पर, ले० कर्नल एच० एस० बेदी ने दिनांक 24 प्रक्तूबर, 74 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय धौद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भारत उर्वरक निगम लि०, नांगल, के कमंद्रेंट पद का कार्य-भार सम्भाल लिया।

1-386 GI/74

(7633)

दिनांक 21 नवरवर, 1974

सं० ई०-38013(3)/4/74-प्रणा०-1:—श्री के० के० कोन, ने दिनांक 18 श्रक्तूबर, 1974 के पूर्वाह्म में केन्द्रीय श्रोद्यो-गिक सुरक्षा बल, गोरखपुर, की 14थी बटालियन के सहायक कमां-बेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर उन्होंने उमी दिनांक के पूर्वाह्म में केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा क्या प्राप्ति, करकेला स्टील ब्लाट के सहायक कमाईंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया । उनका मुख्यालय गोरखपुर में होगा ।

मं० ई०-38013 (3)/4/74-प्रशासन-I:—श्री सी० एस० वरादाराजा ने दिनांक 15 श्रक्तूबर, 1974 के पूर्वाह्म में केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल, मद्राम रिफाइनरी, के पुलिस उपाधिक्षक/खुफिया स्कन्ध के पद का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर उन्होंने उसी दिनांक के पूर्वाह्म में पूर्वीक्षेत्र के सहायक कमांडेंट (कनिष्ठ श्रगामन श्रियकारी) पद का कार्यभार सम्भाल लिया । उनका मुख्यालय मद्राम में होगा ।

मं० ई०-38013 (3) /4/74-प्रणा०-1:—श्री ईश्वर सिंह ने दिनांक 18 अक्तूबर, 1974 के पूर्वाह्म में केन्द्रीय श्रीधोगिक मुरक्षा बल, सिन्दरी, की 7वी बटालियन के महायक कमाइट पद का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर उन्होंने की दिनांक के पूर्वाह्म से केन्द्रीय श्रीधोगिक मुरक्षा बल यूनिट, दुर्गापुर स्टील ब्लाट, के महायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मृख्यालय सिन्दरी में होगा।

सं० ई०-38013 (3)/4/74-प्रणा०-I:--श्री बी० मिश्रा ने दिनांक 16 प्रक्तूबर, 1974 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल, खुफिया स्कन्ध, सरकारी श्रफीम फैक्ट्री, नीमच के पुलिस उपाधीक्षक पद का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर उन्होंने उसी दिनांक से केन्द्रीय श्रीद्योगिक मुरक्षा बल यूनिट, भिलाई स्टील प्लाट भिलाई, के सहायक कमाईट पद का कार्यभार सम्भाल लिया । उनका मुख्यालय नीमच में होगा ।

मं० ई०-38013, (3) /4/74-प्रणा०-1: — सर्वकी: बी० के० चक्रवर्ती तथा पी० पी० मिला ने दिनांक 16 अक्तूबर, 1974 के प्रपराह्म से केन्द्रीय श्रोद्योगिक सुरक्षा बल, कलकत्ता की उरी बटालियन के महायक कमोडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर उन्होंने 17 अक्तूबर, 1974 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय श्रोद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, दुर्गापुर स्टील प्लांट के महायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

मं० ई०-38013 (3)/4/74-प्रणा०-1:—श्री एस० के० ताह ने दिनांक 17 प्रक्तूबर, 1974 के प्रपराह्न से केन्द्रीय ग्रौद्योगिक सुरक्षा बल, दुर्गपुर की 11वीं बटालियन के महायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया श्रौर उन्होंने उसी दिनांक के अपराह्न से केन्द्रीय ग्रौद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, दुर्गपुर स्टील प्लांट के महायक कमांडेट पद का कार्यभार सम्भाल लिया । उनका मुख्यालय दुर्गपुर में होगा।

सं० ई०-38013 (3)/4/74:-प्रशा० I:--श्री के० ए० बेलीप्पा ने दिनाक 18 श्रक्तूबर, 1974 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल, देवास, की 13वीं बटालियन के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया थ्रौर उन्होंने उसी दिनांक के पूर्वाह्न से केन्द्रीय थ्रौद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भिलाई स्टील प्लांट भिलाई के महायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया । उनका मुख्यालय देवास में होगा।

सं० ई०-38013(3)/4/74-प्रणा०-1:—-श्री चेतराम सिंह ने दिनांक 18 श्रक्तूबर, 1974 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय श्रीधोगिक सुरक्षा बल, पटना की 9वी बटालियन के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर उन्होंने उसी दिनांक के पूर्वाह्न से केन्द्रीय श्रीधोगिक सुरक्षा बल यूनिट, दुर्गापुर स्टील प्लांट, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय पटना में होगा।

सं० ई०-38013 (3)/4/74-प्रणा०-1.—श्री एस० एस० प्रसाद ने दिनांक 16 अक्तूबर, 1974 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय श्रीको- गिक सुरक्षा बल, खिफया स्कन्ध, धनबाद, के पुलिस उपाधीकिक पद का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर उन्होंने 16 अक्तूबर, 1974 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय श्रीचोगिक सुरक्षा बल यूनिट, दुर्गापुर रटील ग्लांट दुर्गापुर, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया । उनका मृख्यालय धनबाद में होगा।

मं० ई०-38013 (3) |4|74-प्रणा०-I:--श्री श्राप० के० भगत ने दिनांक 18 श्रवतूबर, 1974 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय श्रीद्यो-गिक गुण्का बल, नई दिल्ली, की 14वी बटालियन के सहायक यमां- इंट पद का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर उन्होंने उसी दिनांक के पूर्वाह्न से केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल, बम्बई हवाई पत्तन, के सहायक कमाडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया। उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० ई०-38013 (3) /4/74-प्रणा०-1:—श्री एस० के० वर्मा ने दिनाक 16 श्रक्तूबर, 1974 के श्रपराह्म से केन्द्रीय श्रीची-गिक सुरक्षा बल, कोरवा, के पुलिस उपाधीक्षक/खृष्टिया स्कन्ध पद का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर उन्होंने 17 श्रवतूबर, 1974 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय श्रीचोगिक सुरक्षा बल यूनिट, भिलाई स्टील प्लाट, भिलाई के महायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय कोरबा में होगा।

दिनाक 22 नवस्बर 1974

सं० ई०-38013 (3) /15/74-प्रशा०-I:—बरौनी से दीधाधाट, पटना को स्थानान्तरित होने पर, श्री चेतराम सिंह ने दिनांक 8 प्रक्तूबर, 1974 के प्रपराह्न से केन्द्रीय ग्रीद्योगिक सुरक्षा बल, बरौनी, की 9वीं बटालियन के सहायक कमांडेंट पद का कार्य-भार छोड़ दिया ग्रीर उन्होंने 9 प्रक्तूबर, 1974 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय ग्रीद्योगिक सुरक्षा बल, दीघाधाट, पटना, की 9वी बटालियन के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया ।

स० ई०-38013 (3) /4/74-प्रणा०-1 — मर्बश्री डी० एस० ट्रेजर तथा जान चौहान, ने दिनांक 18 प्रक्तूबर, 1974 के पूर्वाह्म में केन्द्रीय ग्रौद्योगिक सुरक्षा बल, राची की 16वीं बटालियन के महायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया ग्रौर उन्होंने उसी दिनांक के पूर्वाह्म से केन्द्रीय ग्रौद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट रूरकेला स्टील प्लांट, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया । उनका मख्यालय रांची में होगा।

सं० ६०-31013 (2) /5/74-प्रणा०-I:—-राष्ट्रपति, निम्निलिखित निरीक्षकों को दिनांक 30 प्रवत्वर, 1974 के प्रपणाह्न
से केन्द्रीय घौद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भारत कोकिंग कोल लि०,
क्षरिया का स्थानापश्च रूप से महायक कमांडेट निय्वत करते
हैं जिन्होंने उसी दिनांक के प्रपराह्न से उक्त पद का कार्यभार
सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय क्षरिया में होगा।

- (क) श्री श्रोम प्रकाण शर्मा।
- (ख) श्री प्रोत्स कुमार लहिनी !

दिनांक 23 नवम्बर 1974

सं० ई०-31013(2)/5/74-प्रणा० I---राष्ट्रपति, निरीक्षक पी० ग्रार० भुट्टन को दिनांक 5 नवम्बर 74 के पूर्वाह्न में केन्द्रीय भौद्योगिक सुरक्षा बल, की 17वीं बटालियन का म्थानापन्न रूप में सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं। जिन्होंने उसी दिनांक से पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय झरिया में होगा।

सं० ई०-31013(2)/1/74-प्रशा० I—राष्ट्रपति, निरीक्षक वाई० पी० जोगेवर को दिनांक 31 अन्तूबर 74 के श्रपराह्म से केन्द्रीय भौधोगिक सुरक्षा बल, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, झरिया, का स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं भौर श्री जोगेवर ने उसी दिनांक से पद का कार्यभार लिया।

सं० ई०-31013(2)/5/74-प्रणा० I—राष्ट्रपति, निरीक्षक एल० एन० मोहला को दिनांक 16 नवम्बर 74 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय श्रौद्यौगिक सुरक्षा बल, उत्तरी व पिष्चिमी क्षेत्र, का स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट (कनिष्ठ प्रणासन श्रधिकारी) नियुक्त करते हैं। जिन्होंने उसी दिनांक से पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

> एल० एस० बिष्ट, महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, विनांक

सं० 25/32/74-श्रार० जी० (ए० डी०-I)—-राष्ट्रपति श्री जी० एस० कानेकल, कर्णाटक के उपजनगणना निदेशक की सेवाएं को दिनांक 7 श्रवतूबर, 1974 के श्रपराह्म से कर्णाटक सरकार के सुपुर्व सहर्ष घापस करते हैं।

दिनांक 30 नवम्बर 1974

सं० 12/2/74-ग्रार० जी० (एडी०I) — राष्ट्रपति, जनगणना कार्य प्राधीक्षक, कर्नाटक के कार्यालय के श्री ग्रार० वाई० रेवाशेट्टी भन्वेषक को उसी कार्यालय में पूर्णतया श्रस्थायी श्रीर तदर्थ ग्राधार पर दिनांक 15 मई 1974 से 14 नवम्बर 1974 तक छः माह के लिये जनगणना कार्य सहायक श्रधीक्षक (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री रेवागेट्टी का मुख्य कार्यालय बैंगलोर में होगा।
 बद्री नाथ,
 भारत के उप महापंजीकार श्रौर
 गृह मन्त्रालय में भारत सरकार के
 पदेन उप-सचिव

महानिवेशालय केन्द्रीय रिजर्व पलिस दल

नई दिल्ली, 110001, दिनांक 25 नवम्बर 74

सं० ग्रो० टू-39/69-स्थापना-श्री सी० के० नायर ने निवर्तन की ग्रायु-प्राप्त होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप 8 ग्रक्तूबर 1974 के ग्रपराह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल की 48 बटालियन में कमान्डेन्ट के पद का कार्यभार छोड़ा।

दिनाक 26 नवम्बर 1974

सं० ग्रो० टू-20/69-स्थापना—श्रिगेडियर एम० ग्राप्त० खुराना ने पुनर्नियुक्ति की श्रवधि की समाप्ति के फलस्वस्प 27 ग्रयनूबर 1974 के श्रपराह्म में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स के महा महानिदेणालय में बेनार सलाहकार के पद का कार्यभार छोड़ा।

दिनांक 27 नवम्बर 1974

सं० एफ० 1/23/74-ईस्ट (सी० श्रार० पी० एफ०)— राष्ट्रपति, ब्रिगेडियर जी० एस० सिधू (ए० बी० एस० एम०) को पुर्नेनियुक्ति पर वायरलेस श्रडवाईजर के पद पर महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स में ग्रस्थाई रूप में एक माल के लिये दिनांक 6-11-74 से नियुक्त करते हैं, बशर्तेक श्रगर कोई प्रशासनिक श्रावश्यकता पड़े या उनकी ग्र-उपयुक्तता हो या श्रौर कोई श्रपेक्ष कारण हो तो उनकी समयपूर्वक सेवा ममाप्ति हो मकती है।

> एस० एन० साधुर, महायक निदेशक (प्रशासन)

केरद्रीय अनुवाद ब्यूरो

नई दिल्ली-16, दिनांक 30 नवम्बर, 1974

सं० 11(1)25/72-प्रणा०—केन्द्रीय अनुवाद न्यूरी के विष्ठ अनुवादक कुमारी उमिल मल्होत्रा की छुट्टी की जगह पर दिनांक 11-11-74 से 28-12-74 तक तदर्थ आधार पर अनुवाद अधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है।

गोबिन्द मिश्र, निदेशक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

श्रीनगर, दिनांक 7 नवम्बर, 1974

सं० — महालेखाकार जम्मू व काश्मीर ने श्रागामी श्रादेश तक के लिए इस कार्यालय के श्रद्धीनस्थ लेखा संवा के सदस्य श्री शेषनारायण को 2 नवम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से लेखा श्रधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

मं० — महालेखाकार जम्मू व काश्मीर ने श्रागामी श्रादेश तक के लिए इस कार्यालय के श्रधीनस्थ लेखा सेवा के सवस्य श्री रिव दत्त शर्मा की 22 नवम्बर, 1974 के पूर्वाहां से लेखा ग्रधिकारी के पद परनियुक्त किया है।

बी० तम् तायल, बरिष्ठ उप महालखाकार प्रशासन तथा श्रधिकरण

महालेखाकार का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश हैदराबाय-500004,दिनांक 15 नवम्बर, 1974

सं० — महालेखाकार ग्रान्ध्र प्रवेश, हैयराबाद कार्यालय क अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री वि० एस० बालसुक्रमनियन को महालेखाकार ग्रान्ध्र प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000-ई०-बी०- 40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा ग्रिधकारी के पद पर 29-10-74 के पूर्वाह्म से जब तक ग्रागे ग्रादेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नित उनसे विष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकृत प्रभाव डालने बाली नहीं है।

सं० — महालेखांकार, म्रान्ध्र प्रदेण हैदराबाद कार्यालय के मधीन सेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री वि० एस० वेंकटरामन को महालेखांकार प्रान्ध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा बेतनमान ६० 840-40-1000-ई०बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा ध्रधिकारी के पद पर 29-10-74 के पूर्वाह्र से जबतक श्रागे श्रादेश न दिये आएं, नियुक्त किया आसा है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

विनांक 29 नवम्बर 1974

सं शाई० बी० भाई० | 8-312 | 74-75 | 405 — महालेखाकार श्रान्ध्रज प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के श्रधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री सि० बि० गंकर नारायणन को महालेखाकार श्रान्ध्र प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतनमान ६० 840 40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उसीं कार्यालय में स्थानापन लेखा श्रधिकारी के पदपर 28-11-74 के पूर्वाह्म से जब तक श्रागे श्रादेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकृत प्रभाव डालने वाली नहीं है।

स० ई०बी०आई०/8-312/74-75/407—महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के श्रधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री ग्रो० वि० नरसिंहम को महालेखाकार श्रान्ध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी के पद पर 28-11-74 के पूर्वाह्म से जब तक श्रागे श्रादेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के वाबे पर प्रतिकृत प्रभाव डालने वाली नहीं है।

एस० नागाराजन प्रवर उप-महालेखाकार (प्रणासन)

महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्य का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 20 नवम्बर 1974

सं० प्रणासन 1/5-5/पदोन्नित/74-75/2190—स्थीमान् महालेखाकार केन्द्रीय राजस्य ने इस वार्यालय के एक स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री अमरनाथ-1 की दिनांक 14 नवस्त्रेर, 74 (पूर्वाह्म) सं अगले आदेश होने तक ६० 840-1200 के समय वेतनमान में लेखा अधिकारी के रूप में स्थानापन्त तौर पर कार्य करने हेतु नियुक्त किया है।

ह० अपठनीय वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रणासन)

महालेखापाल का कार्यालय, केरल

निबंद्रम दिनांक 15 नवम्बर 1974

करल के महालेखापाल के कार्यालय के स्थानापन्न लेखा ग्रधि-कारी श्रीर्हें एन० राधाकृष्णन 31 भक्टूबर 1974 के अपराह्म में प्रिधिवाणि की खबस्था पाकर सेवा निवृक्त हुए।

भार० सी० वर्ष, महालेखापाल, केरस ।

कार्यालय महालेखाकार, उत्तर प्रदेश : इलाहाबाद, दिनांक 18 नवम्बर 1974

सं० प्रशासन-1/11-144/XI (II)/267--महालेखाकार, उत्तर प्रदेश (प्रथम) इलाहाबाद ने निम्नंक्तित अनुभाग प्रधिकारियों को उनके नामों के सामने शंकित तिथि से भागामी भादेश पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापक्ष लेखाधिकारी नियुक्त किया है:--

सर्वेश्री

 वी० एम० बोरबनकर 	1 5-1 0-7 4
	(भ्रपराह्न)
2. ए० फे० जैन	16-10-74
3. जयदेव बोस	26-10-74
	(श्रपराह्म)
 सुशील कुमार गुप्ता 	30-10-74
भूपेन्द्र सिद्द जौहर	1 1-1 1 -7 4
6. भादया प्रसाद	11-11 -74
4	(भपराह्न)
 बद्री प्रसाद तिवारी 	14-11-74
	मू० रामचन्द्र राव,
	वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग कार्यालय रक्षालेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1974

सं० 23012(1)/73/प्रशा० ए०—रक्षा लेखा महानियंत्रक निम्नलिखित स्थायी लेखाकारों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के पूर्वाह्म से मूल पदधारी लेखा ग्रधिकारियों के रूप में नियुक्त करते हैं:--

त्रम सं०	नाम	संगठन जिसमें सेवारत हैं।	प्रभावी तारी ख
(1)	(2)	(3)	(4)
 स	र्वश्री		
1.	के० पी० क्षोस	रक्षालेखा नियंत्रक,	1-5-1974
		पटना	

1	2	3	4	_1	2	3	4
2.	पी० एम० गुप्ता	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-5-1974	15.	रूप चन्द शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-7-1974
3.	देवराज खट्टर	रक्षा लेखा नियंत्रक, (श्रन्य रैक) उत्तर,	1-5-1974	16.	विष्णु दत्त	रक्षा लेखा नियंत्रक, (पेंशन) इलाहाबाद	1-7-1974
4.	गु रूनक् स सिंह मे ह ता	मेरठ	1-5-1974	17.	एस० एन० भल्ला	रक्षा लेखा संयुक्त नि- यंत्रक (निधि) मेरठ	1-7-1974
5.	योगिन्द्र पाल सोनी	पटना रक्षा लेखा नियंत्रक, उसरी कमान, जम्मू	1-5-1974	18.	खेम चन्द ग्रग्रजाल	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-7-1974
6.	द्वारका नाथ	रक्षा लेखा नियंतक, (पेशन) इलाहाबाद	1-6-1974	19.	ए० के० चटर्जी	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-7-1974
7.	कुलवन्त सिंह बिन्द्रा	रक्षा लेखा नियंत्रक, (बायु सेना) देहरा- दून	1-6-1974	20.	भ्रोम प्रकाश मलिक	रक्षा लेखा नियंत्रक, (ग्रन्य रैंक) उत्तर मेरठ	30-7-1974
8.	एस० सी० गराई	रक्षा लेखा नियंत्रक, . पटना	1-6-1974	21.	के० ए० माध य न (से <mark>वा निवृत्त हो</mark>	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फॅक्ट्रीज) कलकत्ता	1-8-1974
9.	कृष्ण साल ग्रग्नवाल	रक्षा लेखा नियंत्रक, उत्तर, मेरठ	1-6-1974		गए) -ते		
10.	सोमनाथ सपरू	रक्षा लेखा नियंत्रक,	1-6-1974	22.	वी० ननजुन्दन	रक्षा लेखा नियंत्रक, (ग्रन्य रैक) मद्रास	1-8-1974
		मध्य कमान, मेरठ		23.	मदन मोहन वत्ता	रक्षा लेखा नियंत्रक,	1-8-1974
11.	बी० जी० मजुम- धार	रक्षा लेखा महा-नियंत्रक नई दिल्ली ।	1-6-1974			(म्रन्य रैंक) उत्तर मेरठ	
1 2.	एफ० एक्स० डी० मेलो	रक्षा लेखा नियंत्रक, (नौसेना) बम्बई	1-6-1974	2 4.	धर्मवीर (सेवा निवृत्त हो	रक्षा लेखा नियंत्रक, पृथ्चिमी कमान,	1-8-1974
13.	हरी चन्द	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-6-1974	25.	गए) श्रोम प्रकाश कन्सल	मेरठ रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-8-1974
14.	म्रार० रघुनाथन	रक्षा लेखा नियं त्र क, (म्रन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	1-6-1974	26.	के० बी० श्ररवामुदन		1-8-1974

दिनांक 20 नवम्बर, 1974

मं० 40011(2)/74-प्रभा० ए०—(क) वार्धक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्निविश्वित लेखा भिधकारियों को उनके सामने लिखी तारीख से पेंशन स्थापना को अन्तरिन किया जाएगा ।

क्रम नाम रोस्टर सं० महित सं०	ग्रेड	ता रीख जि ससे वेंजन स्थापना को अन्तरित किया	संगठन
1 2	3	4	5
सर्वभी			
 के० की० दसा (पी/169) 	. स्थामी ले खा त्रधिकारी	31-3-75 (श्वराज)	रका लेखा नियंत्रक, (वामु सेना), देहरादून।
2. जी०वी०साठे (ग्रो/127) .	. स्थानायन्न लेखा प्रधिकारी	(वाराता) 31-12-74 (ब्रयराह्म)	रक्षा लेखा नियंत्रक, (भ्रक्तसर), पूना।

(1) (2)	(3)	(4)	(5)
3. ई० लक्ष्मणन (श्रो/197)	. स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी	31-1-75 (म्रगराह्म)	रक्षा लेखा नियंत्रकः, (दक्षिणी कमान), पूना ।
4. राम सरन दास (মৃ৹ नि৹ नहीं हुमा)	. स्थानापन्न लेखा मधिकारी	30- 4 -7 5 (घ्राराह्म)	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।

^{2.} सर्वश्री बी०पी० साठे श्रीर राम सरन दास स्थानापन्न लेखा भधिकारियों को सेवा निवृत्ति पूर्व 16-11-74 से 31-12-74 और 1-1-75 से 30-4-75 तक कमानुसार श्रजित छुट्टी मंजूर की गई है।

(ख) तिम्त को इस कार्यालय की श्रिधिमूचना सं० 40011(2)/74-प्रशा० ए० दिनांक 20-8-74 के पैरा 2 के रूप में जोड़ें।

"श्री ग्रार० रामाचन्द्रन, स्थायी लेखा ग्रधिकारी, को सेवा निवृत्ति पूर्व 20-9-74 से 31-10-74 तक ग्रजित छुट्टी मंजूर की गई है"।

दिनांक 21 नवम्बर, 1974

सं० 40011 (2)/74-प्रशा० ए०--बार्धक्य निवर्तन की श्रायु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा प्रधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख से पेंशन स्थापना को अन्तरित किया जाएगा।

क्रम नाम रोस्टर सं० सहिस सं०	ग्रेड	तारीख जिससे पेंगन स्थापना को भ्रन्तरित किया जायगा ।	संगठन
 सर्वेश्री			
 एस० एम० हिंगे (पी/465) 	. स्थायी लेखा ग्रधिकारी	28 - 2-75 (ग्रपराह्न)	रक्षा लेखा नियन्नक, दक्षिणी कमान पूना।
2. की०पी० राव (पी/571) .	. स्थायी लेखा ग्राधिकारी	31-1-75 (म्नपराह्न)	**
 पी० एन० मिश्रा (पी/579) . 	. स्थामी लेखा श्रधिकारी	31-1-75 (भ्रपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज), कलकत्ता।
4. जे० ग्रार० दाम गुप्ता (ग्रो/78)	. स्थानापन्न लेखा ग्रधिका	री 31-1-75 (भ्रपरा त्र)	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज), कलकक्षा।
5. ए० के० सेन $(श्रो/192)$.	स्थानापन्नलेखा श्रधिकाः	ति 31-1-75 (भ्रयराह्न)	रक्षा ले खा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज), कलकत्ता।
 एस० के० दत्ता (भ्रो/298) . 	. स्थानापन्न लेखा ग्रधिकार	ो 31-1-75 (श्रपरा ह)	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फ ैंक ्ट्रीज) <i>,</i> कलकला।
7. हिरोनमोय बैनर्जी (श्रो/369)	. स्थानापन्न लेखा श्रधिकार	ो 31-1-75 (श्रपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज), कलकत्ता।
8. टाकुर दाम (ग्रभी नियत नही हुन्ना)	. स्थानापन्न लेखा प्रधिकाः	री 30-11-74 (श्रपराह्म)	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना ।

एस० के० सुन्दरम रक्षालेखा भ्रपर महानियंत्रक

महानिवेशालय, आईनेन्स फैक्टरियां भारतीय आईनेन्स फैक्टरियां सेवा,

कलकत्ता, दिनांक 23 नयम्बर 1974

सं० 48/74/जी०—सेवा निवृत्ति पूर्व भ्रवकाण की समाप्ति पर, श्री एम० पी० प्रभाकर, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 31 जुलाई, 1974 से सेवा निवृत्त हुए। दिनांक, 28 नवम्बर, 1974

सं० 49/74/जी---58 वर्षे की आयु प्राप्त कर, श्री ए० सौन्द्रराज, स्थानापन्न महाप्रबन्धक ग्रेड-1 (स्थायी उप-महाप्रबन्धक) दिनांक 20 सितम्बर, 1974 (अपराह्म) मे सेवा निवृत्त हुए। एम० पी० श्रार्० पिल्लाय, सहायक महानिदेशक,

े आ**र्डनैस फै**क्टरीज

श्रम मंद्रालय

नई दिल्ली, दिनाक 22 नवम्बर 1974

सं० ए-38012/2/74-एम-2 कोयला खान श्रम कल्याण निधि सगटन, धनबाद के श्रधीन श्री जे० बी० भावे, मुख्य कल्याण श्रधिकारी (खान) भुली, धनबाद, याद्र्धक्या की श्रायु प्राप्त करने के परिणाम-स्वरूप 24 फरवरी, 1974 के श्रपराक्ष से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

> बी० के० सक्सेना, ग्रवर सचिव

वाणिज्य मंह्रालय

मुक्य-नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय आयात तथा निर्यात व्यापार नियंद्रण स्थापना

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1974

सं० 5/8/70-प्रशा०(जी०)---मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात एतद्धारा निम्नलिक अधिकारियों को प्रत्येक के सामने संकेतिक दिनांक मे श्रायात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण संगठन, वाणिज्य मंत्रालय में महायक नियंत्रक, श्रायात-निर्यात (1-2-1970 मे नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के रूप मे पुनः नामोदिद्य किया गया) के पद पर स्थाई करते हैं:---

क० नाम वह तिथि जिससे वह रिक्त पद टिप्पणी सं० स्थाई किया गया जिसके स्थान पर स्थाई किया गया

श्री पी० मी० भटनागर 1.12.67 श्री सर्दूल सिंह के स्थान पर जो नियंत्रक श्रेणीर के रूप में स्थाई किए गए।

2. श्री भार० मी० सचदेव 1.12.67 श्री के० एल० नागरकुट्टी के स्थान पर जो नियंक्षक श्रेणी-1 के रूप में स्थाई किए गए।

> ध्राणुतोष मुखर्जी, उप मुख्य नियन्नक, कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 20 नवम्बर 1974

तं० 6/815/67-प्रशा०-(राज०)--मेवा निवर्तन आयु प्राप्त होने पर, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के श्रनुभाग प्रधिकारी श्री जगदीण चन्द्र ने 31 श्रक्तूबर, 1974 श्रपराह्म को नियंत्रक, श्रायात-निर्मात के पद का कार्यभार इस कार्यालय में सौप दिया।

दिनांक 22 नवम्बर 1974

सं० 6/505/58-प्रणा० (राज०) — राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचि-वालय सेवा के ग्रनुभाग ग्रधिकारी वर्ग के स्थाई श्रधिकारी श्री ग्रार० के० घोष को 31-81974 (अपराह्न) से 30-11-1974 (अपराह्न) या जब तक एक स्थाई श्रीधकारी कार्यभार ग्रहण न करे इन में जो श्रविध पहले हो, उस तक के लिए उसी सेवा के वर्ग-1 में स्थानायझ रूप में नियुक्त करते हैं।

 राष्ट्रपति श्री श्रार० के० घोष को पूर्वोक्त श्रवधि के लिए इस कार्यालय में उप-मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात भी नियुक्त करते तैं।

मं० 6/254/54-प्रशा० (जी०) — श्री बी० एम० श्रीकुमारन नय्यर, स्थाई संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात (संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात) ने संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में 4-11-1974 (पूर्वाह्म) में संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के पद का कार्यभार सौंप दिया श्रीर मेवा निवृत्ति से पूर्व की एक सौ सत्नह दिनों की श्राजित छुट्टी पर चले गए।

श्री नयर की सेवा-निवृत्ति की तारीख 28-2-1975 (भ्रपराङ्ग) है।

सं० 6/428/56—प्रशा० (जी०)—राष्ट्रपति, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, भायात-नियति के कार्यालय बम्बई में श्री डी० के० खोसला नियंत्रक श्रेणी—1 को उसी कार्यालय में 1-10-1974 मे तीन महीने की श्रवधि के लिए या जब तक स्थाई व्यवस्था नहीं हो जाती है, इन बोनों में जो भी पहले हो, उम भ्रवधि के लिए उप मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० 6/273/54-प्रशा० (जी०) — राष्ट्रपति, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई मे श्री बी० सी० बनर्जी, स्थानापन्न उप मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात को उसी कार्या-लय में 1-10-1974 से तीन महीने की श्रवधिं के लिए या जब तक स्थाई व्यवस्था नहीं हो जाती है, इन दोनों में से जो भी पहले हो, उस श्रवधि के लिए उप लोहा तथा इस्पात नियंत्रक के रूप में कार्य करने के लए नियुक्त करते है।

सं० 6/341/56-प्रशा० (जी०) -- गष्ट्रपति, संयुक्त मुख्य निमंद्रक, श्रायान-निर्मात के कार्यालय, बस्बई में श्री एस० वेंकट सुषामणियम, प्रथम श्रेणी नियंत्रक को उसी कार्यालय में 1-10-1974 में तीन महीने की श्रवधि के लिए या जब तक स्थाई व्यवस्था नहीं हो जाती है, उन दोनों में में जो भी पहले हो, उस अवधि के लिए उप मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के रूप में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करने हैं।

बलदेव कुमार, मुक्य नियंत्रक

वस्त्र आयुक्त कार्यालय

बम्बई 20, दिनांक 20 नवम्बर 1974

सं० 10(1)/73-74/सी० एल० बी०-II-कपास नियं-त्रण आदेश, 1955 के खण्ड 5 (1) में प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए में एतद्द्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 10(1)/ 73-74/सी० एल० बी०II दिनांक 11--अप्रैल, 1974 में निम्न-लिखित प्रतिरिक्त संशोधन करता हूं, अर्थात् :--

उक्त ग्रधिमूचना के सलग्न धनुसूची मे--

- (1) स्तभ 3 ("परिमाण") में अमसख्या 2 के सामने की विद्यमान प्रविष्टि में "2/1/2 माम" इन प्रको भीर शब्दों के स्थान पर "3 मास" ये अंक भ्रीर शब्द प्रतिस्थापित किए आएंगे।
- (2) स्तंभ 3 ("पिरमाण") में कमसंख्या 3 के सामने की विद्यमान प्रविद्यि में "2 मास" इन श्रंकों और शब्दों के स्थान पर "2 1/2 मास" ये श्रंक श्रौर शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

दिनांक 25 नवस्वर 1974

सं० सी० ई० आर०/6/74—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खण्ड 34 में प्रवस शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व स्वीकृति से मैं एतद्द्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० टी० सी० (12)/58, दिनोक 7 मार्च, 1958 में निम्नलिखिन अतिरिक्त संशोधन करता हूं, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारण के स्तंभ 2 घौर 3 में कम-संख्या 13 के सामने की विद्यमान प्रविष्टिभों के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

ऋ० सं० भ्रधिकारी का पदनाम

राज्य का नाम

"13 (एक) निदेशक खाद्य भीर रसद मध्य प्रदेश, भोपाल

संपूर्ण मध्य प्रदेश

- (दो) उप निदेशक, खाद्य श्रीर रसद मध्य प्रदेश, भोपाल।
- (तीन) सहायक निदेशक, खाद्य श्रीर रसद मध्य प्रदेश, भोपाल।
- (चार) सभी जिलाधीश मध्य प्रदेश

उनके संबंधित धिकार क्षेत्र में"

गौरी शकर भागेव, संयुक्त वस्त्र भागुक्त

उद्योग तथा नागरिक संभरण मंद्रालय, (औद्योगिक विकास विभाग) कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) नई दिल्ली, दिनांक नवस्थर 1974

सं० ए०-19018/130/74--योजना घायोग मे भनुसंधान मधिकारी के पद पर नियुक्त हो जाने पर श्रीमती भन्जिल बोस ने बिकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड-2) के पद का कार्यभार दिनांक 30 सितस्बर, 1974 के ग्रपराह्म से छोडा।

के० की० नारायणन्, निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति विभाग पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय (प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर, 1974

मं० ए-17011(76)74-प्र-6--महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, निरक्षण निदेशक, वर्नपुर के कार्यालय मे भंडार परीक्षक (परख) श्री श्रार० के० चक्रवर्ती को दिनाक 30-9-74 के पूर्वाह्म मे श्रागामी श्रादेणों के जारी होने तक निरीक्षण निदेशक, जमशेषपुर के कार्यालय में महायक निरीक्षण श्रिधकारी (धानु-रसायन) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनाक 7 नवम्बर, 1974

स० प्र-6/247(155)/58—पूर्ति तथा निपटान महा-निदेशालय के प्रधीन कलकत्ता निरीक्षण मंडल में भारतीय निरीक्षण मेवा, श्रेणी-1 के ग्रेड-1 में स्थानापन्न निरीक्षण निदेशक तथा स्थागी उपनिदेशक निरीक्षण श्री एल० एम० राग्न निवर्तन ग्राम् होने पर विनाक 30-9-74 के भ्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

मं० प्र-6/247 (285)/60—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा श्रेणी-1 के ग्रेड-III की धातुकर्म शाखा में सहायक निरेशक निरीक्षण श्रीश्रार० एम० रुद्धा को 7-9-74 के भपराह्म से तथा श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक सेवा के ग्रेड-II में उप निदेशक निरीक्षण (धातु) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री रुद्धा ने सहायक निरीक्षण निदेशक (धातु) का कार्यभार छोड विया तथा 7-9-74 के धपराह्म से धातुकर्म निदेशालय बर्नेपुर, में उप निदेशक निरीक्षण (धातु) का कार्यभार संमाल लिया।

दिनांक 21 नवम्बर, 1974

स॰ प्र-1/1 (71)—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-II में उप निदेशक
(निपटान) श्री एस॰ एन॰ बनर्जी को दिनांक 7 नवम्बर, 1974
के अपराह्म से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-I में निदेशक
(प्रगति) के पद पर तदर्थ माधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त
करने हैं।

स० प्र-1/1(935)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्बारा उप महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, कलकत्ता के कार्यालय में प्रवर क्षेत्र प्रधिकारी श्री ए० बसक को दिनांक 31-10-1974 के पूर्वाह्म से तथा भागामी भादेशों के जारी होने तक उसी निदेशालय, कलकत्ता में सहायक निवेशक (प्रगति) (भेड-II) के पद पर तदर्भ भाधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर श्री बसक की नियुक्ति पूर्णतः भस्याई श्राधार पर तथा श्री एम० कुप्पुस्वामी द्वारा उच्च न्यायालय, दिल्ली में दायर दीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के श्रधीन होगी।

म० प्र-6/247(192)/59—पूर्ति तथा निपटान महा-निदेशालय के प्रधीन बम्बई निरीक्षण मण्डल में भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी-1 की वस्त्र शाखा के ग्रेड-II में स्थानापन्न उप निदेशक निरीक्षण तथा स्थायी सहायक निरीक्षण प्रधिकारी (वस्त्र) श्री एस० सी० बक्शी दिनाक 31-10-74 के प्रपराह्म से सेवा निवृत्त हो गए। सं० प्र-1/1(928)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्दारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशासय, नई दिल्ली में भवर क्षेत्र भिधकारी श्री बी० डी० कथूरिया को दिनांक 11-11-74 के पूर्वाह्म से तथा धागामी भ्रावेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में महायक निदेशक (निपटान) (ग्रेड-II) के पद पर तदर्थ भाधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

2. श्री कयूरिया की नियुक्ति पूर्णत : मस्थाई माधार पर तथा श्री एम० कुप्पुस्त्रामी द्वारा उच्च न्यायालय, दिल्ली में दायर दीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के मधीन होगी।

विनांक 30 नवम्बर 1974

सं० प्र-6/247(323)/61 भाग-III—श्री भार० सी० भट्टाचार्य की भारतीय निरीक्षण सेवा (श्रेणी-I)के ग्रेड-III (धातु शाखा) में सहायक निरीक्षण निदेशक (धातु) के पद से भवनित होने पर उन्होंने दिनांक 29-10-73 के पूर्वाह्म से बर्नपुर निरीक्षण मंडल में सहायक निरीक्षण भिष्ठकारी (धातु) का पदमार संमाल लिया।

एस० के० जोशी उप निदेशक (प्रशासन) कुले महानिवेशक पृति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवस्थर, 1974

सं० प्र-1/1(390)—राष्ट्रपति. पूर्ति तथा निपटाम महा-निदेशालय, नई विल्ली में भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड—II में उप निदेशक पूर्ति श्री ग्रार० एन० दास को दिनांक 7 नवम्बर, 1974 के पूर्वाह्म से तथा ग्रागामी ग्रादेशों के जारी होने तक इसी महानिदे-शालय, नई विल्ली में भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड—I में पूर्ति निदेशक के पव पर तथर्ष ग्राधार पर स्थानापश रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० प्र-1/1(927)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई विल्ली में अपर क्षेत्र अधिकारी श्री के० के० मल्होत्ना को विनांक 4 नवम्बर 1974 के पूर्वाह्म से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय नई दिल्ली में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

ं श्री मल्होत्रा की नियुक्ति पूर्णतः प्रस्थाई तथा श्री एम० कुप्पुस्वामी द्वारा उच्च न्यायालय दिल्ली में दायर दीवानी याचिका सं०739/71 के निर्णय के अधीन होगा।

सं० प्र-6/247 (601)/66—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी-I के प्रेड-III की वस्त्र भाखा में निरीक्षण प्रधिकारी श्री श्री पी० के० बसु को दिनांक 11-9-74 के पूर्वाह्म से प्रागामी प्रादेशों के जारी होने तक सेवा के ग्रेड-II की वस्त्र शाखा में उप निदेशक निरीक्षण के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री बसु ने दिनांक 7-9-74 के भपराह्म को बम्बई निरीक्षण मण्डल में निरीक्षण भधिकारी (वस्त्र) का पदभार छोड़ दिया तथा 2—386 GI/74 11-9-74 के पूर्वाह्न को उत्तरी निरीक्षण मण्डल, नई दिल्ली में उप निदेशक निरीक्षण (वस्त्र) का पदभार संभाल लिया।

सं० प्र-1/1 (335)—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महा-निदेशालय, नई दिल्ली में भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-III में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-I) श्री एन० के० साहा को दिनांक 7 नवम्बर, 1974 के श्रपराह्म से तथा श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-II में उप-निदेशक (निपटान) के रूप में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 नवम्बर 1974

सं० प्र-6/247(627)/71—श्री झार० भार० शास्त्री का सेवा से त्याम पन्न स्वीकार हो जाने पर उन्होंने दिनांक 19-10-74 के अपराह्म से कलकत्ता निरीक्षण मंडल में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार छोड़ दिया।

दिनांक 21 नवस्थर 1974

सं० प्र-1/1(966)—महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान एतवृद्वारा सर्वश्री श्री सुदेश कुमार बन्धु, चरण सिह कटारिया तथा राजेन्द्र कुमार गुप्त को दिनांक 1 नवम्बर, 1974 के पूर्वाह्म से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 नवम्बर 1974

सं० प्र-1/1(1005)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशक, मद्रास के कार्यालय में गोदी निरीक्षक श्री पी० रामचन्द्र चेटी को दिनांक 26-10-74 के पूर्वाह्म से तथा ग्रागामी ग्रादेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय, मद्रास में सहायक (ग्रेड-II) के पद पर नदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्ति करते हैं।

श्री चैटी की सहायक निवेगक (ग्रेड-II) के पव पर नियुक्ति पूर्णतः ग्रस्थाई तथा श्री एम० कुप्पुस्वामी द्वारा उच्च न्यायालय, विल्ली में दायर दीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के ग्रधीन होगी।

सं० प्र-1/1(1007)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एसद्द्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशक बम्बई के कार्यालय में प्रवर क्षेत्र प्रधिकारी श्री ए० एम० परांजपे को दिनांक 31-10-74 के पूर्विह्वन से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति निदेशय बस्त बम्बई, के कार्यालय में सहायक निवेशक (ग्रेड-II) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री परांजपे की सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के रूप में नियुक्ति पूर्णंत ग्रस्थाई तथा श्री एम० कुप्पुस्वामी द्वारा उच्च न्यायालय, दिल्ली में दायर दीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के श्रधीन होगी।

एस० के० जोशी, उप निदेशक (प्रशासन)

इरपान और खान मंत्रासध

(खान विभाग)

भारतीय खिम विभाग

नागपूर, दिनांक 22 नवस्वर 1974

सं० ए० 19012(67)/73-सि० ए०--श्री प्रेम श्रीवारतव. प्रवर तकती ही सहायक (भूविज्ञात), भारतीय खित विभाग का दिताक 29 अस्टूबर, 1974 के पूर्वाह्म से धागामी खादेण होने तक उसी विभाग में तदर्थ खाधार पर सहायक खनत भूबैज्ञानिक के पद पर स्थानापन्न रूप में पदोद्यति प्रदान की जाती है।

> ए० के० राघवाचारी प्रवर प्रशासन श्रशिकारी कुते नियतक

भारतीय भवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकना-13, दिनाक

1974

सं० 2251 (एन० मी० एम०)/19की—श्री एन० मी० मजुमदार को डिलर के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक भर्वेक्षण में 650-30-740-35-810-दै० रो०-35-880-40-1000-दै० रो०-40-1200 क० (परिणोधित) के न्यूननम वेतन पर स्थानापक क्षमता में, यत्य धादेण होने तक, 26 मितम्बर, 1974 के प्रविह्न में निमुक्त किया जाता है।

दिनांक 31 श्रन्ट्बर, 1974

सं० 2223 (एम० श्रीर० एम०)/19ए---आरतीय भू-वैज्ञातिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भृविज्ञान) डा० एम० राम मूर्ति की सहायक भृवैज्ञातिक के रूप में उसी विभाग में वेतन त्रियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-10-1200 रुपये के वेतनमान में श्रुम्थायी अमता में, श्रन्य श्रादेण होने तक 1-10-74 के पूर्वाह्य में नियुक्त किया जाता है।

रिनक्त 16 नवम्बर, 1974

मं० 2251 (बीधी)/19धी—भारतीय भ्वैज्ञानिक सर्वेक्षण के विश्विष्ठ हिलिंग महायक श्री विभास बनर्जी को उसी विभाग में ज़िलर के रूप में बेनन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-११। 40-1000-द० रो०-40-1200 र० (परिणोधिन) वेसनमान में, अस्थाई क्षमता में, अस्य आदेण होने तक 21 चक्त्वर 1974 के प्रवीह्न में परोधित पर नियुक्त किया जाता है।

दिनाक 18 नवम्बर, 1974

मं० 264 (23/डी) X19 भी—खितिज समत्वेषण विगम लि० (मितरण एवरेग्लोरेणन अपिरिशन लि०) से परायतं । पर मर्बश्री बी० मुग्रमित्यन और ए० के० नन्दी ने ड्रिलर के पर का कार्यभार भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में उसी क्षमता में 4 नवम्बर, 1974 के पूर्वीह्न में संभाल लिया है।

म० 2222 (एमकेबी)/19ए--श्री सरोज उत्पार बच्चा को महायक वैज्ञानिक के रूप में भारतीय भवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 के माहबार के भ्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-देंग रोज-35-880-40-1000-देंग रोज-40-1200 के के वेतनमान में ग्रम्भाई क्षमता में, ग्रन्थ भ्रादण होन तक, 1-10-74 के पुर्वोद्ध में नियुक्त किया जाता है।

> मी० करुणाकरन महा-तिदेशक

भारतीय प्राणी विज्ञान सर्वेक्षण विभाग :

कलकता-12, दिनांक 5 नवस्वर 1974

स० एक० 92-92-74-स्थापना-14191—श्रीमित मितका गृहा स्थानापत्र वरिष्ठ प्राणि विज्ञान सहायक, भारतीय प्राणि विज्ञान सर्वेञ्चण विभाग, को सहायक प्राणि वैज्ञानिक (राजपवित, द्वितीय श्रेणी) के रूप में तदर्थ श्राधार पर भारतीय प्राणि विज्ञान सर्वेञ्चण विभाग के प्रधान कार्यालय क्लाका में 21 ग्रक्टूबर, 1974 (पूर्वाह्न) से श्रामामी श्रादेणों तक नियुक्त किया जा रहा है।

डा० एम० खेरा उप-निदेशक प्रभारी भारतीय प्राणि विज्ञान सर्वेक्षण विभाग

भारतीय सर्वेज्ञण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादुन, दिनाक 28 नवस्बर 1974

सं० दि०-1-4920/724-भ० का०स०—श्री सावित्या सहाय को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में सहायक भरार ग्रिविकारी के श्रस्थाई पद पर सामान्य केंद्रीय स्वया श्रेणी मि से 350 रु० पतिमाह वेतन पर, 350-25-575 रु० के वेतनसात में विमाक 5 तबस्बर, 1974 पुर्विद्ध से श्रमते श्रादेण दिये जान तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

> हरी नारायण महा-सर्वेञ्चक, भारत

केन्द्रीय राजस्य नियंत्रण प्रयोगशाला

नई दिल्ली। दिनामा ३० ग्रमटूबर 1974

स० 3/1974—स्थानापन्न होने पर डा० खादिम हरोन.
महायक रमाधन परीक्षक नर्वान गोमाणत्क गृह प्रयोगणाला बम्बई न दिना 5 9 प्रकट्वर, 1974 (पू०) में केन्द्रोय उत्पादन णृत्क रीजनत प्रयोगणाला चडीदा में उमी क्षमता में कार्यभार मंभाल तिथा है।

सं० 2/1974---स्थानापच होने पर श्री के० जी० नारायणन, महापक रमायन परिक्षतः नेन्द्रीय उत्पादनण्डा प्रयागणाला चित्रदोई (प्रमम) ने विनाम २० गित्रपेर, 1974 (पू०) गे.नेबीन सीमाण्डल गृह प्रयोगणाला बम्बई में उसी क्ष्मता में कार्यभार संभाज लिया है।

> वं० गा० रामनाथस गुरुष रसायनअ,केन्द्रीय राजस्य

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनाक 22 नवरबर 1974

ग० 20 (ए-4)-12/61-ए-1--श्री जे० आर० गुट्टा, पुरानेखाधिकारी (प्राच्य श्रभिलेखा), राष्ट्रीय श्रभिलेखागार, नर्ट दिल्ली श्रधिवाणिकी प्राप्त हो जाने पर दिनाक 31 श्रवदूबर 1974 के श्रपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त (रिटायर) हो गये।

सं० फा०-11-2/74-1---प्रिभितेख-निदेशक, भारत सरकार, इसके द्वारा थी एम०मी० बोस, सहायक पुरालेखाधिवारी (पदश्रम 1) (सामान्य) का, जो यभी परराष्ट्र मवालय में प्रतिनिध्कित पर १ए हैं, राष्ट्रीय प्रिभितेखागार में दिनार 27 अगस्त 1974 (पूर्वाह्न) से आगामी प्रादेश पर्यन्त मूल नियम 30 (1) के नीचे के परन्तुक (तिश्चम्न नियम) के प्रधीन पुरालेखाधिकारी (सामान्य) के पद पर ग्रीवचारिक (प्रोफोर्मा) पदोन्नित प्रदान (समोदित) करते हैं।

एल० डी० श्रजमानी प्रणायन अधिकारी राष्ट्रीय अभिलेखागार, **कृते** श्राभलेख-निदेशक,

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग राष्ट्रीय एटलस संस्था

नलकत्ता-19, दिनाक । 8 नवस्त्रर, 1974

ग० 20-12/72/स्था०---भी सुभाषचन्द दत्ता का राष्ट्रीय एटलम संस्था में वैज्ञानिक कश्चिमारी क पद पर 1 नवस्वर, 1971 में आगामी प्रादेश तथ श्रम्थायी रूप से नियुक्त विधा जाता है। एस० पी० दास गण्य,

सिदेशकः

आकाशवाणी महानिवेशालय (सिविल निर्माण स्कंध)

नई दिल्ली, दिनाक 10 नवभ्बर, 1974

संव ए-12026/ ∜72-गि० नि०—महानिदेशक, स्राकाण-वाणी, केन्द्रीय मार्वजनिक निर्माण विभाग के महायक आकिटेक्ट श्री बी० एम० भराफ को आकाणवाणी के सिविन निर्माण स्कक्ष में क० 650-1200 के ग्रेड में महायक स्राक्तिटेक्ट के रूप में दिनाक 16-10-74 (पूर्वाह्म) में प्रथमन एक वर्ष की श्रवधि के लिए प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त करने हैं।

> प(० ए० सोलोमन, महप उन्नीतियर के उन्नोतियरी ऋधिकारी (सिविल) **छ**ते महानिदेशक

स्थास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिन(क 11 जलाई, 1974

म० 41-38/74-डीं०---ग्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने विभागीय पदोन्ननि समिति की सिफारिश पर श्री डीं० के० कुलकर्णी को

पहली स्रप्रैल, 1974 (पूर्वाह्म) में श्रौर श्रामाभी स्रावेणे। तक कन्द्रीय श्रोषधि मानक नियंत्रण संगठन, कोचीन में तकनीकी श्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

> पी० एर ० रामचन्द्रन, आर्थाध नियन्नक (भारत) कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

नई दिल्लो, दिनाक 22 नवम्बर, 1974

य० 20-7/74-मी० जी० एन० एम०-1--- हा० (श्रीमती) इदिश भट्टाचार्य ने प्रपने त्याग-भव की स्वीकृति के फलस्वरूप 31 जनवरी, 1974 को श्रपशह्न में केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य बोजना नई दिल्लो के प्रधीन कनिष्ठ चिकित्मा श्राधकारी (तदर्थ) के पद का कार्यमार त्याग दिया।

गं० 20-89/74-मी० जी० एच० एम०-1—केन्द्रीय मरकार स्वास्थ्य योजना, ादल्ली के कनिष्ठ चिकित्सा श्रिधकारी तदर्ष डा० ज्ञान अरोग ने अपने त्याग-पत्र की रवीकृति के पत्रस्वरूप 7 अक्टूबर, 1974 को अपराह्म में केन्द्रीय मरकार स्वार्थ्य योजना, दिल्ली के अर्धान कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनाक अनवम्बर 1974

म० 30-10/74-मि जी० एन० एस०-1-स्वास्थ्य मेवा महानिदेशक ने डा० सुरेन्द्र बहादुर सिह को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के अधीन केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में 5 नवस्वर, 1974 अपराह्न से और आगामी प्रादेशों तक होस्योपैधिक चिकित्सक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक-26 नवम्बर, 1974

स० 20-74/74-सी० जी० एच० एस०-1--केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य याजना दिल्ली के कनिष्ठ चिकित्साधिकारी द्वा० धार० के० सनूजा और डा० एस० सी० चित्कारा ने अभण. 18 रितन्बर, 1974 (श्रपराह्म) और 21 सितम्बर, 1974 (श्रपराह्म) की अपने-श्रपने पद्दों का कार्यभार त्याग दिया।

कें० वेणुगोपाल, उप-निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनाफ 21 नवश्बर, 1974

म० 34-45/74-मी० एन० एम०-1---स्वास्थ्य सेवा महा-निदंशक ने डा० एम० वी० वेपा को 13 ग्रगस्न, 1974 पूर्वाह्म मे ग्रागामी ग्रादेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बस्बई मे शनिष्ठ चिकित्सा ग्राधकारी के पद पर तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया है।

दिनाक 22 नवम्बर, 1974

मं 48-23/73-मी० एच० एस०-1--स्वारध्य सेवा महा-निदेशक ने एसद्द्वारा डा० (श्रीमती) कृष्णा निवारी को 23 अक्तूबर, 1974 पूर्वीह्न से श्रागामी श्रादेशों तक नगरीय परिवार कल्याण नियोजन केन्द्र (प्रसन्नोत्तर) जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा भौर ध्रनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में कनिष्ठ चिकित्सा धिकारी के पद पर तदर्थ भाधार पर नियुक्त किया है।

सं० 29-68/74-सी० एघ० एम०-1—डा० जे० ए० पित्रयाह्र ने भ्रपने स्थानांतरण के फलस्वरूप केन्द्रीय कुष्ठ शिक्षण भीर भनु-संधान संस्थान, चिगलपट में 4 भन्दूबर, 1974 पूर्वाह्न में निकित्सा-धिकारी (जी० डी० भ्रो० ग्रेड 1, केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा) के पद का कार्यभार त्याग दिया भीर 5 भन्तूबर, 1974 पूर्वाह्न में केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, मद्रास में उप-सहायक निदेशक के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 29-69/74-सी० एच० एस०-1-स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशक ने डा० एम० एच० केरोसनेवाला को पहली जुलाई, 1974 पूर्वाह्म से ग्रागामी ग्रादेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बम्बई में कनिष्ठ चिकित्सा ग्राधकारी के पद पर तदर्थ ग्राधार पर निमुक्त किया है।

सं० 48-36/74-सी०एच० एस०-1—केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा की द्वितीय ग्रेड जनरल ड्यूटी मधिकारी डा० (श्रीमती) मान्ति यादव ने जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा मिक्षा एवं प्रनुसंघान संस्थान पाण्डिचेरी में प्रपना स्थानांतरण होने पर 9 मक्तूबर, 1974 पपराह्म से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के मंतर्गत कनिष्ठ चिकित्सा मधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 14 मक्तूबर 1974 पूर्वाह्म को जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं प्रनुसंघान संस्थान, पाण्डिचेरी में कनिष्ठ चिकित्सा प्रक्षिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

जी० पंचापकेशन उप-निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 27 नवम्बर, 1974

सं034-10/74-एडिमन०-1-स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, श्रीमती सुरेन्द्र बधावन को 2 जुलाई 1973 से सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में श्राहारविव् के पद पर मुल हैसियत में नियुक्त किया है।

सं० 11-3/74-एडमिन-1—इस निवेशालय की 12 सितम्बर, 1974 की अधिसूचना सं० 11-3/74-एडमिन०-1 (बी०) के कम में राष्ट्रपति जी ने केन्द्रीय सिवबालय सेवा के अनुभाग अधिकारी भ्रेड के स्थायी अधिकारी श्री जी० पंचापकेशन को केन्द्रीय सिवबालय सेवा के प्रथम ग्रंड में निम्नलिखित अवधियों के लिए स्थानापक रूप से नियुक्त किया है:—

- (1) 3 श्रगस्त 1974 पूर्वीह्न से 17 सितम्बर, 1974 श्रपराह्म तक, और
- (2) 19 प्रक्तूबर, 1974 पूर्वाक्ष से 23 प्रक्तूबर, 1974 प्रपराह्म तक

राष्ट्रपति जी ने श्री जी० पंचापकेशन को उपर्युक्त ध्रवधिया के लिए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप-निदेशक (प्रशासन) के रूप में भी नियुक्त किया है।

सं० 11-3/74-एडमिन०-1(सी) — इस निवेशालय की 12 सितम्बर, 1974 की श्रिष्टिसूचना सं० 11-3/74-एडमिन-1(सी) के कम में राष्ट्रपति जी ने केन्द्रीय सिवालय सेवा के धनुभाग मधिन कारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री कृष्णचन्द मिश्र को केन्द्रीय सिवालय सेवा के प्रथम ग्रेड में 3 प्रगस्त, 1974 पूर्वाह्न से 8 नवम्बर, 1974 अपराष्ट्र न तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

राष्ट्रपति जी ने श्री कृष्णचन्द्र मिश्र को स्वास्थ्य सेवा महा-निवेशालय में उप-निवेशक (प्रशासन) के रूप में भी नियुक्त किया है।

सं० 11-3/74-एडमिन०-1 (सी०) - इस निदेशालय की तारीख 11 नवम्बर, 1974 की अधिसूचना सं० 11-3/74-एडमिन-1 (ए) के कम में राष्ट्रपति जी ने केन्द्रीय सिचवालय सेवा के अनुभाग अधि-कारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री पी० आई० पह् मनाभन को केन्द्रीय सिचवालय सेवा के प्रथम ग्रेड में निम्नलिखित ग्रवधियों के लिए स्थानपन्न रूप से नियुक्त किया है:---

- (1) पहली सितम्बर, 1974 पूर्वाह्म से 9 सितम्बर, 1974 पूर्वाह्म तक और
- (2) 10 सितम्बर, 1974 पूर्वाह्म से 30 नवस्बर, 1974 भपराह्म तक।

राष्ट्रपति जी ने श्री पी० ग्राई० पद्मनाभन को स्वास्थय सेवा महानिदेशालय में उप-निदेशक (प्रशासन) के रूप में भी नियुक्त किया है।

सं० 17-10/74-एडमिन०-1---राष्ट्रपति जी ने डा० एस० एस० गोथोस्कर को पहली नवम्बर, 1974 पूर्वाह्न से भौर धागामी धादेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में भौषध नियंत्रक (भारत) के पव पर नियुक्त किया है।

2. डा॰ एस० एस० गोथोस्कर ने स्वास्थ्य सेवा महानिवे-शालय में श्रोषध नियंत्रक (भारत) के पद पर नियुक्त होने पर पहली नवस्बर, 74 पूर्वाह्न में इसी निदेशालय में उप-श्रोषध नियंत्रक (भारत) के पद का कार्यभार त्याग दिया ।

सं० 1-15/74-एडमिन०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० डी० बनर्जी को 21 मार्च, 1972 पूर्वाह्म से श्राखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान श्रीर जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में सहायक अनुसंधान ग्रधिकारी (मनोविज्ञान) के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सं० 1-11/72-एडमिन०-1-स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने स्वर्गीय डा० (श्रीमती) बीवा बनर्जी को 21 मार्च, 1972 पूर्वाह्म से प्रखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान ग्रौर जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में ट्यूटर ब्राहारविद् के पव पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सूरज प्रशाश, जिन्दल उप निदेशक, प्रशासन

कृषि और सिचाई मंत्रालय

(सहकारिता विभाग)

विपणन और निरीक्षण निवेशालय

(प्रधान शाखा कार्यालय)

नागपुर, दिनाक 6 नवम्बर 1974

स॰ फा॰ 5/11/69-वि॰ II-भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, सीमा शुरूक की भारत के राजपत्न में प्रकाशित जीएसमार-1421, दि॰ 31-8-1963; जीएसमार-1133, 1134, 1135 दि॰ 7-8-1965, भौर जी एस भार-448 दि॰ 14-3-1964 प्रक्षिसूचनामों के लिए मैं एतद्-द्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों को प्याज, लहसुन, दाले, खाने के भ्रासू भौर श्रखरोट जिनका श्रेणीकरण कृषि उपज (श्रेणीकरण श्रौर चिह्नन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) के खण्ड 3 के भ्रधीन श्रेणीकृत सबधित पण्यों के श्रेणीकरण भौर चिह्नन नियमों के उपबन्धों के भ्रनुसार किया जा चुका है, श्रेणीकरण प्रमाण-पत्न जारी करने के लिए मधीलिखित रूप से प्राधिकृत करता हू-

नाम ग्रौर पद

पण्य जिसके लिए प्राधिकृत

- श्री प्रमोद कुमार उप धालू, वाले, प्याज, लहसुन प्र० वि० ध०
- 2 श्री ए० के० भटाचार्य, श्रखरोट उप प्र० वि० श्र०

(कृषि विभाग)

स० 2/8/74-वि०II-भारत सरकार के वित्त मन्नालय (राजस्व विभाग) विदेश घ्यापार मस्रालय, वाणिज्य मस्रालय, वित्त मस्रालय (राजस्व ग्रौर समवाय विधि विभाग) वित्त मन्नालय (राजस्व मंडल), की भारत के राजपन्न में प्रकाशित (स॰ 125, 126, 127 दि॰ 15-9-1962; स॰ 1131,1132 दि॰ 7-8-1965; स॰ 2907 दि॰ 5-3-1971; सं॰ 3601-क, 3601-ख, 3601-ग वि॰ 1-10-1971, स॰ 3099 वि॰ 3-11-1973; **स**॰ 1127 दि० 21-4-1973, स० एसमार भ्रो 3184 दि० 28-12-1956, स० 83 वि० 29-7-1961; स० 3752 वि० 26-12-1955; स० 157 दि॰ 22-6-1963; स॰ जी एस भ्रार 904 दि॰ 27-6-1964; स० 1130 दि० 7-81965; स० 12 दि० 9-6-1945; स० 1 कैम्प वि० 5-1-1946; स० 6 वि० 5-2-1949; स० 64 वि० 17-6-1961, सं०४8 दि० 24-5-1954; स०173 दि० 29-12-1954; स० 5 दि० 1 4-1-1961; स० 174 सी यू एस दि० 26-12-1964;स 448 वि० 14-3-1964; स० 1421 वि० 31-8-1963; म० 142 दि० 15-6-1962; औरस० 1133, 1134, 1135 दि॰ 7-8-1965 श्रधिसूचनाओं के लिए मैं एतदुद्वारा श्री एम॰ म्रार० मुखोपाध्याय, उर्प प्रवर विपणन श्रधिकारी, को इस म्रधि-सूचना के जारी किए जाने की तारीख से काली मिर्च, मिर्च, डलायची, साठ, हल्दी, धनिया, सोफ साबुत, मेथी, सेलरी साबुत, जीरा बीज, कढ़ी पाउडर, चन्दन का तेल, मोतिया तेल, निम्युघास तेल, खस का तेल, वनस्पति तेल, तेन्दू के पत्ते, तम्बाकू, ऊन दृढलोम, ग्रजालोम साधित पशु ग्रतडी, ग्रालू (खाने का), ग्रखरोट, हड, प्याज, लहसुन भौर दालें जिनका श्रेणीकरण कृषि उपज (श्रेणीकरण ग्रौर चिह्न् नन) ग्रधि-नियम, 1937(1937 का 1) के खण्ड 3 के ग्रधीन निर्मित संबद्ध पण्यो के श्रेणीकरण ग्रौर चिह्न निययो के उपबन्धों के ग्रनुसार किया जा चुका है, श्रेणीकरण प्रमाण-पत्न जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूं।

स० फा० 2/8/74-वि०-II—भारत सरकार के वित्त मल्लालय (राजस्व विभाग) के भारत के राजपल में प्रकाशित सं० 125, 126, 127 वि० 15-9-1962 और स० 1131, 1132 वि० 7-8-1965 अधिसूचनाभो के लिए मैं एतद्द्वारा श्री पी० रामचन्द्रन नायर, सहायक विपणन अधिकारी को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से, काली मिर्च, मिर्च, इलायची, सोंठ भौर हल्दी, जिनका श्रेणीकरण कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) के खण्ड 3 के अधीन निर्मित पण्यों के श्रेणीकरण एव चिह्नन नियमों के उपबन्धों के अनुसार किया जा चुका है, श्रेणीकरण प्रमाण-पन्न जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूं।

सं० फा० 2/8/74-वि०-II—भारत के राजपन्न भाग III खंड 1, दिनांक 21-7-73 (पृष्ठ 1840 से 1843) में प्रकाशित ग्रिधसूचनाओं स० 3 (टीएल)/2/65-वि०-II, स० 5/11/69 वि०-II और स० फा० 2/8/70-वि०-II निम्नलिखित ग्रिधकारियों के नाम को जो उक्त ग्रिधसूचना में जहां कही भी श्राया है, उक्त ग्रिधसूचना के श्रांशिक रूपातरण में रह समक्षा जाएगा

नाम	पद
 श्री फिलिप इटिएरा श्री पी० आर० पद्मनाभन 	सहायक विपणन घष्टिकारी प्रवर निरीक्षक

(सामुदायिक विकास एवं सहकारिता विभाग)

नागपुर, दिनांक 19 नवम्बर 1974

स० 3(44)/9/72-वि० II— वित्त विभाग (केंद्रीय राजस्व) सीमा मुल्क अधिसूचना स० 12 दिनाक 9 जून, 1945 तथा सीमा मुल्क अधिसूचना स० 1 केंप दिनाक 5 जनवरी, 1946 तथा भारत सरकार के वित्त मन्नालय (राजस्व सभाग) सीमा भुल्क अधिसूचना सं० 6 दिनांक 5 फरवरी, 1949 तथा भारत सरकार के वित्त मन्नालय (राजस्व सभाग) सीमा भुल्क अधिसूचना सं० 64 दिनाक 17 जून 1961 द्वारा प्रदस्त मन्नित्यों का उपयोग करते हुए मैं एसद् द्वारि। निम्नलिखित अधिकारियों को इस अधिसूचना के जारी किये जाने की दिनाक से तम्बाकू के लिये जिसका श्रेणीकरण और चिह्न नियम 1937 (सथा संशोधित) के अनुसार किया जा चुका है,

तथा जिसका निर्यात उपरोक्त श्रिधसूचनाग्रा क उपबन्धों के ग्रधीन है, श्रेणीकरण प्रमाण-पत्र जारी करने क लिये ग्रधिकृत करता ह:---

_		
	ग्रधिकारी के नाम	पद
1	श्री प्रमोद कुमार	उप प्रवर विपणन श्रधिकारी
2	श्री एन० एल० कान्था राव	विपणन ऋधिकारी
3	श्री पी० एल० विशय्त	सहायक विषणन श्रधिकारी
4	थी एच० मी० सिरका	सहायक विपणन स्रधिकारी

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (ग्राम विकास विभाग)

फरीदाबाद, दिनाक 7 नवम्बर 1974

मं० फा० 4/6(31)-73-प्र० I- — सब लोग सवा आयोग की संस्तुतियों के श्रनुसार डा० बी० एन० फाटक को विषणन एवं निरी-क्षण निदेशालय बम्बई में दिनाक 4 श्रक्तूबर 1974 के श्रपराह्म में श्रगल श्रादेश होने तक स्थानापन्न श्राधार पर सहायक विषणन अधिकारी वर्ग-II नियुक्त किया गया है।

दिनाक 23 नवम्बर 1974

स० फा० 4-6(26)-74 प्रशा०-I—श्री फिलिप इटारिया, महायक विपणन अधिकारी वर्ग-I, गुन्टूर को विपणन एव निर्राक्षण निदेशालय के क्षेत्रीय कार्यालय, नई दिल्ली में दिनाक 11 ग्रक्त्बर, 1974, के पूर्वाह्म में ग्रगले प्रादेश होने तक सवर्षे आधार पर स्थानापन्न विपणन अधिकारी, वर्ग-I नियुक्त किया जाता है।

दिनाक 25 नवम्बर 1974

स० फा० 1/167/71-प्रणा० फरी०-I—सघ लाक रावा ग्रायाम द्वारा चयनोपरान्त श्री एस० के० हजेला को उन, दृढलोस प्रीर अजालोम योजना के अधिन नई दिल्ली में दिनाक 7 सितम्बर 1973 से 6 दिसम्बर, 1973 तक निर्यासत (रंगुलर) श्राधार पर विषणन श्रिधकारी निगुक्त किया गया है।

स० फाइल 3/232/66-प्र० फरी०-1---श्री धार० सुब्र-ह्याण्यम, सहायक विषणा ग्रिधिकारी वर्ग-1, गुन्दूर, की विषणान एव निरीक्षण निवेणालय के ग्रधीन बम्बई में दिनाक 14 अप्रत्बर, 1974 के पूर्वाह्म में अगल आदेण होने तक तब्धें आधार पर स्थाना-पद्म विषणन ग्रिधकारी वर्ग-1 नियुक्त किया गया है।

स० 4-5(35)-74- प्रशा०-I—श्री एम० के० सवरवाल, सहायक विषणन ग्रिश्वारी वर्ग-I नई दिल्ली को विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय, नागपुर में दिनाक 26 श्रक्तृबर, 1974 के पूर्वाह्न से श्रगले श्रादेण होने तक तदर्थ आधार पर स्थानापन्न विषणन श्रिश्वारी वर्ग-I नियुक्त किया जाता है।

ण्न० के० मुरलीधर शव, कृषि विपणन सलाहकार

(**खाद्य विभा**ग) राष्ट्रीय शर्करा संस्था

कानपुर दिनाक अक्तबर 1974

स० ए० 2001 2/121/70-उस्टैब्लिश--श्री एस० पा० शुक्ला अनुसधान सहायक राष्ट्रीय शकेरा संस्था, कानपुर की नियक्ति स्थानापन्न रूप में श्रवर वैज्ञानिक श्रिधिकारी (शर्करा रमायन) के पद पर रु० 65(-30-710-35-810-ईबी-35-880-40-1000-ईबी-40-1200 के वेतनमान में तदर्थ श्राधार पर दिनाक 26 श्रक्त्थर, 1974 (पूर्वाह्न) में श्रागामी श्रादेश तक के लिने की जाती है।

> णन**० ए० रामैय्या,** निदेशक

भाभा परमाणु अनुसंधान केम्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बभ्बई-85, दिनाक 15 नवम्बर 1971

स० $\sqrt{415}/$ ितिकित्सा/स्था-4--भाभा परमाणु प्रनुमधान केन्द्र क नियतक श्रीमती तारा रामचन्द्र बल्मगकर एव स्थाई सहायक मेट्रन, का गट्टन श्रीमती ए० चको, जिन्हे छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 29 अप्रैल 1974 के पूर्वीह्न में 1 जून 1974 के श्रपराह्म तक के लिए स्थानापन्न मेट्रन नियुक्त करते हैं।

एम० क० एस० मुक्षमणियन, उप स्थापना आधिकारी

बम्बई-85, दिनाक 16 नवम्बर 1974

स० पी० ए०/79/(11)/72-प्रार०-4 (पी० एफ०)-सामा परमाणु अनुसधान कन्द्र के नियनक मद्रास परमाणु विजली परियोजना, कलपक्तम से स्थानान्तरण होने पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक प्रधिकारी त्री स्रार० नारायनग को भाभा परमाणु स्रनुसजान कन्द्र कलपक्तम के केन्द्रित स्पणिष्ट प्रबंध सुनिधा में 1 प्रक्तूबर 1974 के पूर्वाह्म से ध्रागामी ध्रादेण तक के लिए तदर्थ स्राधार पर स्वानायन सहायक कार्मिक स्रधिकारी नियुक्त करन है।

पी० उन्नीकृष्णन. उप स्थापना मधिकारी (भ०)

वम्बई-85, दिनाक 18 नवम्बर 1974

स० एस०/2939/स्था०-5/—हम ग्रनसधान कन्द्र के 21 जून 1973 की प्रधिसूचना स० पी० ए०/29(10)/68-ग्रार०-1 के कम में, भाभा परमाणु प्रनुसधान केन्द्र के नियवक हिन्दी भिक्षण योजना, गृह मन्नालय के स्थार्ट ग्रध्यापक श्री चन्द्र देव सिंह को 30 मार्च 197। के पूर्वाह्म में एक श्रीर मान के लिए भाभा परमाणु ग्रनुसधान केन्द्र में स्थानापन्न सहायर्क कार्मिक प्रधिकारी (हिन्दी) नियुक्त करने हैं।

दिनाक 21 सवस्बर 1974

म० सदर्भ 1/1/7/स्थापना-12/2569—भाभा परमाणु अनुसधान केन्द्र के नियन्नक यहां के स्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी श्री क्रणन सिंह रावत को श्री डी० बी० किरपलानी सुरक्षा अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 2-9-1974 (पूर्वाह्न) से 8-11-1974 (श्रपराह्न) तक के लिए स्थानापन सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करन है।

ए० शातकुमार मेनन, उप स्थापना अधिकारी

बम्बई-85, दिनाक 19 नवम्बर 1974

गं० जे० 305 विखा/स्था० III — भाभा परमाण प्रन्मधान केन्द्र के नियंत्रक ने इसी अनुस्थान केन्द्र के एक स्थाई उच्न थेणी जिपिक और लेखा प्रभाग के स्थानापरन सहायक लेखा प्रधिकारी थी णानाराम गणेण जोणी को 12-10-1974 से 4-5-1975 तक सेवा निवृत्ति पूर्व लड्डी का लाभ उठान के बाद 4 मई, 1975 के अपराह्न से स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति का श्रनुसोदन किया है।

सी० जॅ० जोसेफ उप स्थापना ग्रधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग भारापुर परमाणु बिजलीधर

थाना, दिनाक 30 श्रक्तुबर 1974

संव टीव एव पीव एसव/प्रणासन/ 735-ए—परमाणु ऊर्जा विभाग के मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु विजनीघर के स्थापित्रत् वैगिक्तिक सहायक, श्री खारव आरव बन्दूची को 21 मई, 1973 के पूर्वाह्न से 28 फरवरी, 1975 तक अथवा तब तक जब तक कि कोई व्यक्ति इस पद पर नियमित रूप से नियुक्त नहीं किया जाता है, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, उस विजनीघर में तदर्थ आधार पर सहायक कार्सिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनाक । नवम्बर 1974

गं० टी०ए०पी०एम०/प्रशासन/735-ए/1396—परमाणु कर्जा तिभाग के तारापुर परमाणु बिजलीधर के मुख्य प्रधीक्षक, तारपुर परमाणु बिजलीधर के बैयिक्तक महायक श्री कें । पी० पिल्ने की उसी बिजलीधर में तदर्थ ग्राधार पर महायक तार्मिक ग्राधिकारी के पद पर की गई नियुक्ति की ग्रविधि को 19 श्रक्तूबर 1973 के पूर्वाह्न से 28 फरवरी 1975 तक श्रथवा तब तक के लिए जब तक कि कोई त्यिक्ति कियामत कर से टम पद पर नियुक्त नहीं किया जाता है, दोनों में में जो भी पहले घटित दा, बढ़ाने हैं।

के० वार सेतृमाधवन्, वरिष्ठ प्रशासन-अधिकारी

थाना, दिनांच । नवम्बर 1974

ग० टी० ए० पी० एस०/प्रणासन/ 735-ए—स्य अधीक्षक, तारापूर परमाण विजलीघर, परमाण क्रजी विभाग, तारापूर परमाण विजलीघर के स्थायिवन वैयितिक सहायक श्री पी० गणपित की उभी विजलीघर में तदर्थ रूप से महायक कार्मिक प्रधिकारी के पद पर की गई तियुक्ति की श्रवधि को 19 अन्त्वर 1973 के पूर्वात् में 28 फरवरी 1975 तक अथवा तब तक, जब तक कि उस एवं पर किसी व्यक्ति को जिथितिक रूप ने वियुक्त नहीं किया जाता है, दोन। में में जो भी पहल हा बढाते हैं।

दिलाक 2 नवस्त्रर 1971

म ० टी० ए० पी० एस०/प्रणासत/ ७३५-ए---मुख्य अधीक्षकः, तारापुर परमाण विजलीघर परमाणु उर्जा विभाग नारापुर परमाणु विजलीघर के स्थापियत् वैयक्तिक सहायक श्री एस० ग्राई० चॅरियन को 16 ग्रगस्त 1973 के पूर्वाह्म ग 31 दिसम्बर 1974 तक ग्रथवा तब तक, जब तक कि इस पद पर िमी व्यक्ति को तियमित रूप से तियुक्त नहीं किया जाता है, दोनों में से जो भी पहले घटत हो, उसी बिजलीक्षर में तदर्थ रूप से सहायक आर्मिक ग्रिधिकारी नियुक्त करते हैं।

कें बी० सेतुमाध्यन मुख्य प्रशासन-ग्रिधकारी

क्य एउन्न भंडार निवेशालय

बम्बई-400001, दिशाक 4 नवम्बर 1974

म० डी० पी० एस०/भी०/18/स्थापना-1420—इस निदे-भलप की दिनांक 19 नगस्त 1974 की समसंख्यक ग्रिधि-ग्वना के ग्रनुक्रम में क्या तथा भंडार निदेशक ने, कय तथा भंडार निदेशालय के स्थार्थ उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न भडारी श्री ग्रार० एन० प्रभु को, सहायक भंडार श्रिधिकारी श्री के० के० शर्मा, जिन्हे छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर स्थानापन्न रूप से सहायक भटार ग्रिधिकारी नियुक्त किए जाने की ग्रवधि को 14-9-1974 से 5-10-1974 तक बढ़ने की स्वीकृति दें दी है।

> कें पी० जोसफ, प्रशासन श्रधिकारी

महास क्षेत्रीय क्रय युनिस

मद्रास-6, दिनांक 5 नवस्वर 1974

म० एम० ग्रार० पी० यू०/200(7)/74-प्रणासन/1395— क्रिय एवम् भडार के निदेशक, भाभा परमाणु ग्रनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च-श्रेणी निषिक तथा क्रम एवं भंडार निदेणालय के स्थानायन्न भंडारी श्री एच० गणपित को 11 नवस्बर, 1971 में 28 दिगम्बर 1974 तक उसी निदेशालय में स्थानायन्न रूप में सहायक भंडार श्रिधकारी नियुक्त करने हैं।

> ग्म० रंगा**चा**री ऋय श्रधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपक्कम-603102, दिनाकः 7 नवम्बरः 1974

म० ग्रार० ग्रार० मी०-II-13(9)/74-23348—रिएक्टर ग्रनुमधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, ग्रम्थायी विज्ञान-महायक 'मी०' बी थंगवेल थनिकचलम को । ग्रगस्त 1974 के प्राह्म भ ग्रागामी ग्रादेण तक के लिए इस ग्रनुमंधान केन्द्र मे विज्ञान-ग्रधिकारी (एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 नवम्बर 1974

स० ग्राग्० ग्राग्० सी०-II-13(9)/7 4-233 19—िरिएेक्टर ग्रामधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, श्रम्थायी विज्ञान-सहायक सी०' श्री मेनुपल्ले मृत्रमण्यम को 1 ग्रगम्न 1974 के पूर्वात्र में श्रागामी श्रादेश तक के लिए उसी श्रनुसधान केन्द्र में विज्ञान-श्रिकारी (एस० बी०) नियुक्त करने हैं।

> ्राप्स० रंगाना न प्रशासन **म***धिन***ारी**

सिबिल इंजीनियरिंग वर्ग

कलपक्कम-603102, दिनांक 25 नवस्वर 1974

सं० सी० ई० जी०/3(342)/68-प्रशासन/पी० 12659-1427---मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना के प्रशासन-प्रधि-कारी श्री के बालकृष्णन को 22 नवम्बर 1974 के पूर्वाह्र से 22 फरवरी 1975 तक भ्रथवा श्रागामी भ्रादेश तक के लिए, दोनों में से जो भी पहले हो, उनके भ्रपने पद का कार्यभार वहन करने के साथ-साथ कलपनकम स्थित सिविल इंजीनियरिंग वर्ग में प्रशासन-प्रधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है।

सी० ग्रार० राममुर्ति, मुख्य इंजीनियर (सिविल)

मारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 22 नवम्बर 1974

सं० भाषाप/संस्था०/1/22/7924--भारी पानी परियोजना के विश्रोष कार्य प्रधिकारी, श्री ग्रचुत मुकुन्द वैद्य, भामा पर-माणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी सहायक लेखापाल तथा स्थानापन्न सहायक लेखा श्रधिकारी को जो ग्रव उसी ग्रेड में भारी पानी परियोजना के बम्बई कार्यालय में प्रतिनियुक्त हैं, को श्री एम० एम० कस्बेकर लेखा ग्रधिकारी जो छुट्टी पर हैं, के स्थान पर 11 नवम्बर 1974 के पूर्वाह्म से 27 विसम्बर 1974 तक के लिए लेखा ग्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

टी० सी० सत्यकीर्ती वरिष्ठ प्रशासन मधिकारी

कार्यालय महानिदेशक नागर विमानन नई दिल्ली, दिनांक 21 नवम्बर 1974

सं० ए० 33023/1/74-ई० ए० महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित सहायक विमानक्षेत्र प्रधिकारियों (प्रशिक्षार्थियों) को 1 नवम्बर 1974 पूर्वाह्न से अगले भादेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग के विमान मार्ग और विमानक्षेत्र संगठन में रू० 650-30-740-35-810 व रो 35-880-40-1000-व रो -40-1200 के वेतन-मान में ग्रस्थायी रूप में सहायक विमानक्षेत्र ग्रधिकारी, श्रेणी-II राजपनित पद पर नियुक्त किया है :--

क्रम	नाम	स्टेमन
सं॰ (1)	(2)	(3)
1 র্ম 2 র্ম	ो ए० के० म्रोसवाल ो म्रार० एल० बियाला	दमदम दिल्ली एयरपोर्ट, पालम
4 র্থ	ो ब्रार० जालपुरी ो मुखतियार सिंह ो एम० एस० सुंवरम	बेगमपेट दमदम बेगमपेट
	- mes 415	नागपुर

ही हवास कार्य

(1) (2)	(3)
7	श्री बी० डी० परमार	बम्बई एयरपोर्ट
8	श्री के० एस० वर्क	धमदम
9	श्री ए० एन० मायुर	दमदम
10	श्री जी० एस० धीमान	मद्रास ———————

दिनांक 23 नवम्बर 1974

सं० ए० 32013/4/73-ई० ए०---राष्ट्रपति ने श्री मार० एल० परीरा, सहायक निदेशक, विमान मार्ग भ्रौर विमानक्षेत्र (परिचालन) को 21-11-74 से घगले श्रादेश जारी होने तक तदर्थ रूप में उपनिदेशक/नियंस्रक विमानक्षेत्र के ग्रेड में नियुक्त किया है। श्री परीरा को उपनिदेशक (विमान परि-वहन) के पद पर तैनात किया गया है।

> सुरजीत लाल खण्डपुर सहायक निवेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक नवम्बर 1974

सं ए 12025/6/74-ई० सी०---राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित व्यक्तियों को उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से भ्रयले भ्रादेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में स्थायी रूप में संचार श्रधिकारी के पद पर नियुक्त किया है:---

ऋम नाम सं०	नियुक्ति की तारीख	तैनाती कार्यालय स्टेशन
1 श्री एन० सदाशिव शर्मा	14-10-74 पूर्वाह्न	वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग
2 श्रीपी० ग्रनिल कुमार	11-10-74 पूर्वाह्न	वही- -

हरबंस लाल कोहली उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर 1974

सं० ए०-32012/15/73-ई० (एच०)---राष्ट्रपति ने श्री एच० एस० खोला, स्थानापन्न वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रधिकारी को 15 नवम्बर 1974 से अगले आदेश जारी होने तक नियमित स्राधार पर वरिष्ठ वैज्ञानिक मधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

टी० एस० श्रीनिवासन सहायक निवेशक प्रशासन

विवेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 8 मवम्बर 1974

सं 1/154/74-स्था --- विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्वारा कलकत्ता शाखा के पर्यवेशक, भी सी० स्वामाअप्यन को एक श्राल्पकालिक रिक्त स्थान पर 12-8-74 मे लेकर 11-10-74 (दोनो दिन समेत) तक की श्रविध के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप में परियास प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

स० 1/265/74-स्था०—-विदेश सचार सेवा के महा-निदेशक एनद्द्वारा कलकत्ता शाखा के सहायक पर्यवेक्षक, श्री सी० डी० सूझा को एक ग्रत्यकालिक रिक्त स्थान के विपरीत 12-8-1974 से लेकर 11-10-1974 (दोनो दिन समेत) तक की श्रविध के लिए उसी शाखा में स्थानापन्त रूप से पर्यवेक्षक नियुक्त करते हैं।

स० 1/339/74-स्था०—विदेश सचार सेवा क महा-निदेशक एतद्वारा मद्रास शाखा के सहायक पर्यवेक्षक, श्री पी० पी० पिल्ले को एक अल्पाबालिक रिक्त स्थान पर 14-10-1974 से लेकर 31-10-1974 (दोनो दिन समेत) तक की श्रविध के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से पर्यवेक्षक नियुक्त करने हैं।

> एस० एस० कृष्णस्वामी प्रशासन श्रधिकारी कृते महानिदेशक

बम्बई, दिनाक 18 नवम्बर 1974

म० 1/355/74-स्था०—श्री जगविन्द्र सिंह दुग्रा का 16 ग्रक्तूबर 1974 के पूर्वाह्म से ग्रौर ग्रागामी ग्रादेशो तक स्विचिय काम्प्लैक्स, बम्बई में ग्रम्थायी रूप से सहायक ग्रिभ-यन्ता नियुक्त किया जाता है।

दिनाक 23 नवम्बर 1974

म० 12/17/74-स्था०—-निम्नलिखित स्थानापन्न पर्य-वक्षक खाना 3 के श्रन्तर्गत उनके नाम के सामने दी गई तारीख मे मूल रूप में पर्युवेक्षक नियुक्त किए जाते हैं ——

क्रमाक ने।म	तारीख जब में मृल रूप में पर्य- वेक्षक नियुक्त किए गए
1 2	3
1 श्री लागिनस डी सूझा	15-3-1973
2 श्री एल० ग्रार० शर्मा	16-3-1973
3 श्री एम० पी० वासु पिल्लं	1-3-1974
	पु० ग० दामले, महानिदेशक

नारकोटिक्स विभाग

नइ दिल्ली, दिनाक 7 नवम्बर 1974

कम स॰ 18/1109—केन्द्रीय उत्पादशुल्क समाहत कार्यालय, इलाहाबाद मे स्थानान्तरण पर श्री डी॰ एन॰ श्रीवास्तव, स्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादशुल्क श्रेणी II ने 19 जूलाई 1974 3—386GI/74

के दोपहरपूर्व को श्री श्रार० सी० श्रीवास्तव के स्थान पर जिला ग्रफीम श्रधिकारी बाराबाकी III प्रभाग का कार्यभार सभाल लिया है। श्री श्रार० सी० श्रीवास्तव का स्थानान्तरण हो गया है।

कम स० 19—केन्द्रीय उत्पादशुल्क समाहर्ता कार्यालय, बम्बई में स्थानान्तरण पर श्री एस० एन० शिन्दे, श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादशुल्क, श्रेणी II ने 24 जुलाई 1974 के दोपहरबाद को श्री श्रार० बी० कोठारे के स्थान पर जिला श्रफीम श्रधिकारी, मन्दमीर-I प्रभाग का कार्यभार सभाल लिया है। श्री कोठारे का स्थानान्तरण हो गया है।

कम स० 20—किन्द्रीय उत्पादणुल्क समाहर्ता कार्यालय, नागपुर म स्थानान्तरण पर श्री बी० एच० हिगोरानी, श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादनणुल्क, श्रेणी-II ने 16 सितम्बर 1974 के दोपहरपूर्व को जिला श्रफीम श्रधिकारी, नीमच-V प्रभाग का कार्यभार सभाल लिया है, उनका प्रधान कार्यालय मनासा में होगा। जिला श्रफीम श्रधिकारी का यह पद भारत सरकार, वित्त मवालय (राजस्व श्रीर बीमा विभाग) के विनाक 14 फरवरी 1974 के पत्र फा० स० ए० 11013/सी०/82/73-प्रशा०-IV द्वारा स्वीकृत किया गया था।

क्रम स० 21—बाराबाकी-III प्रभाग सं स्थानान्तरण पर श्री ग्रारं मी श्रीवास्तव, जिला श्रफीम ग्रिधिकारी ने 14 श्रक्तू-बर 1974 के दोपहरपूर्व को श्री बी एस यादव के स्थान पर जिला ग्रफीम ग्रिधिकारी बाराबाकी (राजस्थान) का कार्य-भार सम्भाल लिया है । श्री यादव का स्थानान्तर VI हो गया है।

> श्रभिलाष शकर, भारत का नारकोटिक्स श्रायुक्त

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क सर्माहतालय

इलाहाबाद, दिनाक 31 जुलाई 1974

म० 92/1974—इस कार्यालय के पृष्ठाकन स० 11(3) 209-स्था०/73/11380 दिनाक 11 ग्रप्रैल 1974 के भ्रन्तर्गत जारी किए गए श्रादेश म० 59/1974 दिनाक 11 अप्रैल 1974 के भ्रनुसरण में श्री डी० ग्रार० मिश्रा उप ग्रधीक्षक (ग्रिधिणामी) ने, दिनाक 15 ग्रप्रैल 1974 के पूर्वाह्न में केन्द्रीय उत्पादन गुल्क समेकित मण्डलीय कार्यालय, वाराणसी में श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन गुल्क, श्रेणी-II का कार्यंभार ग्रहण कर लिया।

दिनाक 3 प्रगस्त 1974

स० 94/1974—श्री देवकी नदन, स्थायी निरीक्षक (बरिष्ठ वेतनक्रम) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ने, जो इसके पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मडलीय कार्यालय लखनऊ मे तैनात थे श्रीर जिनकी नियुक्ति इस कार्यालय के पृष्ठाकन पल निर्मा के 11(3) 53 स्था०/74/11377 दिनाक 11 श्रप्रैल 1974 के अन्तर्गत जारी किए गए स्थापना आदेश स० 58/1974 दिनाक 11 श्रप्रैल 1974 के द्वारा श्रगला प्रादेश तक के लिए ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880

40-1000-द० गं०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न ध्रिधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी II के रूप में की गई थी, दिनांक 3 मई 1974 के ध्रपराह्न में श्री एस० हमीदुल हसन, ध्रिधीक्षक श्रेणी-II, को जिनका स्थानान्तरण हो गया, कार्यमुक्त करते हुए, सीमाशुल्क मंडल कार्यालय लखनऊ के ध्रन्तर्गत श्रिधीक्षक मीमाशुल्क बहराइच के कार्यालय का कार्य-भार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 16 श्रक्त्बर 1974

सं० 138/1974—श्री के० जी० लाल, स्थानापत्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन गुल्क, श्रेणी-II ने, जो पहिले अधीक्षक (अधिनिर्णय) के रूप में केन्द्रीय उत्पादन गुल्क समा-हर्तालय, मुख्यालय, इलाहाबाद में तैनात थे, इस कार्यालय के पृष्टाकन सं० 11(3) 173-स्था०/74 दिनांक 13 सितम्बर 1974 के अंतर्गत जारी किए गए स्थापना आदेश स० 179/1974 दिनांक 13 सितम्बर 1974 के अनुसरण में दिनांक 30 सितम्बर 1974 के अपराह्म में अपना कार्यभार श्री सी० के० चौधरी, अधीक्षक, श्रेणी-II को सौप दिया और उनत समय और तारीख में सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हो गए।

दिनाक 11 नवम्बर 1974

सं० 140/1974—-श्री एस० बी० एल० टण्डन, स्थाना-पन्न ग्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन गुल्क श्रेणी-II को, जो केन्द्रीय उत्पादन गुल्क समेकित मण्डलीय कार्यालय, सीतापुर मे तैनात हैं, एतद्डारा रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में रु० 810/-के वेतन स्तर पर दिनाक 1 मई 1974 में दक्षतारोध पार करने की श्रनुमति दी जाती हैं।

स० 141/1974—श्री के० सी० श्रग्रवाल, स्थानापन्न प्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, श्रेणी II को, जो केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डलीय कार्यालय, सीतापुर में भ्रघीक्षक (रेजेज) के रूप में तैनात है, एतद्हारा २० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में २० 810/- के वेतन स्तर पर दिनांक 1 श्रप्रैल 1974 से दक्षतारोध पार करने की श्रनुमित दी जाती है।

स० 142/1974—श्री श्रार० सी० केसवानी, स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, श्रेणी II ने जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, श्रेणी II ने जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डलीय कार्यालय, लखनऊ मे श्रधीक्षक (तक्षनीकी) के रूप में तैनात थे दिनांक 31 श्रक्तूबर 1974 के धपराह्म मे श्री ए० एस० श्रलवी, श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, श्रेणी II को श्रपने पद के कार्यालय का कार्यभार सौप दिया श्रौर उसी समय श्रौर दिन से सरकारी सेवा मे सेवा निवृत्त हो गए।

एच० बी० दास समाहर्ता

मद्रास दिनांक 21 नवम्बर 1974

सं० 11/3/43/74-संस्थापन—के० उ० शु० के श्रेणी II ध्रधीक्षक श्री एम० ए० प्रब्दुल जब्बर भीर श्री के० एम० शमसुद्दीन कमशः 31-4-74 श्रीर 31-5-74 के भ्रापराह्म से अधिवार्षिकी की भ्रायु प्राप्त करने पर सेवा निवृत हो गए है।

सी० चिदम्बरम् समाहर्ता

पटना, दिनांक 4 नवम्बर 1974

स॰ 11(7) 1-स्था /70-केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा मुरुक समाहत्तालय पटना के श्री एस॰ मुखर्जी स्थायी ग्रधीक्षक, द्वितीय द्वित्व श्रेणी केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, दिनांक 31 श्रक्तूबर, 1974 से सेवानिवृत्त हुए ।

> एच० एन० साहु, समाहर्त्ता

गुन्ट्र, दिनाक 23 श्रक्तूबर 1974

स० 9 गुन्टूर समाहर्तालय मे तैनात किए गए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के श्रेणी-II के स्थानापन्न श्रद्यीक्षक को, उनके नाम के सामने, नीचे बतायी गई तिथि से, श्रद्यीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी-II, के रूप में स्थायी किया जाता है:--

क्रम सं०	अधीक्षक का नाम	वह स्थान जहां पर काम कर रहे हैं।		
1	2	3	4	
1.	श्री मोहम्मद महबूब इकबाल	पोथावरम, एक्षुरू, श्राई० डी० घो० की एम० घो० ग्रार०।	1-7-73	

ए० एस० आई० जफर समाहर्ता

निरोक्षण निवेशालय सीमा व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1974

सं० 23/1974—सीमा शुल्क गृह मद्रास के मूल्य निर्धारक श्री बी० के० श्रग्रवाल ने, जो कि पूर्वतः प्रशिक्षण निदेशालय, नई दिल्ली में काम कर रहे थे, 30 सितम्बर 1974 (पूर्वाह्म) को निरीक्षण निदेशालय, सीमा व केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, के मुख्यालय मे निरीक्षण श्रधिकारी, सीमा व केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी II का कार्यभार सम्भाल लिया है।

2 श्री एस० बी० विद्यानायन ने, जो कि पूर्वत मद्रास समाहर्तालय में सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, के पद पर काम कर रहे थे, दिनाक 1 श्रक्तूबर 1974 (पूर्वाह्स) से, भद्रास स्थित, निरीक्षण निदेशालय के दक्षिण प्रादेशिक एकक मे, श्री ई० जे० कोएरहो का स्थानान्तरण हो जाने के कारण रिक्त हुए स्थान पर निरीक्षण श्रधिकारी, सीमा घ केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी I का कार्यभार सम्भाल लिया है।

दिनाक 25 नवम्बर 1974

स० 24/1974—-निरीक्षण निदेशालय, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नई दिल्ली के स्थायी कार्यालय प्रधीक्षक, श्री के० डी० मठ को, श्री देवराज के छुट्टी चले जाने के कारण रिक्त हुए स्थान पर, इसी निदेशालय में दिनाक 8 नवम्बर 1974 के पूर्वाह्म से, स्थानापन्म सहायक मुख्य लेखा ग्रधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

> बी० एस० चावला निरीक्षण निदेशक सीमा व केन्द्रीय उत्पादनशुल्क

केन्द्रीय जल तथा विद्युत आयोग

(विद्युत् स्कन्ध)

नई दिल्ली, विनाक 26 नवम्बर 1974

स० 6/3/74-प्रशासन-2 (वि० स्क०) जिल्द-2-- अध्यक्ष, केन्द्रीय जल तथा विद्युत् भ्रायोग एतद्द्वारा निम्नलिखित तक्ष्मीकी सहायक/ पर्यवेक्षको को केन्द्रीय विद्युत् भ्रभियान्त्रिकी श्रेणी 2 सेवा के श्रितिरिक्त सहायक निदेशक/महायक इन्जीनियर के ग्रेड में, उनके नामो के सामने दिखाई गई तिथियो से, श्रन्य श्रावेश होने तक, नियुक्त करते हैं ---

1	श्री एम० एच० राव	31-10-74
2.	श्री पी० के० जैन	1-11-74
3.	श्री प्रभात गुजराल	31-10-74
4	श्री सी० एस० जावेरी	31-10-74
5	श्री ग्रार० एस० गिल	1-11-74
6	श्री बी० ग्रार० सिंह	1-11-74
		मृल शकर पाठक

मृल शकर पाठक श्रवर सचिव

(जलस्कन्ध)

नई विल्ली, दिनाक नवम्बर 1974

सं० क-19012/511/74-प्रशा०-5—केन्द्रीय जल ग्रौर विद्युत् श्रायोग के श्रध्यक्ष एतद्द्वारा श्री वी० पो० रवीन्द्रन को स्थानापन्न क्षमता में ६० 650 30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 के वेतनमान में केन्द्रीय जल ग्रौर विद्युत् श्रायोग में केवल ग्रस्थाई एव तदर्थ रूप

मे भ्रतिरिक्त सहायक निदेशक के पद पर दूसरे श्रादेशो तक दिनांक 7-11-74 (पूर्वाह्म) नियुक्त करते हैं।

श्री वी० पी० रवीन्द्रन ने केन्द्रीय जल श्रीर विद्युत् भ्रायोग (जल स्कन्ध) में भ्रतिरिक्त सहायक निदेशक का कार्यभार उपरोक्त तिथि तथा समय से सम्भाल लिया है।

> कं० पी० बी० मेनन ग्रवर सचिम केन्द्रीय जल ग्रीर विद्युत् ग्रायोग

इंटेप्रल कोच फेकट्री

मद्रास-38, दिनांक नवम्बर 1974

श्री महम्मद खाजा मोहिदीन, स्थानापन्न मुख्य प्रभिक्षत्य महायक/डिब्बा ग्रिमिकलप (श्रेणी-III) को, श्रेणी II सेवा में दिनाक 5-9-1974 के श्रपराह्म से तदर्थ रूप से, स्थानापन्न सहायक इजीनियर /डी० पी० डी० के पद पर पदोन्नति की गई है।

श्री श्रार० शिवरामन, कर्मणाला श्रधीक्षक/कर्मणाला 40 (श्रेणी III) को, श्रेणी II सेवा स्थानापन्न सहायक यात्रिक इजी-नियर/सयत्न/फर्निषिंग के पद पर पदोन्नति की गई है।

श्री डी॰ रामचन्द्रन, स्थानापन्न वरिष्ठ यात्रिक इजीनियर (व॰ मा॰) को दक्षिण रेलवे से स्थानातरण होने पर, ग्रपनी मजूर की गई औसत वेतन छुट्टी दि॰ 31-8-74 से 5-9-1974 सक छुट्टी उपयोग करने के पश्चात् सवारी डिब्बा कारखाने में दिनाक 6-9-1974 से स्थानापन्न वरिष्ठ यात्रिक इजीनियर/डी॰ पी॰ डी॰ (व॰ मा॰) वे पद पर नैनान किया गया है।

श्री एम० एस० श्रीनियासन, स्थानापन्न वरिष्ठ यात्रिक इजीनियर/सयत्र (व० मा०) को ग्रस्थायी रूप से विशेष कार्य ग्रिधकारी (प्रायोजना), मद्रास, के ग्रधीन उसी हैसियत में स्था-नातरित किया गया है ।

श्री एस० चिदबरम, स्थानापन्न सहायक बिजली इजीनियर/निरीक्षण (श्रेणी II) को, तदर्थ रूप से स्थानापन्न विरुट्ध बिजली इजीनियर/म्रनुरक्षण (व० मा०), के पद पर दिनाक 6-9-74 से तदर्थ रूप से पदोन्नति की गई है।

श्री भ्रार० राममूर्ति, कर्मशाला श्रधीक्षक/कर्मशाला 45 (श्रेणी III) को,स्थानापन्न सहायक बिजली इजीनियर/निरीक्षण (श्रेणी II) के पद पर तदर्थ रूप से दिनाक 6-9-74 से पदोन्नति की गई है।

श्री ए० के० गणेश, 'यानापश्न कर्मशाला श्रधीक्षक/उत्पादन नियद्रण/शेल (श्रेणी III) को स्थानापश्न सहायक निर्माण प्रश्नधक/ वस्तु निर्माण/शेल (श्रेणी II) के पद पर तद्दर्थ रूप से दिनांक 17-9-1974 से पदोन्नति की गई है।

श्री डी० वेलायुधम, स्थानापम्न उप भडार नियत्नक तदर्थ रूप से स्थानापम्न भ्रपर भडार नियत्नक (वरिष्ठ प्रणासन स्थार II) के पद पर दिनाक 21-9-74 में पदोन्नति की गई है

श्री एन० हेच० कृष्णा, स्थानापम्न वरिष्ठ यात्रिक इजीनियर (व० मा०), (सदर्थ) को श्रेणी II मेवा मे प्रत्यावर्गित कर दिया गया है भ्रीर उन्हें स्थानापन्न सहायक निर्माण प्रबंधक/वस्तु निर्माण/ फर्निषिय श्रेणी II सेवा में दिनांक 23-9-1974 से तैनात किया गया है ।

श्री टी० ६० घरी, स्थानापन्न कार्यक्रमक (श्रेणी II) को, यांत्रिक विभाग में स्थानांतरित कर दिया गया है श्रीर उन्हें स्थाना-पन्न वरिष्ठ यांत्रिक इंजीनियर/संयंत्र के पद पर तदर्थ रूप से दिनांक 23-9-1974 से पदोन्नति की गई है।

श्री सी० शंकरण, स्थानापन्न कत्याण निरीक्षक ग्रेड 1/ कैण्टीन (श्रेणी III)को, स्थानापन्न कत्याण श्रधिकारी (श्रेणी II) के पद पर दिनांक 23-9-1974 से 22-10-1974 तक पदोन्नति की गर्ड हैं।

श्री एप० गणेशान, कानिष्ठ कार्यक्रमक (श्रेणी III) को, स्थाना-पन्न कार्यक्रमक (श्रेणी II) के पद पर तदर्थ रूप से विनांक 24-9-1974 से प्रयोजनिकी गई है।

श्री जे० एन० ग्रस्यर, स्थानापन्न वरिष्ठ बिजली हंजीनियर/ ठेका व विकास (व० मा०) की, तदर्थ रूप से स्थानापन्न उप-मुख्य बिजली हंजीनियर (कनिष्ठ प्रशासन) के पद पर दिनांक 24-9-1974 से पदोन्नति की गई है ।

श्री बी० राजारामन, स्थानापन्न सहायक इंजीनियर/ग्रनुरक्षण (श्रेणी-II को), कार्मिक णाखा में स्थानांतरित किया गया है श्रीर उन्हें स्थानापन्न वरिष्ट कार्मिक भिधकारी/वेतन ग्रायोग (व० मा०) के पद पर 1-10-1974 में पदोन्नति की गई है।

एम० सुक्रामनियन उप मुख्य कार्मिक अधिकारी **कृ**ते महा-प्रबंधक

विक्षण पूर्व लवे

कलकता-43, दिनांक 21 नवम्बर 1974

स० पी० जी०/14/300-सी०—इस रेलवे के भण्डार विभाग के निम्नांकित प्रधिकारियों का पुष्टीकरण, विनीय श्रेणी की सेवा में सहायक भण्डार नियंत्रक के रूप में प्रत्येक के सामने उल्लिखन तारीख से किया जा रहा है:—

क∘ सं०	नाम	 पृष्टीकरण की तारीख
	० जी० माइकेल १० मी० दास	2 6- 5- 6 2 6- 2- 6 8

वी० रामनराथन् महा प्रबन्धक

कम्पनियों के रिजद्रार का कार्यालय कम्पनी अधिनियम, 1956 और निग्मान टेलरज प्राईवेट लिमिडेड के विषय में ।

नई दिल्ली-1, दिनांक 21 नवस्वर 1974

स ▶ 5749/15593—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रन्सरण में एतदहारायह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के भ्रवसान पर निरमान टेलरज प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा भ्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

> रा० कु० जैन कम्पनी का सहायक रजिस्ट्रार, दिल्ली

कम्पर्मी अधिनियम, 1956 और वित्तवस (इन्टिया) प्र'ईस्ट लिसिटेड के विषय में ।

श्ररणाकुलम, दिनांक 31 श्रक्तूबर 1971 कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वार। यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर वितनम (इन्डिया) प्राईवेट लिमटेड का नाम इस के प्रतिकूल कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएनी ।

> पी० एस० ग्रन्बार कम्पनियो का रजिस्ट्रार, केरल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और त्कांदरबॉडस प्राईवेट लिमिटेड के विषय ।

दिनांक 4 नवम्बर 1974

मं० डी० एन०/2421/560/74—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एनद्वारा सूचना दी जाती है कि स्कीयरबंडिस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पोलीस्टर पंचर्स रिकटेड के विषय में।

दिनाक 4 नवम्बर 1974

स० 5599/डी० एन०/74—कस्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्शारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पोलीस्टर फैबर्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विचटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी रजिस्ट्रेसन कायलिय, उड़ीसा कटक,

दिनांक 6 नवम्बर 1974

मं० 210 जे० आर० क्यू० 11/74-2301-- तृत्वृद्वारा सूचना दी जानी है कि निर्धारित विनांक में कम्पनी ग्राईन और व्यवस्था के अनुसार रजिस्टर से काट दी गई ग्रीर विघटित हो गई ग्रीक्षित कम्पनियों की कागजात ग्रीर पत्रालय भारत

~	~	2 0	0.00	-			
के रीजपत्न	म प्रकाशन	से तीन	महाना	क' बाद	नष्ट कर दिया	जाएगा	;

कम म o	कम्पनियों का नाम	किस तारीख में रजिस्ट्रेणन हुई	किस सन् में रजिस्ट्रेगन हुई	किस तारीख में काट दी गई थी। विघटित हो गई।	कम्पनी का नम्बर
1. संकरी टे	क्मटाइल्स एण्ड एन्डिस्ट्रिज लिमिटेड	17-11-47	1913	3-7-53	116
2. डी० एच	० पटेल एण्ड कम्पनी लिमिटेड	4-12-47	1913	3-4-53	121
 भारत के 	मिकल एण्ड करमा मीटीकाल वरकस लिमिटेड .	14-2-48	1913	5-4-53	129
4. नवजुग	ांस लिमिटेड .	1 4-5-48	1913	21-11-52	139
5. उडीमा व	हतस्ट्रक श न कम्पनी लिमिटे ड .	6-5-49	1913	6-1-53	179

एस० एन० गुह कम्पनियों का रजिस्ट्रार, उड़ीसा

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेर.सं मेहता चिट फन्ड प्रा० लिमिटेड के विषय में।

जयपुर, दिनांक 19 नवस्त्रर 1974

मं० 1225—कम्पनी श्रिधिनियम. 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्बारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माम के श्रवसान पर मेसर्स मैहता चिट फन्ड प्राईवेट लिमिटेंड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिणत न किया गया तो रिजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

ह० अपठ्नीय पंजीयक समवाय, राजस्थान, जयपुर

कम्पनी अधिनियस, 1956 अली बाबर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनाक 30 नवम्बर 1974 मं० 782 टी० (560) कम्पनी स्रधिनियम की धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख मे तीन माह के श्रवसान पर श्रली बादर्म प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दक्षित न किया गया तो रजिस्टर मे काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> श्रोम प्रकाण जैन कम्पनियों का रजिस्ट्रार ग्रांघ्र प्रदेश, **हैदराबा**द

कम्पनी अधिनियम, 1956 और रीलाईबिल चिटफार प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, दिनांक 30 नवम्बर 1974

मं० 874/पी० एम०—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर रीलाईबिल चिट फन्ड प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रजिस्टर में काट दिया जाएगा और उपन कम्पनी विघटिन कर दी जाएगी ।

महेश प्रसाद समवाय पंजीयक मध्य प्रदेश, ग्वालियर

कार्यालय, आयकर आयुक्त, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 2 नवम्बर, 1974

चूकि केन्द्रीय सररार की यह राय है कि जनता के हित के लिए निम्नलिखित निर्धारितियों के नाम प्रथा उनमे सम्बन्धिप श्रन्य ब्यौरे या प्रकाशन विथा जाना श्रावण्यक एवं समीचीन है।

- (I) व्यक्ति या हिन्दू-प्रविभक्त-कुटुम्ब जिन्शा निर्धारण वित्तीय वर्ष 1967-68 के प्रन्तर्गत तथा उमके बाद एक लाख रुपये से प्रिधिक की श्राय पर किया गया है।
- (II) फर्म, व्यक्ति-समूह या कम्पनी जिनका निर्धारण वित्तीय वर्ष 1967-68 के अन्तर्गत तथा उसके बाद दस लाख रूपये में अधिक की आय पर किया गया है।

श्रतः केन्द्रीय सरकार के प्राधिकार एवं निर्वेशन के अन्तर्गत श्रव निम्नलिखित निर्धारितियों के नाम तथा उनसे सम्बद्ध श्रम्य क्यौरे का प्रकाशन श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 287 के श्रन्तर्गत किया जाता है।

** ** सं∘	निर्घारिती का नाम तथा पता	हैंसियत	निर्धारण	वर्ष श्राय विवरण में घोषित श्राय	ी निर्घारिक्ष स्राय	निर्घारिती द्वारा देय कर	निर्धारिती द्वारा चुकाया गया कर
1	2	3	4	. 5	6	7	8
	(1) व्यक्ति तथा हि	इन्दू-ग्रविभक्त-कु	टुम्ब जिनका	निर्धारण एक लाख	रुपये से ग्रधिः	५ की श्राय पर	्किया गया।
1.	प० एल० के० झा, स्थ० डा० कामेश्वर सिंह, दरभंगा के निष्पादक ।	व्य न् ति	1967-68	8,59,730	1,05,23,670	64,07,370	38,64,243
2.	11	"	1968-69	6,13,980	12,04,260	10,41,466	10,41,466
3.	n	"	1969-70	5,24,033	53,35,758	26,57,167	6,64,156
4.	स० ज्ञान सिंह, द्वारा पंजाब माईस फैक्ट्री एण्ड कोरुड स्टोरेज, पटना।	व्यक्ति	1971-72	10,000	1,40,000	1,43,396	नील
5.	श्री लक्ष्मी एण्ड कं०, मंसुरगंज, पटना सिटी।	म्य मि त	1971-72	17,783	1,24,450	80,487	5,000
6.	श्री नरेन्द्र प्र० सिंह, द्वारा मैसर्स एन० पी० सिंह एण्ड श्रदर, पटना ।	व्य क्ति	1972-73	1,18,354	1,19,820	78.060	76,682
7.	श्री नरवदेश्वर प्र० सिंह द्वारा में सर्स एन० पी० सिंह, एण्ड ग्रदर, पटना ।	व्य क्ति	1970-71	1,09,887	1,10,350	60,275	60,968
8.	श्री जवाहर प्र० सिंह, द्वारा मैसर्स एन० पी० सिंह एण्ड श्रदर, पटना ।	व्यक्ति	1972-73	1,30,009	1,31,570	89,002	87,400
3.	श्री कामेश्वर प्र० सिंह, द्वारा मैंसर्स एन० पी० सिंह एण्ड भदर, पटना।	व्यक्ति	1972-73	1,41,796	1,43,360	99,691	98,256
10.	श्रीमती एच० वी० संघवी, . द्वारा मैसर्स वीरजी एण्ड कं०, झरिया।	व्य क्ति	1967-68	1,12,245	1,34,245	55,728	55,728
11.	श्री चन्द्र कान्त, बी० संघवी द्वारा मैसर्स वीरजी एण्ड कं०. झरिया।	एच <i>० यु०</i> एफ०	1967-68	1,36,010	1,61,530	69,220	69,220

PART III—SEC. 1] THE GAZ	∠E I	TE OF I	NDIA, DEC	EMBER 28,	1974 (PAUSA	7, 1896)	7655
12. श्री वी० ग्रार० संघवी, द्वारा मैसर्स वीरजी एण्ड कं०, श्वरिया।		व्य क्ति	1967-68	94,295	1,11,860	42,456	42,456
13. मिस एच० वी० संघवी, . द्वारा मैसर्स वीरजी एण्ड कं०, क्रिया।	•	ब्यक्ति	1967-68	90,950	1,08,000	40,036	40,036
 मैसर्स बक्सी राम लक्ष्मी नारायण, कोरकेन्द । 		व्यक् त	1965-66	28,736	1,41,960	69,854	10,000
15. श्रीमती एव० वी० संघवी, द्वारा मैंसर्स वीरजी एण्ड कं०, स्नरिया।	•	ब्य क्ति	1969-70	1,00,786	1,04,660	55,397	55,397
16. श्री सी० वी० संघवी, द्वारा मैसर्स वीरजी एण्ड कं०, झरिया।	•	ए च० यु ० एफ०	1968-69	54,234	1,12,260	51,200	51,200
17. श्री सी० वी० संघवी,	•) <u>)</u>	1970-71	1,17,550	1,28,140	73,888	73,888
18 वी० आर0 संघवी द्वारा, मैंसर्स वीरजी एण्ड कं०, भरिया	•	घ्य क्लि	1970-71	1,40,170	1,44,910	86,514	86,514
 श्री काशी राम ग्रग्नवाल, . पो० कोरीकेन्द, जिला धनबाद। 	•	व्यक्ति	1958-59	नील	2,03,830	1,42,047	नील
20. श्री विश्वजीत सामन्तो, कोडरमा		ब्य क्ति	1973-74	1,03,192	1,03,190	62,734	62,734
21. श्री रंजीत सामन्तों, कोडरमा		ब्य कि त	1973-74	1,06,720	1,06,210	65,513	65,513
22. श्री रतनजीत मामन्तों, कोश्ररमा		व्यक्ति	1973-74	1,21,524	1,21,600	79,672	79,672
23. श्री श्रीजीत सामन्तों, कोडरमा		व्यक्ति	1973-74	1,21,530	1,20,980	79,101	79,101
24. श्री सुरजीत सामन्तों, कोडरमा		व्यक्ति	1973-74	1,12,110	1,11,410	70,297	70,297

9,90,429

(11) फर्म, व्यक्ति-समूह तथा कम्पनी जिनवा निर्धारण दस लाख रुपये से ग्रिधिक की श्राय पर किया गया।

1972-73

जगदीश चन्द्र भायकर भ्रायुक्त, बिहार-1, 1)1 EF

10,01,470 5,67,330 5,58,354

कार्रालय, आयक्तर आयुक्त, बिहार, पडना ।

हिन्दुस्तान मालीबुल कं०.

फोरमोगस ली०, धनबाद।

दिनांक 6 नवम्बर 1974

सं० भाई० टी०-XIII-6/59-60-भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 124 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग तथा इससे सम्बन्धित सभी पूर्व श्रादेशों मे ब्राणिक सुधार करते हुए ब्रायकर ब्रायुक्त, बिहार-II पटना यह निदेश देते हैं कि अपर भ्रायकर श्रधिकारी, बार्ड-ए, भायकर परिमंडल-1 धनबाद, जिस तिथि से कार्यभार ग्रहण करते

हैं, भ्रायकर मधिकारी, वार्ड-ए, भ्रायकर परिमंडल-1, धनबाद, तथा भ्रपर भ्रायकर भ्रधिकारी, धार्ड-ए, भ्रायकर परिमंडल-1, धनबाद, भ्रायकर परिमंडल, वार्ड-ए, धनबाद के निर्धारितियों के सम्बन्ध में समवर्ती क्षेत्राधिकार धारण करेगे ।

ए० के० दास गुन्ता भ्रायकर स्रायुक्त, बिहार-]], पटना प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 ना 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

> कार्यालय, सहायक द्यायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, कलकत्ता

> > कलकत्ता, दिनाक 22 नवम्बर 1974

निर्देश स० ए० सि०/147/भार-4/क्ल०/74-75---यत मुझे एस० भट्टाचार्या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसवा उचित बाजार मृत्य 25,000/- स्पये से अधिक है \mathbf{sh} र जिसकी स \circ 12/1/3 है, जो मनोहर पुकुर रोड, कलकत्ता मे स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जिला सब-रजिस्ट्रार, भ्रालि-पूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 7-3-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल ने लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गर्र है और मधी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के भीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिपल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उबत अन्तरण लिखित में बारतिवक रूप से कथित नही

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;

किया गया है ---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए दा, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भीर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अभ्याय 20-व के शब्दों में पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात्:—

- 1 1 सैलेन्द्र नाथ बागची, 2 ग्रलोक रजन बागची, 3 श्रीमर्तो ग्ररुण बागची, 4 श्रीमती रतना बागची, 12/1/4, मनोहर पुकुर रोड, कलकत्ता। (भ्रन्तरक)
- 2 हिरेन्द्रनाथ बनर्जी पिता--गिरेन्द्र देव बनर्जी, (मृत) 53/बी० कालि शास्त्री प्रसन्न चट्टोपाध्याय रोड, कलकत्ता-26। (ग्रन्तरिती)
 - 3 ग्रमिय कुमार सान्याल, 12/1/4, मनोहर पुकुर रोड, कलकत्ता । (वह व्यक्ति जितके ग्रधिभोग में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एनद्श्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वाग,
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्यावर नम्मिन के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यवि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और रथान नियन किए जाएगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित विया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आर्क्षपो की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिनार होगा।

स्पद्धीकरण '---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

12/1/3 मनोहर पुकुर रोड, कलकसा परिमान 3 कठ्ठा 6 छटाक 19 स्कोयार फिट जमीन।

एस० भट्टाचार्या, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायक्र आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन-रेज 4, 54 रिफ भ्रहमद किदवई, रोड, कलकत्ता-16

तारीख --22-11-74 मोहर : प्रारूप आई० टी० एन० एस०---

आयक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) श्रज्नेन रेंज आर, श्रम्बई विनाक 26 नवस्बर 1974

निदेश स० ए०पी० 197/भाय ० ए० मी० ए० भार० 4/74-75-यतः, मुझे, श्री ग० सो० गत्र सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज चार बग्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी मं० प्लाट न० 538/350 सर्वेक्षण न० 1000 है, जो मलन्ड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बस्बई मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्राधीन 20-3-1974, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य मे कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण मे हुई किसी आय की बाबत आयकेर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सूकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

भौर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-शाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- श्री राम प्रसाद राम रतन बालवानीवाण, मुलुन्ड, बम्बई-81 (अन्तरक)
- 2 श्रीमती प्रविनाबेन पी० ठक्कर, मानाजी बंगस्रोस, एन०एस०रोड, मृलुन्ड, बस्बई-81। (अन्तरिती)
- (3) 1 दानिबेन जेठालाल, 2 जालजी प्रागजी, 3 एस० ग्रार० सावित्री, 4 एस० ग्रार० पर्देसी, 5 कानजी जेठा, 6 जमनादास कानजी 7

हीरजी खेतसी, 8. मनी बाई, 9. श्रीमकार शिसवमनगम 10 एस० एन० बद्रा, 11 करसन मुलजी, 12 विमलादेवी जैन, 13. पी० बी० नायक, 14. सरस्वती जवाहर, 15. विजयाबेन किरीर्ट कुमार 16. जीगाबेन चिमनलाल भगवान दास, 17. रतनशी प्रधान, 18. द्वारकादास चुनिलाल, 19. सुन्दरजी सिंगजी, 20. मंगलदाश चुनिलाल, 21. घरजन मामरी, 22. **डाया पून्जा, 23. रामदाश शिवजी,** 24. रामदाश लाल, 25. डी॰ माई॰ शरमा, 26. रामजी तहिल राम, 27 बचुबेन करसनदाश, 28. एन० एस० पारेख, 29. चत्रभूज करसनदास, 30. लल्भाई चत्रभूज 31. के॰ मधक्रिष्णनन, 32 जेठालाल केसाई. 33. सी० सी० पाकचोली, 34. ई० एन० श्रिधरन का बारसदार, 35 शावित्रीबाई शिवजी, 36 विनेश डी० शाह.

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसदद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति, आक्षीप यदि, कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंसबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतष्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएँगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को थी जाएगी।

एतव्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिमाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

वे सभी गांवधन जमीन के दुकड़े या जमीन का स्वींग या जमीन जिसका सर्वेक्षण नं 1000 और प्लाट नं 538 बी ब्रीर 550 मापमे 988.26 वर्ग मीटर है। जमीन कारटर रोड पर स्थित है जो मुलुन्ड हैं जिसमें बिल्डींग और सबेला और क्षोप ब्रिपट्टी वगैरे का समावेश होता है और रिजस्ट्रेशन उप जिलस बम्बई नगर और बम्बई उपनगर।

ग० सो० राव, स**क्ष**म प्रा**धि**कारी,

सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

तारीबा: 26-11-1974 मर्जन रेंज चार, बम्बई। मोहर:

4-386GI/74

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय सहायक आयक्तर भायका (निरीक्षण) भूजेन र्रेज, हैदराबाद

देवराचाद, विनोक 26 नवण्यर 1974

मं अप्राप्त एवं सीव 44/74-75 यतः मुझे केव एमव बेकट-रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विषयास करने का कारण है फिरधायर सम्पंश जिसका उचित बाजार मुरुष 25,000/- ध्पये से अधिक त ग्रीर जिसकी सं० 9/741 में 742 गिरमाजी पेट है जो बरगल में स्थित है (ग्रीर इसरा उपाबढ प्रन्सूकी भेन्नीर पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीफर्ता श्रिकारी के कार्यालय बरंगल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्र<mark>िधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधान - 25-3-19</mark>74 पुर्वोक्त सभ्पत्ति ₹, उभित **ৰাজা** হ मृत्य संकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके वृश्यमात प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफलका पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य में उनन अन्तरण लिखिन में शस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे अचाने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयया किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बताना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के के शब्दों में पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू कारने के कारण मेर बाजा अभिनिखित किए गए हैं।

अतः अव, धारा 269-घ वं अनुसरण भे, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धाण 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) श्री सिव्वा मलाय्या पुन्न नरमय्या 9-9-94/95, गिरमाजीपेट, वरगल (ग्रन्नस्क)
- (2) श्री सिब्बा मृदर्भनम पुत्र नरमरया 9-9-9.5, गिरमाजीपेट, बरंगल (श्रम्निरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए एतब्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की नागील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हीं, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप जिया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पर्शि:--- घर नं० 9-9-94/95 गिरमाजीपेट वरंगल, क्षेत्रफल 205 वर्गगज

> के० एम० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख:--- 26-11-74 मोहर:---

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ---

आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के जधीन सूत्रना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (मिरीक्षण)

भागाल, विनाव 21 नमस्बर 1974

निर्देण स० एम० धार०/इन्दीर/14-3-74--यतः मझे एम० एफ० मन्त्री ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को गृह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- स्पर्य से अधिक है श्रीर जिसकी स० जायदाद रिथत अ खन्डवा रोड, इन्दौर में स्थित है (फ्रांर इसमें उपाबढ़ प्रतुसूची में ग्रीर पुणे रूप स वर्णित है), रजिस्द्रीयर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय इन्धीर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-3-1974 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उत्तित बाजार मुख्य से क्रम क दुव्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीष्ट्रत बिलेश्व में अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास वरने या नारण है कि सभापूर्वीयत सम्पत्ति वा उलित वाजार मृत्य, उसवे पृश्यमान प्रिमिफल से, ऐसे दुश्यमान पनिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिपल निग्न-लिखित उद्देश्य से उपस अन्तरण लिखिन में बारतिक स्प रा कथित नहीं किया गया है:---

- (म) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 42) के अधीन करदेन के अन्तरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयया किसी धन या प्रत्य आस्तिया की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या खिणाने के लिए मुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीकत सम्पत्ति के ग्राजीन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :— श्रीमती रानी लक्ष्मी देवी पित सरबहादुर समसेर जग बहादुर राना, निवास खन्डवा रोड, इन्दौर। (अन्तरक)

ا المعاملين المام المستندي المستندين المستندين المستندين والمستندين والمستندين المستندين المستندين المستندين ا

 श्री लखमी सन्द्र पुत्र श्री दिवी सन्द्र अग्रवास, निवास ०/६ नौलखा रोड, इत्योग । (श्रन्सरिती)

का यह सूचन। जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एनव्दारा कार्यवाहिया गुरू करना है।

उभन सम्पत्तिक अर्जन के प्रति अक्षेप, यदि कोई हो, तो .--

- (१) इस मूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 विज्ञ की अविधिया तस्मम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्ति व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना क राजपन्न मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति झारा, अधोहम्ताक्षरी के पाम लिखित म किए भा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिमूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस मूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि काई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए गायेंगे और उसकी मूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिनी को दी जाएगी।

एतद्वारा आग यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे आक्षया को, जिसे पूर्ववर्ता पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पन्दीकरण .- ल्ह्सम प्रयक्त शब्दी और पदों का, जो आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961का 43) कं अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

जमीन स्थित ग्राम दिलाधनी तहसील इन्दौर खमरा न० 122/3 ऐरिया । 88।

एम० एफ० मुन्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहामक सामक्ष्य प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, भौपाल।

तारीख : 21-11-1974 मोहर : प्ररूप आई० टी० एम० एस०---

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 23 नवम्बर 1974

सं० श्रार० ए० सी० 41/74-75:—यसः, मुझे, के० एस० वेंकटरामन, आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है भीर जिसकी सं० 852/3 और 853 नागरी स्ट्रीट है, जो श्री काल हस्ती में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, निरूपती में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 15 मार्च, 1974

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत किलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तिबक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च की उपघारा क्षित व्यक्तियों, अयित् :— 1. (1) श्री एम० बानच्या (2) श्री एम० श्रीरंगम (3) श्री जी० हरी केशवलू, श्री काल हस्ती निरूपती (ग्रन्तरक)

(2) डाक्टर वाय बाबूराव 3/852 और 853 नागरी स्ट्रीट, श्री काल हस्ती, तिरूपती (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए एतवृद्वारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन को तारीख़ से 4.5 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबुद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है सथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एसद्कारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना वी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पर्वो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्तिः च्या नं 3/852 और 853, नागरी स्ट्रीट, श्री काल हस्सी, तिरूपती, जमीन-219.28 वर्ग मीटर्स, निचला मंजिल 127.67 वर्ग मीटर्स, जैसे दुर्माजला पुरानी ईमारत ।

के० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक धायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेज, हैवराबाद

तारीख : 23 नवम्बर, 1974

मोहरः

प्रक्रम आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सचना

भागत सरकार

महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्राप्यंन रेंज 1, कलकत्ता का कार्यालय

कलकसा. दिनांक 18 नवम्बर 1974

स० टि० ग्राप्र-1620/सि-419/कल-I/73-74 यतः, मुक्ते, एस० के० चक्रवर्ती आयक्षर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विश्वास वरने काकारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसमान उचित आजार मृत्य 25,000/- स्पए से अधिक है कौर जिसकी म० 55 हे जो, राजरा रदीट में स्थित है और इससे उपाबक्ष **अनुसुक्षी में ग्रौर** पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्या-लय रिजस्ट्रार ग्राफ एसुरेन्स, 5 गवर्नमेट प्रेस कलकता मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 26-3-1974 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दश्यमान प्रतिकक्ष के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख की गई है और मुझो अन्तरित अनुसार कारण हे कि यथा पूर्वोक्त यह विश्वास अपन का सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐस दृश्यमाम प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अस्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिकित्वित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1 मैसर्म थी नरिसगहाय मदन गोपाल (इस्जीनियसं) प्रा० लि० (म्रन्तरः)
 - श्रीमती काशी देवी मृन्दरा (चन्तरिती)
- उ प्तियम बैंक प्राप एडिया (यह व्यक्ति जिसके प्रिधिभोग सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो -

- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना क राजपन्न में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर ज़क्त स्थावर सम्पक्ति में हितबह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा मकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदङ्कारा आगे यह आध्रमूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण ---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पद्यो का, जो आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

55/1बी, राजरा स्ट्रीट में श्रवस्थित श्रेमिसेज नं० 55 राजरा स्ट्रीट का एक तत्ना जो लगभग 3739 वर्ग फिट है।

एम० के० चकवर्ती,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज ।

तारीख: 18-11-74

मोहर.

प्रहाप आई० डी० एन० एन० ∽—-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वर्ग तर) की घारा 269-घ(1) क अधीन मुचन।

भारत संस्कार

सद्यायक ग्रायकर ग्रायवन (निरीक्षण) का कार्यालय

भोगाल, दिनायः 21 तत्रम्बरः 1974

निर्देश स० एस० प्रार०/इन्दौर 19-3-74---प्रतः मुझे एम० एफ० मुन्धी आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 4त) की धारा 269-मा के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह **पिएवा**स करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, -जिसका उचित बाजार महत्य 25,000/-०० से आधिक है भार जिसकी स०1000 प्लाट ऐरिया नं १४६. नयापुरा इन्दीर से स्थित है (श्रीर इससे उपाबह अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित ह), प्रजिस्दीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, उन्दीर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-3-74 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम क दृश्यमान प्रतिफल के लिए, रिजर्स्स्वित विलेख क अनुसार अल्लरित की गई ह अं।र मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवन राम्पन्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृण्यमान प्रतिकल से ऐसे दृण्यमान प्रतिकल क्षा पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरका) आर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 की 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने था उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रिया का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियमं, (1922 का 11) या आयक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-बार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, धिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में प्रवीचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गए है।

अतः अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- । श्री भगवान दाम पुत्र श्री देवराम जी पहूजा ४।४। गायल माइकिल छाप मन्द्रल कोतवाली के मामने, महारानी राड, इन्दोर । (ग्र∓सरकः)
- 😃 श्री रामजी खेत सीमा रूम० न०186, नयापुरा न० 🕠 जेल रोड, इन्द्रीर । (प्रन्तरिनी) को यह सूचना जारी करकेपुर्वीचित सम्पत्ति क अर्जन के लिए एनद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अजेन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो : 🕖

- (फ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की मारीख स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बधी व्यक्तिया पर गुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाका त्यक्तियों में में किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशित की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एसद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाना है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षंपो, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए सारीख और स्थान नियत किए जाएगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एनद्द्वारा आर्ग यह अधिमूचित किया जाता है। कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पटिकरण:--इसमे प्रयक्त मन्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लगभग 1,000 वर्ग फीट प्लाट ऐरिया स्थित नं० 186 ग्या प्रा न० 1, जेल रोड, इस्दौर।

> एम० एफ० मुन्शी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोषास

तारीख : 21-11-74

मोहर:

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की श्रारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्याणय, महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-IV, कलकत्ता

भलभत्ता, दिनाक 12 नवम्बर, 1971

निर्वेण म० ए० मी०/145/श्राण-IV/कल०/74-75—मन मुझे एस० भट्टाचार्या आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 13) भी धारा 269-ख के अधीन रक्षम प्राधिकार, भी, यह विश्वास करने वा नारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिल्लास करने वा नारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिल्लास उचित बाजार मूर्य 25,000/- स्पर्य से अधिक है श्रीर जिल्ला से का 302, सी० ग्राई० ही० स्लीम स० VI एम० है, जो कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इमसे उपाबद ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बालत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधवारी के वार्यालय सब रिजस्ट्रार, णियालदह में भारतीय रजिस्ट्राकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 11-3-1974

का पूर्वोक्त सम्पत्त के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्त के लिए रिजम्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास धरने था गारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपत्त का पन्द्रह प्रति-शत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक्त क्य से कथित नहीं थिया गया है .——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसम बचने के लिए सुकर बनाना; और/था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रशट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अबः, धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उप-धारा (1) के अधीन निम्निकित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- । श्री स्रमल कृष्त पाल (बर्तमान पता नहीं माल्म) (শ্বনস্ক)
- 2 श्रीमती भारदा देवी, मिलल, 302 मी० श्राई० री० स्कीम सुरु VI एम० कलाइला ।

(प्रनारिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के अर्यू के अर्थन के अर्थ

उनन गम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :- -

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की ध्यधि जा भी विश्व बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर प्रविध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न म प्रकाणन की तारीख म 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिन्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी। प पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एनद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थापर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख ओरस्थान नियत किए आएंगे और उसकी सूचना हुए ऐसे व्यक्षित को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरित्ती की दी आएगी।

एतदक्षारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना वी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के सभय सने जाने के लिए अधिकार इस्सार

स्पद्धीकरण --- इसमें प्रयुवत ग्रब्दों और पदी का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 4.3) के अध्याय 20-क में यथापरिकाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुमुची

4 कट्ठा, 7 घटाक जो कि वो मंजिला मकान है, और जमीन है. प्लाट सं० 302 सी० श्राई० टी० स्कीम स० VI एम० कलक्षा।

> ामे अद्भावार्था, सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर भ्रायूक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, क्लकक्षा-1

नारीख . 12-11-1974 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस०⊶----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ध (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

भाषां महायक द्यायकर द्यायका (निरीक्षण) द्यांन रेज-1, कलकता

कलकत्ता, दिनाक 25 नवम्बर, 1974

निर्देण म० टि०ग्रार०-71/मि०-69/क्ल०-2/74-75---मन मुझे एम० के० चकवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से अधिक है भीर जिसकी स०17 है, जो टान्टि बागान रोड, क्लकत्ता में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से अणित है) रजिस्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार ऑफ कलकत्ता में भारतीय रजिस्क्रीकरण अधिनयस 1908 (1908 ना 16) के प्रधीन 22-3-1974

को पृथींगत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यभान प्रति-फल के लिए रिजिस्ट्रीष्ट्रत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितिमो) के बीच तय पामा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से प्रकृत अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 को 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सकुर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्णन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए है।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व की उपवास (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्वातु:--- । मईदा खातून,

- (भ्रन्तरक)
- महस्मद ग्रनवर हुमैन,
- (2) महम्मद रफिक,
- (3) महम्मद ग्राबुसाचे,
- (4) महस्मद सामिन ब्राखतार
- (5) महम्मद इसलाम,
- (6) महस्मद ग्रानसार भालम
- (7) नुरजहान बेगम
- (8) ग्रमर बेगम

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृशारा कार्यवाहिया शुरू करना हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कीई हो तो:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की धारीख से 45 विन के भीतर उपन स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा मकींगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूजित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूजना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत्त किए जाएंगे और उसकी सुजना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती की वी आएगी।

एतद्बारा आगे यह अधिमूचित विधा जाता है कि हर ऐसे स्थानित को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन मूचना दी गई है, आसीपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पव्यक्तिरण—इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में स्थापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अ**नुसूची**

प्रेमिसेज नं० 17, टान्टि बागान लेन, कलकर्सा में **धवस्थित** भाशिक दो भीर भीशिक तीन तल्ले का मर्कीन का साथ 3 कट्टा 38 बर्ग फीट जमीन।

> एस० के० वक्रवर्ती, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-४, कलकत्ता

तारीख: 25-11-1974

मोहर:

कायिनय सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण),

धर्जन रेंज-III, कलकत्ता

फलकत्ता, दिनांक 15 नवम्बर, 1974

निर्वेश सं० 205/एकुरे-III/74-75/वल---यतः, मुझे, एन० के० बालस्क्रमनियन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- कपए से अधिक है भौर जिसकी सं० 266 ए०, है जो रासबिहारी एवेन्यु, कलकला में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबढ़ प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण इप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्सा प्रधिकारी के कार्यालय मबरेजिस्ट्रार, सियालवह में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 18-3-74

को पूर्विक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीष्ट्रत विलेख के प्रमुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उमत अन्तरण लिखित में वास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बजने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बमाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के सभीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्वात्:—— 5--386 Q1/74

- 1. श्रीमति छबिरानी मैन,
- 2. श्री जितेन्द्र नाथ मैक्र,
- 3. श्री विकाश मैंत्र, सबका पता पि०-38 लेक मिड रोड़, अलक्षता-6।
- 4. श्रीमित कस्यानी राय 17/1ए०, बालीगंज स्टेशन रोह, कलकत्ता-19। (श्रन्तरक)
- 2. श्री धीरेण कुमार अश्रवतीं, 221 रामबिहारी ऐबेन्यू, गलकत्ता-19 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतव्हारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतवृद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि को हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाए और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्सरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिस्चित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब तिन कट्टा 14 छिटाक बास्तु जिमन जो पौर सं० 266 ए० रासबिहारी एवेम्य थाना-बालीगंज, कलकत्ता पर अवेस्थित है भौर जो सब-रेजिस्ट्रार-सियालदह द्वारा रेजिस्ट्री किया दलिल सं० I 509 के भन्तार है।

> एल०के० बालसुत्रमियन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजीम रेंज-III, कलकत्ता

सारीख : 15 नवस्वर, 1974 ।

मोइरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

न्नायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के श्रधीन सूचना

भारत संरकार

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (तिरीक्षण), का कार्यालय

थ्रजॅन रेंज-1V, नलकसा

कलकत्ता, दिनांक 22 नवम्बर, 1974

निर्देण सं० ए० सी०/146/प्रार०-IV/कलकसा/74-75--यत: मझे एस० भट्टाचार्या म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के ग्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है भीर जिसकी सं० वाग सं० 27 श्रीर 28 है, जो कलकत्ता में स्थित है (भ्रौर जससे उपावद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जिला सबर्जिस्ट्रार, श्रलीपूर, 24 परगणा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रक्षिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 28-3-1974 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत भ्रधिक है श्रौर यह कि भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) और भ्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत श्रायकर श्रिश्चित्यम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना श्रीर/या ;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

ग्रीर यतः भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

श्रत: ग्रब, धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ब्रायित:~-

- ा. कचिलाल गोरे,
- 2. परितोष गोरे,
- 3. मानिक लाल गोरे, } 115, राजा राजेन्द्र रोड, कलकता-10
- 4. भोदक लाल गोरे,
- 5. रतन लाल गोरे,
- 6. श्रीमती मिलन विश्वास,
- 7. श्रीमती लाबणया कुन्डु, 66/2ए, गागी भुषण दे स्ट्रीट, कलकत्ता-12। (प्रन्तरक)
- 2. मेमर्स ए० तालुकदार एन्ड को० (फार्टिलाईजारस), प्रा० लि०, 15, क्लाइव रोड, कलकता-1। (ग्रन्सरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो तो:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह श्राधसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे श्रीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को वी आएगी।

एतद्द्वारा भागे यह भ्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के भ्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पर्वो का, जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2 बीघा, 2 स्क्वेयर फीट जमीन, मौजा निमक, पोकतान, थाना यादवपुर, जिला 24 परगना भौर जैसा कि भ्रन्सरण लिखित में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> एस० भट्टाचार्या, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीम रेंज IV, कलकत्ता

तारीख: 22-11-1974

मोहर.

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) भोपाल, दिनांक 21 नवम्बर 1974

निवेंश सं० एस० भार०/इन्बीर/ 1 4-3-7 4---यतः, मुझे एम० एफ० मुन्मी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित 25,000/- रुपये बाजार मुख्य से अधिक श्रीर जिसकी सं० जायदाद स्थित है, जो इन्दौर, खन्डवा रोड, इन्दौर में स्थित है (क्योर इसमें उपाधन्न कनुसूची में क्यीर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्राकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्द्रीकृत मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन 14-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच त्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भीरयतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्रीमती रानी लक्ष्मी देवी पति सर बहादुर समसेर जग, बहादुर राना, निवास खन्डवा रोड, इन्दौर (श्रन्तरक)
- 2. श्री मरदकुमार पुत्र श्री राम नारायण ग्रग्नवाल, निवास 4/2 श्रद्धा नन्द मार्ग, इन्दीर (ग्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एनद्द्वारा कार्यवाहियां मुक्त करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्थिक्त धारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाऐंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यंथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

जायदाव स्थित के० एम० स्टोन्स 5 भ्रौर 6 के बीच बैस्ट साईख इन्दौर, खन्डवारोड, खसरा नं० 6/1 (पार्ट०), 7/4 (पार्ट), 7/5 (पार्ट), 7/6 (पार्ट), 7/8 (पार्ट) स्थित ग्राम लिम्बोडी, तहसील इन्दौर।

एम० एफ० मुन्शी, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 21 नवम्बर 1974 मोहर , प्ररूप आईं० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, कलकत्ता

भलभारा, दिनांक 25 नवम्बर, 1974

निदेश सं ए० सी० 71/प्रार०-Пकलकता 74-75---यत:, मुझे श्रार० बी० लालमविया सहायक श्रायकर श्रायुक्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह त्रिक्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० 612/1 है, जो डायमन्ड हारकर रोड, श्रो-ब्लाक, प्लाट सं० 15, थाना न्यू प्रलीपुर, कलकत्ता-53 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार, 24-परगना, श्रलीपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीत 28-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के प्रमुसार प्रस्तरित की गई है न्नीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच सय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जम के लिए कार्यवाही मुख्य करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अस धारा 269-ग के अमुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म की उपआरा (1) के अधीन निम्निस्तित व्यक्तियों, अर्थातः ---

- 1. श्री प्रणवेन्द्रनाथ बनर्जी, 612/1, डायमन्ड हारबर रोड, थाना न्यू ग्रलीपुर, फलकत्ता-531 (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती माया बनर्जी, स्वर्गीय दिनेन्द्रानाथ बनर्जी का पुली, 612/1, डायमन्ड हमण्बर रोड, यो-व्लाक, कलकत्ता-53। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्हारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यिष कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यवित की, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आकेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान के साथ, 3 कट्टास, 15 चिट्टान्स, 30 वर्ग फीट, क्षेत्रफल जमीन, जिसकी सम्पत्ति सं० 612/1, डायगन्ड हारवर रोड, ग्री-व्लाक, प्लाट सं० 15, धाना न्यू भ्रलीपुर, कलकत्ता-53 है।

धार० बी० लालमविया सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-1।

ताफीख: 25-11-1974

मोहर:

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) भोषाल

भोपाल, विनाक 21 नवम्बर, 1974

मिर्वेश स० एम० प्रार०/इन्दोर/1 1-3-74—स्वतः, मुझे, एम० एफ० मुस्थी,

स्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूरुय 25,000/रुपये से प्रधिक है भ्रीर जिसकी सं० जायदाद स्थित है, जो इन्दौर/खन्डवा रोड, इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध सनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिजित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 14-3-74 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रसिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि प्रन्तरिक (प्रन्तरिकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे धन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्मिलिखत उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:—~

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीम कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बमाना ; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य मास्तियों, को जिन्हें भारतीय भाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भाय-कर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भीर यतः भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भव्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा भ्रभिलिखित किए गए हैं।

मतः शव, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, भागकर प्रधि-नियम 1961 (1961 का 43)) की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात् :---

- 1. श्रीमती रानी लक्ष्मी देव पति सर बहादुर समणेर जग बहादुर, राना, निवास खन्डवा रोड, इन्धोर। (श्रन्तर्क)
- श्रीमती निरिक्षका बाई पति श्रीराम नारायण श्रग्नवान, निवास 8/2, श्रद्धानन्द मार्गे, इन्द्रीर । (ग्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए एसद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो, तो।--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह मधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ब्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अंतरिती को दी जाएंगी।

एतदृद्वारा ध्रागे यह ध्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना वी गई है धाक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो ग्रायकर
ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित ह, वही
ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया
है।

भनुसुची

जायदाद स्थित के० एम० स्टोन्स 5 ग्रीर 6 के श्रीच वैस्ट साइड, इन्दौर, खन्डवा रोड, खसरा नं० 5/3 (पार्ट), 2/8 (पार्ट), 6/1 (पार्ट), 6/2 (पार्ट), 6/3 (पार्ट), 7/1 (पार्ट), 7/2 (पार्ट) स्थित, ग्राम लिम्बोडी तहसील इन्दौर।

एम० एफ० मुन्हों सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, भोषाल।

तारीख : 21-11-74

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)का कार्यालय भर्जन रेज-भोवाल

भोपाल, दिनाक 21 नवम्बर 1974

निदेश सं० एम० ग्रार०/इन्दौर/14-3-74---यत . मुझे एम० आयकर अधिनियम, एप० मन्गी 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से अधिक है भीर जिसकी संव जायबाद स्थित है, जो इन्दौर, खन्डवा शेष्ट, इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर से भारतीय रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन 14-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रति-फल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नही किया गया है ---

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर श्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही भुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्रीमती रानी लध्मी देवी, पति सर बहादुर सममेर जंग बहादुर राना, निवास खन्डवा रोड, इन्दौर। (श्रन्तरफ)
- अभि मोदीलाल जी पुत्र श्री विदिश्वित्य सम्मात, निवास 67 नौलखा रोड, इन्दौर। (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं:---

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्बारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति की, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायवाद स्थित के० एम० स्टोन्स, 5 छौर 6 के बीच, वैस्ट साइड, इन्वीर, खन्डवा रोड, खसरा मं० 6/2 (पार्ट) 7/1 (पार्ट) 7/3 (पार्ट) ग्राम लिम्बोडी, तहसील इन्दीर।

एम० एफ० मुन्शी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, भोपाल

तारीखा: 21-11-1974

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज 3, बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 18 नवम्बर 1974

निर्देण सं० अर्जन ड० सं० 3/504/74-75:---श्रन:, मुझे

श्री भ्रारं जी े नेरुकर, सहायक श्रायकर श्रायका (निरीक्षण) भ्रजीन रेज 3 वश्वई, आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25000/- रुपये से अधिक है भीर जिसकी सं० प्लाटंसं० 10, सर्वे २० 480 है, जो स्थायर मालाह (पश्चिम) में स्थित है (ग्रीर इसमे उपायक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार का कार्यालय बान्द्रा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रथीन 29 मार्च, 1974 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निभ्नलिखित उद्देश्य मे उवत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म की उपघारा (1) के अधीन निम्नक्षिखत व्यक्तियों, अर्थात:—-

1. श्री सलीम बदुदीन मालाडवाला जो श्रीमती कुलसुमवाई बदुदीन मालाडवाला के मृत्युपत्र का एक्झिक्युटर है। सलीम बदुदीन मालाडवाला भीर बद्ददीन इस्माइल मालाडवाला और बद्ददीन इस्माइल मालाडवाला अँकिलऔन" श्राफ लिटिल गीक्ज रोड़ मलवार हील, बम्बई-6 (मन्तरक)

2. तच को श्रापरेटिव्ह हार्जीसंग सोसायटी लिमिटेड एस० न० 480 ग्राप मामलतदार बाडी रोड एक्टेंशन मालार (पश्चिम), बम्बई-64। (अन्तरिती)

अ लिबर्टी इनवेस्टमेट्स "भवेंचलिखान" लिटील गीब्ज

रोष्ट मलवार हील बस्वई-६

ा --प्रशोवत-(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया भुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर मम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे य्यवित को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्परदीकरण:---१समे प्रयुवस ग्रन्थों और पवो का, जो आयकर अधिन्यम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है। असुसुची

भूमी का कह तमाम टुकड़ा या श्रंग जो पहले खोती टेन्युग्रंथ था ग्रीर श्रभी महाराष्ट्र लैण्ड रेव्हुन्यु और कोड में धारण
ग्रीर निर्धारीत किया है। ग्रीर जिसके साथवाला स्ट्क्चर जो ग्राफ
मालतदारवाडी रोड़ एक्टेंगन मालाड (पिश्चम) के दक्षिण भाग
मे है श्रीर जो पहले तालुका बोरीविली ग्रीर जिरस्ट्रिंगन संविज्ञा
बांद्रा, जिला बम्बई उपनगर ग्रीर ग्रभी जो ब्हत्तर बम्बई शहर
और बम्बई उपनगर के रिजस्ट्रेगन जिला ग्रीर सब जिला
ग्रंनर्गत है ग्रीर माप से 714.86 वर्गमीटर यानी 855 वर्गगण
ग्रीर उसके बराबर है ग्रेर जिसकी सर्वेक्षण संब 480 (ग्रंग)
सिटी सर्वे 227/110 है ग्रीर प्लाट संव 10 से माना जाता है ग्रीर
इस प्रकार घरा हुग्ना है ग्रथित :— पूर्व की ग्रोर से सर्वे संव 479
से, पिण्चम की ग्रोर से पूर्वनिणित 30 फिट चौड़े मार्ग से 1
उत्तर की ग्रोर से प्लाट संव 7 से ग्रीर जिसकी सर्वे संव 480 वाले

ध्रार० जी ० ने रूरकर, सक्षम प्राधिकारी,

सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण),

तारीख : 18 नवम्बर 1974। श्रर्जेन रेंज 3, बम्बई । मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालम, सहायक भ्रायकर भागुन्त (निरीक्षण) अर्जन रेज कामपुर

कानपुर, दिनाक 2 नवम्बर 1974

निर्देण मं० ग्रर्जन/68/सहारनपुर/73-74/2032:--यतः, म्झे, वाई० खोखर, आयकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी स० 3/1393 है जो बलदेव प्रसाद वजोरिया रोड, सहारतपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध ग्रतुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहारनपुर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के ग्रधीन 3-3-74 पूर्वीक्त सभ्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के **दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार** अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया ै :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अमुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उप-धारा (1) के अधीन निम्निवित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री ग्रादित्य कुमार बाजिर्या पुत्र हरी शकर बाजिस्या निवासी 125, श्यामा प्रमाद मुखर्जी रोड कलकला द्वारा संरक्षक हरी शकर बाजिर्या । (ग्रन्तरक)
- 2. स्टार पेपर्स मिल्म लि० द्वारा मैनेजर बी० एल० लोहिया. 27, ब्रायन रोड, कलकशा-1।

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति अक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतवृद्वारा यह श्रिधसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाऐंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचनादी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

"गेट हाऊस" मकान का श्रविभाजित भाग का 1/3 हिस्सा जिसका म्यूनिस्पिल नं० 3/1393 जिनके साथ रसोई घर, गैरेज, सरवेंट क्यार्टस, कैटेल शेष्टम, स्टोर एम, साथ में बाग श्रादि जिसका एरिया, 186245 वर्ग फिट (20693-8/9 वर्ग यार्ड) 103487 वर्ग मीटर स्थित बलदेव दास बजारिया रोढ़, सहारनपुर पास डबल फाटक जिसका हस्तांतरण 1,33,333.33 ६० में हुआ।

वाई० खोखर, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर ।

तारीख: 2-11-1974

प्ररूप आई० टी० एन● एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक **ग्रायकर श्रायु**क्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 नवम्बर 1974

निर्धेश सं० म्रर्जन/67/सहारनपुर/73-74/2035:—यतः, मुझे वाई० खोखर, ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० 3/1393 है जो बलदेव दास वजोरिया रोड़, सहारनपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय, सहारनपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 3-3-74

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— 6—386GI/74

- श्री मशोक कुमार बजोरिया पुत्र श्री एस० एस० बजोरिया, निवासी 125, श्यामा प्रमाद मुखर्जी रोड़, कलकत्ता। (मन्तरक)
- 2 स्टार पेपर मिल्स लि० द्वारा मैंनेजर श्री बी० एल० लोहिया, 26, ब्रावन रोड़, कलकत्ता-1 (ग्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाघर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एसद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए सारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को. जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिकाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

"गेट हाऊस" मकान का ग्रविभाजित भाग 1/3 हिस्सा जिसका स्यूनिस्पल नं० 1393 जिनके साथ रसोई घर, गैरेज, सरबेंट क्वार्टस, कैंटल शेंडस, स्टोर रूम, साथ में बाग श्रादि जिसका एरिया 186245 वर्ग फिट (20693-8/9 वर्ग यार्ड) 10347, वर्ग मीटर स्थित बलदेव दास बजोरिया रोड़, सहारनपुर पास डबल फाटक जिसका हस्तांतरण 1,33,333.33 पैं० में हुआ।

वाई० खोखर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर ।

तारीख: 2 नवम्बर 1974।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, विनांक 25 नवम्बर 1974

मं० ग्रार० ए० सी० 48/74-75:—-यतः, मुझे के० एम० वेंकटरामन्, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 405/18 गांधी नगर है, जो तिरूपती में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय तिरुपती में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 4-3-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कालत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्बों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुक्त करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः **मध्, धारा** 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के **अजी**न निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्रीमती दासू महालक्ष्मम्मा पत्नी श्रंजनेयल् पालाकोल,
 जिला गोदावरी पन्निम (श्रन्तरक)
- 2. (1) कोनेटी नागप्पा (2) ई० कृष्ना रेड्डी (3) डी० धर्मय्या, टी० टी० डी० क्यार्टर्स के० टी० रोड़ तिरुपती। --- (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं :--

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति डारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिनी को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे स्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना थी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सस्पत्ति:----प्लाट नं० 405, वार्ड नं. 18, घर नं० 3, टी० एस० नं० 459, गांधी नगर, तिरूपती ।

> के० एस० वेंकटरामन्, सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

ता**रीख**: 25 नवम्बर 1974।

द्वारा:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 26 नवम्बर 1974

स० म्रार० ए० सी० 43/74-75 --- यतः, मुझे, के० एस० वॅक्टरामन,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है और जिसकी स० 3/210 अनतापूर है, जो अनन्तापूर में स्थित है (भीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, अनंतापुर में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8 मार्च, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई भिग्सी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. (1) एम्० पदमावतम्मा पत्नी एम० मल्ला रेड्डी (2) एम्० सोम सेखर रेड्डी (3) एम्० मायनाथ रेड्डी पुत्र एम्० मल्ला रेड्डी प्रनंतापुर (ग्रन्तरक)
- (2) (1) श्री डी॰ ग्रनस लक्ष्मी पत्नी डी॰ वेंक्टेश्वर रेड्डी (2) श्रार॰ उदय सुन्दरी कुमारी पत्नी ग्रार॰ राम रेड्डी श्रनंतापुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी क्रारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

- उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यवि कोई हो, तो :---(क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब क

दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब है किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतब्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाऐंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा। स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति:---घर नं० 3/210, फर्म रोड़, नई टाउन ध्रनंतांपूर, 22 सेन्टस्

के० एस० वेकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैवराबाद

तारीख: 26नवम्बर 1974।

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-IV, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए० पी०/195/प्राई०ए०सी०/ए०प्रार०-4/74-75 --यतः, मुझे ग० सो० राव आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है मौर जिसकी सं० सर्वेक्षण नं० 147 है, जो कांजूर गांव में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) 帝 25-3-1974 को पूर्वोक्स सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अंतरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:---

- (1) श्री बिनसेस्ट एस० रेमेडियस, रेमेडियस हाऊस, विकोली रेलवे स्टेशन के सामने, विकोली, बम्बई-78 (अन्तरक)
- (2) चेतना एपार्टमेन्टस को० घो० हार्ऊासग सोसायटी लि० 11, सरद बिल्ला, जंगल मंगल रोड, भांडूप, बम्बई-78 (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हैं, ती:~-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्स होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितखा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसं व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्सी पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमसूची

वे सभी टुकड़े या खाली जमीन का स्वीग या जमीन जो गांव कांजूर में है, माप में 2379 वर्गगज प्रर्थात 1988 61 वर्ग मीटर भौर रिजस्ट्रेशन उपजिला बान्द्रा जिला वम्बई उप नगर भौर बिरा है उक्तर की भीर से विकेता की जगह द्वारा, दक्षिण की भौर मे भन्तरिती की जगह द्वारा, पूर्व की श्रीर से नाला द्वारा भौर पश्चिम की भोर से जंगल मंगल रोड द्वारा प्लांट का सर्वेक्षण नं० 147 (श्रंश) और सी० टी० एस० नं० 174 कांजूर।

> ग० सो० राब, मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-IV, बम्बई

तारीख : 12-11-1974

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-----

मायकर ग्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ग्रर्जन/66/सहारनपुर/73-74/2034:—-यतः, मुक्ते, बाई खोखर

श्रायकर धर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रत्ति, जिसका मुल्य 25,000/-२० से अधिक है उचित बाजार श्रीर जिसकी सं० 3/1383 है जो बलदेव प्रसाद बजरिया रोड़, सहारनपुर में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहारनपूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 3-3-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के भनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (भ्रन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या ;
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या म्रन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 1) या म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर म्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भौर यत: श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के गब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रीभिलिखित किए गए हैं।

ग्रत: ग्रब, धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथांत:---

- श्री श्रिभिणेक कुमार बजोरिया पुत्र श्री विजय गंकर बजोरिया, 125, श्यामाप्रसाद मुकर्जी रोड, कलकत्ता द्वारा विजय-गंकर बजोरिया । (श्रन्सरक)
- 2. स्टार पेपर मिल्स लिमि० द्वारा मैनेजर श्री बी० एल० लोहिया, 27 बाबोर्न रोड़, कलकत्ता-1 (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिये एसदुद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पाम निखित में किए जा सकें।

एसद्द्वारा यह प्राधसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के प्रजान के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए प्राक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख भीर स्थान नियत किए जाएगे भीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा श्रागं यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो आयकर श्रिवियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20 में यथापरिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

"गेट-हाउस" मकान का श्रविभाजित 1/3 भाग जिसका म्युनिस्-पल नं० 3/1383 जिसके साथ रसोईघर गैरेज, सरवेन्ट क्वार्टस कैटल गैंड्स स्टोर रूम लान कोर्ट यार्ड बाग भादि जिसका क्षेत्र० फ० 186245 वर्ग फीट (20693-8/9 वर्ग गज) 10347 वर्ग मीटर स्थित बसदेव दास बजोरिया रोड़, सहारनपुर निकट डबल फाटक जिसका हस्तान्तरण 1,33,333.33 ०० में हुमा।

> वाई० खोखर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजेन रेंज, कानपुर

तारीखाः 2 नवम्बर 1974

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 नवम्बर 1974

निर्देश स० टी० भ्रार०-1615/सी-441/कल०-1/73-74--यत, मुझे, एस० के० चकवर्ती, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य जिसकीं सं 0 16/6/1 है, जो श्रीमन्त डे लेन, कलकत्ता में स्थित है श्रौर इससे जपाबद्ध प्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता ब्रिधिकारी के कार्यालय रिजस्ट्रीकर्णा श्रधिकारी, 5, गवर्नमेंट प्लेस (उत्तर) कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 18-3-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीव सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत मधिक है भौर यह कि अन्तरक (अन्तकों) भौर अन्तरिती (म्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तण के लिए प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के मधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने के लिए सुकर बनाना और/या;
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रीधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

ग्रीर यत: ग्रायकर श्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा ग्रधिलिखित किए गए हैं।

ग्रत: ग्रब, धारा 263-ग के मनुसरण में, मैं, भायकर भ्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीन :--- (1) श्रीमती सरस्वती प्रग्रवाल

श्रन्तरक ।

(2) श्री श्यामानन्द जालान

भ्रन्तरिती ।

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति श्राक्षेप, यवि कोई हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख्र) इस-सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतद्द्वारा यह श्रिधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के ग्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख भौर स्थान नियत किए जाएंगे भौर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतदब्रारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूयवर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शव्दो श्रीर पदो का, जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मकान नम्बर 16/6/1, श्रमन्त डे लेन, कलकत्ता जो कि 1 कहा, 12 छटांक 23 वर्ग फीट कम या भ्रधिक पर स्थित है का श्राधा भ्रविभाजित भाग।

एस० के० सक्तवर्ती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 पी०-13, चौरंगीं स्क्वायर, कसकत्ता।

तारी**ख-**22-11-74 मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 26 नवम्बर 1974

सं ग्रार ए सी - 49 / 74-75 -- यत:, स्मे के एव . वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य 25,000 र० से अधिक है वाजार ग्रीर जिसकी सं० 2/147 नागराजापेट है, जो कथप्पा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता मधिकारी के कार्यालय कडप्पा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिघिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 6-3-1974 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरफ के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)

के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री पालिगरी बालरेड्डी 2/147, बेलदार स्ट्रीट नागराजू पेट, कडप्पा । (भ्रम्तरत)
- 2. श्रीमती लेमाडा नागसुब्बम्मा पत्नी राम चेश्नोरेड्डी वकील, 2/147 बेलदार स्ट्रीट, नागराजू पेट, कडम्पा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्वारा कार्यवाहियां गुरू करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख भौर स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनक्षाई के समय सुने जाने के जिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ द्वोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

सम्पक्ति:—-नं० 2/147 बेलदार स्ट्रीट, नागराजू पेट, कडप्पा, क्षेत्रफल 9 सेन्टम् ।

के॰ एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराब।द

ता**रीख** : 26-11-1974

मोहर ।

प्ररूप आई०टी०एम० एस०-

आयकर मधिनियम, 1961 (1961का 43)की द्यारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-I कलकता

कलकत्ता, दिनांक 22 नवम्बर 1974

निर्देश सं० टी० श्रार० 1616/सी-442/कल०-1/73-74---चक्रवर्ती, एस ० आयकर यत:, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-खाके अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मल्य ŧ 25,000/-₹٥ से अधिक भौर जिसकी 16/6/1 है, जो श्रीमन्त डे० लेन, कलकत्ता में स्थित है भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्णं प्रधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रीकर्ण प्रधिकारी 5, भ्रवंनमेंट प्लेस (उत्तर), कलकत्ता भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 18-3-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि य चापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अम्तरण के लिए प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर अनामा;

भौर यतः आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अव, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

भ्रन्तरक ।

श्रीमति सरस्वती भ्रग्नवाल

श्रंतरिती ।

किरन जालान

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतव्हारा कार्यवाहियां शरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो ---

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसब्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे अयक्ति को, जिसे पूर्ववर्शी पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-र्क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

16/6/1, श्रीमन्त के लेन, कलकत्ता में स्थित 1 कट्टा 12 छटांक 23 वर्ग फीट कम प्रथवा ग्रधिक भूमि का ग्राधा ग्रवभाजित भाग।

> एस० के० चक्रवर्ती, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज 1 पी०-13, चौरंगी स्क्वायर, कलकला

तारीख : 22-11-74

प्रारूप धाई० टी० एन० एस०--

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन सुचना

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज I, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनाक 18 नवम्बर, 1974

निर्देश सं० टि० ग्रार०-1621/मि०-420/कल०-I/73-74-यतः, मुझे एस० के० चक्रवर्ती 1961 (1961 का 43) की यायकर प्रधिनियम, धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 55 है, जो एजरा स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ प्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार श्राफ एश्योरेसेस, 5, गवर्नमेन्ट प्लेस नार्थं मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 26-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के ग्रनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गथा ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना:

और अत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गये हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की 7---386 GI/74 उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- (1) मैं श्नारोम महाय मदन गोपाल (इन्जिनियर्स) प्रा० लिमिटेड। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सदापृणं देवी मृत्वा (ग्रन्तरिती)
- (3) इण्डियन बैक आफ द्रिष्डिया लिमिटेड । वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति ग्राक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपद्य में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थाधर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त एव्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

55/1-ए, एजरा स्ट्रीट, कलकत्ता प्रेमिसेज नं० 55 एजरा स्टीट में एक नल्लाका श्रम जो लगभग 3786 वर्ग फिट है।

> एस० के० चक्रवर्ती, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेज-I, कलकत्ता

तारीख: 18-11-74

प्रारुप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्राय्वत (निरीक्षण)

भोपाल, दिनांक 19 नवम्बर, 1974

निदश सं० एस० श्रार०/इन्दौर/26-3-74---यतः मुझे एम० एफ० मुन्शी

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है और जिमकी मं इन्हान प्राट नं 33 है, जो शिवविनाम पैलेम, इन्दीर में स्थित है (श्रीर इमने उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में यणित है), रिजरड्रीकर्ता श्रिधकारी के नार्यालय, इन्दौर में भारतीय रिजरड्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-3-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से

कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति या उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के थीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी क्षाय या घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आंयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- मैं नर्स गालिगराम नटवर लाल नीमा एन्ड कम्पनी द्वारा श्री बच्चूलाल पुत्र बाब् लाल जी गुप्ता, 339 महात्मा गांधी रोड, इन्दीर। (श्रन्तरक)
- 2. मैसर्स सचानन्द एन्ड संस, संयुक्त परिवार (1) श्री सचानन्द पुन्न श्री बसंधमल जी, 10 गंजी कम्पाउन्ड इन्दौर, (2) श्री किणन दास पुत्न श्री नेसन्द रामजी, 25 छोटी खाल टोली, इन्दौर, (3) श्री वासुदेव पुत्न श्री फेस्मल जी, 3, काटजू कालोनी, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा गह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्परहोकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुफान नं० 2 स्थित प्लाट नं० 33 पर शिव विलास पेलेस, इन्दौर, ऐरिया $18'-9''\times18'\times9''\times6'\times6'$ ।

एम० एफ० मुन्सी मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भोपाल।

तारीख: 19-11-74

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

PART III-SEC. 1]

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भोपाल, विनांक 21 नवम्बर, 1974

निर्देश सं० एस० ग्रार०/इन्दौर/21-3-74---यतः, मुझे एम० एफ० मृत्की भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन गक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है स्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 17 मवान है, जो इन्दौर में स्थित है (भौर इससे उपाबस ग्रन सूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ब्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन 21-3-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया, ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के सिये सुकर बनाना ।

भीर यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के पाठ्यों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1. श्री किशन लास पुत्र श्री विन्जाजी, निवास प्लाट नं० 71 श्रगरसेन नगर, विजासनी रोड, इन्दौर। (श्रन्तरक)
- 2 श्री मुणील कुमार पुत्र श्री क्वांरलाल जी बाकलीवाल, प्लाट नं 17, श्रगर मेन नगर, विजामनी रोड, इन्दौर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्थित प्लाट नं० 17, अगर सेन नगर, इन्दौर, ऐरिया $30 \times 50'$ ।

एम० एफ० मुन्सी सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 21-11-74

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भीपाल

भोपाल, दिनाक 21 नवम्बर 1974

निर्देश स० ए.स० ग्रार०/इन्दौर/14-3-74—यतः मुझे एस० एफ० मुन्शी

भायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु० से अधिक है

भौर जिसकी स० जायदाद स्थित है, श्रीर जो 3, खन्डवा इन्दौर में स्थित है (भौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 14-3-1974 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार गूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या
- (धा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—-

- 1. श्रीमती रानी लक्ष्मी देवी पति सर बहादुर समसेर ऋंगु बहादुर राना, निवास खन्डवा रोड, इन्दौर। (भ्रन्तरक)
- 2 श्रीमती पारवती वाई, पति श्री मोदी लाल जी भग्नबाल, निवास 67 नौलखा रोड, स्वौर। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति की, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा। स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद स्थित के० एम० स्टोन्स, 5 श्रीर 6 के बीच वैस्ट साईड खन्डवा रोड, खसरा नं० 4/6 (पार्ट) स्थित ग्राम लिम्बोडी सहसील इन्दौर।

> एम० एफ० मुन्सी, सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर स्नामुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, भोपाल

नारीख: 21-11-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एम०———— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 नवस्वर 1974

सं पार ए ए सी 45/74-75-यन: मुझे के एस वेंकटरामन सहायक श्रायकर श्रायक्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृहय 25,000 रुपये से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० 9-10-143 गिरमाजीपेट है, जो बरंगल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय वरंगल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण **प्रधिनियम**, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 30-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिप्ती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिपक्ष, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्धो में पूर्विवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. श्री सिन्धा सुदर्शनम् पुत्र नरसप्पा, 9-10-43, गिरमाजी-पेट, वर्गन । (श्रन्तरक)
- 2. र्श्वा संकर्णनिम पुन्न नरमप्प, 9-10-143, गिरमा-जीपेट, वरंगल। (ग्रन्तिरिती) को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदुद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किभी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनयाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-म में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति---9-10-143, गिरमाजीपेट, वरंगल, क्षेत्रफल 123 वर्ग गज।

> कें० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 26-11-1974

प्रारूप आई० टी० एन० एस०———— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल। भोपाल दिनांक 21 नबम्बर 1974

निदेश सं० एस० श्रार०/इन्दौर/14-3-74—यत: मुझे एम० एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० जायदाद स्थित है, जो इन्दौर/खन्डवा रोड, इन्दौर मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-3-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्रीमती रानी लक्ष्मी देवी, पति सर बहादुर समसेर जन बहादुर राना, निवास खन्डवा रोड, इन्दौर (मन्तरक)
- 2. श्री लखमीचन्द्र पुत्र श्री विद्यीचन्द्र जी श्रग्रवाल, निवास 6/6 नोलखा रोड, इन्दौर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिए एतद्दारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज कि में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्दारा यह अधिसूनित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पति के अर्जन के प्रति इस सुचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीब और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दो जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद स्थित के० एम० क्टोन्स 5 मीर 6 के बीच बैस्ट साइड, इन्दोर खन्डवा रोड, खसरा नं० 4/1, 4/2, 4/4, पार्ट मीर 4/5 मौर 4/6 (पार्ट) स्थित ग्राम निम्बोडी, तहसील इन्दौर। एम० एफ० मुक्शी

सक्षम प्राधिकारी

तारीख: 21-11-74 महायक भायकर भायका (निरीक्षण) मोहर: अर्जन रेंज भोपाल प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायृवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोपाल का कार्यालय, भोपाल, दिनाक 21 नवस्वर, 1974

निर्देश सं० एस० ग्रार०/इन्दौर/14-3-74--थतः, मुझे, एम० एफ मुन्शी आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- क० से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० जायदाद स्थित है, जो इन्दौर-खन्डवा रोड, इन्दौर में स्थित है (ग्री)र इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर मे भारतीय रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 14-3-74 प् बोक्ति सम्पत्ति के उचित मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पम्प्रह प्रतिगत अधिक है और यह कि अग्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित मे बास्तिबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

क्षौर यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-य के मब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :--

- श्रीमती रानी लक्ष्मी देवी पति सर बहादुर समसेर जंग बहादर राना, निवास खन्डवा रोड, इन्दौर। (ग्रन्तरक)
- 2 श्रीमती मनफली बाई, पति श्री लखमी चन्द्र जी निवास 6/6 नौलखा रोड, इन्दीर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख भीर स्थान नियत किये जायेंगे भीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के भन्तरित्ती को थी जाएगी।

एतव्द्वारा आगे यह धिधसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पव्यीकरण: --- इसमें प्रयुक्त गन्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनु**स्**ची

जायदाद स्थित के० एम० स्टोन्स, 5 श्रीर 6 के बीच धंस्ट माईड, इन्टोर-खन्डवा रोड, खसरा नं० 4/6, (पार्ट), 5/1 (पार्ट), 5/2 (पार्ट), 5/3 (पार्ट), 5/5 (पार्ट), 6/3 (पार्ट), 7/2 (पार्ट) स्थित ग्रीम लिम्बोडी, तहसील इन्दोर।

एम० एफ० मुन्सी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायूस्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 21-11-74

प्रारूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल का कार्यालय भोपाल, दिनांक 21 नवम्बर 1974

निर्वेण सं० एस० धार०/इन्दौर/14-3-74--यतः, मुझे, एम० एफ० मन्शी, ध्रायकर म्रांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विभ्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भीर जिसकी सं० जायदाद स्थित है, जो इन्दौर-खन्डवा रोष्ट. इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्राकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 14-3-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-मान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रसिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक -(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

लिखित में वास्तविक रूप से कियत नही किया गया :--

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे ब्रारा अभिलिखित किये गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्रीमती रानी लक्ष्मी देशी पति सर बहादुर समसेर जंग बहादुर राना, निवास खन्डया शेड, इन्डोर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री मुशीर भूमार पुत्र श्री राम नारायण जी श्रश्वाल, निवास 4/2 श्रहानन्द मार्ग, इन्दौर। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य-व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसने ऐसा अक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

जायदाद स्थित के० एम० स्टोन्स 5 ग्रीर 6 के बीच वैस्ट साईड खन्डवा, खसरा नं० 4/7 (पार्ट), 4/8, 5/7, 5/6, 5/5 (पार्ट) स्थित ग्राम लिम्बोडी, तहसील इन्दौर।

एम० एफ० मृस्थी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भोपाल

तारीख : 21-11-74

प्रकप आई० टी० एत० एस०----

आयकर **अधिनियम**, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक धायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 23 नवम्बर 1974

सं श्राप्य एवं सीव 42/74-75 -- यम , मुझे, केव एसव वेंबटरामन, आयक्षर अधिनियम,

1961 (1961का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से अधिक है धौर जिसकी सं० 2/636/3 नक्क लगुट्टा है, जो वरंगल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, वरंगल में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27 मार्च, 1974 को

पूर्वोक्स सम्पति के उचित बाजार मूख्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य उसके वृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिशत श्रीधक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्येवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—— 8—168GI/74

- 1. श्रीमती बी॰ बेंकटश्मा, 2/636/3, नक्कलगृष्टा, बरंगल (ग्रन्तरफ)
- 2. श्री बीठ नरसिम्हा म्ती, मीठ एठ जेठ पीठ एनठ रोड, वरंगल (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्दारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में प्रयापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

सम्पत्ति:---धर न० 2/636/3, नक्कलगुट्टा, हनमकोडा, बरंगल, क्षेत्रफल 578 वर्ग गज।

> के० एस० **बेंकटरामन्.** सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा: 23 नवम्बर, 1974।

मोद्गर:

प्ररूप माई०टी० एन०एस०-

आयकर, **अधिसियम**, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 नवम्बर, 1974

सं शार ए० सी ० 46/74-75:—यत:, मुझे, के० एस० केंकटरामन्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की श्वारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसकी उचित बाजार मूख्य 25,000/— रुपये से अधिक है और जिसकी सं ० 9-9-94 और 95 गिरमाजीपेट है जो वरंगल में स्थित है (ग्रीर इससे उपावब अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा प्रधिकारी के कार्यालय, वरंगल में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 24-3-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजर्ट्राइत विलेख के अनुसार अम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिदित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः---

- 1. श्री सिल्वा मल्लप्पा पुत्र नरसय्या १-१-१5, गिरमाजी-पेट, वरंगल (धन्तरक)
- 2. श्री सिल्वा संकरिलगम् पृत्न तरसप्या १-१-७-७४, गिरमाजी पेट, वरंगल (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतवृद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगें और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्हारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति :---9-9-9-4, और 95, गिरमाजीपेट, वरंगल, क्षेत्रफल 169 वर्ग गण ।

के॰ एस॰ वेंकटरामन्, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 26 नवम्बर 1974।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज-I, कलकत्ता

कलकता, दिनांक 18 नवम्बर 1974

निर्देश सं ० टि॰ प्रारं ०-1 62 2/सि ०-42 1/कल ०-1/7 3-74--के० चक्रवर्ती, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है भीर जिसकी सं० 55 है, जो एजरा स्ट्रीट में स्थित है श्रीर इससे उपाबढ प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार ग्राफ एशयुरेस 5 गवर्नमेंट प्लेस नार्थ कल० में भारतीय रजिस्द्रीकरण भश्चिनियम 1908 (1908 का 16) के भाधीन 26-3-74 को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से क्षम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के ग्रनुसार ब्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्तिका उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है मीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरको) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीम कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

श्रीर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दो में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं। अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- 1. मेसर्स श्री नर्रासंसहाय मदनगोपाल (ईन्जीनियर्स), (प्रा०), लि० । (प्रन्तरक)
 - 2. सुरज भाई मुन्द्रा। (श्रंतरिती)

- 1. मेसर्स डोयेलंस ईलेक्ट्रिक वर्कस ।
- 2. मेसर्स ईलेकट्रिक ईनडस्ट्रीज ।
- मेसर्स द्वारिका दास मोहता,
- 4. मेसर्स दीनेस चन्द्र रतिलाल साहा,
- 5. मेसर्स ईन्डिया ईलेकद्रिकालस,
- 6. मि० करण सील कोसल,
- 7. भ्रजित रेडिभ्रो करपोरेशन प्रा० लि०,
- 8. मि० विद्या सिं,
- 9. मि० रमण लाल दागा
- 10. मि० एस० एन० बिस्वास,

वह व्यक्ति/जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पक्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में विष्णु जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचमा के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पब्हीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

55/2ए, एजरा स्ट्रीट कलकत्ता में प्रेमिसेस न० 55 एजरा स्ट्रीट का दो तल्ला का दो मलग श्रंग जो 1410 वर्ग फीट मौर 940 वर्ग फीट (एग्रिगेट लगभग 2350 वर्ग फिट) है।

> एस० के० चक्रवर्ती, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकरभायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I,

पी-13, चौरंगी स्क्वेयर, कलकला।

तारीख: 18-11-74

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) का कार्यालय म्रर्जन रेंज, बधाई

बम्बई, दिनांक 26 नवम्बर, 1974

स० प्रे पी० 196/प्राई० प्रे० मी० ग्रे प्रार० 4/74-75.--श्रप्तः, मझे, श्री ग० सो० राव, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज बम्बई चार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० सर्वेक्षण नं० 175 हिस्सा नं० 1 (श्रंग), सर्वेक्षण नं ० 176, हिस्सा न ० 1, 2, 3, 4, 5 है, ओ कोले, कल्याण में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकता प्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 19 मार्च. 1974 को पर्योक्त सम्पत्ति के उचिद बाजार मुख्य से कम के धरममान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिगत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियो को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए थ।, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत:, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

1. श्री बलबीसिंग करमीरसींग भौर श्रन्य 18, मेहता चेम्बरस. कल्याणस्ट्रीट, दाना बन्द्रर, बम्बई

2. श्री बिचटरसिंह प्यारासींग, प्लांट नं० :-183, मादुंगा-(भ्रन्सरिती) सायन रोड, सायन, बम्बई-22

(111 (14) (111) - 14 ME	(4.00 (01)
 वह व्यक्ति जिनके अधिभाग में सम्पित् 	ग हैं
व्यक्तियों के नाम	व्लाक नंऽ
 श्रीमित निलनी पी० सिनोई 	1
2. श्री के० पी० मेश्रीयू	2
 श्री फयाज श्रहमद श्रेबाशबली श्रहमद 	3
4. श्री ए० पी० फरनानदी श	4
 मेसर्स मुलुण्ड भायरन भौर स्टील 	5 से 16
 श्री एलेश मिथपू दाएस 	17
 श्री एसटिबीन पी० मेनदीम 	18

 श्रीमति इशारकौर मोहिन्दीरसिंग 	19
9. প্ৰী एল ০ তী০ সূজ	20
10 श्रीमती बी० घोर० मिरन्डा	21
 श्रीमती शान्ताकुमारी एस० सीग 	22
12. श्री विलियम डीसोजा	23
13. श्री कालानीय एमवलर	24
14. श्रीएम० टी० पोमश	25
15. श्री ज्योज घोमस	26
16. श्री अच्टी० ची कर	27
17. श्री उरवन डीसोझा	28
18. श्री एफ० एन० काजनवाला	29
19. श्री पाटिरक होमेन	30
20. श्रीमती जी० ए० डी कोटा	31
21. श्री ए० चेलपन	32
22. श्री गोपालदास खेमका	गैरजन ० 1,3 % ार 4
23. श्री केवलसिह चन्डोक	गैरजन≎ 2
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति	के अर्जन के लिए
एनटवारा कार्यवादियाँ शस्त्र करता है ।	

एतद्द्वारा कायवाहिया शुरू करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हैं, तो:--(क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अर्घाध या तत्संबंघी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतदद्वारा यह अधिसुचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पन्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐस व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्रोपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण .---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसृची

वह सभी जमीन के दुकड़े जिसका सर्वेक्षण न० 176 हिस्सा नo:-1, 2, 3, 4, श्रीर 5 श्रीर सर्वेक्षण नंo:-175, हिस्सा नंo.-1 (श्रंश) जो भाप में 1270.72 वर्गमीटर (ग्रथीत् 1520 वर्गगज) साथ में बिल्डींग जो वहाँ स्थित हैं छोर जो गोविन्दसागर नं०:-- 1 नाम से जानी जाती है और जो घिरी है उत्तर की भोर से बिल्डीग नं०:-18 जो गोविन्दसागर नं०:-2 श्रौर सर्वेक्षण ऋ० 171, दक्षिण की म्रोर से सी० एस० टी० रोड़ द्वारा जिसमें नेड़को चेनल समावेश होता है ग्रौर पूर्वकी ग्रोर से उस मं०:-175 हिस्सा मं०:-1 श्रीर पश्चिम की श्रीर से 30' बड़ा प्रायवेट रोड़ द्वारा यह जगह रावाना गांव-कोले कल्याण मे स्थित है जो उप-जिला बान्द्रा और जिला बम्बई उपनगर में है। ग० सो० राव,

सक्षम् प्राधिकारी,

सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

श्रजीत रेज-चार, बम्बई **लारीख**: 26 नथम्बर, 1974 मोहर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18-11-1974

निर्देश सं० टि० धार० 1623/सि-423/कल 1/73-74---यत: मुझे एस० के० चक्रवर्ती, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है भीर जिसकी सं० 55 है, जो राजरा स्ट्रीट में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्याक्षय रजिस्ट्रार श्राफ एथसुरेन्स 5 गवर्नमेंट प्लेस नार्थ कलकता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन 26-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ग्रधिक है भीर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रजीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उनने बचने के लिए सुकर बनाना श्रीर/या;
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भौर यत: भ्रायकर भ्राधानयम, 1961 (1961 का 43) के भ्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रीभलिखित किए गए हैं।

श्रत : श्रव, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269थ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, श्रयति:—

- 1. मॅमर्स श्री नर्रामशहाय मदनगोपाल (इनजिनियर्स) प्रा॰ लि:। (ग्रन्तरक)
 - 2. लक्ष्मी दे**वी मुन्त्रा**

(भ्रन्तरिती)

- 3. 1. श्री एस० एन० विशम्भरन
 - 2. आनद तन सतनारायण मुन्द्रा
 - 3. श्री प्राण **किनण मुगजल**
 - 4. ., सुनील सपिति
 - 5- ,, चंद्र गायापण **महता**
 - 6. ,, सान्तिलाल सि० साहा
 - 7. ,, पि० सि० ग्रग्नवाला एण्ड क०

(वह न्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतवृद्धारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्धारा यह ग्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के ग्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख ग्रौरस्थान नियत किए जाएंगे ग्रौर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा ग्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के ग्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतंद्द्वारा भागे यह भ्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे त्र्यक्ति को, जिसे पूर्व वर्ती पैरा के भ्रधीन सूचना दी गई है, भ्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए भ्रधिकार होगा।

स्पन्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ग्रायकर ग्रिश्वित्यम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही भ्रर्थ होगा, जो उस भ्रष्टमाय में दिया गया है।

धनुसूची

55/ 2बी, राजरा स्ट्रीट प्रेमिसेज नं० 55 राजरा स्ट्रीट का दाव तल्ला का ग्रलग ग्रंग जो लगभग 2369 वर्ग फिट है"

> एस० के० चकवर्ती सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1 कलकत्ता ।

तारीख: 18-11-1974

मोहरः

प्ररूप माई०-टी०-एन०-एम ----

म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के म्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, I कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 नवम्बर 1974

निर्देश सं० टि॰ ग्रारं॰ 105/सि॰-90/कल-2/74-75 :—
यत', मुझे एस॰ के॰ चक्रवर्ती, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु॰ से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० पी-23ए, है, जो सि० श्राई० टि० रोड. कलकत्ता में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार सियालदह, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीमीन 14-3-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के श्रनुसार श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिधिक है श्रीर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखिन उद्देश्य मे उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना:

श्रीर यत: श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीकत सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

ग्रतः ग्रम, धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपद्यारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:--

- श्री रवीद नाथ भटाचार्य ।
- (अन्तर्रक)

2. श्री प्रशोक कुमार राय,

(मन्तरिती)

को यह सूचन्ना जारी करके पर्वोक्त सम्पति के श्रर्जन के लिए एतद्**डा**रा कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पति के श्रर्जन के प्रति ग्राक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से से 45 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह श्रिधसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उतर में किए गये श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख श्रौर स्थान नियत किए जाएंगे श्रौर उसकी सूचना हर एसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतब्द्वारा श्रागे यह भ्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों के सुनवाई समय सुने जाने के लिए भ्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो आयकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया है।

ग्रनुसूची

पी-23-ए, सि॰ ग्राई० टी॰ रोड कलकत्ता से ग्रब स्थित 1 कट्टा 8 छटाक 16 वर्ग फीउ जमित।

> णम० के० चक्रवर्ती सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज I गी०-13 चौरंगी स्ववेयर कलकत्ता.

तारीख: 18-11-74।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहावक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज, I कलकला

कलकत्ता, दिनांक 18 नवम्बर 1974

मिर्देश सं० टि० आर०-1624/सि० 4-25/कल-1 /73-74 यत:, मुझे एस० के० चन्नवर्ती, भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर जिसकी सं० 55 है. जो रजरा स्ट्रीट में स्थित है श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में घौर पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार भ्राफ एशवुरेंस कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्री-करण मधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन 26-3-74 को पूर्वोक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण 🖣 लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (का) ऐसी किसी आय् या किसी धन या अन्य आन्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 ना 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

नौर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

भत:, अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मै, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

मेसर्स नारसि सहार मदनगोपाल (ईंजीनियर्स) प्रा० लि०; (ग्रन्सरक)

मंतरिती ।

शीमति रनन देशां मुक्षद्वा, वह व्यक्ति/जिसके श्रिधिभोग में संपन्ति है।

- भारत पयकोजि प्रोडाकट,
- 2. मुरली टूलेबद्विक को;
- हरि प्रकाश क्यस ऐंड कृष्ण कुमार कथास,
- ₄ के० एच० रभी,
- स्टोर साप्लायस सिडीकेट,
- एस० धार० चौचारिया,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियस किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यवित को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी आएगी।

एतब्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पन्नीकरण: — ६ममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यदापरिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

55/3-बी, राजरा स्ट्रीट, कलकत्ता प्रेमिसेज नं०: 55 राजरा स्ट्रीट मे० तिन तल्ला का श्रंण जो लगभग 2436 वर्ग फीट है।

एस० के० चक्रवर्ती सक्षम-प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I कलकत्ता

ता**रीखः :--18-11-7**4, मोहरः :---

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक शायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 27-11-1974

निर्देश सं० एसि-74/ब्रार-II/कलकसा/74-75 :---यतः, मुझे श्रार० वि० लालमोया,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25000/- रुपये से अधिक है ग्रौर **जिसकी** प्लाट सं० 2650 ग्रीर 2661 है, जो जे० एस, सं० 30, खतियान सं० 3224, मौजा थाना ग्रीर जिल्ला बर्दमान में स्थित है (भौर इससे 'उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्टीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार ग्राफ एगुरेन्सस कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 16-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उलित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचमें के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धम या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिमियमः 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुक्र करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपघारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) 1. श्री हतुमान प्रसाद चिरीपाल
 - श्री श्याम सुन्दर चिरीपाल
 - श्री बिनोद कुमार चिरीपाल
- 4. श्री प्रमानिक चिरीपाल (नाबालिंग), प्रतिनिधत्व-पिता श्री एस० एस० चिरीपाल
- 5. श्री विश्वा एन, चिरीपाल, खुद और नार्बालिंग मांगीकान्त चिरीपाल के लिए 8/1/1, श्रीलपुर रोड़, कलकत्ता-27, (अन्तरक) (2) श्री रामकृष्ण बनर्जी ग्राम, कोपा, थान, कटुलपुर, बांकुडा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन के लिए एतवृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यवि कोई हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एसद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसब्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना वी गई है आक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्यव्यक्तिरण—इसमें प्रयुक्त गम्बों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यद्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा थाना धौर जिल्ला, बर्दमार्न में. 47 एकर क्षेत्र फल का खाली जमीन जिसकी प्लाट सं० 2650 धौर 2661, जे० एल० सं० 30 धौर ख सं० 3224 है।

ग्रार० वी० लालमोया सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, पि०-13, चोरगी स्कायर, कलकत्ता-1

तारीख: 27-11-1974

प्ररूप आई०टी०एन०एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनाक 19 नवम्बर 1974

निर्देश स**० एस० श्रार०/इन्दोर**/26-3-74---पन. मुझे एस० एफ० मुखी

स्रायकर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० दुकान प्लाट नं० 33 है, जो शिव बिलास प्लस, इन्दौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीवार्ती स्रिधिकारी के वार्यालय, इन्दौर में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन 26-3-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य रेग वस के दृष्यमान प्रतिफल के लिए राजस्ट्रीकृत विशेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वाम करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तित बाजार मध्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिणत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उदन अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) वे अध्याय 20-क ने णव्दो में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही णुक्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा १)) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- मैसर्म सालिगराम नटबरलाल नीमा एन्ड कम्पनी हारा श्री बच्च लाल पुत्र बाब लाल की गुप्ता, 339 महारमा गांधी रोड, इन्दौर। (ग्रन्सरक)
- 2 मैंसम सचानन्द एन्ड सन्स, संदुक्त परिवार, (1) श्री सचानन्द पुत्र श्री वसधमवजी, 10 गांधी कम्पाउन्छ, इन्होर, (2) श्री विशान दास पुत्र श्री नेमन्दरामजी, 25 छोटी खाल टोली, इन्होर, (3) श्री बामुदेव पुत्र श्री फेस्मल जी, 3, काटज कालोनी, इन्होर। (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एनद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करना हूं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी **ख से 45** दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विद्यत में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थानर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिमी को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पत्नशिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

दुकान नं ० 2 स्थित प्लाट नं ० 33 पर शिव विलास पेलेस इन्दौर एरिया $18'--9'' \times 20' \times 13' \times 6'$

एम० एफ० मुन्क्षी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 19 नवम्बर 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2-11-74

निर्दश स॰ प्रर्जन/112/देहरादून/74-75/2033 -- यत , म्झे, वाई० खोखर, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अधीन की धारा 269-खा के मक्षम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है भौर जिसकी सं० 20 है, जो पलटन वाजार देहरादून में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, देहरादून में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन 29-3-74 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिपल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/पा]
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सिए सुकर बनाना।

और यतः क्षायकः र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के प्रक्षों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के मिए कार्यवाही मुक्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए नष् है। अत: अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-मियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म की उपघारा

- (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात:---
- (1) 1 श्री विजय कुमार गुप्ता पुत्र श्री ब्रह्म स्वरूप गृप्ता निवासी
 16 बी, ताशकन्द मार्ग, इलाहाबाद।
- 2 श्री रबीन्द्र प्रताप लाहोरी पुत्र श्री देवेन्द्र प्रताप लाहोरी मालती महल रोड, 3, खार, बम्बई-52। (ग्रन्तरक)
- (2) 1 श्री भूपेन्द्र सिंह पुत्र श्री राम नारायन, निवासी 20-ए, गोविन्द नगर, देहरादून। (भ्रन्तरिती)
- (3) । नरायन बैंकर्स, 20, पलटन बाजार, देहरादून।
 - खुर्जी स्टोर्स, 20, पलटन बाजार, देहरादून।
 (वह ब्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदब्रारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूधना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास कि खित में किए जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि की हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियन किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन स्चना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्परहोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रचल मपिल जिसकी स०पुरानी 27 ग्रौर नयी 20, जो कि पलटन बाजार देहरादून में स्थित है जिसका हस्तानरण 47000/- रू० में हुग्रा। ग्रचल सपिल दो मजिला विल्डिंग जिसमें ग्राट कमरे तथा दुकान भिम खण्ड पर तथा प्रथम खण्ड का एरिया 600 वर्ग फीट है। वाई० खोखर

> सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्राजैन रेज, कानपुर ।

नारी**ख** 2-11-1974 मोहर प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

नार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27-11-1974

निर्वेश स० ए मि०-73/प्रार-II/कलकत्ता/7 4-75:— यतः मुझे. ध्रार० वि० लालमविया, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह किस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- २० से अधिक है भीर जिसकी प्लाट सं० 40 सि है, जो ब्लाक, बि, न्यू अलीपुर, कलकत्ता में स्थित है धौर इससे उयाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब, रजिस्ट्रार, प्रलीपुर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपत्त का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; आंर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्धों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाह्यी शुक्र करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अघीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) 1. श्री भूपेश चन्द्र, मुखर्जी,
 - 2. श्री विगेश चन्द्र मुखर्जी
 - 3. श्री श्राशुतोश मुखर्जी
 - 4. श्री केशव चन्द्र मुखर्जी
 - 5. श्री मजीत कुमार मुखर्जी
 - 6. श्री घरण कुमार मुखर्जी
 - श्री दिलीप कुमार मुखर्जी
 - श्री प्रपूर्व मुखर्जी

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती हिरण बाला साहा 1/2, के० डि॰ मुखर्जी रोइ, बेहाला, कलकत्ता-60। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, हो:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्शारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए आएंमें और उसकी सूचना हर ऐसे थ्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी आएगी।

एतवृद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे स्पक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण----इसमें प्रयुक्त मध्दो और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बि-ब्लाफ, न्यू भलीपुर, कलकत्ता में, 4.09 कट्टा क्षेत्रफल का खाली जमीन जिसकी प्लाट सं० 40 सि है।

> श्रार० वि० लालमविया सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज II, पि-13, चोरंगी स्कोयर, कलकला-2।

तारीख:-- 27-11-1974

मोहर:--

प्रारूप आई० टी० एन० एस०----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायक्षर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराक्षाद

हैदराबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1974

मं० ग्रार० ए० सी० 55/74-75---यत:, मुझे, के० एन० बेकटरामन, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- क० से ग्रधिक है और जिसकी स० 7-1-39/10 तथा 11-ए० मिजो कम्पाउंड है, जो निजामाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता क्रिअकारी के कार्यालय, निजामाबाद में भारतीय र्राजस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांदा 27 मार्च 1974 का प्वांचित सनाति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीचन बाजार मुल्य, उसके दुष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुख्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है आर यह कि प्रन्तरक (अन्त-र ों) ौर भ्रन्तिरी (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पापा गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी ब्राय की बावन ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के ध्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने के लिए मुकर बनाना, और/या ;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं के लिए सकर बनाना।

ौर यतः भायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रष्टयाय 20-क के शब्ों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाही जुक करने के कारण भेरे द्वारा श्रिभिलिखित किए गए हैं।

अत:, अब, धारा 269-ग के अनुमरण में, में आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियो, ध्रर्थात:—

- প্রনিষ্
 নিংলা বীঙ্ক, বিংলা বাজাং নিজামারাহ
 (প্রদানহর)
- 2 श्री चिक्रनाला निमवय्या मृष्ठुत मी० एम० शंकारय्या निवामी वडा बाजार, निजामाबाद। (प्रकारिती) का यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए

का यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां मुरू करता हू।

- उक्त सम्पत्ति के धर्जन के प्रति ध्राक्षेप, यदि काई हो, तो:—(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न मे प्रकाणग की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

एतद्द्वारा यह श्रिधिसूचित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के ग्रजंन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपो, यदि कोई हो, की सुनयाई के लिए तारीख और स्थान नियन किए जायेगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्बारा आगे यह आधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, प्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पडीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो ख्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा. जो उस श्रध्याय में दिया गया है ।

ग्रन्मूची

सम्पत्तिः नं० 7-1-39/10 श्राधा भाग श्रीर पहला घर न० 7-1-39/1:-ए० का चौथा भाग, मिरची कंपोंड, निजा-माबाद t

के० एस० वेकटरामनः, सक्षम प्राधिकारीः, सहायकः भ्रायकार श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, हैंदराबाद ।

दिनाकः: ७ दिसम्बर 1974।

मोहर

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस० +

अधिनयम, 1961 (1961 मा 43) की धारा

269-घ(1) के प्रधीन मुचना

भारत सरकार

सहायवः ग्रायक्षर ग्राय्वत (निरीक्षण) का कायीलय

अजन रेम 1 र संस्थाना

कलकता, धिनांक 18-11-1974

निर्देश स० टि० ग्रार०-1636 यत मुझे एस० के० चत्रवर्ती आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसवा उचित बाजार मूल्य 25000/- रूपये से अधिक ह और जिसकी में ० 42ए, है, जो मांधन, पीधार मरणी कलकत्ता में स्थित है और इससे उपाबक अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रिजस्द्रार प्राफ एस्ट्रेन 5 गवर्नमेन्ट प्लॅंस में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 मा 16) के, अधीन 29-3-1974 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजर्स्ट्राकृत विलख के अनुसार अन्तरित की गई ह फ्रोर मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथा-पूर्वीवत सम्पत्ति भा अचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स एम दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि

पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए श्रतिफल निम्निखित उद्देश्य में उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से विश्वत नहीं किया गया है:--
(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्य में वर्मी करने या उससे

बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

अन्तरका (अन्तरको) श्रोर श्रन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच तय

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभि-िखित किए गए हैं।

अतः, अत्र धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखन व्यक्तियों, अर्थान :--

1 मिहिर कुमार ल०4 2बी, मेकनपीथर सरजी (ग्रन्तरफ)

असम्भ गीतान्जलि हाउसिंग करपीरेणन 19 ए चौरणी रोड कलकता। (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्धारा कार्यवाहिया गुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजान में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस सूचना के राजगत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम निखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जन्ता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, प्रदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचिन किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पत्नीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

42 मेक्स पीवर सरणी कलकता में अवस्थित 4,440 वर्ग फिट, (6 बट्टा 2 खटाक 30 वर्गफिट) कमिन।

> ग्म० के० चक्रवर्ती सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रवीत रेंज 1, कलकता

तारी**ख**: 18-11-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद हैंदराबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1974

स० भार० ए० सी० 52/74-75--यतः, मुझ, के० एस० वेंकटरामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० 1105/614 सोमाजीगुडा है, जो हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद म भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 29 मार्च 1974 को अधीन विनांक पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और पह कि अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरम के लिए प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किमी आप की बाबत आयकर आध-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और /या;
- (ख) ऐसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और पत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आपकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्रीमती रिखया बाई पत्नी सईफुद्दीन, एम० कांची बाला 5-9-29/A/1,बशीर बाग, हैदराबाद (ग्रम्तरक)
 - 2. (1) श्री मेथाराम पुत्र नारायनदास,
 - (2) श्री मोती राम पुत्र मेथाराम, 3-4-529/1/1 निगरन्नी, हैंदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी भरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के प्रति ग्राक्षंप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में संकिमी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस मूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के अति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि काई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती का दी जाएगी।

एतद्द्वारा धागे यह प्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के प्रधीन सूचना दी गई है, ध्राक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए प्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त मञ्दों भीर पदों का, जो भ्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति: जमीन तथा इमारत नं० 1105, वार्ड नं० 6 सर्नेल् नं० 4, ब्लाक नं० 3 (पुराना नं० 496, वार्ड 4) जो निचला मंजला तथा पहला मंजला, जो सोमाजीगुडा, हैदराबाद में स्थित है जो 2915 वर्ग गज है।

> के० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, हैंबराबाद।

दिनांक : 6 विसम्बर 1974।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, महायक भ्रायक्तर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1974

सं० भ्रार० ए० मी० 54/74-75---यतः, मुझे, के० एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह छिण्वाम करने का कारण है कि स्थावर मन्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये में अधिक है और जिसकी सं 15-9-599/587 महब्बगंज है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीवर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीवरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाव 6 मार्च, 1974

को पुर्वोक्त मम्पत्ति क उचित बाजार मल्य के दण्यमान प्रतिफल के रजिस्ट्रीवृत्त विलेख के अनुसार अस्तरित की गई है और मुझे यह विक्यास करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिपल वा पन्द्रहणनिशन अधिव है और यह दि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बील तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक मप से कथित नहीं विया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय भी बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने के लिए मुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गण हैं।

अतः अत्र, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- 1. बालकृष्ण दास पुत्र परमनदास 4-3-346, स्थाक स्ट्रीट, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती देवी बाई पस्ती श्रर्जुन दास, 1-2-385 गगन महल, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, लो---

- (व) इस यूचना के राजपन में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एनद्द्वारा यह अधिसृचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि काई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित विया जाता है कि हर ऐसे ध्यवित को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सृनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पन्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिधाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

सम्पत्ति: निचला मंजला, पहला तथा दूसरा मजला नगर न० 15-9-599, 15-9-587 भीर 15-9-588, 589 तथा 598 का भाग जो महबूबगंज हैंदराबाद में स्थित हैं क्षेत्रफल (130 वर्ग गज़)।

> के० एस० वेकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद।

दिनांक: 6 विसम्बर 1974

मोहर .

(भ्रन्सरक)

प्रहप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1861 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रामकर श्रामुबत (निरीक्षण), श्रजन रेंज 4 कलकला का कार्यालय

कलकत्ता-16, दिनांक 26-11-74

निर्देश सं० ए-िम 148/ श्रार-4/वल०/74-75 यतः मुझे, एस० भट्टाचार्या आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- म्पये मे अधिक है श्रीर जिसको सं० 7-बी, एलिंगन रोड़ कनकत्ता, है जो रिजस्ट्राम् श्राफ एसिओरेन्स में स्थित है श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 30-3-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्न के लिए रिजर्ट्री हत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विध्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए मुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-भाही मुख्य करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- 1. मनोहर लाल जादबजी पेजिया
- 2 चिरंजन जादबजी पेजिया

- 3. चान्द्र तेजमल प्रिम
- 4. लक्षी रघ् मालकारनी
- 5. राम शितनदास त्रिमलानि भव
- 7-बी, एलगिन रोज, कलकत्ता
- 2 श्री मती प्रमेत्राण कासवेकार 7-बी एलगिन रोड्ड कलकत्ता (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्मिति के अर्जन के लिए एनद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उषत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएगे और उराकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति का, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

्सद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे क्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पव्हीकरण:--इममे प्रयुक्त शब्दों और पत्रों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

ष्ट्राट न० 10 श्रत 5 फ्लोर श्राफ श्रेमिसेस नं० 7वी. एलगित रोड, कलकता।

> एस० भट्टाचार्या, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुवत (निरीक्षण), भ्रर्जन रेज 4, 54 रिफ भ्रहमद किदनाई रोड़, कलकत्ता

नारीख : 26-11-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण)
धर्जन रेज. निजामाबाद

निजामाबाद, विनाक 11 दिसम्बर 1974

निर्देश सं० भार० ए० सी० 59/74-75--- यत , मुझे, के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का -43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है भीर जिसकी सं० 7-9-883 है, जो गोडौन रोड में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रिधिकारी के कार्यालय, निजामाबाद मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण **अधिनियम, 1908 (1908** का 16) के प्रधीन 30-3-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का, पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच सय पाया गया ऐसे अम्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से चक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया €:---

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी घन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

श्वीर यत्तः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त कथित के अर्जन के लिए कार्यवाही शुक्र करने के कारण करेदारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्न-श्रिकित व्यक्तियों, अर्थात :— श्रीमती गँगीनी राजूबाई पती एम० जी० गँगाराम एम० जी० सैंकिल टेब्सी निवासी गाजुल पट--निजामाबाद (ग्रन्तरक)

2. श्रीमती के० नररंगरावु 2. के० यादगिरी 3. को लगमी नारायन सुपुष्त के० गुरवय्या निवासी देवी रोड निजामाबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां मुक्क करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति भाक्षेप, यदि कोई हो, सो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह श्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपो, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे अयिक्त को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना वो गई है, आओपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो ध्रायकर ध्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) के ध्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं ध्रध होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

सँपन्नी 11 मुनीसीपल नं० 7-9-883 गोडीन रोड, निजामाबाद जुमला वर्ग --1806 स्केयर गज ।

> के० एस० वेंकटरायन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, निजामाबाय

तारीख : 11-12-1974

मोहर :

10-386GI/74

कार्यालम, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर 1974

निर्देश सं० ग्र० ई० 1/733-10/मार्च 74---भ्रत:, मुझे, श्री

शं० फड़के, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1 बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक श्रोर जिसकी सं०..... है, जो वालकेश्वर रोड, मालावर हिल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबत श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार, ब्म्बई मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधित्तयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक 5 मार्च 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिल्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत अधिक है और

यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित

उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं

किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही की शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री दिलिप कुमार जमनादास दलाल (अंतरक)
- श्री मुकुंद विठ्ठलदास भेहता श्रौर श्रमिता मुकुंद भेहता (श्रन्तरिती)
- 3. किराएदार (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लए एसद्वारा कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियस किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के जन्याम 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

छोड़ी हुई एवं किराए की जमीन या मैदान का वह ज़माम टकड़ा या भाग, साथ में गृह वाटिका निवास स्रोर वहां पर बनी इमारत जो वालकेश्वर रोड, मालाबार हिल बम्बई में स्थित है जो रजिस्ट्रेशन जिला एवं उपजिला बम्बई शहर श्रीर बस्बई उपनगर में है जो माप से 355 वर्ग गण या 288.10 वर्ग मीटर या उसके समकक्ष है जो पूर्व में सी० एस० नं० 136 (श्रंश) धारण की हुई जमीन से पश्चिम में मालाबार हिल रोड से उत्तर में सी० एस० नं० 136 धारण की हुई जमीन से और दक्षिण में सी० एस• नं० 134 भारण की हुई जायदाय तथा वहां भूमि पैतृक संपत्ति एवं भवन लैण्ड रेवैन्यू कलैक्टर की पुस्तकों में जूना क० 64, तया क० 11302, जुना सर्वेक्षण क० 2/28 तथा नया सर्वेक्षण क॰ 7266 एवं मालाबार तथा कम्बाला हिल डिवीजन का केडैस्टाल सर्वेक्षण ऋ० 235 एवं नगरपालिका भावों एवं करों के निर्धारक एवं संग्रहक की पुस्तकों में 'डी॰' वार्ड ऋ० 2051, गली ऋ० 247 बालकेम्बर रोड के ब्रन्तर्गत पंजीकृत की हुई डायदाद से घिरी हुई है।

> श्री गं० फडके, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ध्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक: 3 विसम्बर 1974।

प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०-

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यासय, सद्दायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, बम्बई तारीख 18-11-1974

निर्देश सं० धर्जन रेंज इ सं० 3/503/74-75 यतः मुझे श्री धार० जी० नेकरकर सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्मन रेंज 3 वस्वई

श्रीयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक हैं और जिसकी प्लाट सं० 9 सर्वे सं० 480 है, जो स्थावर मालाइ पश्चिम में स्थित है (और इससे उपाबद श्रानुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय सब रिजस्ट्रार का कार्यालय, बाँन्द्रा बम्बई, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-3-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के श्रनुसार श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रिधक है और यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से—उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी धाय की बाबत धायकर मधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में कभी करने या उसमे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (क) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती ग्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः ग्रायकर भधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

श्रतः श्रब, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्:—

 सलीम बदुदीन मालाडवाल। जो श्रीमती कुलसुमबाई बदुदीन मालाडवाला के मृत्युपत का एक्झिक्यूटर है। सलीम बदु- बीन मालाडवाला और श्री बहुदीन इस्माइल मालाडवाला 'ग्रंबलि-ऑन' ऑफ लिटिल गिब्ज रोड, मलबार हिल बम्बई, -6 (ग्रन्तरक) (2) कच को भ्रापरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी लि: मर्बे सं० 480 श्राफ मामलतदार वाडी रोड एक्टिशन भालाड (पश्चिम), बम्बई-64 (अन्तरिती)

(3) लिबर्टी इनवेस्टमेंन्टस 'श्रंबलिअान श्राफ लिटील गिढज रोर्ड, मलबारहिल बम्बई, 6 (अष्ट व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में यथोवत सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरीजानता है कि वह सम्पत्तिमें हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के श्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करना हं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रज्न के प्रति श्राक्षेप, यदि काई हो तो:—— (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्यावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकों।

एतव्द्वारा यह प्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के प्रजीन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए प्राक्षेपों, यदि कोई हो, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा प्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के प्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा धार्गे यह ध्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जी श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बही शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

भूमि का वह तमाम दुकडा या श्रग जो पहले खोती टेन्युर का था धोर धभी महाराष्ट्र लैण्ड रेब्हन्यु काड में धारण भौर निर्धारिता किया गया है भौर जिमके साथ वाला स्ट्रक्चर जो ग्राफ मामलतदार वाडी रोड़ एक्टेमन मालाड (पिल्नम) के दक्षिण भाग में है और जो पहले तालुका बोरिवली श्रौर रिजस्ट्रेमन सब जिला बान्द्रा जिला बम्बई उपनगर में था भौर भभी बृहत्तर बम्बई महर ग्रीर बम्बई उपनगर के रिजस्ट्रेमन जिला श्रौर सबजिले में श्रंतर्गत है। माप से 794.29 वर्गमीटर यानी 950 वर्गगज या उसके बराबर है और जिसकी सब्देशण सं० 480 (अंग) है भौर सिटी मर्वे सं० 22719 है श्रौर प्लाट मं० 9 से माना गया है भौर हम प्रकार घरा हुआ है प्रधीत:—पूर्व की ग्रीर में सर्वे सं० 479 से। पश्चिम कि ग्रोर से पूर्वनिर्णित 30 फिट चौड़े मार्ग से। उत्तर की भोर से प्लाट सं० 8 जिसकी सर्वे स० 480 है। श्रीर दक्षिण कि श्रोर से प्लाट सं० 10 जिसकी सर्वे स० 480 है।

भ्रार० जी नेरूरकर सक्षम प्राधिकारी

तारीख: 18-11-74 महायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण मोहर: श्रुजेन रेंज 3, बस्बई

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय सहायक आयकर श्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 विसम्बर 1974

स० श्रार ए० सी० 53/74-75-यतः, मुझे, के० एस० वेकटाण्मन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ह० से प्रधिक है ग्रीर जिसकी स० 15-9-587, 599 महबुब गंज है, जो हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड ग्रनसूची में ग्रौर पुर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीयर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 6 मार्च 1974 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्तिका उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामें के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखिस किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. बालक्रष्णवास पुत्र परमम वास, 4-4-341/1 सुलताने बाजार, हैदराबाद- (अन्तरक)
- 2. श्रीमती ईपवरी बाई पहनी गंगाराम, 1-2-385 गगन महल, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख, से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचनक की तामील से 30 दिन की अवधि. जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति डारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेत्रों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पटिकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिकाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनमुची

सम्पत्ति: नियला मंजला, पहला तथा दूसरा मंजला नगर नं० 15-9-587, 599 श्रीर 15-9-588, 589 तथा 598 का भाग जो महब्ब गंज, हैदराबाद में स्थित है। क्षेत्रफल 130 वर्ग गज।

के० एस० वेंकटराममं, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षम), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनाक . 6 दिसम्बर 1974। मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, वस्बई

बम्बई, दिनॉक 3 दिसम्बर, 1974

निर्देश सं० ग्र० ई०-1/731-8/मार्च-74--ग्रत मुझे श्री मं० फड़के सहायक आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-I बम्बई श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, करमे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- रु० से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 135 मलबार हिल ग्रीर कम्पाला हिल डिबीजन है, जो बालकेश्वर रोड, मलबार हिल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार, बम्बई में कम्बाला भारतीय र्गजस्दीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 5-3-194 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिसियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

श्री दिनेश कुमार जमनादास मेहता दलाल ।

(अन्तरकः)

2. श्रीमती उथा देवेन्द्र मेहता । (श्रन्तिरती)

कराएदार ।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सस्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

छोड़ी हुई एवं किराए की जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग साथ में गु-वाटिका निवास श्रीर हवपर बनी इमारत जो कलेश्वर रोड मलबार हिल बम्बई में स्थित है जो रजिस्ट्रेशन जिला एवं उप-जिला बम्बई शहर श्रीर बम्बई उपनगर में है जो माप से 335 वर्गगता या 280.10 वर्ग मीटर या उसके समकक्ष है जो पूर्व में सी० एस० नं० 136 (श्रंश) धारण की हुई जुमीन से पश्चिम में मालाबार हिल रोड से उत्तर में सी० एस० नं० 136 धारण की हुई जमीन से भ्रौर दक्षिण में सी० एस० नं० 134 धारण की हुई जायदाद तथा वह भूमि पैतृक संपत्ति एवं भवन लैंग्ड रेंबैन्यू क्लैक्टर की पुस्तकों में जुना कन 64 नया क॰ 11302, जूना मर्वेक्षण क॰ 2/28 तथा नया सर्वेक्षण %० 7266 एवं मालाबार तथा कम्बाला हिल डिवीजन का केडेस्ट्रल मर्वेक्षण ऋ० 235 एवं नगरपालिका भावों एवं करों के निर्धारक एवं संग्राहक की पुस्तकों में 'डी०' वार्ड ऋ० 2051, गली ऋ० 247 बालकेश्वर रोड के म्रंतर्गत पंजीकृत की हुई जायदाद से घिरी हुई है।

> श्री मं० फडके, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-J, बम्बई।

विनांक: 3 दिसम्बर 1974।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, बम्बई

बम्बई, तारीख 3 दिसम्बर 1974

निर्देश सं० ग्र० ई० 1/730-7/मार्च, 74--श्रतः मुझे श्री मं० फड़के सहायक श्रायकर श्रायकर प्रार्जन रेंज-I बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/-र० से अधिक है उचित बाजार मृल्य भीर जिसकी सं० एम० नं० 135 मलबार भौर कंबाला हिल डिबीजन है, जो बालकेश्वर रोड, मलबार हिल में स्थित है (मौर इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार बम्बई में भारतीय रजिस्ट्री-**करण ग्र**धिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 5-3-74 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख दुश्यमान प्रतिफल अनसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, मिम्नलिखत उद्देश्य से उबत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या;
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, में, आयकर **अधि**नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपद्यारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री देवेन्द्र जमनादास दलाल ।
- (भ्रन्तरक)
- तारीख: 3 दितम्बर 1974
- 2. श्रीमती जयश्री किर्ती मेहता । (ग्रन्तरिती)

3. किराएदार ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के एतस्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भ्री अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकें।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एलवृद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे क्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

छोड़ी हुई या किराए की जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, सायमें गृहवाटिका निवास श्रीर वहां पर बनी इमारत जो बालकेश्वर रोड, मलबार हिल, बम्बई में स्थित है जो रजिस्ट्रेशन जिल्द एवं उपजिला बम्बई शहर भ्रीर बम्बई उप-नगर में है बौर माप से . 355 बर्गगज या 288. 10 वर्ग मीटर या उसके समकक्ष है जो पूर्व में सी० एस० नं० 136 (धंशा) धारण की हुई जमीन से पश्चिम में मलबार हिल रोड से, उत्तर में सी० एस० नं० 136 धारण की हुई जमीन से मौर दक्षिण में सी० एस० नं० 134 धारण की हुई जायदाद तथा वहां भूमि पैतृक संपत्ति एवं भवन लेन्ड रेबेन्यू कलेक्टर की पुस्तकों में जूना क ० ६४, नया क ० 11302, जूना सर्वेक्षण क ० २/28 तथा नया सर्वेक्षण ऋ० 7266 एवं मलबार तथा कम्बाला हिल डिवीजन का केडेस्ट्रल सर्वेक्षण क-235 एवं नगरपालिका भावों एवं करो के निर्धारक एवं संग्रहक की पुस्तकों में 'डी' वार्ड क० 2051, गली क० 247 बालकेश्वर रोड के अंतर्गत पंजीकृत की हुई जायदाद से षिरी हुई है।

श्री शं० फड़के, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, बम्बाई ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत मरकार

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय प्रजीन रेज, हैदरासाय

हैदरागाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1974

सं० भार० ए० सी० 56/74-75--यतः, मुझे के० एस० वेंकटरामन्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० 7-1-39/11/ए० मिरची कमिपीइ है, जो नैजामाबाद में स्थित है (भौर इससे उपावद प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नैजामा-बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 27 मार्च 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कृष्यमान प्रशिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिपल, निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सिए सुकर बनाना,

और यतः मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनिखित किए गए हैं।

अतः, अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अघिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपज्ञारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—

- निरमा गौड पुत्र नरसा गौड मकाम विकली बजार.
 निजामात्राह (श्रस्तरक)
- 2. मी० एच० राजेश्वर पुत्र शंकरय्या श्रव्यस्क पालक बाप शक्ररपा, बेड़ा बाजार, निजामाबाद। (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्त के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो-

- (क) इस सूघना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए सारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिमा गया है।

अनुसूची

संपत्तिः घर नं० 7-1-39/10 निजला घर (श्राधा) श्रीर पहला घर नं० 7-1-39/11ए० चौथा जाग में मिरची कांमपीछ, नैजामाबाद।

के० एस० वेंकटरामन्, सक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक : 7 दिसम्बर 1974।

मोहाः

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए० सि०-151/ भार-4/कल०/74-75---यतः मझे एस० भट्टाचार्या भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से ग्रधिक है भौर जिसकी सं० 7-बी० है, जो एलगिन रोड़, कलकत्ता में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबब प्रनुसूची में घौर पूर्ण रूप से वर्णित है। रजिस्टीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार ग्राफ ग्रसियोरेन्सेस कलकत्ता में भारतीय रजिस्दीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 30-3-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए राजिस्ट्रीकृत विलेख के भ्रनुसार भ्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (म्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐ से भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ग्रीर/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भौर यत: भ्रायकर भ्राधिनयम, 1961 (1961 का 43) के भ्रष्ट्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रीभिलिखित किए गए हैं।

भ्रत : भ्रब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की स्पधारा (1) के भ्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, भ्रथात:—

- मनोहर लाल यादवजी पाडिया, 2. चिरंजन यादवजा पाडिया, 3. चन्दु तेजमल प्रिम, 4. लक्ष्मी रुषु मलकारनी,
 राम शीतलदास प्रिमलानी, 7-बी०, एलगिन रोड़, कलकत्ता।
 (श्रन्तरक)
 - 2 पपरि हिनगोरानी, 7-बी०, एलगिन रोड़, कलकत्ता (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतदृक्कारा कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति ग्राक्षेप, यदि कोई हो तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबैद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतद्वारा यह श्रधिस्चित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यिव कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख श्रीर स्थान नियत किए जाएंगे श्रीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा श्रागे यह श्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्व वर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पटीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों, जो श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० 12, मंजिल सं० - 6 7-बी०, एलगिन रोड़, कलकत्ता।

एस भट्टाचार्या, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-4, 54 रफी भ्रहमव किदवई, रोड़, कलकत्ता-16

तारीख: 26-11-74

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ———— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बैंगलर बैंगलूर, दिनांक 19 नवम्बर 1974

निदेश सं० सी० श्रार० 62/2202/73-74—यत:, मुझे श्रार० कृष्णमूर्ति, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण), बैंगलूर आयकर अधिनिषम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विभवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 231 (पी) मुनिसिपल नं० 248 जो डोड्डिगुटा, काक्स टौन, बैंगलूर में स्थित है (श्रोर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर, बैंगलूर दस्तावेज नं० 4032 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1-3-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए मुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिय कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
11_386 GI/74

- (1) श्रीमती प्रेमावती, नं० 9, केमब्रहज रोड़, बैंगलूर-8 (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रार० समपतराज 1056, 7 मेन रोड़, श्रीराम-पुरम, बैंगलूर-2 (धन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां मुख् करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिस्चित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसुचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्लाट नं० 231 (पी) स्रोर म्युनिसिपल नं० 248, डिहुगुन्टा, काकम टोन, बैंगलूर।

सीमा :

पूर्व : कोडिरप्पा की सम्पत्ति पश्चिम : पानी का नाला

उत्तर : के० एन० मोहन की जगह दक्षिण : के० एन० भाग्यलक्ष्मी की जगह दस्तावेज नं० 4032/1-3-74

> श्रार० कृष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बैंगलूर ।

तारीख: 19 नवम्बर 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जनरेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक, 19 नवम्बर 1974

निर्देश सं० सी० आर० 62/2188/73-74—यत:, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), बैंगलूर। भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रू० से अधिक है, श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 4 स्थावर सम्पत्ति नं० 89/1, IV मैंन रोड़, मलेश्वरम, बैंगलूर-3 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजाजी नगर, बैंगलूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 4-3-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल; निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं। अत:, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात:——

- (1) श्री सी० बी० श्रीनिवासन (2) श्रीमती एम० विजय-लक्ष्मी नं० 79, वानीविलास रोड्, बैंगलर-4 (श्रन्तरक)
- (2) श्री एस० श्रीनिवासन/ग्राफ एस० सु ग्रमन्य भ्रय्यर नं० 48, 18 कास, मल्लेश्वरम, बैंगलर-3 (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी फरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

एसद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के जत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए सारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति की जिसने ऐसा आक्षेप किया है सथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त गड़्यों भौर पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

ष्लाट नं० 4, स्थावर सम्पक्ति नं० 89/1, VI मेन रोड़, मल्ले- श्वरम, बैंगलूर-3

क्षेत्रफल: 3420 वर्गफीट

पू॰ प॰ 60' उ॰ द॰ $72'-15'\times 60'=3420$ वर्गफीट दस्तावेज नं॰ 4807 तारीख नं॰ 4-3-74

श्चार० कृष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्चायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, बैगलूर ।

दिनांक: 19 तवम्बर 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज़, बैंगलूर

बैंगलूर दिनांक, 18 नवम्बर 1974

निर्देश सं० सी० श्रार० 62/2265/73-74—यतः, मुझे श्रार० क्रुप्णमूर्ति, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961' (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

धौर जिसकी सं० सैट नं० 2269/1 है, जो विनोवा रोड़, डेवराज मोहल्ला, मैसूर-1 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजम्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय, दस्तावेज नं० 3703 मैसूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 6-3-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीफृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए। कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थानः—

(1) श्री के० बी० रामचन्द्रराज श्रर्स "लीलाबिहार" विनोबा रोड़, डेवराज मोहल्ला, मैसूर सिटी (ग्रन्तरक) (2) श्री बी० एस० सोमसेकरय्या सन/प्राफ बी सुख्बन्ना;

424 डेसिका रोड़, मैसूर-1 (श्रन्तिशी)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तसम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूधना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सैट नं० 2269/1, विनोबा रोड़, डेवराजमोहल्ला, मैसूर

पू॰ प॰ : 225'

उ०द०: 139' पश्चिम की म्रोर

: 100' पूर्व की भ्रोर

क्षेत्रफल: 2752 वर्गगज

सीमा :

पूर्व: शनमुगम म्याय पयाकटरी

पश्चिम : टेमपल रोड़

उत्तर: जगह भौर इमारत

दक्षिण: विनोबा रोड्

दस्तावेज नं० 3703/6-3-74

श्चार० कृष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, बैंगलूर।

तारीख: 18 नवम्बर 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, बैंगलूर

दिनांक, 18 नवम्बर 1974

निदेश सं० सी० ग्रार० 62/2356/73-74--यत:, मुझे, म्रार० ऋष्णमृति, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), बैगलूर 1961 (1961 अधिनियम, की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और श्रीर जिसकी सं० डुब्रारी ग्रुप एसटेटस, होसूर, होललुगुके, चेन्ननकोटे श्रीर कुरूचि गांव, विराजपेट तालुक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीयर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, विराजपेट में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 घा 16) के अधीन दस्तावेज नं० 330, 27-3-1974 को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-छ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

- (1) श्रीमती मीनाश्री ऊचि पत्नी कुमार राजा एम॰ ए॰ मुत्तथ्या छट्टिथार (2) सिगपि ऊची पत्नी एम॰ ए॰ एम॰ रामस्वामी छट्टियार "एट्टिनाड़ हौस", मद्रास-२० (श्रन्तरक)
- (2) छेट्टिनाड़ प्लानटेशनम प्राईवेट लिमिटेड "क्यांथोलिक सेनटर' नं० 6, श्रार्थमनिदन स्ट्रीट मद्रास-1 (ग्रन्तिरती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्शारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति की, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुबारी ग्रुप एसटेटस जो होसूर, होललुगूके, छेन्ननकोटे श्रौर कुरूचि गांव, विराजपेट तालुक में स्थित है।

होसूर: 403.56 एकड़ होललगूक्के: 271.95 ,, चेन्ननकोटे 35.00 ,,

चन्ननकाट 35.00 , कुरूचि श्रीमनगंलनाड 5.70 ,

716.21 (289.81 हेक्टेर्स

दस्तावेज नं० 330/तारीख 27-3-74

ग्रार० कृष्णामूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बैंगलर।

तारीख: 18 नवम्बर 1974

प्ररूप धाई० टी० एन० एम०——— धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) का कार्यानय धर्जन रेज, बैंगलूर

बैगलूर, तारीख 19-11-74 सि० भ्रार० 62/2442/73-74---य

निदेश स० सि० ग्राए० 62/2442/73-74---यत , गुझे, भार० कृष्णमृति, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), बैगलूर श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य 25,000/-रु० से ऋधिक है भ्रौर बाजार जिस की स० मकान न 10 है, जो ऋसेन्ट रोड, है ग्रीन्डम, बैगलुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्दीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैंगलूर, दस्तावेज न० 5255 में भारतीय रिजन्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 18-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के षृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिणत ग्रधिक है और यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरको) और ग्रन्तरिती (भ्रन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बजने के लिए सुकर बनाना ग्रीर/या;
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भौर यतः भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

श्रतः श्रव, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, श्रथित —

- (1) श्रीमती विमला सिवप्पा न० 4, लयावेली रोड, बैंगलूर-1 (भ्रन्तरक)
- (2) श्री के० एस० प्रसाद न० 10, क्रसेन्ट रोड, है ग्रीन्डस, बैंगलूर-1 (ग्रन्तरिती)

- को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हु।
 - (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
 - (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह श्रिधसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए प्राक्षेपो, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियए जाएं गे श्रीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतदद्वारा धागे यह ध्रिधसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के ध्रधीन सूचना दी गई है, ध्राक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए ग्रधिकार होगा।

स्पटिशकरण .--इसमे प्रयुवत शन्दो श्रीर पदो का, जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क मे यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनसची

मकान न० 10, कसेन्ट रोड, है ग्रीन्डस, बैगलूर-1 (कार्पोरेशन डिबीजन न० 44) सैट की सीमा 1618 वर्ग गज इमारत का क्षेत्रफल 40 वर्ग दस्तावेज न० 5255 तारीख 18-3-74

> श्रार० कृष्णामूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बैगलूर

तारीख 19-11-1974 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 18 नवम्बर 1974

निर्देश सं० सी० भार०-62/2261/73-74---यत:, मझे, भार० कृष्णमूर्ति, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), बैंगलूर, आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० मकान नं० 6, है जो II कास, श्रन्नम्मा टेमपल तक्सटेंशन सूबेदारछन्नम रोड, बैंगलूर-19 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैंगलूर दस्तावेज नं० 5140 में भारतीय रजिस्द्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 11-3-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के श्रनसार श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान-प्रतिपाल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने के लिए सुकर बनाना; श्रीर या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भन्य भ्रास्तियों को, जिम्हें भारतीय भायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर धनाना;

भीर यत: भ्रायकर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के 20 शब्दों में पूर्वोंक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

श्रतः श्रव, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, शर्यात् :---

 श्री के० टी० बीरराषवन, सुपुत्र लेट श्रीनिवास प्रय्यनगार, नं० 6, II क्रास, धन्नम्मा, टेमपल एक्सटेंगन, सूबेवार छन्नम रोड, बैंगलूर-19। (धन्तरक)

- 2. श्री के०बी० महाबल राव, स्वामी, होटल जनता पिक्चर, ब्लालस के पास, हासन, (श्रन्तरिती)
- 3. श्री एन० लक्ष्मीपति। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हों, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह भिधसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के भ्रजेन के भिति इस सूचना के उत्तर में किए गए ब्राक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख भौर स्थान नियत किए जाएंगें भौर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा भ्राक्षेप किया है तथा संम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह मधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के प्रधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पाटीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं ० ६, II कास, श्रप्तम्मा टेमपल एक्सटेंशन, सूबेदार छत्तम रोड, बैंगलूर-19।

पूर्व-पश्चिम--- 30 फुट।

उत्तर-दक्षिण--79 फूट, 6 इंच, क्षेत्रफल 2385 वर्गफीट। दस्सावेज नं० 5140 तारीख 11-3-74।

> भार० कृष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 18-11-74

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 नवम्बर 1974

निर्देश सं० एस० धार०/इन्दौर/26-3-74---यत:, मुझे, भी एम० एफ० मन्शी, धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, भौर जिसकी सं० इकान प्लाट नं० 33 है, जो शिव विलास पैलेस, में स्थित है और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिकल के लिए रिजम्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक के (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना:

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिक्कित किए गए हैं।

भतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. मैसर्स सालिगराम नटवर लाल, नीमा एण्ड कम्पनी द्वारा श्री बन्चूलाल पुत्र श्री बाबू लालजी गुप्ता, 339, महात्मा गांधी रोड इन्दौर। (श्रन्तरक)
- 2. मैसर्स सचानन्द एन्ड सन्स संयुक्त परिवार, (1) श्री सचानन्द पुत्र श्री वसंधमल जी, 1. गंजी कम्पाउन्ड, इन्दौर। (2) श्री किशनदास पुत्र श्री नेमन्दराम जी, 25 छोटी ग्वाल टोली, इन्दौर, (3) श्री बासूदेव पुत्र श्री फेरूमलजी, 3 काटजू कालोनी, इन्दौर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तस्तवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्तं व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति होता;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

एक दुकान स्थित ब्लाट नं॰ 33 वर्ग, शिव विलास, वैलेस, इंबोर, ऐरिया $20'\times29'\approx6''\times13'\times6'$ ।

एम० एफ० मुंबी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 19-11-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

.भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 नवम्बर 1974

निदेश सं० एस० भार०/इन्दौर/26-3-74---यतः मुझे, एम० एफ० मुन्शी, ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है भौर जिसकी सं० दुकान प्लाट नं० है, जो शिव विलास पैलेस, इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 26-3-74 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961(1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी निसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

श्रीर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-भ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों अर्थात्:—

- 1. मैंसर्स सालिगराम नटवर लाल नीमा एन्ड कम्पनि द्वारा श्री बच्चू लाल पुत्र बाबू लाल जी गुप्ता, 339, महात्मा गांधी रोड, इन्दौर (श्रन्तरक)
- 2. श्री साधू राम पुत्र श्री पोखरवास (2) केशवदास पुत्र श्री पोखरवास, 12 पलमी का इन्दौर (3) श्री मोहन लाल पुत्र श्री टहलराम जी, राम सागर पारा रायपुर, (4)श्रीमती चन्वावाई, पति श्री बृजलाल जी निवास, 12 पलसीकर, कालोनी, इन्दौर।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतब्-द्वारा कार्यवाहियां गुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियस किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना वी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बुकान स्थित प्लाट नं॰ 33 पर शिवविलास, पैलेस, इन्होर एरिया 19 फुट \times 20 फुट \times 10 फुट \times 6 फुट ।

एम० एफ० मुन्धी सक्षम प्राधिकारी सहामक भ्रामकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, भोपाल।

तारी**व** : 19-11-1974

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 60/61, एरंडवना, कर्वे रोड पूना-411004, दिनांक 20 नवम्बर 1974

निर्देश सं ० सी ० ए ० / ५ / मार्च / ७ ४ / १४वेली-II / 1 4 4 / ७ ४-७ ५:---यतः, मुझे, एच०एस० ग्रवंलख, ग्रायकर ग्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य से ग्रधिक 25,000/-স্ত और जिसकी सं० सर्वेकमांक 29 हिस्सा कमांक 1ए श्रीर 2ए है, जो पिपरी वाधेरे, जि॰ पुना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारों के कार्यालय हवेली-II में भारतीय रजिस्दीकरण श्रधियमन 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 29-3-74

पूर्वोभ्त सम्पत्ति उचित से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिमत प्रधिक है भौर यह कि भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत ग्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना भौर/या ;
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) याँ आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

मीर यत : श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के मध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्बवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रिमलिखित किए गए हैं।

न्नत: मब, धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, मायकर चपधारा (1) के ग्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात:-

- 1. मैसर्स भ्रोंकार इन्ह्लेस्टमेट भन्ड प्रापर्टीज लिमिटेड 18, नेताजी सुभाष रास्ता, कलकत्ता-1 । (भन्तरक)
 - 2: (1) श्री नरोत्तम फकीरचन्द चौहान,
 - (2) श्रीमति नर्मदा नरोत्तम चौहान,
 - (3) श्री नरेन्द्र नरोत्तम चौहान,
 - (4) श्रीमति चंपा नरेंद्र चौहान,
 - (5) श्री दिलीप नरोत्तम चौहान,
 - (6) श्री हुमंत नरोत्तम चौहान, 222, महात्मा गोधी

(श्रन्तरिती) रास्सा पुना-1 ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सर्म्पास के धर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो, लो :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पुर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतदृद्वारा यह ग्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए भाक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख भौर स्थान नियत किए जाएंगे ग्रीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा प्राक्षेप किया है तथा सम्मत्ति के प्रन्तरिती को दी जाएगी।

एसद्द्वारा भागे यह अधिसूचित किया जाता है कि हैं ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के ग्रधीन सूचना दी गई है, ग्राक्षेपों की सुनवाई के समय सूने जाने के लिए ग्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों, जो श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रष्टयाय 20-क में यथापरिभाषित है, वही प्रयं होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

भूमीका एक बिगर खेतीका रिक्त ट्रुक्डा जो पिंपरी वाधेरे, तहसिल-हवेली. जिल्हा-पूना, भ्रीर जो हवेली सब रजिस्ट्री के कार्य-क्षेत्र में हैं। जिसका सर्वे कमांक-पूर्व भागका सर्वे कमांक 29, हिस्सा क्रमांक 1 ग्रीर 2 ग्रीर ग्रिभ नया क्रमांक सर्वे क्रमांक 29 हिस्सा क्रमांक 1 ए ग्रौर 2 ए बंबई-पूना रास्ते पर ग्रौर पिपरी चिचक टाउनशिप कान्सील में हैं।

जिसका क्षेत्र 3 एकर भीर 90 गुंठे। उस पर स्थित एक बिहीर भ्रौर दो रोड्स है। निम्न प्रकार से घिरा हुम्रा है।

उत्तर के तरफ:---सर्वे कमांक 29 हिस्सा कमांक 2 बी० भौर बंबई-पूना रास्ता ।

पश्चिम के तरफ:--सर्वे कमांक 29 हिस्सा कमांक 1 बी० दक्षिण के तरफ:---सर्वे क्रमांक 28

पूर्व के तरफ:---ग्रंणत: सर्वे अमांक 30 ग्रीर वंबई-पुना रास्ता एक रोड-40'×60'

और एक रोड~15′×20′

फिहोस्ड ।

एच० एस० ग्रवैलखा, सक्षम प्राधिकारी,

सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूना।

सारीख: 20 नवम्बर, 1974।

मोहर:

12-386GI/74

प्रारूप भाई० टी० एन० एम०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, बैंगलीर

. . .

बंगलोर, दिनाक 19-11-1974

निर्देश सं० मि० श्रा^७० 62/2447/73-74----यत: मुझे अरि० कृष्णम्ति, सहायक ब्रायकर ब्रायक्त (निरीक्षण) बैंगलोर अधिनियम, (1961 1961 धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर जिस की सं० सैंट नं० 109 (नया न० 132) है, जो सुबेदार छनम रोड, बैंगलोर-20 में स्थित है (श्रीर इससे त्याबढ़ श्रनमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, भैगलोर में भारतीय रजिस्टीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 25-3-1974 को पर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना,

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-गके अनुसरण में, मै, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात्:—

(1) श्री बी० एस० बलराम मूर्ति 7, सौट एण्ड रोङ्, क्षेत्रादिपुरम, बैगक्षोर-20 (भ्रन्तरक) (2) केन्कटगिरि प्यानणनस (वी) लिमिटेड 42, श्रीनिवास निलय III ऋस, IV ब्लाक, कूमारा पार्क वेस्ट, बैंगलोर-20 (ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और म्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आशोपों की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पटिकरण:---इसमे प्रमुक्त शब्दो और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में यथापरिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

खुली जगह नं० 109 नया नं० 132, सुबदारछन्नम रोड् इंगलोर 20 सीमा 51'×90'

पूर्व : सूबेदार छस्रम रोड़

पश्चिम : बचा हुन्ना सम्पत्ति रा भाग

उत्तर: तिम्मय्या की सम्पत्ति दक्षिण: स्वसतिक सिनेमा धस्ताक्षण नं० 5351/25-3-74

> आर० कृष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज वैंगलोर

तारीख: 19-11-74

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

कायवर अधिनियम, 1961 (1961 मा 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेज, बैंगलोर

बैंगलोर, दिनांक 19-11-1974

निर्देश मं० मि० श्रार० 62/2458/74-75--यतः मुझे श्रार० कृष्णमूर्ति सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) बैंगलोर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है और जिसकी सं० सैंट नं० 109 (नया नं० 132) है, जो सूबेदार- छत्रम रोड़, बैंगलोर-20 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैंगलोर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 25-3-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
ओर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नही किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिख व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) श्री बी० ए० एम० बलराम मूर्ति नं० 7 सौत एण्ड रोड, शेशाद्रिपुरम, बैंगलोर-20 (अन्तरक) (2) वेन्कटगिरि म्यानणनस (पी) लिमिटेड 42, श्री-निवास निलय, 3 कास, IV ब्लाक कुमारा पार्क वेस्ट, बैंगलोर-20 (ग्रन्नरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो --

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन के भीक्षर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यिव कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यद्यापरिभाषित हैं, वही अर्घ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

सैट नं० 109 (नया नं० 132) सूबेदारछक्षम रोड, बगलो 7 -20 जिसकी सीमा $51'\times108'$ है।

दस्तावेज न० 380/74-75 नारीख 22-4-74

सीमा :

पूर्व: ग्रन्तरिती की सम्पत्ति

पक्ष्मिम : II मेन रोड, शेशाधिपुरम

उत्तर : तिम्मयया का घर दक्षिणः स्वस्तिक सिनेमा

> धार० कृष्णम्ति सक्षम प्राधिकारी महायक घायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज बैंगलोर

तारीख: 19-11-74

मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज बैंगलौर बैंगलौर, तारीख 19-11-74

निर्वेश स० सि० श्रार० 62/2287/73-74—यत मुझे श्रार० शृष्टणमूर्ति, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), बैगलीर श्रायकर श्रायक के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० सैंट नं० 1, सम्पत्ति नं० 2 है, जो मिडकोई गार्डन्स, वैगलीर-1 मे स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुमूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिथकारी के कार्यालय, श्रिवाजी नगर, वैगलोर मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 21-3-1974 को पूर्योक्स सम्पत्ति के जिस्त वाजार मूल्य से कम के वृश्यमान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही सुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थातः—

(1) (1) श्री महारानी विजयाबा, भावनगर (2) जयाबा महारानी, बाधवान, नं०1, कन्निगस्थाम रोड कैंगलोर-1 कनकरमिन्ग पारटी बी० मोहन राव पुत्र बी० वेनुगोपास (भन्तरक)

नं० 6, लित्गसेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1 वी० बेनुगोपाल, नं० 20, मसिलामनी रोड, रायपेट, मदास (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थामर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को धी जाएगी।

एतदृद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता कि हर ऐसे व्यक्तिको, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सैंट नं 1, सम्पत्ति नं 2, मिडफोर्ड गार्डन्स, बैंगलोर-1

पूर्व : मिडफोर्ड गार्डन्स 49' 9" पश्चिम : सैट नं० 3 50' 6"

उत्तर : सैट नं**० 2** 95'

दक्षिण . मैको कम्पनी की स्थावर सम्पत्ति 95'

क्षेत्रफल 4775 वर्ग फीट इस्ताधेज नं० 4250/21-3-74

> श्रारः कृष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बैंगसोर

सारीख: 19-11-74

मोहरः

के भ्रधीन 7-3-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--- --

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II कलकत्ता

कलकता, तारीख 27-11-1974

निर्देश सं० एसि-76/प्रार-II/कलकता/74-75—यतः, प्रार० वि० लालमीया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस

उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० 24 बी है, जो न्यू रोड अलीपुर, कलकता-27 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसची में और पूर्ण रुप से बर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हिस्ट्रिक्ट रिजस्ट्रार अलीपुर में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-मान त्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रोकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पृष्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

- (1) श्रीमती सरला एन० वासा
 24 बी-न्यू रोड,
 प्रलीपुर, कलकत्ता-27 (प्रन्तरक)
- (2) श्री नवनित कुमार सेठ, 24 बी, न्यू रोड, ग्रलीपुर, कलकत्ता-27 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतपुद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

- उक्त सम्पत्ति के अर्थन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो ---
 - (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकोंगे।

एसद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाऐंगे और उसकी सूचना हर एसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्डीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

थलीपुर, कलकत्ता-27 में सम्पत्ती सं० 24 बी, म्यू रोड़ का, दूसरे तस्ले में 1178 वर्गफुट क्षेत्रफल का प्लाट।

> म्रार० वि० लालमोया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज II पि०13, चोरंगी स्क्वेयर, कलकसा-1

तारीख: 27-11-74

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, तारीख 30-11-1974

सं० मार० ए० सी० 50/74-75---यतः मुझे के० एम० भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मुल्य 25,000/-रुपये से अधिक **है** उचित बाजार भीर जिस की स० 8/258 गुलजारपेटा है, जो अनंतापुर म स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची मं ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय अनंतापुर में भारतीय रजिस्ट्री-**करण प्रधि**नियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 28-3-197**4** को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यभान प्रतिफल के लिए रिजर्स्ट्राकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी फिसी आय या फिसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का (11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अव, धारा 269-ग में अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री पी० नागेशन पुत्र पी० सुक्षमन्यम रिटायर्ड टीचर 114, ग्रार० एस० मेडस स्ट्रीट, तिरुपति (ग्रन्तरक)
 - -(2) श्रीमती बी० मानिज्ञम्मा पत्नी बी० श्रीनिवास राव एडवोकेट, 8/258, गुलजार पेट, भ्रनंतापुर (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए एतदुद्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों तो :-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद भें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबझ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है सथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पव्यक्तिकरण:-इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति—8 /258, गुलजारपेटा, ग्रनंतापुर क्षेत्रफल 17.3 सेटस

के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 30-11-1974

प्ररूप आई० टी० एस० एस० ...

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1974

सं श्रार ए० सी० 51/74-75---यतः मझे के० एस० वेंकटरामन श्रायकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूरुय 25,000/- रु० से अधिक है ग्रौर जिस की सं० 6-3-347/20 पंजागुट्टा है, जो हैदराबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भन्सुची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) श्रधीन 28-3-1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उम्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अभ्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुक्र करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए है।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मणिकित ध्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री (1) वाय० श्रीनीवासूलू रेड्डी, जूनियर इंजीनियर, येलिक्रिसिटी प्रोजेक्ट होस्टेल पालवज्या पोस्ट कोत्तागुडम थरमल स्टेशन
 - (2) वाय० राधाकृष्ण रेड्डी द्वारा सेन्द्रल वेयर कोर्पोरेशन् नेल्ल्र (अन्तरिसी)
- (2) श्री वी० सिवानन्दा रेडडी 3-6-266, हिमायत नगर, हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजँन के लिए एतवृद्वारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबग्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को बी जाएगी।

एतवृद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्सी पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पन्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यद्यापरिकाषित हैं, वही अबै होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्तिः -- 6-3-347/20 ''भ्रानद'' बिल्डिंग, हारकापुरी, पंजागुट्टा, हैदराबाद क्षेत्रफल 800 वर्ग मीटर्स

> के० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 30-11-74

प्ररूप आई० टी० एम० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्णन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता तारीख 27-11-1974

निर्देश सं० एसि-75/ग्रार-11/कलकता/74-75--यतः मुझे भार०वि० लालमोया अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्त जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रुपये से अधिक है जिस की सं० 24 बी हैं जो न्यू रोड़ भ्रलीपुर कलकत्ता-27 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार, ग्रलीपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मधिनियम 1903 (1908 का 16) के प्रधीन 7-3-1974 को सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमाम पतिपल के लिए रजिस्ट्री कृत विलेख के अनुसार अन्तरित कां गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्।रण लिखित में वास्तविक रूप में कियम नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 196! (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा इससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वाराप्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाह्यी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में. मैं आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की इपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—

- (1) श्रीमती सरला एन० वासा 24-बी, न्यू रोड, ग्रलीपुर कलकत्ता-27। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री शिव शकर वसू 24-बी न्यू रोड, श्रलीपुर फलकत्ता-27।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतवृद्धारा कार्यवाहियां ग्रुरू करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्मान में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस स्वना के जत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएगे और उसकी सूचना हर ऐसे न्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्सरिती को दी जाएगी।

एसत्द्वारा आगे यह अधिसूचिस विष्टा जाता है वि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के उद्यान स्घना दी गई है, आक्षेपा की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण '--इसमे प्रयुवन गृह्दा और पत्नो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

ग्रलीपुर कलकत्ता-27 में सम्पत्ति सं० 24 बी त्यू रोड, का पहला तल्ला में 1178 वर्ग फुट क्रोल्फल का प्लाट।

> श्चार० वि० लालमोया, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्वायकर श्वायुक्त (निरीक्षण) श्वर्जन रेंज-11 पि० 13 कोरंगी स्ववेयर कलकता-1

तारीच : 27-11-1974

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर भ्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज IV कलकत्ता का कार्यालय
कलकत्ता दिनांक 26 नवस्वर 1974

निर्देश सं० ए०सि०- 150/प्रार-IV/कल०/74-75 यत: मुझे एस० भट्टाचार्य ध्रायकर घ्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से घ्रिधिक है और जिसकी सं० 7-बी है, जो एलिंगन रोड, कलकत्ता में स्थित है भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय रिजस्ट्रार ग्राफ श्रिसयोरेन्सेस, कलकत्ता में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908-1908 का 16) के श्रिधीन 30-3-74 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मध्य से कम के

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

ग्रीर यतः श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रिभिलिखित किए हैं। अतः अब धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्यात्:—

- मनोहर लाल याबवजी पाडिया,
- 2. चिरंजन याबवजी पाडिया,
- 3. चन्द्र तेजमल प्रिम,
- 4. लक्ष्मी रघु मलकानी,
- राम शीतल दास, प्रिमलानि
 र-बी, एलगिन रोड, कलकसा। (भ्रन्तरक)
- (2) श्रार० के० बुनी, 7-बी एलगिन रोड, कलकत्ता। (श्रन्तरिती) वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्तिमें हितबद्ध है।

भिजय निगम (टेनेन्ट)

को यह सूचना ज़ारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए एतद-द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति श्राक्षेप यवि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राज्यपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह प्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए प्राक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख श्रौर स्थान नियत किए जाएंगे श्रौर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा श्रागे यह अधिमूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने ज़ाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पब्हीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं श्रर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

प्लाट सं० 18, मंजील सं० 9 7-बी, एलगिन रोड, कलकत्ता।

एस० भट्टाचार्यं सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज IV, 54 रिफ महमद किदवाई रोड, कलकत्ता,-16.

तारीख : 26-11-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज IV कलकत्ता का कार्यालय

कलकत्ता दिनांक 26 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए- मि० 149/ग्रार-IV/कल०/74-75 यत:, मुझे एस भट्टाचार्य आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मल्य 25,000/-रु० से श्रिधिक है और जिसकी सं० 7-बी, एलगिन रोड कलकत्ता है, जो एलगिन रोड, कलकत्ता में स्थित है भीर इससे द्धपाबद्ध भ्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार्ध्याफ एसियोरिन्सेस कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 30-3-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रिजस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार धन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि

ग्रन्सरक (श्रन्सरको) भ्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच तय

पाया गया ऐसे भन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से

उक्त प्रन्तरण

नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

लिखित में वास्तविक रूप से कथित

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1. मनोहर लाल जादबजी पेजिया
- 2 जिरंजन जादबजी पेजिया
- 3. चान्द् तेजयल प्रिम

- 4. लक्ष्मी रघु मालकारनी
- 5. राम शितलदास प्रिमलानि श्रव

7-बी एलगिन रोड, कलकत्ता (ग्रन्तरक)

- ठाकुर रेहारन मनवानी भवानीपुर, 7-बी, एलगिन रोड कलकत्ता। (श्रन्तरिती)
 - 4. इन्दियान अयेल कारपोरंशन कलकत्ता (टेनेन्ट)
 - 3 किराएदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसदद्वारा कार्यवाहियां सुरू करता हं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यवि कोई ों, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को धी जाएगी।

एसद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 16-म्रा० 8 वा फ्लोर म्राफ प्रेमिसेस नं० 7-वी एलगिन रोड फलकत्ता

> एस० भट्टाचार्य सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज ${f IV},~54$ रिफ भ्रहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता

तारीखाः 26-11-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर 1974

निर्देश सं० ग्र० ई० 1/732-9/मार्च 74----ग्रत:, मझे, श्री गं० फडके, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विशवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार 25,000/- रुपए से अधिक है और सं० सीं० एस० नं०....है, जो वालकेण्वर मालाबार हिल में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मब-रजिस्ट्रार, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 5 मार्च 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्सरित की गई है और मुझेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के माब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मुक्त करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गर्ये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, में, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपघारा (1)के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः :—

- 1. श्री योगेन्द्र जमनादास बलाल (ग्रन्सरक)
- 2. श्री इच्छालक्ष्मी विठ्ठलदास मेहता ग्रीर श्री किर्ति-कुमार विठ्ठलदास मेहता (ग्रन्तरिती)

 कराएदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतंव्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो. तो :-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए आएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और 'पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

छोड़ी हुई एवं किराए की जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, साथ में गृह वाटिका निवास स्रौर वहां पर बनी इमारत जो वालकेश्वर रोड, मालाबार हिल बम्बई में स्थित है जो रजिस्ट्रेशन जिला एवं उपजिला बम्बई शहर श्रीर बम्बई उपनगर में है जो माप में 355 वर्गगज या 288,10 वर्ग मीटर या उसके समकक्ष है जो पूर्व में सी० एस० नं० 136 (श्रंश) धारण की हुई जमीन से पश्चिम में मालाबार हिल रोड से उत्तर में सी० एस० नं० 136 धारण की हुई जमीन श्रौर दक्षिण में सी० एस० नं० 134 धारण की हुई जायदाद तथा वहां भूमि पैतक सम्पत्ति एवं भवन लैण्ड रेवैन्यू कलैक्टर की पुस्तकों में जूना ऋ० 64 नया ऋ० 11302, जूना सर्वेक्षण ऋ० 2/28 तथा नया सर्वेक्षण ऋ० 7266 एवं मालाबार तथा कम्बाला हिल जिवीडन का केडैस्ट्राल सर्वेक्षण ऋ० 235 एवं नगरपालिका भावों एवं करो के निर्धारक एवं संग्रहक की पुस्तकों में (डी०) वार्ड ऋ० 2051, गली ऋ० 247 बालकेश्वर रोड के भ्रांतर्गत पंजीकृत की हुई जायदाद से घिरी हुई है।

> श्री गं० फडके, सक्षम प्राधिकारी, प्रहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-I, बम्बई।

विनांक: 3 दिसम्बर 1974।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 दिसम्बर 1974

सं० भ्रार० ए० सी० 60/74-75---यतः, मुझे, के० एंस० वेंकटरामन, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- रुपये से अधिक है उचित बाजार मूल्य भौर जिसकी सं० एस० नं० 887 श्रौर 888 मिरयालगुडा है जो मिरघालगुडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, मिरयालगुडा ताल्लुक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 13 मार्च 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और गत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, में आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:---

- श्री मुदुँड़ी कोन्डाराजू सुपुत्र बंगारू राजू निवासी वडुर गांव, तनकू जिला वैस्ट गोदावरीं (ग्रन्तरक)
 - 1. (1) माडी सैही वेंकटेश्वरलू।
 - (2) यम वेंकटरतनम।

- (3) भोनारीर वेंक्या।
- (4) प्रपना रंमगय्या।
- (5) गुंटूर राजेश्वर राव।
- (6) निला लश्मय्या।
- (७) यैदकूला सत्यानारायन।
- (8) छडला सत्यानारायना।
- (9) गीर रमेश।
- (10) वेंपाटी रामलिगय्या।
- (11) गोर रंगाराव।
- (12) लेडला विज्या कुमार।
 तमाम लोग मिमर्स श्री राजा बैस श्रौर
 ग्राउंडनट श्रायल मिल के भागी दार हैं।
 क्रियाल गुडा तालूका, नलगोंडा जिला।
 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्येवाहियां मुक्त करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा। स्पब्दोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति : नं० 14/102 सर्वे नं० 887 भ्रौर 888 1.37 एकड़ मी० मिरयालगुडा गांव मिरयालगुडा नल-गोंडा जिला।मै० श्री राजा रैस भ्रौर ग्राउंडनट भ्रायल मिल।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद।

दिनांक: 13 दिसम्बर 1974।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 ष (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-ा, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 20 नवम्बर, 1974

निर्देश सं० टि० म्नार० 1703/सि०479/कल०I-/73t//--यत:, मझे एस० के० चऋवर्ती, आयकर अधिनियम. 1961 (1961 ′43) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य, 25,000/- ६० से अधिक **है,** और जिसकी संख्या 117 बी, है, जो चित्तरन्जन रामिनिहै में स्थित है भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है रजिस्टी-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार ग्राफ एशयुरेंस 5, गवर्नमेट प्रेम नार्थ कलकता में भारतीय रजिस्दीकरण प्रधिनियम 1908-(1908 का 16) के अधीन 27-3-74

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-मान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थासृ:---

1. श्री महेंद्र कुमार चौधुरी

(अन्तरक)

- 2. 1. पुरषोत्तम दास भिवानिवपाला,
 - 2. महादेशे ग्रागरवयाला,
 - 3. रतन लाल भ्रागरवयाला
 - 4. केदारनाथ श्रागरवयाला
 - 5. शंकरलाल श्रागरवयाला
- (अन्तरिती)

- 3. 1. संद्रयल ट्रायार्स
 - 2. सोमादेवी जईन

- 3. एन० जईन ऐंड को० प्रा० लि०
- 4. एस० कानरोपा
- 5. बि० सरमा
- 6. जईन सि० रामदाम,
- 7. के० डी० सिहानी,
- 8. लब्री प्रसाद हरलालका
- 9. नदलाल ग्रागरवयाला,
- 10. जानवयारी लाल ग्रागरवायाला,
- 11. एस० एम० पांडे,
- 12. मदुला मेहता,
- 13. राम पि यहार,
- 14. प्रताप मि० भातिया,
- 15. श्रीनियास शारदा,
- 16. पि० सोभानि,
- 17. श्रार० सोमानि
- 18 एस० गरमा,
- 1 % श्रार० पटेल,
- 20. राष्ट्रच बेगनी

वह ब्यक्ति/जिसके बारे में भ्रघोहस्ताक्षरी जानतः है कि वह सम्पति में हितबद्ध है।

श्री पी० के० चौंधरी,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्तिः के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया। है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे। व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

117बी, चित्तरन्जन एमिनिड कलकत्ता में श्रवस्थि श्रापार समझ का मक्कान का साथ 9 कट्टा 9 छटाक (करपोरेक्षन रोकड़ 9 कट्टा 10 छटाक) जमीन।

एस० के० चक्रवर्ती सक्षम प्राधिकारी,

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पी-13-चौरंगी स्ववेयर कलकत्ता,

तारीख : 20-11-74,

मोहर:--

प्ररूप भ्राई०टी०एन०एस०———— भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज IV बम्बई बम्बई, तारीख 12-11-1974

निर्देश सं० ए० पी० 192/म्राई० ए० सी०/ए० म्रार-4/ 74-75---यन मुझे श्री ग० सो० राव महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चार बम्बई स्रायकर स्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 रु० से अधिक है श्रौर जिसकी सं० सर्वेक्षण नं० 74, 77 श्रौर 88 है जो भांडुप में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय र्राजस्द्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 28-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के ग्रनुसार भ्रन्तरित की गई है और मुझे यह वि<mark>ष्वास करने का कारण है</mark> कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्य-मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि ग्रन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना,

और यतः श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रिभिलिखित किए गए है।

भ्रतः श्रब, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्ः—

- (1) श्री रतनसी करसोनदास श्रौर श्रन्य, 9 बेलेस स्ट्रीट बम्बई-1 (अन्तरक)
- (2) श्री जगदीश सिन्हा, गुमदेत्री रोड, भाडूप, बम्बद-78 (अन्तरिती)

- (3) श्री मैयद श्रव्दुल हमीद कादरी माहीम, बम्बई (वह ब्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्री मुना महमद, दरगाह रोड नाहूर, बम्बई (वह ब्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां णुक् करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतद्द्वारा यह ग्रिधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के ग्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के ग्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतदद्वारा भ्रागे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के भ्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपो की मुनवाई के समय मुने जाने के लिए भ्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

वे सभी टुकड़े या जमीन का स्वींग या खेती करने लायक जमीन जिसका सर्वेक्षण नं० 74, 77 और 88 जो गांव नाहूर, तालुका-कुर्ला, जिला बम्बई उपनगर और रजिस्ट्रेशन उप-जिला बान्द्रा और जो श्रब बम्बई म्युनिस्पल कारपोरेशन के 'टी'-वार्ड में गिना जाता है और जो माप में 16700 वर्ग गज हैं।

> ग० सो० राव, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज IV बम्बई ।

तारीख: 12-11-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज 2 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए सि-72/ब्रार-2/कलकता/74-75 यतः मुझे ग्रार० वि० लालमविया म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार 25,000/-६० से श्रधिक है जिसकी सं० 11 है, जो राजा सन्तोष रोड़, श्रालपुर, कलकत्ता में स्थित है ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैरजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय राजिस्ट्रार श्राफ एस्ररेन्स कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908-1908 का 16 के ग्रधीन 1-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित धाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को अध्याय 20-क के णब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीं शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत ध्यितयों, अर्थात :--- श्री गोरा चन्द मल्लिक, 9/1/1ए, खेलत घोप लेन, कलकत्ता । (श्रन्तरक)

श्री नृपेन्द्रा मल्लिक, 9/1/1ए, खेलत घोष लेन, कलकत्ता। (श्रन्तरिती),

है)।

- श्रीमती सूरज देवी,
- 2. श्री राधा किस्सन मोहता,
- श्री हरी किस्सन मोहता,
- 4. श्री मदन मोहन मोहता

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक दि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिक्षी को दी जाएगी।

एतव्हारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदौँ का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति सं० 11, राजा सन्तोष रोड़, थाना,श्रालिपुर, कलकत्ता में मकान के साथ 1 विद्या, 10 कठा, 15 चट्टाक्स, 8 वर्ग फुट जमीन के श्रभिवाजित 1/4 भाग।

> श्रार० वी० लालमोया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) पि०, 1 3,चोरगीं स्कोयर, कलकत्ता-1

तारीख:--27-11-1974

मोहर:--→

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ————— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बैंगलोर

बैंगलोर, तारीख 19-11-74

निर्देश सं० सि० म्रार० 62/2505/74-75—यतः मुझे भ्रार० कृष्णमूर्ति, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) बैंगलौर म्रायकर म्रिधनियम, 1961 (1961

स्नायकर श्राधानयम, 1961 (1961 का 43) की धारी 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 25,000/- खपये से अधिक है श्रीर जिसका सर्वे नं० 94, 95 श्रीर 96 है, जो इलथोर गांव, कुन्दन होडली, देवनहल्ली होडली, बैंगलोर जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, देवनहल्ली दस्तावेज नं० 280 में भारतीय राजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 24-4-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) क अध्याय 20-क के मध्यों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मुरू वरने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित विए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्यिकतियों अर्थात्:---

(1 (1) श्री के० नारायण स्वामी पुत्र लक्ष्मीनारायण शास्त्री 20, 11 मेन रोड़, टाटा सिल्क फार्म, बसवनगुडि, बैंगलोर।

- (2) अप्पन्ना पुत्र कृष्णस्वामी, नं० 3, लिंक राष्ट्र वैंगलोर-3। (ध्रन्तरक)
- (2) श्री रामञ्जा पुत्र श्री मुनिस्नुमन्तप्पा जक्कूर, थलहन्का होब्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति **के अजन** के ालए एतदृद्वारा कार्यवाहिया <u>म</u>ुरू करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूजित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियस किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे क्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जिरायती जमीन जिसका सर्वे नं० 94, 95 श्रौर 96 है श्रौर जो इलथोर गांव, कुन्दला होब्ली देवनहल्ली तालुक, बैंगलोर जिले में स्थित है श्रौर जिसकी सीमा 32 एकड़ 11 गुन्टे हैं।

दस्ताबेज नं० 280/24-4-72

भ्रार० कृष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, बैंगलोर

तारीख : 19-11-74

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 3rd December 1974

No. F. 22/75-SCA(G)—In pursuance of sub-rule (3) of rule 4 of Order II of Supreme Court Rules, 1966 as amended the Hon ble Chief Justice of India has been pleased to direct that the following days be observed as Court holidays during the year 1975—

Name of Holiday	Date & Month	Day of the week	No. of days
Muharram	23rd January	Thursday	1
Basant Panchami	17th February	Monday	1
Mahasiyaratu	11th March	Tuesday	1
Holi	26th and 27th March	Wednesday & Thursday	2
Good Friday	28th March	Friday	1
Baisakhi	14th April	Monday	Ŧ
Mahavir Jayantı	24th April	Thursday	1
ndependence Day	15th August	Friday	1
Janmashtami	30th August	Saturday	1
Mahatma Gandhi's Birthday	2nd October	Thursday	1
d-ul-Fitr	7th October	Tuesday	1
Dussehra	13th to 17th October	Monday to Friday	5
Diwali	3rd to 5th November	Monday to Wednesday	3
Guru Nanka's Brithday	18th November	Tuesday	1
Christmas & New Year Holidays	22nd December, 75 to 2nd J. 1976	anuary Monday to Friday	12

BYORDER

S K. GUPTA.
Registrat (Admn.)

Registrat (Admn.) Supreme Court of India

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 21st November 1974

No. A.26014/1/74-Admn.I.—Shri M. M. Thomas, a permanent Officer of the Selection Grade of Central Secretariat Service who was officiating as Joint Secretary in the office of the Union Public Service Commission has been appointed to officiate as Controller of Examinations with effect from the forenoon of 21st October, 1974 until further orders.

The 26th November 1974

No. P/1821-Admin I.—Dr. Gopal Swarup, Plant Pathologist (Nematodes) in the Indian Agricultural Research Institute, has been appointed as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 1st November, 1974, until further orders.

The 28th November 1974

No. P/1825-Admn I—Dr. B. Bhattacharya, formerly a 1 ccturer in the College of Agriculture, University of Calcutta, has been appointed to the post of Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 1st November, 1974, until further orders.

P. N MUKHERJEH,
Under Secretary
For Chairman
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT DEPARTMENT OF PERSONNEL & REFORMS

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 27th November 1974

No. PF/J-78/73-AD.I.—Shri J. B. Mohite, an officer of Guiarat State Police on deputation to CBI as Inspector of Police has been relieved of his duties in the CBI Ahmedabad Branch with effect from 1st November. 1974 (Afternoon) on renatriation to Guiarat State Police with the instructions to report for duty to the Commissioner of Police, Ahmedabad city.

14-386GI/74

The 30th November 1974

No. PF/C-2/69-AD.V.—Shri Chandu Lal, I.P.S., Assistant Director, (Policy) C.B.I., Head Office, New Delhi relinquished charge of his office of Assistant Director (Policy) in the C.B.I., S.P.E., on the afternoon of 11th June, 1974 on repatriation to his parent State.

This office Notification of even number dated 4-7-74 is here-by cancelled

G. L. AGARWAL, Administrative Officer (E) C.B.I.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 16th November 1974

No. E-38013(2)/10/74-Ad.I—On transfer from Bokaro Steel City, Lt. Col. H. S. Bedi assumed the charge of the post of Commandant Central Industrial Security Force Unit, Fertilizers Corporation of India Limited, Nangal with effect from the forenoon of 24th October 1974.

The 21st November 1974

No E-38013(3)/4/74-Ad.I.—Shri K. K. Kaul. Assistant Commandant No. 14 Bn. Central Industrial Security Force. Corakhpur relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 18th October, 1974, and assumed the charge of the post of Assistant Commandant Central Industrial Security Force Unit, Rourkela Steel Plant, with HOrs, at Gorakhpur with effect from the forenoon of the same date.

No. E-38013(3)/4/74-Ad I—Shri C. S. Varadateja. Dy Sunerintendent of Police/Intelligence Wing. Central Industrial Security Force. Madras Refinery relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 15th October 1974 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant (?r. Administrative Officer) Eastern Zone, with HQrs at Madras with effect from the forenoon of the same date.

No. E-38013(3)/4/74-AdJ.—Shri Ishwer Singh, Assistant Commandant No. 7th Bn. Central Industrial Security Force Sindri, relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 18th October, 1974 and assumed the charge of

the post of Assistant Commandant Central Industrial Security Force Unit, Durgapur Steel Plant, with HQrs. at Sindri with effect from the forenoon of the same date.

No. E-38013(3)/4/74-AD.I.—Shri B. Misra. Dy. Superintendent of Police, Intelligence Wing, Central Industrial Security Force, Government Opium Factory, Neemuch relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 16th October, 1974 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Bhilai Steel Plant, Bhilai, with HQ.s. at Neemuch with effect from the same date.

No. E-38013(3) /4/74-Ad.L.—S/Shri B. K. Chakraborty and P. P. Mitra, Assistant Commandant No. 3 Bn. Central Industrial Security Force Calcutta, relinquished the charge of the post with effect from the Afternoon of 16th October, 1974 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit Durgapur Steel Plant with HQrs, at Calcutta with effect from the forenoon of the same date.

No. E-38013(3)/4/74-Ad.I.—Shri S. K. Tah, Assistant Commandant No. 11 Battalion, Central Industrial Security Force, Durgapur relinquished the charge of the post with effect from the Afternoon of 17th October, 1974 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Durgapur Steel Plant, with HQrs. at Durgapur with effect from the Afternoon of the same date.

No. B-38013(3)/4/74-Ad.I.—Shri K. A. Balliappa, Assistant Commandant No. 13 Bn. Central Industrial Security Force, Dewas, relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 18th October, 1974 and assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. Central Industrial Security Force Unit, Bhi'ai Steel Plant, Bhilai with HQrs. at Dewas with effect from the forenoon of the same date.

No. E-38013(3)/4/74_Ad.I.—Shrl C. R. Singh, Assistant Commandant No. 9 Battalion Central Industrial Security Force, Patna relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 18th October, 1974 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant. Central Industrial Security Force, Unit, Durgapur Steel Plant, with Hqrs. at Patna with effect from the forenoon of the same date.

No. E-38013(3)/4/74-Ad J.—Shri S S. Prasad, Deputy Superintendent of Police Intelligence Wing, Central Industrial Security Force, Dhanbad relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 16th October. 1974 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit. Durgapur Steel Plant, Durgapur with Headquarters at Dhanbad with effect from the forenoon of 16th October, 1974.

No. E-38013(3) /4/74-Ad.I.—Shri R. K. Bhagat, relinquished the charge of the post of Assistant Commandant No 14th Bn. Central Industrial Security Force, New Delhi with effect from the forenoon of 18th October, 1974 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant/Central Industrial Security Force, Bombay Airport, with HQrs. at New Delhi with effect from the forenoon of the same date.

No E-38013(3)/4/74-Ad.I.—Shri S. K. Verma, Dv. Superintendent of Police/Intel'igence Wing. Central Industrial Security Force, Korba, relinquished the charge of the post with effect from the Afternoon of 16th October, 1974 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Bhilai Steel Plant, Bhilai with Headquarters at Korba with effect from the forenoon of 17th October, 1974.

The 22rd November 1974

No. E-38013(3)/15/74-Ad I.—On transfer from Barauni to Dighaghat Patna Shri C. R. Singh Assistant Commandant No. 9 Battalion. Central Industrial Security Force, Barauni, relinquished the charge of the post with effect from the Afternoop of 8th October, 1974 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant No. 9 Battalion. Central Industrial Security Force, Dighaghat, Patna with effect from the forenoon of the 9th October, 1974.

No. E-38013(3)/4/74-Ad.I.—S/Shri D. S. Treasure and John Chauhan. Assistant Commandants No. 16th Battalion, Central Industrial Security Force, Ranchi, relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 18th October 1974 and assumed the charge of the posts of Assistant

Commandant, CISF Unit, Rourkela Steel Plant, with Hendquarters at Ranchi with effect from the forenoon of the same date.

No. E-31013(2)/5/74-Ad.I.—President is pleased to appoint the following Inspectors to officiate as Assistant Commandants, Central Industrial Security Force Unit, Bharat Coking Coal Limited, Jharia with effect from the Afternoon of 30th October, 1974 who assumed the charge of the said posts with effect from the Afternoon of the same date with HQrs. at Jharia.

- (a) Shri Om Parkash Sharma
- (b) Shri Protul Kumar Lahiri.

The 23rd November 1974

No. E-31013(2)/5/74-Ad.I.—The President is pleased to appoint Inspector P. R. Bhuttan to officiate as Assistant Commandant (IAO) N&W Zone, Central Industrial Security Force with HQrs. at Jharla with effect from the forenoon of 5th November, 1974, who assumed the charge of the post with effect from the same date.

No. E-31013(2)/1/74-Ad.I.—The President is pleased to appoint Inspector Y. P. Jogewar to officiate as Assistant Commandant, Central Industrial Security Force, Bharat Coking Coal Ltd., Jharia, with effect from the Afternoon of the 31st October 1974, and Shri Jogewar assumed the charge of the post with effect from the same date.

No. E-31013(2)/5/74-Ad.I.—The President is pleased to appoint Inspector L. N. Mohla to officiate as Assistant Commandant (IAC) N&W Zone, Central Industrial Security Force with HQrs., at New Delhi with effect from the forenoon of 16th November, 1774, who assumed the charge of the post with effect from the same date.

L. S. BISHT, Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 7th November 1974

No. 25/32/74-RG(Ad.I).—The President is pleased to replace the services of Shri G. S. Kanekal, Deputy Director of Census Operations, Karnataka at the disposal of the Karnataka Government with effect from the afternoon of 7 October 1974.

The 30th November 1974

No. 12/2/74-RG(Ad.I).—The President is pleased to appoin Shri R. Y. Revashetti, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Karnataka as Assistant Director of Census Operations, (Technical) in the same office on a purely temporary and ad hoc basis for a period of six months with effect from 15 May 1974 upto 14 November 1974.

2. The headquarters of Shri Revashetti will be at Bangalore.

BADRI NATH
Deputy Registrar General, India &
ex-officio Deputy Secretary to the Govt. of
India

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE,

New Delhl-110001, the 25th November 1974

No. O.N-39/69-Estt.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri C. K. Nair, Commandant 48th Bn CRP Force, retired from Govt. service on the afternoon of 8th October 1974.

The 26th November 1974

No. O.II-20/69-Ests.—Consequent on the expiry of his term of re-employment in the CRP Force. Brig. S. R. Khurana relinquished charge of the post of Wireless Adviser, Die. General, CRPF, on the afternoon of 27th October, 1974.

The 27th November 1974

No. F-1/28/74-Estt(CRPF).—The President is pleased to appoint on re-employment Brig. G. S. Sidhu, AVSM (Retd.) as Wireless Adviser in the Directorate General, CRP Force in a temporary capacity for a period of one year w.e.f. the forenoon of 6th November 1974 subject to his premature termination of his services should administrative exigency, his tinsuitability and/or any other unforeseen factors so demand.

S. N. MATHUR Assistant Director (Adm.)

CENTRAL TRANSLATION BUREAU

New Delhi-16, 30th November 1974

No. F. 11(1) 25/72-Admn.—Kumari Urmil Melhotra, Senior Edanslator in the Central Translation Bureau is appointed to officiate as Translation officer in the Bureau in leave vacancy w.e.f. 11-11-74 to 28-12-74 on ad-hoc basis.

C. K. MISHRA, DIRECTOR

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL JAMMU AND KASHMIR

Srinagae, the 7th November 1974

No. Admn.I/60(69)74-75/2880-81.—The Accountant Genetal, Jammu and Kashmir has appoined Shri Shesh Narayan, a permanent Section Officer of this office, to officiate as Accounts Officer with effect from the Forenoon of 1st November, 1974 till further orders.

The 27th November 1974

No. Admn.I/60(70)74-75/3097-99.—The Accountant General, J&K has appointed Shri Ravi Dutt Sharma, a permanent Section Officer of this office to officiate as Accounts Officer with effect from the forenoon of 22nd November, 1974 until further orders.

B. S. TYLE Sr. Deputy Accountant General (A&E)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ANDHRA PRADESH, HYDERABAD

Hyderahad-500004, the 15th November 1974

The Accountant General Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri V. S. Balasubramanian a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General. Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the Scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 29-10-1974 (FN) until further orders.

The promotion order is without prejudice to the claims of his seniors.

The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri V. S. Venkataraman a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 29-10-1974 (FN) until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

The 29th November 1974

No. I-BI/8-312/74-75/405.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri C.B. Sankanarayanan a permt. Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40_1000-EB-40-1200 with effect from 28-11-74 FN until further orders.

The promotion order is without prejudice to the claims of his seniors.

No. 1-BI/8-312/74-75/407.—The Accountant General, Andhra Pradesh.1, has been pleased to promote Sri O. V. Narasimham a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 28-11-74 FN until further orders.

The promotion order is without prejudice to the claims of his seniors.

S. NAGARAJAN
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)
Andhra Pradesh, Hyderabad-500004

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL CENTRAL REVENUES, NEW DELHI

New Delhi, the 28th November, 1974

No. Admn. 1/5-5/Promotion/74-75/2190.—The Accountant General, Central Revenues, has appointed Shri Amar Nath I, a permanent Section Officer of this office, to officiate as Accounts Officer in the time scale of Rs. 840—1200, w.e.f. 14-11-74 F.N. Until further orders.

H. S. DUGGAL Sr. Dy. Acctt. Gen. (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL KERAIA, TRIVENDRAM

Trivendrum, the 15th November 1974

No. Estt./Entt/VI/10-3.—Shri N. Radhakrishnan, officiating Accounts Office of the office the Accountant General. Kerala, retired from service on superannuation on the afternoon of 31st October 1974.

R. C. GHEI, Acct. Gen. Kerala.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, UTTAR PRADESH: 1 ALLAHABAD

Allahabad, the 18th November 1974

O.O. No. Admn, I/11-114/XI(ii)/267—The Accountant General, Uttar Pradesh I. Allahabad has appointed the following Section Officers to officiate as Accounts Officer in this office weef, the date noted against each till further orders:—

1.	V. N. Borwank	ar			15-10-197‡ (AN)
2.	A. K. Jain				16-10-74
3.	Jaidev Bose				26-10-1974 (AN)
4.	S. K. Gupta				30-10-74
5.	B.S. Johar				11-11-74
6.	Adya Prasad				11-11-74 (AN)
7.	Badri Prasad Ti	Wali			14-11-74

U. RAMACHANDRA RAO Sr. Deputy Accountant General

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT, OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-22, the 7th November 1974

No.23012(1)/73/AN/A—The Controller General of Defence Accounts hereby appoints the undermentioned permanent Accountants as Accounts Officers in a substantive capacity with effect from the forenoon of the dates shown against each.

Sl. No.	Name		_ _	 		,	Organisation in which serving	Date of officet
1				 	 		 3	44
S/Shri								
1, K.P.B	osc .					,	C, D. A. Patna	1-5-1974
2. P. M. C 3. Dev Ra		•					C. D. A. Central Command, Meerut C. D. A. (ORs) North Meerut	1,5-1974 1-5-1974

1				2		 	-	 	3	4
4.	Gurbaksh Singh Mehta								C.D. A. Patna.	1-5-1974
5.	Yogindər Pal Səni	,						_	C. D. A. N. C. Jammu	1-5-1974
6.	Dwirka Nith .								C. D. A. (Pousions) Allahabad	1-6-1974
7.	Kulwant Singh Bindra								C. D. A. (AF) Dehra Dun	1-6-1974
8.	S. C. Garai								C. D. A. Patna	1-6-1974
9.	Krishan Lai Agarwal							·	C. D. A. (ORs) North Mecrut	1-6-1974
10.	Som Nath Saproo							_	C. D. A. Central Command, Meer ut	1-6-1974
11.	B. G. Majumdar .		,						C, G. D. A. New Delhi	1-6-1974
12.	F. X. D/Mallo								C, D. A. (Navy) Bombay	1-6-1974
13.	Hari Chand Sarin								C. D. A. Central Command, Meerut	1-6-1974
14.	R. Raghunathan .								C. D. A. (ORs) South Madras	1-6-1974
15.	Rup Caind Sharma								C. D. A. Congal Command, Meerut	1-7-1974
16.	Vishnu Datta								C. D. A. (Pensions) Allahabad.	1-7-1974
17.	S. N. Bhalla.								J. C. D. A. (Funds) Meerut	1-7-1974
18.	Karn Canad Agarwal							·	C. D. A. Western Command, Meet ut	1-7-1974
19.	A. K. Castterjee							-	C. D. A. Patna	1-7-1974
20.	OM Prikish Malik								C. D. A. (ORs) North Meerut	30-7-1974
21.	K. A. Midhavan (since	retd.))						C. D. A. (FYs) Calcutta	1-8-1974
22.	V. Ninjundan	. ′							C. D. A. (ORs) South Madras	1-8-1974
23.	Midin Mohan Dutta				,				C. D. A. (ORs) North Meerut	1-8-1974
24.	Diwim Vir (since retd.)					-		C. D. A. W. C. Meerut	1-8-1974
25.	OM Prakash Kansal							·	C. D. A. Central Command Meer ut	1-8-1974
26.	K. V. Aravamudan								C. D. A. (Officers) Poona.	1-8-1974

The 20th November 1974

No. 40011 (2)/74-AN-A—(a) The undermentioned Accounts Officers will be transferred to pension establishment with effect from the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Sl. No.	Name with Ros	ter N	umbe	r			Grade	Date from which transferred to pen- sion establishment	Organisation	
	5/Shri K. G. Dutta (P/169)						. Permanent Accounts Officer	31-3-1975 (AN)	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehia Dun.	
2.	G. V. Sathe (0/127)		•	٠		٠	Officiating Accounts Officer	31-12-1974 (AN)	Controller of Defence Accounts Poona. (Officers)	
3.	E. Lukshmanan (0/197)	•		•			Officer Accounts	31-1-1975 (AN)	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona	
4.	Ram Saran Dass (NYA)		•	•	•	٠	. Officiating Accounts Officer	30-4-1975 (AN)	Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut.	

^{2.} Sarvashri G. V. Sathe and Ram Saran Dass officiating Accounts Officers have been granted Earned leave preparatory to retirement from 16-11-1974 to 31-12-1974 and 1-1-1975 to 30-4-1975 respectively.

The 21st November 1974

No. 400I1(2)/74-AN-A.—The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the pension establishment with effect from the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Serial No.		Name with Roste	r Nu	mber				Grade	Date from which transferred to pension establishment	Organisation
	(1)	(2)						(3)	(4)	(5)
1.	S/shr S. S.	ni Hinge (P/465)						. Permanent Accounts Officer	28-2-1975 (AN)	Controller of Dofence Accounts Southern Command, Poona.
2.	B.P.	Rao, (P/571) .	•			•		. Permanent Accounts Officer	31-1-1975 (AN)	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.
3.	P. N.	. Misra (P/579)	•	•	٠			, Permanent Accounts Officer	31-1-1975(AN)	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
4,	J. R.	Das Gupta (0/78)		•	٠			Officiating Accounts Officer	31-1-1975 (AN)	Controller of Defence Accounts (Pactories) Calcutta.
5.	A. K	. Sen (0/192)	•	-			•	. Officiating Accounts Officer	31-1-1975 (AN)	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta,

⁽b) The follwoing is added as para 2 in this department notification No. 40011(2)/74-AN-A dated 20-8-1974

[&]quot;Shri R. Ramac'iandran, Permanent Accounts Officer has been granted earned leave preparatory to retirement from 20-9-74 to 31-10-74".

(1)	(2)		(3)	(4)	(5)
6.	S/Shri S. K. Dutta (O/298)		. Officiating Accounts Officer	31-1-1975 (AN)	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.
7.	Hironmoy Banerice (O/369)		. Officiating Accounts Officer	31-1-1975 (AN)	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcuita.
8	Thakur Das (N.Y A) .	,	Officiating Accounts Officer	30-11-1974 (AN)	Controller of Defence Accounts, Patna.

S. K. SUNDARAM, Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 23rd November, 1974
No. 48/74/G.—On expiry of leave pending retirement,
Shri M. P. Prabhakar, Offg. Deputy Manager (Subst. & Permt.
Foreman) retired from service w.e.f. 31st July 1974.

The 28th November 1974

No. 49/74/G.—On attaining the age of 58 years, Shri A. Soundra Raj, Offig. General Manager Gr. I (Permt. Deputy General Manager) retired from service with effect from 30th September, 1974 (A.N.).

M. P. R. PILLAI,
Assit. Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 22nd November, 1974

No. A.38012/2/74-M-II.—Consequent upon attaining the age of superannuation, Shri J. V. Bhave, Chief Welfare Officer (Mines) Bhuli, Dhanbad under the Coal Mines Labour Welfare Fund Organisation, Dhanbad has retired from the Government service with effect from the afternoon of 24th February, 1974.

B. K. SAKSENA, Under Secy.

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS

AND EXPORTS

New Delhi, the 12th November 1974

(ESTABLISHMENT)

No. 5/8/70-Admn(G)/5184.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby confirms the following officers in the post of Assistant Controller of Imports and Exports (redesignated as Controller of Imports and Exports with effect

from 1-2-1970 in the Import & Export Trade Control Organisation, Ministry of Commerce with effect from the date indicated against each:—

SI, No. Name	Date	from which confirmed.	Vacency against which confirmed	Remarks
1. Shri P. C. Bhatnagar	• .	1-12-1967	vice Shri Sardul Singh confirmed as Controller Class-I.	
2. ShriR.C. Sachdeva	•	1-12-1967	ivce Shri K. S. Nagarkatti con- firmed as Controller Class-I.	

A. T. MUKHERJEE, Dy. Chief Controller of Imports and Laports for Chief Controller of Imports and Laports.

New Delhi, the 20th November 1974

No. 6/815/67-Admn(G)5301.—On attaining the age of superannuation, Shri Jagdish Chander, an Officer of the Section Officer Grade of the CSS, relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of the 31st October 1974.

The 22nd November 1974

No. 6/505/58-Admn. (G) /5354.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Ghose, a permanent Officer of the Section Officers' Grade of the CSS to officiate in Grade I of that Service for the period from 31-8-1974 (AN) to 30-11-1974 (AN) or till a regular officer joins, whichever is earlier.

2. The President is also pleased to appoint Shri R. K. Ghose as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in this office for the aforesaid period.

The 28th November 1974

No. 6/254/54-Admn.(G)/5497.—Shri V. M. Srikumaran Nayar, a permanent Jt. Chief Controller of Imports and Exports (Jt. CCI&E) relinquished charge of the post of Jt. Chief Controller of Imports & Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta with effect from 4-11-1974 (FN) and proceeded on 117 days Earned Leave preparatory to retirement.

2. Shri Nayar is due to retire on 28-2-1975 (A.N.).

No. 6/428/56-Admn(G)/5522.—The President is pleased to appoint Shri D. K. Khosla, Controller Class-I in the Office

of the Joint Chief Controller of Imports and Exports. Bombay to officiate as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in that office for a period of three months with effect from 1-10-1974 or till regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. 6/273/54_Admn(G)/5510.—The President is pleased to appoint Shri B. C. Banerjee, officiating Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay to officiate as Deputy Iron & Steel Controller in that office for a period of three months with effect from 1-10-1974 or till regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. 6/341/56-Admn(G)/5516.—The President is pleased to appoint Shri S. Venkatasubramaniam, Controller, Class I in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay to officiate as Deputy Chief Controller of Imports and Exports, in that office for a period of three months with effect from 1-10-1974 or till regular arrangements are made, whichever is earlier.

B. D. KUMAR,

Chief Controller of Imports & Exports

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER Bombay, the 20th November, 1974

No. 10(1)/73-74/CLB.II.—In exercise of the powers conferred on me by clause 5(1) of the Cotton Control Order,

1955, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 10(1)/73-74/CLB. If dated the 11th April, 1974, namely :-

In the Schedule appended to the said Notification-

- (1) in the existing entry in column 3 ("quantity") agains S. No. 2, for the words "two and half months'", the words "three months'" shall be substituted,
- (2) in the existing entry in column 3 ("quantity") against S. No. 3, for the words "two months", the words "two and half months" shall be substituted.

The 25th November 1974

No. CER/6/74—In exercise of the powers conferred on me by Clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendment in the Textile Commissioner's Notification No. T. C. (12)/58, dated the 7th March, 1958, namely:--

In the Table appended to the said Notification, in columns 2 and 3 for the existing entries against Serial Number 13, the following shall be substituted, namely:-

Sl. No.	Designation of Officers	Name of the State
·· 13	(1) Director of Food & Civil Supplies, M. P., Bhopal (11) Deputy Director of Food & Civil Supplies, M. P., Bhopal (12) Assistant Director of Food & Civil Supplies, M. P., Bhopal	Whole of Madhya Pradcsh
	(h) All Collectors, Madhya Pradesh	Within then 166- pective jurisdic- tion.

G. S. BHARGAVA, Joint Textile Commissioner

MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 22nd November, 1974

No. A-19018/130/74-Admn(G).—Consequent upon appointment as Research Officer in the Planning Commission, Smt. Anjali Bose relinquished the charge of the office of Assistant Director (Grade II) in the Office of the Develop-ment Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi with effect from the forenoon of 30th September, 1974.

> K. V. NARAYANAN, Director (Admn.)

DEPARTMENT OF SUPPLY

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS New Delhi, the 19th November, 1974

No. A-1/1(390).—The President is pleased to appoint Shri R. N. Das, Deputy Director of Supplies, Grade II of the ISS in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate on ad-hoc basis as Director of Supplies, Grade I of the Indian Supply Service in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 7th November, 1974 and until further orders.

No. A-6/247(601)/66.—The President has been pleased to appoint Shri P. K. Basu, Inspecting Officer in the Textiles branch of Grade III of the Indian Inspecting Service Class I to officiate as Deputy Director of Inspection in Textile Branch of Grade II of the service with effect from the forenoon of 11-9-74, until further orders.

Shri Basu relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Tex.) in the Bombay Inspection Circle on the afternoon of the 7-9-74 and assumed charge of the post of Deputy Director of Inspection (Tex.) in N. I. Circle, New Delhi on the forenoon of the 11-9-74.

No. A-1/1(390).—The President is pleased to appoint Shri N. K. Saha, Assistant Director of Supplies (Grade I), Grade III of the Indian Supply Service in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate on ad-hoc basis as Deputy Director (Disposals) Grade II of the Indian Supply Service in the same Directorate General at New Delhi with effect from the afternoon of 7th November, 1974 and until further orders.

The 21st November 1974

No. A-1/1(71).—The President is pleased to appoint Sii S. N. Banerjee, Deputy Director (Disposals), Grade II of the Indian Supply Service in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate on ad-hoc basis as Director (Progress), Grade I of the Indian Supply Service in the same Directorate General at New Delhi with effect in the same Directorate General at New Delhi with effect from the afternoon of 7th November 1974 and until further orders.

> S. K. JOSHI. Dy. Director (Admn.)

New Delhi, the 5th November 1974

No. A-17011(76)/74-A.6.—The Director General of Supplies & Disposals is pleased to appoint Shri R. K. Chakravarty, Examiner of Stores (Assaying) in the office of the Director of Inspection, Burnpur to officiate as Assistant Inspecting Officer (Met-chem) in the office of the Director of Ins. pection, Jamshedpur with effect from the forenoon of the 30-9-74, until further orders.

The 7th November 1974

No. A-6/247(155)/58.—Shri L. M. Ray, a permanent Dv Director of Inspection (Engg.) and officiating Director of Inspection in Grade I of the Indian Inspection Service Class I in the Calcutta Inspection Circle, under the Director General of Supplies & Disposals retired from Govt, service on the afternoon of 30-9-74 on attaining the age of superamulation.

The 19th November 19

No. A-6/247(285)/60.—The President has been pleased to appoint Shri R. M. Rudra, Assistant Director of Inspection in Metallurgical Branch of Grade III of the Indian Inspection Scrvice, Class I to officiate as Deputy Director of Inspection in Metallurgical Branch of Grade II of the service with effect from the afternoon of the 7-9-74, and until further orders

Shri Rudra relinquished charge of the post of Assistant Director of Inspection (Met.) and assumed charge of the post of Deputy Director of Inspection (Met.) in the Metallurgical Inspectorate, Burnpur from the afternoon of the 7-9-74

No. A-1/1(927).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri K. K. Malhotra, Junior Field Officer in the Directorate General of Supplies and Disposals, New De'hi to officiate on ad-hoc basis as Assistant Director of Supplies (Grade II) in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forencon of the 4th November, 1974 and until further orders.

2. The appointment of Shri Malhotra is on purely temporary basis and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi,

The 20th November 1974

No. A-6/247(627)/71.—Consequent on the acceptance of his resignation from service Shri R. R. Sastry relinquished charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the Calcutta Circle, with effect from the afternoon of the 19-10-1974.

The 21st November 1974

No. A-1/1(966).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints S/Shri Sudesh Kumar Bandhu, Charan Singh Kataria and Rajendra Kumar Gupta to officiate as Assistant Directors (Grade II) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 1st November, 1974 and until further orders,

The 22nd November 1974

No. A-1/1(935).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri A. Basak, Junior Field Officer in the office of the Deputy Director General Supplies and Disposals), Calcutta to officiate on ad-hoc basis as Assistant Director (Progress) (Grade II) in the same Directorate at Calcutta with effect from the forenoon of 31st October, 1974 and until further orders.

2. The appointment of Shri Basak as Assistant Director (Grade II) is purely on temporary basis and subject to the Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

The 23rd November 1974

No. A-6/247(192)/59.—Shri S C. Bakshi, perment AIO (Pex) and officiating Deputy Director of Inspection in the Textile Branch of Grade II of the Indian Inspection Service Class I in the Bombay Inspection Circle of the Directorate General of Supplies and Disposals, retired from service with effect from the afternoon of the 31-10-1974.

The 25th November 1974

No. A-1/1(928).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri B. D. Kathuria, Junior Field Officer in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate on ad-hoc basis as Assistant Director (Disposals) (Grade II) in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 11th November, 1974 and until further orders.

2. The appointment of Shri Kathuria is on purely temporary basis and subject to the results of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

The 28th November 1974

No. A-1/1(1005).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri P. Ramachandra Chetty. Dock Inspector in the office of the Director of Supplies and Disposals, Madras, to officate on ad-hoc basis as Assistant Director (Grade II) in the same office at Madras with effect from the forenoon of 26th October, 1974 and until further orders.

2. The appointment of Shri Chetty as Asstt. Director (Grade II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

The 30th November 1974

No. A-6/247(323)/61-Vol III.—Consequent upon his reversion from the post of Assistant Director of Inspection (Met.) Grade III (Met-Branch) of IIS (Class I) Shri R C. Bhattacharya has taken over charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Met.) in the Burnpur Inspection Circle w.e.f. the forenoon of 29-10-73.

The 2nd December 1974

No. A-1/1(1007).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri A. M Paranjpe, Junior Field Officer in the office of the Director of Supplies and Disposals, Bombay to officiate on ad-hoc basis as Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay with effect from the forenoon of 31st October. 1974 and until further orders.

The appointment of Shri Paranjpe as Assistant Director (Gr. II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

S. K. JOSHI,
Deputy Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 22nd November 1974

No. A-19612/73-Estt.A.—Shri Prem Srivastava, Scinor Technical Assistant (Geology) Indian Bureau of Mires is promoted to officiate as Assistant Mining Geologist, Indian

Bureau of Mines on an ad hoc basis with effect from the foremoon of 29th October, 1974 until further orders.

A. K. RAGHAVACHARY, Sr. Administrative Officer for Controller

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-13, the October 1974

No. 2251(NCM)/19B.—Shri N. C. Majumdar is appointed as Driller in the Geological Survey of India on pay minimum in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- (Revised) in an officiating capacity with effect from the forenoon of 26th September, 1974, until further orders,

The 31st October 1974

No. 2222(MRM)/19A.—Dr. M. Rama Murty, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India, is appointed as an Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40--1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1-10-1974, until further orders,

The 16th November 1974

No. 2251(BB)/19B.—Shri Bibhas Banerjee, Senior Drilling Assistant, Geological Survey of India is appointed on promotion as Driller in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/— (Revised) in a temporary capacity with effect from the forenoon of 21st October, 1974, until further orders.

The 18th November 1974

No. 264(23/D)X/19B.—S/Shri V. Subramanian and A. K. Nandy received charge of the posts of Driller in the Geological Survey of India on reversion from the Mineral Exploration Corporation Ltd., in the same capacity from the forencon of 4th November, 1974.

The 28th November 1974

No. 2222(SKB)/19A.—Shri Saroj Kumar Barua is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 1-10-1974, until further orders.

C. KARUNAKARAN. Director General

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 5th November 1974

No. F.92-92/74-Estt./14191.—Mrs. Manika Guha officiating Senior Zoological Assistant, Zoological Survey of India is appointed as Assistant Zoologist (Class II-Gazetted) at the Headquarters Office of the Zoological Survey of India. Calcutta, on ad hoc basis, with effect from 21st October, 1974 (forenoon), until further orders.

DR. S. KHERA, Deputy Director-in-Charge

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 28th November 1974

No. E1-46973/724-SOS.—Shri Sanwalia Sahai is appointed to officiate as Assistant Stores Officer, Survey of India in the General Central Service Class II, against a temporary post on a pay of Rs. 350.00 per month in the scale of pay of Rs. 350—25—575 with effect from the forenoon of 5th November, 1974, until further orders.

HARI NARAIN, Surveyor General of India

CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY

Chemical Establishment

New Delhi-110012, the 30th October 1974

No. 3/1974.—On transfer Dr. Khadim Husain, Assistant Chemical Examiner, New Custom House Laboratory, Bombay assumed charge in the same capacity in the Central Excise Regional Laboratory, Baroda with effect from the forenoon of 9th October, 1974.

No. 2/1974.—On transfer Shri K. G. Narayanau, Assistant Chemical Examiner, Central Excise Laboratory, Digboi (Assam) assumed charge in the same capacity in the Custom House Laboratory, Bombay with effect from the forenoon of 25th September, 1974.

V. S. RAMANATHAN, Chief Chemist, Central Revenues

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi, the 8th November 1974

No. F. 11-2/74-A.1.—The Director of Archives, Government of India, hereby sanctions proforma promotion to Shri S. C. Bose, Assistant Archivist, (Grade I) (General), and at present on deputation with the Ministry of External Affairs as Archivist, to the post of Archivist (General) in the National Archives of India with effect from the 27th August, 1974 (Forenoon) until further orders, under proviso below F.R. 30(1) (Next Below Rule).

The 20th November 1974

No. F. 20(A-4)12/61-A.1.—Shri J. R. Gupta, permanent Archivist (Oriental Records), in the National Archives of India, New Delhi on attaining the age of supersunuation, stands retired from Government service with effect from the afternoon of 31st October 1974.

L. D. AMANI, Administrative Officer, for Director of Archives,

DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY NATIONAL ATLAS ORGANISATION

Calcutta-19, the 18th November 1974

No. 29-12/72/Estt.—Shri Subhas Chandra Datta is appointed to the post of Scientific Officer in the National Atlas Organisation in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1st November, 1974, until further orders.

S. P. DAS GUPTA, Director

DIRECTORATE GENERAL ALL INDIA RADIO (CIVIL CONSTRUCTION WING)

New Delhi-I, the 28th November 1974

No. A-12023/4/72-CWI/4105.—The Director Ceneral, All India Radio hereby appoints Shri V. S. Saraff, an Assistant Architect of the Central Public Works Department as Assistant Architect in the grade of Rs. 650-1200 in the Civil Construction Wing of All India Radio with effect from 16-10-74 (Forenoon) on deputation for a period of one year in the first instance.

P. A. SOLOMON, Engineer Officer to Chief Engineer (Civil), for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 9th July 1974

No. 41-38/74-D.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the Director General of Health Services is pleased to appoint Shri D. K. Kulkarni as a Technical Officer in the Central Drugs Standard Control Organisation, Cochin, in an officiating capacity with effect from the Ist April, 1974 (F.N.) and until further orders.

P. S. RAMACHANDRAN, Drugs Controller

for Director General of Health Services.

New Delhi, the 22nd November 1974

No. 20-7/74-CGHS I.—Consequent on the acceptance of her resignation, Dr. (Mrs.) Indira Bhattacharya, relinquished charge of the post of Junior Medical Officer (ad-hoc) under the Central Government Health Scheme, Now Delhi on the afternoon of the 31st January, 1974.

No. 20-89/74-CGHS I.—Consequent on the acceptance of his resignation Dr. Gyan Arora, Junior Medical Officer, ad-hoc, Central Government Health Scheme, New Delhi, telinquished charge of the post of Junior Medical Officer (adhoc) under Central Government Health Scheme, Delhi on the afternoon of the 7th October, 1974.

The 25th November 1974

No. 30-10/74-CGHS I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Surendra Bahadur Singh as Homoeopathic Physician in the Central Government Health Scheme, Delhi under the Directorate General of Health Services in temporary capacity with effect from afternoon of the 5th November, 1974 and until further orders.

The 26th November 1974

No. 20-74/74-CGHS I.—Consequent on the acceptance of their resignation Dr. R. K. Saluja/ Dr. S. C. Chittkara, Junior Medical Officer (ad-hoc), C.G H. Scheme, Delhi, relinquished charge of their post on the 18th September, 1974 (A.N.) 21st September, 1974 (A.N.) respectively.

K. VENUGOPAL, Deputy Director (Admn. (CGH5)

New Delhi, the 21st November 1974

No. 34-45/74-CHS.I.—The Director General of Health Services hereby appoints Dr. S. V. Vepa as Junior Medical Officer in the Central Government Health Scheme, Bombay with effect from the forenoon of the 13th August 1974 on an ad hoc basis until further orders.

The 22nd November 1974

No. 48-23/73-CHS.I.—The Director General of Health Services hereby appoints Dr. (Smt.) Krishna Tiwari as Junior Medical Officer Urban Family Welfare Planning Centre (Post Partem) JIPMER. Pondicherry with effect from the foremon of the 23rd October, 1974 on an ad-hoc basis until further orders.

No. 29-68/74-CHS.I.—Consequent on his transfer Dr. J. A. Ponniah relinquished charge of the post of medical officer I.G.D.O. Gr. I.C.H.S.) C.L.T. & R.I. Chingleput in the forenoon of the 4th October, 1974 and assumed charge of the post of the Deputy Assistant Director, Central Govt. Health Scheme, Madras in the forenoon of the 5th October, 1974.

No. 29-69/74-CHS.I.—The Director General of Health Services hereby appoints Dr. S. H. Kerosenewalla as Junior Medical Officer in the Central Government Health Scheme, Bombay with effect from the forenoon of the 1st July, 1974 on an ad hoc basis until further orders.

The 30th December 1974

No. 48-36/74-CHS.I.—On her transfer to Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education and Research, Pondicherry, Dr. (Smt.) Shan'l Yadev, General Duty Officer Grade II of the C.H.S., relinquished charge of the post of Junior Medical Officer under the C.C.H.S. Delhi on the afternoon of the 9th October, 1974 and assumed charge of the post of Junior Medical Officer at Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education and Research, Pondicherry on the forenoon of the 14th October, 1974.

G. PANCHAPAKESAN
Deputy Director Administration (CHS)

New Delhi, the 27th November 1974

No. 34-10/74-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. Surinder Wadhawan in a substantive capacity to the post of Dietician at the Safdarjang Hospital, New Delhi, with effect from the 2nd July, 1973.

The 28th November 1974

No. 11-3/74-Admn.I.—In continuation of this Directorate's notification No. 11-3/74-Admn.I (B) dated the 12-9-74, the President is pleased appoint Shri G. Panchapakesan, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service to officiate in Grade I of the C.S.S. for the following periods:—

- From the forenoon of the 3rd August, 1974 to the afternoon of the 17th Sept., 1974.
- (ii) From the forenoon of the 19th Sept., 1974 to the afternoon of 23rd Oct., 1974.

The President is also pleased to appoint Shri G. Panchapakesan, as Deputy Director Administration in the Directorate General of Health Services for the above periods.

No. 11-3/74-Admn.I(C).—In continuation of this Directorate's notification No. 11-3/74-Admn.I(C) dated the 12th September, 1974 the President is pleased to appoint Shri K. C. Misra, a permanent Officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service to officiate in Grade I of the C.S.S. with effect from the forenoon of the 3rd August, 1974 to the afternoon of 8th November, 1974.

The President is also pleased to appoint Shri K. C. Misra, as Deputy Director (Administration) in the Directorate General of Health Services for the above period.

No. 11-3/74-Admn.I(A).—In continuation of this Directorate's Notification No. 11-3/74-Admr.I(A) dated the 11th November, 1974, the President is pleased to appoint Shri P. I. Padmanabhan, a permanent Officer of the Section Officer's Grade of the Central Secretariat Service for the following periods:

- from the forenoon of the 1st September, 1974 to the forenoon of the 9th September, 1974.
- (ii) From the forenoon of the 10th September to the afternoon of 30th November, 1974.

The President is also pleased to appoint Shri P. I. Padmanabhan, as Deputy Director (Administration) in the Directorate General of Health Services for the above period.

The 30th November 1974

No. 17-10/74-Admn.-I.—The President is pleased to appoint Dr. S. S. Cothoskar to the post of Drugs Controller (India) in the Directorate General of Health Services with effect from the forenoon of the 1st November, 1974 and until further orders.

2. On his appointment to the post of Drugs Controller (India) in the Directorate General of Health Services, Dr. S. S. Gothoskar relinquished charge of the post of Deputy Drugs Controller (India) in the same Directorate with effect from the forenoon of the 1st November, 1974.

The 3rd December 1974

No. 1-15/74-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. D. Banerjee in a substantive capacity to the post of Assistant Research Officer (Psychologist) at the All India Institute of Hygiene & Public Health Calcutta, with effect from the forenoon of 21st March, 1970

No. 1-11/72-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint the late Dr. (Mrs.) Biva Banerjee in a substantive capacity to the post of Tutor Dietician at the All India Institute of Hygiene & Public Health, Calcutta, with effect from the forenoon of 21st March, 1972.

S. P. JINDAL

Deputy Director Administration

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION DEPARTMENT OF COOPERATION

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Nagpur, the 6th November 1974

No. E.5/11/69-D.II.—For the purpose of the Government of India Ministry of Finance, Department of Revenue, Customs Notifications GSR-1421 Dt. 31-8-63. GSR-1133, 1134, 1135 dated 7-8-65. GSR-448 dated 14-3-64 and published in the Gazette of India, I hereby authorise the following persons as noted below to issue Certificate of Grading in respect of Onions, Garlics, Pulses, Table Potatoes and Walnuts, which have been graded in accordance with the provisions of the Grading & Marking Rules of the respective commodities formulated under Section 3 of the Agricultural Produce (Grading & Marking) Act. 1937 (I of 1937).

Name & Designation and Commodity for which authorised:

- Shri Pramod Kumar, Dy. Senior Marketing Officer— Potatoes. Pulses, Onions, Garlic.
- Shri A. K. Bhattacharya, Dy. Senior Marketing Officer Walnuts.

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

No. F.2/8/74-DN.II.—For the purpose of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue), Ministry of Foreign Trade, Ministry of Commerce, Ministry of Finance (Department of Revenue and Company Law), Ministry of Finance (Revenue Division), Notifications No. 125, 126, 127 Dt. 15-9-1962. No. 1131, 1132 Dt. 7-8-1965. No. 2907 Dt. 5-3-1971. No. 3601-A, 3601-B, 3601-C Dt. 1-10-1971. No. 3099 Dt. 3-11-1973. No. 1127 Dt. 21-4-1973. No. SRO-3184 Dt. 28-12-1956. No. 83 Dt. 29-7-1961. No. 3752 Dt. 26-12-1955. No. 157 Dt. 22-6-1963. No. GSR-904 Dt. 27-6-1964. No. 1130 Dt. 7-8-1965. No. 12 Dt. 9-6-1945. No. 1 Camp Dt. 5-1-1946. No. 6 Dt. 5-2-1949. No. 64 Dt. 17-6-1961. No. 48 Dt. 24-5-1954. No. 173 Dt. 29-12-1954. No. 5 Dt. 14-1-1961. No. 174-CUS Dt. 26-12-1964. No. 448 Dt. 14-3-1964. No. 1421 Dt. 31-8-1965. and published in the Gazette of India, I hereby authorise Shri N. R. Mukhopadhvay. Dy. Serior Marketing Officer, to issue Certificate of Grading from the date of issue of this notification in respect of Black Pepper, Chillies, Cardamom. Ginger, Turmeric, Cordander, Fennel Seed, Fenugreek, Celery Seed. Cumin Seed, Curry Powder, Sandalwood Oil, Palmarosa Oil, Lemongrass Oil, Vetiver Oil, Vegetable Oils, Tendu leaves, Tobacco, Wool, Bristles, Goat Hair, Arimal Casings, Table Potatoes, Walnuts, Myrobalans, Onion, Garlic and Pulses which have been graded in accordance with the provisions of the Crading and Marking Rules of the respective commodities and formulated under Section 3 of the Agricultural Produce (Grading & Marking) Act, 1937 (1 of 1937).

No. F. 2/8/74-DN.II.—For the purpose of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Notifications No. 125, 126, 127 dated 15-9-1962, No. 1131, 1132 dated 7-8-1965, and published in the Cazette of India I hereby authorise Shri P. Ramachandran Nair, Assistant Marketing Officer, from the date of issue of this notification to issue Certificate of Grading in respect of Black Pepper, Chillies Cardamom, Ginger and Turmeric which have been graded in accordance with the provisions of the Grading and Marking Rules of the respective commodities and formulated under Section 3 of the Agriculture Produce (Grading & Marking) Act, 1937 (1 of 1937).

No F. 2/8/74-DN.II.—In partial modification in Notifications No. 3(TL)/2/65-D.II, No. F. 5/11/69-D.II, No. F. 2/8/70-DN II published in the Gazette of India. Part III. Section I. dated 21-7-73 (Pages 1840 to 1843), the name of the following officers, wherever occurring in the said notification may be treated as cancelled.

Name

Designation

1. Shii Phillip Ittyerah

Assistant Marketing Officer.

2. Shri P. R. Padmnabhan

Senior Inspector.

(DEPARTMENT OF RURAL DEVFLOPMENT)

The 7th November 1974

No. F. 4-6(31)/74-A.I.—On the basis of the recommendations of the Union Public Service Commission, Dr. V. N. Phatak has been appointed as Assistant Marketing Officer, Croup-II, on officiating basis in the Directorate of Marketing and Inspection at Bombay, with effect from 4-10-74 (A.N.), until further orders.

(DEPARTMENT OF C.D. & CO-OPER ATION)

The 19th November 1974

No. 3(44)/9/72-D.II.—In exercise of the powers conferred by the Finance Department (Central Revenues) Customs Notification No. 12 dated the 9th June, 1945 and Customs Notification No. 1 camp dated 5th January, 1946 and Government of India, Ministry of Firance (Revenue Division) Customs Notification No. 6 dated the 5th February 1949, and Government of India, Ministry of Finance (Department of Reyenue) Customs Notification No. 64 dated the 17th June, 1961, I hereby authorise the undermentioned Officers to issue Certificates of Grading from the date of issue of this notification in respect of Tobacco, which has been graded in accordance with the Tobacco Grading and Marking Rules, 1937 (as amended) and export of which is subject to the provisions of the above mentioned notifications.

Name of the Officer

Designation

1. Shri Pramod Kumar,

Dy. Senior Marketing Officer.

2. Shri N. L. Kantha Rao,

Marketing Officer.

3. Shri P. L Vashist,

Assistant Marketing Officer.

4. Shri H. C Sirka,

Assistant Marketing Officer.

The 23rd November 1974

No. F. 4-6(26)/74-A I.—Shri Philip Ittyerah, Assistant Marketing Officer Group I, Guntur, is appointed to officiate as Marketing Officer Group on ad hoc basis in the Regional Office of the Directorate of Marketing and Inspection at New Delhi with effect from 11-10-1974 (F.N.), until further orders

The 25th November 1974

No. F. 1/167/71-AF.I.—On his selection through the U.P.S.C., Shri S. K. Hajela has been appointed as Marketing Officer, in the Wool Bristles and Coat Hair Grading Scheme at New Delhi on regular basis with effect from 7-9-1973 to 6-12-1973.

No. F. 3/232/66-AF.I.—Shri R. Subramanyam, Assistant Marketing Officer, Group I, Guntur has been appointed to officiate as Marketing Officer, Group I in the Directorate of Marketing and Inspection at Bombay on ad-hoc basis with effect from 14-10-1974 (F.N.), until further orders.

The 26th November 1974

No. F. 4-5(35) 74-A I—Shri S K Sabharwal, Assistant Marketing Officer, Group I, New Delhi, is appointed to officiate as Marketing Officer, Group I, on *dd-hoc* basis, under the Directorate of Marketing and Inspection at Nagpur with effect from the forenoon of 26-10-1974, until further orders.

N. K. MURALIDHARA RAO, Agricultural Marketing Adviser

NATIONAL SUGAR INSTITUTE (DEPARTMENT OF FOOD)

Kanpur, the 15th November 1974

No. A.20012/121/70-Estt.—Dr. S. P. Sukla Research Assistant at National Sugar Institute, Kanpur is appointed to officiate on the post of Junior Scientific Officer (Sugar Chemistry), in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 26th October, 1974 till further orders.

N. A. RAMAIAH, Director.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400085, the 15th November 1974

No. V/415/Med/Est.IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Smt. Tara Ramchandra Valsangkar, a temporary Assistant Matron to officiate as Matron in this Research Centre, with effect from the forenoon of April 29, 1974 to the afternoon of June 1, 1974 vice Smt. A. Chacko, Matron granted leave.

M. K. S. SUBRAMANIAN, Dy. Establishment Officer

Bombay-400085, the 16th November 1974

No. PA/79(11)/72-R-IV(PF).—The Controller, Bhabha Atomic Research Centive, appoints Shri R. Narayanan, an officiating Assistant Personnel Officer on his transfer from the Madras Atomic Power Project, Kalpakkam, to officiate as Assistant Personnel Officer on an ud-hoc basis in the Centralised Waste Management Facility of the Bhabha Atomic Research Centre, at Kalpakkam, with effect from the forenoon of October 1, 1974, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN, Dy. Establishment Officer (R)

Bombay-400085, the 18th November 1974

No. \$/2939/Fst.V/278.—In continuation of this Research Centre Notification No. PA/29(10)/68-R-IV, dated June, 21, 1973, the Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Chandia Deva singh, a permanent Hindi Teacher in the Office of the Hindi Teaching Scheme, Ministry of Home Affaits to officiate as Assistant Personnel Officer (Hindi) in the Bhabha Atomic Research Centre for a further period of one year with effect from the forenoon of Match 30, 1974.

The 21st November 1974

No. 1/1 71/Estt,XII/2596—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Krishan Singh Rawat, permanent Assistant Security Officer, Bhabha Atomic Research Centre to officiate as Security Officer in the same Research Centre from 2-9-1974 (FN) to 8-11-1974 (AN), vice Shri D. B Kirpalani, Security Officer granted leave.

A. SANTHAKUMARA MENON, Deputy Establishment Officer

Bombay-400685, the 19th November 1974

No. J/305/Accts/Est.III.—The Controller, BARC has approved voluntary retirement of Shri Shantaram Gamesh Joshi a permanent UDC and officiating Asstt. Accounts Officer, Accounts Division of the same Research Centre from service with effect from the afternoon of May 4, 1975 after availing of leave preparatory to retirement from 12-10-1974 to 4-5-1975.

C. J. JOSEPH, Dy. Establishment Officer

DEPAR'IMENT OF ATOMIC ENERGY TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Tarapur, the 30th October 1974

No. TAPS/ADM/735-A.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Fnergy appoints Shri R. R. Bandooni, a quasi-permanent Personnel Assistant in the Tarapur Atomic Power Station as Assistant Personnel Officer in the same Power Station on adhoc basis with effect from the forenoon of May 21, 1973 to Pebruary 28, 1975, or till a regular incumbent is appointed which-ever date is earlier.

The 1st November 1974

No. TAPS/ADM/735-A.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy

gy extends the appointment of Shri V. K. P. Pillai, a permanent Personal Assistant in the Tarapur Atomic Power Station as Assistant Personnel Officer in the same Power Station on ad-hoc basis with effect from the forenoon of October 19, 1973 to February 28, 1975, or till a regular incumbent is appointed whichever date is earlier.

No. TAPS/ADM 135-A.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy extends the appointment of Shri P. Ganapathy, a quasipermanent Personal Assistant in the Tarapur Atomic Power Station as Assistant Personnel Officer in the same Power Station on ad-hoc basis with effect from the forenoon of October 19, 1973 to February 28, 1975, or till a regular incumbent is appointed whichever date is earlier.

No. TAPS/ADM/735-A - The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri M. I. Cherian, a quasi-permanent Personal Assistant in the Tarapur Atomic Power Station as Assistant Personnel Officer in he same Power Station on ad-hoc basis with effect from the forenoon of August 16, 1973 to December 31, 1974, or till a regular incumbent is appointed whichever date is earlier.

K. V. SETHUMADHAVAN, Chief Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES MADRAS REGIONAL PURCHASE UNIT

Madras-6, the 5th November 1974

No. MRPU/200(7)/74-Adm.—The Director, Purchase and stores is pleased to appoint Shri H. Ganapathy, a permanent Upper Division Clerk, of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Storekeeper in Directorate of Purchase and stores, as Assistant Stores Officer in an officiating capacity, in this Directorate with effect from November 11, 1974 till December 28, 1974.

S. RANGACHARY, Purchase Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam-603102, the 7th November 1974

No. RRC-II-13(9)/74-23348.—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri THANGAVELU THANIKACHALAM a temporary Scientific Asstt. "C" as Scientific Officer (SB) in this Research Centre with effect from the forenoon of August 1, 1974 until further orders.

The 8th November 1974

No. RRC-II-13(9)/74-23349.—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri MATUPALLE SUBRAMANIAM a temporary Scientific Asstt. 'C" as Scientific Officer (SB) in this Research Centre with effect from the forenoon of August 1, 19/4 until further orders.

S. RANGANATHAN, Administrative Officer

Bombay_400001, the 4th November 1974

No. DPS/P/18/Est.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated August 19, 1974, the Director, Purchase and Stores has approved the officiating appointment of Shii R. N. Prabhu, a permanent Upper Division Clerk and officiating Storekeeper in Directorate of Purchase and Stores as Assistant Stores Officer in the same Directorate for a further period from 14-9-1974 to 5-10-1974 vice Shri K. K. Shaima, Assistant Stores Officer, granted leave.

K. P. JOSEPH, Administrative Officer.

CIVIL ENGINFERING GROUP

Chingleput the 25th November 1974

No. CFG/3(342)/68-Adm —Shri K. Balaktishnan, Administrative Officer, Madias Atomic Power Project is appointed as Administrative Officer, Civil Engineering Group, Kalpakkain in a temporary capacity in addition to his own duties with effect from the forenoon of November 22, 1974 till behavior 22, 1974 or until further orders whichever is earlier.

C. R. RAMAMURTI, Chief Engineer (Civil)

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 28th November 1974

No. HWPs/Estt./1/V-22/2924.—Officer-on-Special Duty Heavy Water Projects, appoints Shri Achyut Mukund Vaidya, a permanent Assistant Accountant and officiating Assistant Accounts Officer of Bhabha Atomic Research Centre now on deputation to Heavy Water Projects (Bombay Office) in the same grade, to officiate as Accounts Officer in the same office w.e.f. November 11, 1974 (FN) to December 27, 1974 (AN) vice Shri M. M. Kasbekar, Accounts Officer, granted leave.

T. C. SATHYAKEERTHY, Senior Administrative Officer.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 21st November 1974

No. A 33023/1/74-EA—The Director General of Civil Aviation hereby appoints the following Asstt. EAcrodrome Officers (Trainees) to the post of Asstt. Acrodrome Officer class II Gazetted post in 7the Air Routes & Acrodrome Organisation of the Civil Aviation Department in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-/880-40-1000-EB-40-1200 in a temporary capacity, with effect from the 1st November, 1974 (FN) and until further orders.

S. No.	Name	-,	 	Station
1.	Shri A. K. Oswal			Dum Dum.
2.	Shri R. L. Biala .			Delhi Airport, Palam
3.	Shri R. Zalpuri .			Begumpet.
4.	Shri Mukhtiar Singh			Dum ' Dum.
5.	Shri M. S. Sundram			Begumpet.
6.	Shri Huk ım Chand		,	Nagpur.
7.	Shri V. D. Parmar			Bombay Airport.
8.	Shri K. S. Virk			Dum Dum,
9.	Shri A. N. Mathur			Dum Dum.
10.	Shti G. S. Dhiman			Madras.

The 23rd November 1974

No. A.32013/4/73-EA.—The President is pleased to appoint Shri R. L. Peteira, Asstt. Director of Air Routes & Aerodromes (Operations) to the grade of Deputy Director/Controller of Aerodromes, on purely ad-hoc basis with effect from the 21st November, 1974 and until further orders. Shri Pereira is posted as Deputy Director (Air Transport) at Headquarters

S. L. KHANDPUR, Asstt. Director of Administration.

New Delhi, the 23 November 1974

No. A. 12025/6/74 EC--The President is pleased to appoint the undermentioned persons in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department as Communication Officers on a temporary basis with effect from the date shown against each and until further orders:—

S. No.	 N	ame	Date from which Office/Station to which posted. appointed		Office/Station to which posted.	
1. Shri N. Sadasiva Sharma					14-10-1974 F. N.	A. C. S. Safdarjung Airport, New Delhi.
2. Shri P. Anii Kumar		,			11-10-1974 F. N.	A. C. S Safdarjung Airport, New Delhi.

H. L. KOHLI

Deputy Director of Administration.

for Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the 22nd November 1974

No. A,32013/15/73-E(H).—The President is pleased to appoint Shri H. S. Khola, officiating Senior Scientific Officer as Senior Scientific Officer on regular basis with effect from the 15th November, 1974, and until further orders.

T. S. SRINIVASAN, Asstt. Director of Administration.

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 8th November 1974

No. 1/154/74-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri C. Swamiappan, Supervisor, Calcutta Branch as Traffic Manager, in an officiating capacity in the same Branch for a period from 12-8-1974 to 11-10-1974 (both days inclusive) against a short-term vacancy.

No. 1/265/74-EST,—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri C. D'Sou/a, Asstt. Supervisor, Calcutta Branch as Supervisor in an officiating capacity in the same Branch for the period from 12-8.74 to 11-10-74 (both days inclusive) against a short-term vacancy.

The 27th November 1974

No. 1/339/74-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri P. P. Pillay, Asstr. Supervisor, Madras Branch as Supervisor, in an officiating capacity in the same Branch for the period from 14-10-1974 to 31-10-1974 (both days inclusive) against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY, Administrative Officer, for Director General.

Bombay, the 18th November 1974

No. 1/355/74-EST.—Shri Jagwinder Singh Dua, is appointed as Assistant Engineer in a Temporary capacity in the Switching Complex, Bombay, with effect from the forenoon of the 16th October, 1974 and until further orders.

The 23rd November 1974

No. 12/17/74-EST.—The following officiating Supervisors are appointed as Superwisors in a substantive capacity, with effect from the date shown against each under Column No 3:

S. No.	Name	Dute From which Appointed as super- visor in a substantive capacity.
(1)	(2)	(3)
1.	Shri Longinus D'Souza	. 15-3-19/3
2.	Shri L. R. Sharma	16-3-1973
3.	Shri M. P. Vasu Pillay	1-3-1974
		P. G. DAMLE

P. G. DAMLE Director General

NARCOTICS DEPARTMENT

Gwalior-6, the 7th November 1974

No. 18.—On transfer from the Central Excise Collectorate, Allahabad, Shri D. N. Srivastava, Superintendent of Central Excise Class II took over charge as District Opium Officer, Barabanki III Division in the forenoon of the 19th July, 1974 vice Shri R. C. Srivastava transferred.

No. 19.—On transfer from the Central Excise Collectorate, Bombay, Shri R. N. Shinde, Superintendent of Central Excise Class II, took over charge as District Opium Officer, Mandsaur I Division in the afternoon of the 24th July, 1974 vice Shri R. V. Kothare transferred.

No. 21—On transfer from Barabanki III Division, Shri R. C. Srivastava, District Opium Officer took over charge as District Opium Officer, Baran (Rajasthan) in the forenoon of the 14th October. 1974 vice Shri B. S. Yadav transferted.

ABHILASH SHANKER, Narcotics Commissioner of India.

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Allahabad, the 31st July 1974

No. 92/1974.—In pursuance of this office Establishment Order No. 59/1974 dated 11-4-1974 issued under endorsement (. No. II(3)209-Et/73/11380 dated 11-4-1974, Shri D. R. Mista, Dy. Superintendent (E), assumed charge of the office the Superintendent, Central Excise Class II, in the Central Excise Integrated Divisional Office, Varanasi, on 15-4-1974 (Folenoon).

The 3rd August 1974

No. 94/1974.—Shri Dcoki Nandan, confirmed Inspector (Senior Grade) of Central Excise, previously posted in the Central Excise Integrated Divisional Office, Lucknow, appointed to officiate as Superintendent of Central Excise, Class, II, until further order, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810— EB —35—880—40—1000— EB —40—1200, vide this office Establishment Order No 58/1974 dated 11-4-1974—issued under endorsement C. No. 11(3)53.Et/74/11377 dated 11-4-1974, took over charge of the office of the Superintendent, Customs, Bahraich, in the Customs Division, Lucknow on 3-5-1974 (Afternoon), relieving Shri S. Hamidul Hasan, Superintendent, Class II transferred.

The 16th October 1974

No. 138/1974.—Shri K. G .Lal, officiating Superintendent, Central Excise, Class II, previously posted as Superintendent

(Adjudication) in the Central Excise Collectorate Hdqrs. Office, Allahabad, handed over his charge in the afternoon of 30-9-1974 to Shri C. K. Chaudhary, Supernitendent, Class II in pursuance of this office Establishment Order No. 179/1974 dated 13-9-1974—issued under endorsement C. No. II (3) 173-Et/74, dated 13-9-1974, and retired from Government service with effect from the said date and hour.

The 11th November 1974

No. 140/1974.—Shri S. B. L. Tandon, officiating Superintendent, Central Excise, Class II, posted as Superintendent (Tech) in the Central Excise Integrated Divisional Office, Sitapur, is hereby allowed to cross the Efficiency Bar at the stage of Rs. 810/- in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from 1-5-1974.

No. 141/1974.—Shri K. C. Aggarwal, officiating Superintendent of Central Excise, Class II, posted as Superintendent (Ranges) in the Central Excise Integrated Divisional Office, Sitapur, is hereby allowed to cross the Efficiency Bar at the stage of Rs. 810/- in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 1-4-1974.

No. 142/1974.—Shri R. C. Keswani, officiating Superintendent of Central Excise, Class II, previously posted as Superintendent (Tech) in the Central Excise Integrated Divisional Office, Lucknow, handed over charge of the office of his post in the afternoon of 31-10-1974 to Shri A. S. Alvi, Superintendent, Central Excise, Class II and retired from Government service with effect from the said date and hour.

H. B. DASS Collector, Central Excise, Allahabad

Madras, the 21st September 1974

No. II/3/43/74-Estt.—S/Shri M.A. ABDUL JABBAR and K. M. Shamsuddin, Superintendents of Central Excise, Class II have retired from service on superannuation with effect from 31-4-74 A.N. and 31-5-1974 A.N. respectively.

C. CHIDAMBARAM, Collector

Patna, the 4th November 1974

No. II(7) 1-Et/70/18747.—Shri S. Mukherjee, Confirmed Superintendent of Central Excise Class-II of Central Excise and Customs Collectorate Patna has retired from service on superannuation with effect from 31-10-1974

H. N. SAHU, Collector Central Excise, Patna

Guntur 522004, the 23rd October 1974 (ESTABLISHMENT)

No. 9—The Officiating Superintendent of Central Excise. Class II working in Guntur Collectorate whose name is furnished below is confirmed as Seperintendent of Central Excise, Class II with effect from the date noted against his name:—

S. No.	Name of the Superintender	nt Place where working	Date from confirmed
1. Sh	ri Md, Mahboob Iqbal	Pothavaram MO. R. of I. D.O Eluru.	1-7-1973

A. S. I. JAFFAR Collector

DIRECTORATE OF INSPECTION, CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 7th November 1974

No. 23/1974.—1, Shri B.K. Agarwal, Appraiser belonging to the Madaras Custom House, lately posted in the Directorate of Training New Delhi, assumed charge of the

post of Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Class II, in the Headquarters Office of the Directorate of Inspection, Customs and Central Excise. New Delhi on 30th September, 1974 (A.N.)

2. Shri S. V. Vaidyanathan, lately posted as Assistant Collector of Central Excise in the Madras Collectorate, assumed charge as Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Class I in the South Regional Unit of the Directorate of Inspection, Customs and Central Excise, at Madras on the 1st October, 1974 (Forenoon), vice Shri E. J. Coelho transferred.

The 23rd November 1974

No. 24/1974.—Shri K. D. Math. a Permanent Office Superintendent of this Directorate is appointed to officiate as Assistant Chief Accounts Officer in the Directorate of Inspection, Customs and Central Excise, New Delhi, with effect from the 8th November, 1974 (Forenoon) vice Shri Dev Raj proceeded on leave.

B. S. CHAWLA.
Director of Inspection, Customs
and Central Excise

CENTRAL WATER AND POWER COMMISSION (POWER WING)

New Delhi-110022, the 26th November, 1974

No. 6/3/74-Adm. II (PW) (Vol II)—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints the following Technical Assistant/Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of Central Power Engineering Class II Sprvice with office from the date shown against theires names, until further orders:—

1.	Shri M. H. Rao		,		31-10-1974
2.	Shri P. K. Jain .		,		1-11-1974
3.	Prabhat Gujral				31-10-1974
4.	C. S. Javeri .				31-10-1974
5.	Shri R, S. Gill .	,		,	. 1-11-1974
6.	Shri B. R. Singh				1-11-1974
					M. S. PATHAK Under Secy

(WATER WING)

New Delhi-22, the 27th November 1974

No. A-19012/511/74-Adm.V.—The Chairman Central Water and Power Commission hereby appoints Shri V. P. Ravindran to officiate as an Extra Assistant Director in the Central Water and Power Commission on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 7-11-74(F/N) until further orders.

Shri V. P. Ravindran took over charge of the office of Extra Assistant Director in the Central Water and Power Commission (Water Wing) with effect from the above date and time.

K. P. B. MENON, Under Secy. Central Water and Power Commission

INTEGRAL COACH FACTORY GENERAL MANAGER'S OFFICE PERSONNEL BRANCH/SHELL

Madras-38, the November 1974

No. PB/GG/9/Misc./II.—Sri M. D. Khaja Mobedeen Officiating Chief Design Assistant/Coach Design (Class III) has been promoted to officiate in Class II service on ad hoc basis as Assistant Mechanical Engineer/DPD with effect from 5-9-74 A.N.

- Sri R, Sivaraman, Shop Superintendent/Shop-40 (Class III) has been promoted to officiate in Class II service on ad hoc basis as Assistant Mechanical Engineer/Plant/Fur. with effect from 5-9-1974 A N.
- Sri D. Ramachandran, Officiating Senior Mechanical Engineer (S.S.) on transfer from Southern Railway to I.C.F. has been posted as Officiating Senior Mechanical Engineer/DPD (S.S.) with effect from 6-9-74 after availing LAP granted to him from 31-8-1974 to 5-9-1974.
- Sri M. S. Srinivasan Officiating Senior Mechanical Engineer/Plant (S.S.) has been temporarily transferred to the control of officer on special duty (Projects) Madras in the same capacity.
- Sri S. CHIDAMBARAM, Officiating Assistant Electrical Engineer/Inspection (Class II) has been promoted to officiate as Senior Electrical Engineer/Maintenance (S.S.) on ad hoc basis with effect from 6-9-1974.
- Sri R. Ramamurthy, Shop Superintendent, Shop-45 (Class III) has been promoted to officiate as Assistant Electrical Engineer/Inspection (Class II) on ad hoc basis with effect from 6-9-1974.
- Srl A K. Ganesh, Officiating Shop Superintendent/Production Control/Shell (Class III) has been promoted to officiate as Assistant Works Manager/Manufacturing/Shell (Class II) on ad hoc basis with effect from 17-9-74.
- Sri D. Velayudham. Officiating Deputy Controller of Stores has been promoted to officiate as Additional Controller of Stores (S.A.) (Level II) on ad hoc basis with effect from 21-9-1974.
- Sri N. H. Krishna, Officiating Seniot Mechinical Engineer/Plant (S.S.) (ad hoc) has been reverted to Class II service and posted as Officiating Assistant Works Manager/M/Fur. (Class II) with effect from 23-9-1974.
- Sri T. E. Cherry, Officiating Programmer (Class II) has been transferred to Mechanical Department and promoted to officiate as Senior Mechanical Engineer/Plant (S.S.) on ad hoc basis with effect from 23-9-1974.
- Sri C. Sankaran, Officiating Welfare Inspector Grade I/Canteen (Class III) has been promoted to officiate as Welfare Officer (Class II) from 23-9-74 to 22-10-1974.
- Sri S. Ganesan, Junior Programmer (Class III) has been promoted to officiate as Programmer (Class II) on ad hoc basis with effect from 24-9-1974.
- Sri J. N. IYER, Officiating Senior Electrical Engineer/ C&D (S.S.) has been promoted to officiate as Deputy Chief Electrical Engineer (J.A.) on ad hoc basis with effect from 24-9-1974.
- Srl V. RAJARAMAN, Officiating Assistant Engineer/Maintenance (Class II) is transferred to Personnel Branch and promoted to officiate as Senior Personnel Officer/P. C. (S.S.) with effect from 1-10-1974,

S. SUBRAMANIAN.
Deputy Chief Personnel Officer,
for General Manager

SOUTH EASTERN RAILWAY GENERAL MANAGER'S OFFICE Calcutta-43, the 21st November 1974

No. P/G/14/300C.—The following Officers of the Stores Department of this Railway are confirmed in Class-II service as Assti. Controller of Stores with effect from the dates noted against each:

Sr, N	No. Name		 	_,	ate of Con- mation in Class-II
1.	Shri D. G. Mid	haei			26-5-1962
2.	Sh_{11} S. C. Das				6-2-1968

V. RAMANATHAN General Manager,

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES In the matter of the Companies Act, 1956, and of Nirman Tailors Private Limited

Delhi, the 21st November 1974

No. 5749/15593.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Com-1956 that at the expiration of three panies Act, from the date hereof the name of the Nirman Tailors Private Limited unless cause is shown to the pany will be dissolved. pany will be dissolved.

> R. K. JAIN, Assistant Registrar of Companies, Delhi and Haryana

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Vivhanam (India) P. Ltd. XXIII/1372, Warriam Road, Cochin-16

Cochin-16, the 31st October 1974

No. 2341/Lig/560/15705.—Notice is hereby given to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 of the expiration of three months from the date hereof the name of the Vithanam (India) Pvt. Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

P. S. ANWAR, Registrar of Companies,

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Squarewords Private Limited

Madras-6, the 4th November 1974

No. DN/2421/560/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 the Companies Act, 1956 that the name of the Squarewords Private Limited has this day been struck of the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Polyster Fibres Limited

The 4th November 1974

No. DN/5599, Dn/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Polyster Fibres Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

S. SRINIVASAN, Assistant Registrar of Companies,

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES Cuttack, the 8th November 1974 Destruction of Records

No. J.R.Q. 11/74-2301—Notice is hereby given that the Records and correspondences of the undernoted Companies which were struck off the Register of Companies on the date specified against each pursuant to the provisions and rules of the Companies Act, then in force, will be destroyed after 3 (three) months from the date of publication of this notification in the Gazette of India.

SI. No.	Name of the Company	Act under which regd.	Date of Registration.	Date of struck off.	No. of the Company
1	2	3	4	5	6
1. M	I/s, Shankar Textiles & General Industries Ltd	1913	17-11-1947	3-7-1953	116
2. M	I/s. D. H. Patel & Company Ltd	1913	4-12-1947	3-4-1953	121
3. M	I/s, Bharat Chemical & Pharmaceutical Works Ltd	1913	14-2-1948	5-4-1953	129
	l/s. Nabayuga Press Ltd	1913	14-5-1948	21-11-1952	139
5. M	/s. Orissa Construction Co. Ltd	1913	6-5-1949	6-1-1953	179

S. N. GUHA Registrar of Companies Orissa,

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Metha Ram Chit Fund Private Limited Jaipur, the 19th November 1974

No. 1225/8444.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Metha Ram Chit Fund Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

R D. KUREEL, Registrar of Companies, Rajasthan, Jajpur

In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Ali Brothers Private Limited

No. 782/T/(560).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the ration of three months from the date hereof the

name of the Ali Brothers Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

O. P. JAIN, Registrat of Companies, Andhra Pradesh

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Reliable Chit Fund Private Limited

No. 965-KBLI-1571.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof The name of the Reliable Chit Fund Private Limited. Unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

MAHESH PRASAD, Registrar of Companies, Madhya Pradesh

OFFICE OF THE INCOME TAX COMMISSIONER

Patna, the 2nd November 1974.

NOTICE

Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in Public interest to Publish the names and other particulars hereinafter specified relating to assessees.

(i) being individuals or Hindu Undivided Families, who have been assessed on an income of more than one lake of rupees during the financial year 1967-68 and onwards.

(ii) being Firms, Association of Persons, or Companies who have been assessed on an income of more than ten lakes of rupees during the financial year 1967-68 and onwards.

Now, therefore, under the authority and direction of the Central Gevent ment, the names and others relevant particulars of the following assessees are published u/s 287 of the I. T. Act, 1961 (43 of 1961).

Sl. No	Name and address of the assessee	Status	Assessment. Year	Returned income	Assessed income.	Tax pryable by the assessee.	Tox prid by the assessee.
1	2	3	4	5	6	7	8
I) Ind	ividuals and H. U.Fs. assessed on incom	e of more		than Rs. 1 lakh.			
1.	Pt. L. K. Jha Executor to the estate of late Dr. Kameshwar Singh, Darbhanga	Ind.	1967-68	8,59,730/-	1,05,23,670/-	64,07,370/-	38.64,243/-
2.	Do.	Do.	1968-69	6,13,980/-	12,04,260/-	10,41,466/-	10,41,466/-
3,	Do.	Do.	1969-70	5,24,033/-	53,35,758/-	26,59,167/-	6,64,156/-
4.	S. Gyan Singh, C/o Punjab Ice Factory & Cold Storage Patna.	Do,	1971-72	10,000/-	1,40,000/-	1,43,396/-	Nil

i 	2	3	4	5	6	7	8
5.	Sri Laxmi & Co., Mansoorganj, Patna City.	Ind.	1971-72	17,783/-	1,24,450/-	EC,487/-	5,000,
6.	Ss Narendra Prasad Singh, C/o M/s N. P. Singh & Other, Patna.	Do.	1972-73	1,18,354/-	1,19,820/-	78,0€0/-	76,682/
7.	Sri Narbadeshwar Pd. Singh, C/o M/s. N. P. Singh & Other, Patna.	Do.	1970-71	1,09,887/-	1,10,350/-	60,275/-	60 ,96 8/
8.	Sri Jawahar Pd. Singh, C/o M/s, N. P. Singh & Other, Patna.	Do.	1972-73	1,30,009/-	1,31,570/-	89,002/-	87,460/
9.	Sri Kameshwar Pd. Singh, C/o M/s. N. P. Singh & Other, Patna.	Do.	1972-73	1,41,796/-	1,43,3€0/-	59,691/-	98,256/-
10.	Stat. H. V. Shanghvi, C/o. M/s. Virjee & Co., Jharia.	Do.	1967-68	1,12,245/-	1,34,245/-	55,728/-	55,728/
11.	Sri Chandra Kant. V. Shanghvi, C/o. M/s. Virjes & Co., Jharia.	M. U. F.	1967-68	1,36,010/-	1,61,530/-	£9,220/-	69,220/
12,	Sri V. R. Shanghvi, C/o M/s Virjee & Co., Jharia.	Ind.	1967-68	94,295/-	1,11,860/~	42,456/-	42,456/-
13.	Miss. H. V. Shanghvi, C/o M/s Virjec & Co., Jharia.	Do.	1967-68	90,95 0/-	1,08,000/-	40,036/-	49,036/-
	M/s Baxi Ram Laxmi Narain, Kirkend.	Do.	1965-66	28,736/-	1,41, 96 0/-	69,854/-	10,000/
15.	Smt. H. V. Shanghvi, C/o M/s Virjec & Co., Jharia.	Do.	1969-70	1,00,786/-	1,04,660/-	55,397/-	55,397/-
16.	Sri C. V. Shanghvi, C/o M/s Virjee & Co., Tharia,	H. U. F.	1968- 69	54,234/-	1,12,2€0/-	51,200/-	51,200/-
17.	Sri C. V. Shanghvi, C/o M/s Virjoe & Co., Jharia.	Do.	1970-71	1,17,550/-	1,28,140/-	73,888/-	73,888/
18.	Sri V. R. Shanghvi, C/o M/s Virjee & Co., Jharia.	Ind.	1970-71	1,40,170/-	1,44,910/-	86,514/-	86,514 /
19.	Sri Kashi Ram Aggrawal, Kirkend, Distt, Dhanbad.	Do.	1968-69	Nil	2,03,830/-	1,42,047/-	Nil
20.	Sri Bishwajit Samanto, Koderma.	Ðo.	1973-74	1,03,192/-	1,03,190/-	62,734/-	62,734/-
21.	Sri Ranjit Samanto, Koderma.	Do.	197 3-74	1,06,720/-	1,06,210/-	65,513/-	65,513 /
22.	Sri Ratanjit Samanto, Koderma.	Do.	1973-74	1,21,524/-	1,21,600/-	79,672/-	79,672/-
2 3,	Sri Srijit Samanto, Koderma.	Do.	1973-74	1,21,530/-	1,20,980/-	79,101/-	79,101/-
24.	Sri Surjit Samanto, Koderma.	Do.	1973-74	1,12,110/-	1,11,410/-	70,297/-	70,297/-
a.	Firms, Associations of Persons & Compani ssessed on income of more than Rs. 10 ikhs.	es)					
	Hindusthan Malleables Forgings Ltd., Dhanbad.	Co.	1972-73	9,90,429/-	10,01,470/-	5,67,330/-	5,58,354/-

JAGDISH CHAND Commissioner of Income-tax, Bihar-I,

Patna the 6th November 1974

No. I.T.XIII-6/59-60.—In partial modification of all the previous orders on the subject and in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 124 of Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961), the Commissioner of Income-tax. Bihar-II, Patna hereby direct that with effect from the date the Addl. Income-tax Officer, Ward-A, Income-tax Circle-1,

Dhanbad joins as such the Income-tax Officer, Ward-A, Income-tax Circle I, Dhanbad, and the Addl. Income-tax Officer, Ward-A, Income-tax, Circle-I, Dhanbad, shall exercise and hold concurrent jurisdiction in respect of the assessees of Ward-A, Income-tax, Circle-I, Dhanbad.

A. K. DAS GUPTA, Commissioner of Income-tax, Bihar-II.

7769

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF
INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 22nd November 1974

No. AC/147/R-IV/Cul/74-75.—Whereas, I, S. Bhatta-charyya,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12/1/3, situated at Monoharpukur Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at District Sub-Registrar, Alipote on 7-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-lax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Sailendia Nath Bagchi;
- (2) Alok Ranjan Bagchi; 18—386GI/74

- (3) Smt. Aruna Bagchi;
- (1) Sut. Ratua Bagchi, [2/1/4] Monohaipukui Road, Calcutta. (Transferors)
- Hirendra Nath Banerjee, S/o Cirendra Deb Banerjee (Deced.) 53/B, Kali Sashtri Prasanna Chattopadhya Road, Calcutta-26.

(Transferce)

[Person(s) whom the undersigned know to be interested in the property].

Amiya Kumar Sanyal. 12/1/4, Monoharpukur Road, Calcutta.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

12/1/3, Monoharpukur Road, Calcutta. Area 3 K. 6 Chattaks 19 Sq. ft. of land.

S. BHATTACHARYYA,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 22-11-1974.

Scal.

THE GAZETTE OF INDIA, DECEMBER 28, 1974 (PAUSA 7, 1896)

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 26th November 1974

No. AC-151/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, S. Bhattacharyya

being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-B situated at Elgin Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Registrar of Assurances, Calcutta on 30-3-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:---

 Manoharlal Jadavji Padia, 2. Chiranjan Jadavji Padia, 3. Chandu Tejmol Prim. 4. Lachmi Raghoo Malkarri, 5. Ram Sitaldas Primlani of 7B Elgin Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Popri Hingorani, 7-B, Elgin Road, Calcutta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12 on 6th Floor, 7-B Elgin Road, Calcutta.

S. BHATTACHARYYA, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV,

54, Rafi Ahmed Kidwai Road,

Calcutta-16

Date: 26-11-1974.

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 26th November 1974

No. Ac_148/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I. Bhatta-charyva.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. 7-B situated at Elgin Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Registrar of Assurances on 30-3-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

. And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 I. Monoharlal Jadavji Padia, 2. Chiranjan Jadavji Padia, 3, Chandu Tejmal Prim, 4, Lachmi Raghoo Malkarni w/o Raghooji Malkarni, 5. Ram Sital Das Hassamal Primlawi (Deced.), 7B, Elgin Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Pramila A. Kasbekar w/o A. V. Kasbekar, 7B, Elgin Road, Calcutta,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, If any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter:

THE SCHEDULE

Flat No. 10 on 5th Floor of Premises No. 7B, Elgin Road, Calcutta.

S. BHATTACHARYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 26-11-1974.

Seal,

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 26th November 1974

No. Ac-149/R-IV/Cal/74-75.-Whereas, I, S. Bhattacharyya,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7-B situated at Elgin Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Registrar of Assurances on 30-3-1974, for

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) 1. Monoharlal Jadavji Padia, 2. Chiranjan Jadavji Padia, 3, Chandu Tejmal Prim, 4. Lachnii Raghoo Malkarni, w/o Raghoo Malkarni, 5. Ram Sitaldas Primlani of 7B, Elgin Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Thakur Reharan Bhawanani, Bhawanipor, 7-B, Elgin Road, Calcutta.

(Transferce)

(3) Indian Oil Corpn., Cal. (Tenant). [Person(s) whom the undersigned know to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said perty may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right lo be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16 on 8th Floor of Premises No. 7-B. Elgin Road,

S. BHATTACHARYYA,

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 26-11-1974. Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 26th November 1974

No. Ac-150/R-IV/Cal/74-75.— Whereas, I, S. Bhatta-charyya,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 7-B situated at Elgin Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Registrar of Assurances Calcutta on 30-3-1974,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- Mahaharlal Jadavji Padia, 2. Chiranjan Jadavji, Padia, 3. Chandu Tejmal Prim, 4. Lachmi Rughoo Malkarni 5. Ram Sitaldas Primlani of 7-B Elgin Road, Calcutta.
 - (Transferor)
- (2) R. K. Butani, 7-B, Elgin Road, Calcutta. (Transferee)
- (3) Vijoy Nigam (Tenant).

(person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 18 on 9th Floor, 7-B, Elgin Road, Calcutta

S. BHATTACHARYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-IV, 54, Rafi Kidwai Road,

Calcutta-16

Date: 26-11-1974.

Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-I.

Calcutta-1, the 27th November 1974

No. Ac-72/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I, R. V. Lalmawia, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11, situated at Raja Santosh Road, Alipore, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 1-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per ceut of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 ef 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Sci Gora Chand Mullick, 9/1/1A, Khelat Ghosh Lane, Calcutta.
 - (Transferor)
- (2) Sri Nrlpendra Mullick, 9/1/3A, Khelat Ghosh Lane, Calcutta.

(3) (1) Smt. Sutra) Devi,

- (2) Sri Radha Kisan Mohta,
- (3) Sri Hari Kissen Mohta, and
- (4) Sri Madan Mohan Mohta.

[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that the date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share of an upper storied building with land measuring 1-bigha, 10-cuttaha, 15-chittacks & 8-sq. ft. being premises No. 11, Raja Santosh Road, P.S. Alipore, Calcutta.

R. V. LALMAWIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
P-13, Chowringhee Square,
Calcutta-1.

Date-: 27-11-1974.

Seal:

(Transferce)

(2) Smt. Kashi Devi Mundhra

(Transferee)

(3) Union Bank of India
[Person(s) in occupation of the Property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 18th November 1974

No. TR_1620/C-419/CAL-1/73-74.—Whereas, I, S. K. Chakravarty

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. 55 situated at Ezra Street
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
registering officer, Registrar of Assurances, 5, Govt. Place
North, Calcutta on 26-3-74 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

M/s Shree Nursing Sahay Mudangopal (Engineers)
 (Private) I.td.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the portions of the first floor of premises No.55, Ezra Street, Calcutta, containing an aggregate floor space of 3739 sft, a little more or less being unit No. 55/1B Ezra Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range,

Calcutta

Date: 18-11-74

FORM LT.NS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFLICE OF THE INSPICTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, P-13, CHOWRINGHEF SQUARE, CALCUTTA-I.

Calcutta, the 27th November 1974

No. AC-73/R-II/Cal/74-75.--Whereas, I, R.V. Lalmawia. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 40C, situated at Block-B, New Alipore, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sub-Registrar, Alipore on 5-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) 1 Sri Bhupesh Chandra Mukherice,
 - 2 Sri Digesh Chandra Mukherjee,
 - 3 Sri Ashutosh Mukherjee,

- 4 Sri Keshab Chandra Mukherjee.
- 5 Sti Ajit Kunan Mukherjee,
- 6 Sri Atun Kumai Mukherjee, 7 Sri Dilip Kumar Mukherjee, &
- 8 Sii Apiuba Mukherjee.

(Transferor)

(2) Smt. Hiran Bala Saha, 1/2, K.D. Mukherjee Road, Behala, Calcutta-60.

rans(cree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 4.09 cuttahs, being Plot No. 40C, B-Block, New Alipore, Calcutta.

R. V. LALMAWIA

Competent Authority.
missioner of Income-Tax,
13 Chowringhes Square

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range II, P-13, Chowringhee Square. Calcutta-1.

Date: 27-11-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE I CALCUTTA

Calcutta the 18th November 1974

No. TR-1623/C-423/CAL-1/73-74—Whereas, I S. K. Chakravarty,

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 55, situated at Ezra Street

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) Registrar of Assurances, 5. Govt. Place North, Calcutta on 26-3-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by mc.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax 19—386GI/74

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Shree Nursingsahay Mudangopal (Engineers)
 Private Ltd. (Transferor)
- (2) Luxmi Devi Mundhra

(Transferce)

- (3) 1 Mr. S. N. Biswas
 - 2 Anand Ratan Satayanazayan Mundhra
 - 3 Mr. Pran Kishan Muggal
 - 4 Mr. Sunil Sobiti
 - 5 Mr. Chandra Narayan Mohta
 - 6 Mr. Santilal G. Shah
 - 7 Mr. P. C. Aggarwala & Co.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two separate portions of second floor of premises No. 55, Ezra Street, Calcutta containing aggregate floor space of 2369 sft. a little more or less as unit No. 55/2-B, Ezra Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I
P-13. Chowringhee Square, Calcutta

Date: 18-11-74

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I CALCUTTA

Calcutta the 18th November 1974

No. TR-1636/C-433/Cal-1/73-74—Whereas, I S. K. Chakravarty.

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 42A situated at Shekespeare Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

Registrar of Assurances 5. Govt. Place North, Calcutta on 29-3-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Mihir Kumar Law 423, Shakespeare Sarani, Concutta.

(Transferor)

(2) M/s Citanjali Housing Corporation, 19A, Chowringhee Road, Calcutta.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land containing an area of 4,440 Sq. ft, equivalent to 6 Cottahs 2 Chittacks and 30 Sq. ft. at 42A, Shakespeare Sarani, Calcutta,

S. K. CHAKRAVARTY

Competent Authorit

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-I,

P-13, Chowringhee Square, Calcutta.

Date: 18-11-74

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 20th November 1974

No. TR-1703/C-479/Cal-1/73-74.—Whereas, S. K. CHAKRAVARTY,

the Authority under being Competent Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 117B situated at Chittaranjan Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North Calcutta on 27-3-1974

for apparent consideration an is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following ptdsons namely:-

(1) Sri Mahendra Kumar Choudhury

(Transferor)

- (2) 1 Purushottomdas Bhiwaniwalla
 - Mahadeo Agarwalla Ratanlal Agarwalla
 - Kedar Nath Agarwalla
 - 5 Shankerlal Agarwalla

(Transferce)

(3) 1 Central Tyres

- Sm. Sova Devi Jain
- N. Cuin & Co. (P) Ltd.
- S. Kanoria B. Sharma
- Jain Singh Ramdas
- K. D. Singhania Laxmi P. Harlalka
- 9 Nandial Agarwalia 10 Banwarilal Agarwal
- 11 S. M. Pandev
- 12 Sh. Mridula Mahta
- 13 N. P. Poddar 14 Pratap Singh Bhatia
- Sriniwas Sarda
- 16 P. Somani 17 R. Somani
- 18 S. Sarma 19 K. Patel
- 20 H Bengani.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Sri P. K. Choudhury

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that upper roomed building at 117B Chittaranjan Avenue, Calcutta together with land measuring 9 K 9 Chittacks (but as per corporation record 9 K 10 Chittacks 12 sft) more or less.

> S. K. CHAKRAVARTY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-I, P-13, Chowringhee Square, Calcutta.

Date: 20-11-74.

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA.

Calcutta, the 18th November 1974

TR-105/C-90/CAL-2/74-75.—Whereas, I, S. K. Charkravarty,

being the competent authority

under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P-23A situated at C. I. T. Road, Calcutta (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sub-Registrar, Sealdah, Calcutta on 14-3-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) Sri Rabindra Nath Chatterjee

(Transferor)

(2) Sii Ashoke Kr. Roy

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Five storied building at P-23A C.I.T. Road, Calcutta, covering an area of 1 Cottah 8 Chittacks 16 Sq. ft. land more or less.

> S. K. CHAKRAVARTY Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
> Acquisition Range-I.
> P-13, Chowringhee Square, Calcutta.

Date: 18-11-74

(Transferee) Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1

Calcutta, the 18th November 1974

No. TR-1624/C-425/Cal_1/73-74,-Whereas, I, S. K. Chakravarty.

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 55, situated at Ezra Street,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North, Calcutta on 26-3-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not any income (b) facilitating the concealment been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:-

(1) M/s. Shree Nurshingsahay Mudangopal (Engineers) Private Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Ratan Devi Mundhra

(Tinnsferee)

- (3) 1 Bharat Packaging Product
 - 2 Murli Electric Co.
 - 3 Hari Prakash Vyas & Krishna Kumar Vyas
 - 4 K. L. Rathi
 - 5 Stores Suppliers Syndicate
 - 6 S. R. Chhawchraria

[Person(s) whom the undersigned know interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections. If any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1971 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two portions of third floor of premises No. 55, Ezra Street Calcutta containing floor space of aggregating 2436 sft a little more or less as unit 55/3-B Ezra Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-1.

P-13, Chowringhee Square, Calcutta.

Date : 18-11-74

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA.

Calcutta, the 22nd November 1974

No. TR-1616/C-442/CAL-1/73-74.—Whereas, J, S. K. Chakravarty.

being the competent authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/. and bearing No. 16/6/1 situated at Sreemanta Dey Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Regisirar of Assurances, 5, Govt. Place North, Calcutta on 18-3-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any neomenrising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Smt. Saraswati Agarwai

(Transferor)

(2) Kiran Jalan

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half undivided share of land measuring 1 Katha 12 Chittacks 23 sft more or less lying at 16/6/1 Sreemanta Dey Lane, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I,
P-13, Chowringhee Square, Calcutta.

Date: 22-11-1974.

Seal.

(2) Sri Shyamanand Jalan

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA.

Calcutta, the 22nd November 1974

No. TR-1615/C-441/CAL-1/73-74.—Whereas, I, S. K. Chakravarty,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe, that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 16/6/1 situated at Sreemanta Dey Lane, Calcutta (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North, Calcutta on 18-3-74

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income.tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income.tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the Acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Smt. Saraswati Agarwal

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half undivided share of premises No. 16/6/1 Sreemanta Dey Lane, Calcutta covering land measuring 1 Cottah 12 Chittacks and 23 Sft. more or less.

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I,
P-13, Chowringhee Square, Calcutta.

Date: 22-11-1974.

(Transferor)

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV,

AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE MARG, BOMBAY-400020.

Bombay-400020, the 26th November 1974

Ref. No. AP. 197/IAC. A. R. IV/74-75.—Whereas, J. G. S. Rao, the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 1000, Plot Nos. 538B and 550, situated at Mulund (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Вотвау ол 20-3-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby infliate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons the following persons, namely:-

Shri Ramprashad Ramratan.
 Babu Niwas, 1st Floor, Ram Rattan Trivedi Road.
 Mulund (W), Bombay-80.

(Transferor)

 Smt. Pravinaben P. Thakkar, Mataji Bungalow, N. S. Road, Mulund, Bombay-80. (Transferee)

List of Tenants in "Ram Kunj" in Plot Nos. 538B and 550, Carter Road, Mulund, Bombay-80: Carter Road, Mulund, Bombay-80

(3) 1. Dahiben Jethalal.

- 2. Jalji Pragji.
- 3. S. R. Sojitre. 4. S. R. Pardesi.
- 5. Kanji Jetha.
- 6. Jamnadas Kanji.
- 7. Hirli Khetsi. 8. Mani Bhai.
- 9. Omkar Shivmangam. 10. S. N. Bhadra.
- Karsan Mulji.
 Vimladevi Jais.

- 13. P. B. Naik.
- 14. Saraswati Jawahar.
- 15. Vijayaben Kiritkumar.
- 16. Gangaben Chimanlal Bhagwandae
- 17. Ratansi Pradhan.
- 18. Dwarkadas Chunilal
- 19. Sunderji Singhji.
- 20. Mangaldas Chunilal.
- 21. Arjan Masri,
- 22. Daya Poonia.
- 23. Ramdas Shivji,
- 24. Ramdas Lala.
- 25. D. I. Sharma,
- 26. Ramji Tahel Ram.
- 27. Bachuben Karsondas,
- 28. N H. Parikh.
- 29. Chaturbhul Karsondas.
- 30. Lallubhai Chaturbhui.
- 31. K. Muthukrishnan.
- 32. Jethalal Khetai,
- 33. C. C. Pancholi,
- 34. Nominee E. N. Shridharan.
- 35. Savitribai Shivji,
- 36. Dinesh D. Shah.
- 37. Self/Nominee

[Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the (b) by any Official Gazette.
- It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of Gavthan land or ground bearing the survey No. 1000 and Plot Nos. 538-B and 550, admeasuring 988.26 sq. metres. The land is situated at Carter Road, Mulund, with the buildings and stables etc. thereon, in the registration sub-district of Bombay City and Bombay Suburban.

> G. S. RAO, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 26-11-1974.

Seal :

section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) of the INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 26th November 1974

Ref. No. 49/74-75,—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2/147 situated at Nagarajapet, Cuddapha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the

Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Cuddapaha on 6-3-1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of 20-386GI/74

- (1) Sri Palagiri Balireddy, No. 2/147 Boldar Street, Nagarajupet, Culdapha. (Transferor)
- (2) Smt. Lemada Nagasubbamma, W/o Ramachennareddy, Advocate, Door No. 2/147, Beldar Street, Nagarajpet, Cuddapha. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Door No. 2/147, Beldar Street, Nagarajupet, Cuddapha. Area. 9 Cents,

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 26-11-1974.

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX. ACQUISITION RANGE-IV,

AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE MARG, BOMBAY-400020.

Bombay-400020, the 26th November 1974

Ref. No. AP 196'IAC.A.R.1V/74-75.—Whereas, I, G. S. Rao, the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV. Bombay,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

Survey No. 176, Hissa Nos. 1, 2, 3, 4, &5 S. No. 175,

H No I (Pt) situated at Kole-Kalyan

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 19-3-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Balbusingh Kashmirsingh & Others, 18, Mehta Chambers, Kalyan Street, Dana Bunder, Bombay-9.

(Transferor)

(2) Shri Bachitai singh Pyarasingh, Plot No. 183, Matunga-Sion Road, Sion, Bombay-22. (Transforce)

(LIST)

Statement of persons for the present occupying the building known as "Gobind Sagar No. 1, CS.T. Road, Ravana Village, Kole-Kalyan, Bombay-29.

Name of tenant	Block No
(3) 1. Smt. Nalini P. Shenoy,	1
2. Shri K. P. Mathew	2
3. Favaz Ahmed Abasali Ahmed	3

4. Shri A. P. Fernandes	4 `
5 M/s. Mukund Iron & Steel	5 to 16.
6. Mr. Alex Mathew Dias	17
7. Mr. Esteven P. Mendes	18
8. Smt. Isharkaur Mohindersingh	19
9. Mr. L. D'Cruz	20
10. Mrs. V. R. Miranda	21
 Mrs. Shantakumari S. Singh 	22
12 Mr. William D'Souza	23
13 M). Chrislaniya Ambler	24
14. Mr M F. Thomas	25
15. Mr. George Thomas	26
16. Mr. Bachhu T Chikker	27
17. Mr. Urban D'Souza	28
18. Mr. F. N. Kajalwala	2 9
19. Mr. Patrick Homen	30
20. Mrs. G. A. D'Costa	31
21. Mr. A. Chellappan	32
22. Mr. Gopaldas Khemka Garage	Nos. 1, 3 & 4
23. Mr. Kevalsingh Chandok Garage	No. 2

[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is kereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

111-that piece of land bearing Survey No. 176, H. Nos. 1, 2, 3, 4, and 5 and S. No. 175, H. No. 1 (Pt) admeasuring 1270.72 sq. mts. (1320 sq. yds), together with building standing thereon and known as 'Govind Sagar No. 1' and bounded by in the north by building No. 18 and known as 'Gobind Sagar No. 2" and Survey No. 171, by south C.S.T. Road, covering NADCO channel, by Fast by S. No. 175, H. No. 1 by West by 30 feet wide private road, Property is situated at Ravanna Village, Kole-Kalyan, in the Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban.

G. S. RAO.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 26-11-1974.

(Seal) .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-III, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 18th November 1974

Ref. No. AR/III/504/74-75 —Whereas, I, R. G. Nerukar, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range III Bombay.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 10, S. No. 480 situated at Malad (West) (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sub-Registrar's Office Bandra on 29-3-1974, for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transfer and the transfere has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Shri Salim Badrudin Maladwala, Executor of the Last Will and Testament of Smt. Kulsumbai Badrinddin Maladwala and Salim Badrudin Maladwala & Badrudin Esmail Maladwala all of "Avillion" Off Little Gibbs Road, Malabar Hill, Bombay-6.

(Transferor)

(2) CUTCH CO-OPERATIVE HOUSING SOCIETY LTD, S.No. 480, Off Mamlatdarwadi Road Extension, Malad (West), Bombay-64.

(Transferee)

- (3) LIBERTY INVESTMENTS, "Avillion" Off Little Gibbs Road, Malabar Hill, Bombay-6.

 [Person in occupation of the property]
- (4) LIBERTY INVESTMENTS, "Avillion" Off Little Gibbs Road, Malabar Hill, Bombay-6

[Person whom the undersigned knows to be interested in the Property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land formerly of Khoti Tenure and now held and assessed under the Maharashtra Land Revenue Code with the structure thereon situate lying and being on Southern Side Off Mamlatdar Wadi Road Extension in Malad (West) formerly in the Borivli Taluka & Registration Sub-District of Bundra, District Bombay Suburban and now within the I mits of Greater Bombay in the Registration District and Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban containing by admeasurement 802 65 square metres equivalent to 960 square yards or thereabouts and bearing S. No. 480 (part) and City Survey No. 227/10 and denoted as Plot No. 10 and bounded as follows:—

that is to say on or towards the East by Survey No. 479 on or towards the West by the proposed 30 feet wide Road, on or towards the North by the Plot bearing Plot No. 9 of the sard Survey No 480 and on or towards the South by the Plot being No 11 of the sard Survey No. 480.

R. G. NERURKAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-III. Bombay.

Date: 18-11-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, AAYAKAR BHAVAN, M.
GARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 18th November 1974

Ref. No. A.R./III/503/74-75.-Whereas, I R. G. Nerurkar, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range III Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 9, S.No. 480 situated at Malad (West) fully the more described ŀп Schedule annexed hereto), has been transferred 83 deed registered under the Indian Registration Act. of 1908) in the office of the Registering Officer 1908 Act, (16 at Sub-Registrar's Bandra Office on 29-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Salim Badrudin Maladwala, Executor of the Last Will and Testament of Smt. Kulsumbal Badrudin Maladwala and Salim Badrudin Maladwala & Badrudin Esmail Maladwala all of "Avillion" Off Little Gibbs Road, Malabar Hill, Bombay-6.

(Transferor)

(2) CUTCH CO-OPERATIVE HOUSING SOCIETY LTD. S.No. 480, Off Mamlatdarwadi Road Extension, Malad (West), Bombay-64.

(Transferce)

- (3) LIBERTY INVESTMENTS, "Avillion" Off Little Gibbs Road, Malabar Hill, Bombay-6.

 [Person in occupation of the property]
- (4) LIBERTY INVESTMENTS, "Avillion" Off Little Gbibs Road, Malabar Hill, Bombay-6.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the

Property].

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land formerly of Khoti Tenure and now held and assessed under the Maharashtra Land Revenue Code with the structure thereon situate lying and being on Southern Side Off Mamlatdar Wadi Road Extension in Malad (West formerly in the Borivli Taluka and Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban and tow within the I mits of Greater Bombay in the Registration District and Sub-District of Bombay City and Bomoay Suburban containing by admeasurement 794 29 square meires equivalent to 950 square yards or thereabouts and bearing S. No. 480 (part and City Survey No. 227/9 and denoted as Plot No. 9 and bounded as follows:—

that is to say on or towards the East by Survey 110. 479, on or towards the West by the proposed 30 feet wide road, on or towards the North by the Plot bearing Plot No. 8 of the said Survey No. 480 and on or towards the South by the Plot being No. 10 of the said Survey No. 480.

R. G. NERURKAR, Competent Authority, Insperting Assistant Commissioner of Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 18-11-1974

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY.

Bombay-20, the 12th November 1974

Ref. No. AP.195/IAC.AR.IV/74-75.—Whereas, I. G. S.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act,

1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/s and bearing

S. No. 147(Pt) CTS No. 174 situated at Kanjur (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bombay on 25-3-1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:——

- (1) Shri Vincent S. Remedios, Remedios House, Opp. Vikhroli Rly. Stn., Vikhroli, Bombay-78.

 (Transferor)
- (2) Shri Chetana Apartments Co-operative Housing Society Ltd., 11, Sharad Villa, Jangal Mangal Road, Bhandup, Bombay-78. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of vacant land or ground situated at Kanjur admeasuring 2379 sq. vds. i.e. 1988.61 sq. mts. situate in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban and hounded on or towards the north by the property of the Vendor, on or towards the south by the property of purchasers on or towards the east by Nala asd on or towards the west by Jangal Mangal Road, Plot bearing Survey No. 147 (Pt) and City Survey No. 174—Kanjur.

G. S. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax. Acquisition Range,
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 12-11-1974.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd November 1974

Ref. No. Acq/66/Saharanpur/73-74/2034.—Whereas, I, Y, KHOKHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable, property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3/1393 situated at Baldeo Das Bajoria Road, Saharanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Saharanpur on 3-3-1974,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the

apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the -transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43. of 1961) ni respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any histome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely—

- (1) Shri Avhishek Kumar Bajoria S/o Vijay Shairaci Bajoria ,125, Shyama Prasad Mukerji Road, Calcutta, through guardian, Vijay Shanker Bajoria. (Transferee)
- (2) Star Paper Mills Ltd., through Dy. Malager, Sri B. L. Lohia, 27, Brabourne, Road, Calcutta-1. [Transferee]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided one third share in the building known as 'Gate House' bearing Municipal No. 3/1393 togetherwith Kitchen Block, Garages, servants quarters, cattle sheds, store room, with lawns, passages, courtyards, kitchen gardens for vegetables having an area of 186245 sq. feet (20693-8/9 square yards) corresponding to 10347 square metres situated at Baldeo Das Bajoria Road, Saharanpur, near Double Phatak, transferred for Rs. 1,33,333.33p.

Y. KHOKHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Kappur.

Date: 2-11-1974

Seal:

(2) Sri V. Narsimhamurthy. (C.A.), R/o J.P.N. Rcad, Warangal.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 23rd November 1974

Ref. No. RAC. No. 42/74-75.—Whereas, I K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/_ and bearing

No. 2/636/3 situated at Nakkalgutta. Warangal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Warangal on 27-3-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficen per cent of such apparent consideration and that the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1937).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Smt. B. Venkatamma, R/o 2/636/3 Nakkalagutta, Hanumkonda, Warangal.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: 2/636/3 Nakkagutta Hamumkonda, Warangal, Area, 578 sq. yds.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 23-11-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st November 1974

No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I. M. Ref. Munshi. being the Competent Authority under of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing property situated between K.M. Stones 5 & 6 and on the West side of Indore-Khandwa Road, in Khasra No. 6/2 (part), 7/1 (part), 7/3 (part) of Village Limbodi of Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 14-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of -1961) in respect of any income arising from the transfer, and /or

of transfer with the object of :-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely-

- (1) Shrimati Rani Laxmidevi W/o Commanding General Sir Bahadur Shamsherjung Bahadur Rana R/o Khandwa Road, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Modilalji S/o Shri Birdichand Agarwal R/o 67, Naulakha Road, Indore. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated between K.M. Stones 5 & 6 and on the West side of Indore Khandwa Road in Khasra No. 6/2 (Part), 7/1 (Part), 7/3 (part) of Village Limbodi of Indore.

> M. F. MUNSH Component Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bhopal

Date: 21-11-74.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st November 1974

Ref No. IAC/ACQ/BPL/74-75 — Whereas I. M F. Munshi.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

property situated between KM Stones 5 & 6 and or the West side of Indore-Khandwa Road, in Khista No. 4/1, 4/2, 4/4 (Part) and 4/5 and 4/6 (Part) of Village Limbodi of Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Indore on 14-3-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be decired by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11.01 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceeding for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

21-386GI/74

- (1) Shrimati Rani Laxmidevi W/o Commanding General Str Bahadur Shamsherjung Bahadur Rana R/o Khandwa Road, Indore. (Transferor)
- (2) Smt. Nirmalabai W/o Shri Ramnarain Agarwal, R/o 4/2, Shirdanand Marg Indoie. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections—if any, made in response to this notice against the requisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the tame meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated between K.M. Stones 5 & 6 and on the West side of Indore-Khandwa Road in Khasra No. 5/3 (part), 5/4 (part) 6/1 (part), 6/2 (part), 6/3 (part), 7/1 (part) 7/2 (part) of Village Limbodi of Indore.

M. F. MINSU Competent Authority Inspecting Assis ant Commiscont of Income-tax Acquisition Range,

Date 21-11.74 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st November 1974

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, J. M. F. Munshi

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act. 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

property situated between KM Stones 5 & 6 and on the West side of Indote-Khandwa Road in Khasia No 4/6 (part), 5/1 (part) 5/2 (part), 5/3 (part), 5/5 (part), 6/3 (part) 7/2 (part) of Village Limbodi of Indote (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 14-3-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tactificating the reduction or evasion of the transferon to nav tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Rani Laxm devi W/o Commanding General Sir Bahadur Shamsherjung Bahadur Rana R/o Khandwa Road, Indore. (Transferor)
- (2) Smt, Manphooli bai W/o Shri Lakmichandji R/o 6/6 Nowlakha Road, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of nublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated between K.M. Stones 6 and on the West side of Indore-Khaudwa Road in Khar No. 4/6 (part), 5/1 (part), 5/2 (part) 5/3 (part), 5/5 (part), 6/3 (part) 7/2 (part) of Village Limbodi of Indore.

M. F. MUNSHI Competent Authority Inspecting Assist of Commission of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Date: 21-11-74.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st November 1974

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.--Whereas, I M. F. Munshi,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property situated between K.M. Stone 5 & 6 and on the West side of Indore-Khanawa Road in Khasra No. 4/7 (part), 4/8, 5/7, 5/6, 5/5 (part) of Village Limbodi of Indore, situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on 14-3-74.

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transfere(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the Income-tax Act, 1931 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1937 (27 of 1957).

-And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shrimati Rani Laxmidevi W/o Commanding General Sir Bahadur Shamsherjung Bahadur Rana R/o Khandwa Road, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Sudhir Kumar S/o Shri Ramnarain Agarwal Minor through Shri Ramnarain Modial Agarwal R/o 4/2 Shirdanand Marg, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested In the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated between K.M. Stone & 6 and on the West side of Indore-Khanda Road, in Khasra No. 4/7 (part) 4/8, 5/7, 5/6, 5/5 (part) of Village Limbodi of Indore

M. F. MUNSHI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Bhopai

Date: 21-11-74.

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st November 1974

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.--Where is, I M F. Munshi,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1561 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

West side of Indore-Kh. ndwa Road in Kh. sra No. property situated between K.M. Stones No. 5 & 6 and on the 4/7 (part) of Village Lambodi of Indore situated at Indore (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 14-3-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of ganget with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any specime arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other masts which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian in ome-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax. Tel. 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax. Act. 1957 (2) of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Sec. 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Rani Laxmidevi W/o Commanding General Sir Bahadur Shamsherjung Bahadur Rana R/c

Khandwa Road, Indore. (Transferor)

(2) Smt. Parvathibai W/o Shri Modilalji Agarwal, R/o 67, Nowlakha Road, Indore. (Fransferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

the West side of Indore Landwa Road, in Khasra No. 4/6 (part) of village Lambodi of Landor.

M. F. MUNSHI Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal

Date: 21-11-74.

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE.

BHOPAL

Bhopal, the 21st November 1974

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, J. M. F. Munshi.

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

land situated in village Dilawali tehsil Indore—Kh. No. 122/3
—Atea 1.88 situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

Indore on 14-3-74,

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1916) in respect of any Income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 1937).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Rani Laxmidevi W/o Communding General Sir Bahadur Shamsherjung Bahadur Rana R/o Khandwa Road, Indore. (Transferor).
- (2) Shri Lakmichand S/o Shri Birdichandji Agarwal r/o 6/6, Nowlakha Road, Indore, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as arc defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated in Village Dilawali Tehsil Indore---Khasra No. 122/3---Area 1.88.

M. F. MUNSHI
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner
of Incometax Acquisition Pange
Bhopal

Date: 21-11-74.

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE.

. BHOPAL

Bhopal, the 21st November 1974

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.--Whereas, I. M. F. Munshi.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

About 1000 sq. ft. plot a ca situated at 186 Nayapura, No. 1 Jan Road, Indore situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Registrar of Assurances, Indore on 19-3-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1929) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Weart tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269 C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhagwandas S/o Shri Devramji Pahuja C/o Goyal Cvcle Shop, Opp: Central Kotwali, M harani Road, Indore. (Transcfor)

(Transferor)

(2) Shri Ramji Khetsi Maroo, House No. 186, Nayamura No. 1, Jall Road, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

About 1000 sq. ft. plot are situated at 186 Nayapura, No. 1 Jail Road, Indore.

M. F. MUNEAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Incometax Acquisition Range,
Bhopal

Date: 21-11-74.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st November 1974

Ref No. IAC/ACQ/BPL/74-75.--Whereas, I M, F.

Munshi

being the Competent Authority under section 269B of the being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated on Plot No. 17 in Agarsen Nagar, Indore—Area 30' > 50' situated at Indore (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore on 21-3-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not tensferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recogded by me.

1. Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely;

- (1) Shri Kishanlal S/o Shii Binjaji R/o Bijasen Road, Indoie Pot No 71 Agarsen Nagar, Bijaseni Road, Indoie (Fransferor)
- (2) Shri Sushil Kumar S/o Shri Kawarlalji Bakliwal,

Plot No. 17, Agaisen Nagar, Bij sani Road, Indore (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated on plot No. 17 in Agarsen Nagar, Indore-Aica 30'×50'.

> M. F. MUNSHI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Bhopal

Date: 21-11-74.

Seal -

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 19th November 1974

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75 -- Whereas, I M. F. Munshi.

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property hiving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop situated on plot No. 33, Shivvilas Palace, Indore situated

at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed here-to), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Indore on 25-3-74,

for an apparent consideration which is

less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) M/s Saliotom Notworld Norma & Co. through partner Shri Bachhulal S/o Shri Babulal Gunta, 393, M. G. Road, Indore. (Transferor)

(2) M/s Sachhanand & Sons Joint family, through (1) Shri Sachhanand & Sons Joint tauniy, through (1) Shri Sachhanand S/o Shri Vasantmalji, 10, Ganji Compound Indore, (2) Shri Kishandas S/o Shri Newandramji, 25, Chho i Gwal Toli, Indore. (3) Shri Vasudev S/o Shri Pherumalji, 3, Katju Colony, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop situated on plot No. 33. Shiving Palace Indore—Area 18'-9" × 18'-9" × 6' × 6'.

M. F. MUNSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bhopal

Date - 19-11-74.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (42 O) 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 19th Novemb r 1974

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75—Whereas 1 M F Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop situated on plot No. 33, Shrvilas Palacc, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on 26-3.74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) M/s Saligram Natwarlal Neema, & Co th ough partner Shri Bachhulal S/o Shri Bahulalji Gupla, 393, M. G. Road, Indore. (Transfetor) 22-386GI/74

- (2) M/s Sachhanand & Sons, Joint family, through (1) Shri Sachhanand S/o Shri Vasantmalıı, 10, Ganji Compound Indoic, (2) Shri Kıshandas S/o Shri Newandramıı, 25, Chhoti Gwal Toli, Indoic, (3) Shri Vasudev S/o Shri Pherumalji, 3, Katji Colony, Indoic, (Fransferec)
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by anw other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections,

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop situated on plot No 33, Shivvilas Palace, Indore—Area 20'×21'-6"×13'×6'.

M. F. MUNSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Incometax Acquisition Range.
Bhopal

Date · 19-11-1974,

Seal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMULTAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 18th November 1974

No. CR-62/7265/73_74/Acq(B). -Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Vacant site forming part of Municipal No. 2269/1, situated at Vinoba Road, Devaraja Mohalla, Mysorc-1.

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysole, Document No. 3703 on 6-3-1974,

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri K, B. Ramachandraraj Urs., 'Leela Vihar''. Vinoba Road, Devaraja Mohalla, Mysoc City.

(Fransferor)

(2) Shri B. S. Somasekariah, S/o B. S. Subbanna, 424, Desika Road, Mysore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site forming part of Municipal No. 2269/1, Vinoba Road, Devaraja Mohalla, Mysore.

East to West: 225' North to South:

Western side: 139' Site measuring 2752 sq. yards.

Eastern side: 100' Boundaries:

East . Shanmugham Match Factory;

West: Temple Road; North: Land and building; South: Vinoba Road.

Document No. 3703 dated 6-3-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 18-11-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME.TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 19th November 1974

No. CR-62/2286/73-74/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorty, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. Site No. 2, in premimses No. 2 situated at Midford garden,

Site No. 2, in premimses No. 2 situated at Midford garden, Civil Station, Bangalore_1,

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivajinagar, Bangalore, Document No. 4249 on 21-3-1974 for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) on respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Her Highness, Dowagar Maharani, Vijayaba of Bhavanagar,
 Her Highness Jayaba Maharani of Wadhavan, No. 1, Cunningham Road, Bangalore,
 Confirming party Sri V. Mohan Rao, S/o Sri V. Venugopal,
 No. 6, Linghi Chetty St. Madras-1.

(Transferor)

(2) M/s. V. V. R. and Sons, by its partner Shri V. V. Anandakumar, Kuppam (AP.)

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the inmovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site No. 2, in premises No. 2, Midford Gardens, Civil Station, Bangalore-1.

Site measuring 4,775 sq. ft.

Boundaries:

East-Midford Garden 49'9"

West-Site No. 3 50'6"

North-Private Road 95'0"

South—Site No. 1 95'0"

Document No. 4249 dated 21-3-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority
Insperting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 19-11-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME, TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 19th November 1974

No. CR-62/2287/73-74/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorty, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site No. 1, being part of piemises No. 2, situated at Mid ford Gardens, Civil Station, Bangalore-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Document No. 4250 on 21-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43' of 1961) to the following persons namely:—

 (1) (1) Her Highness Dowagar Maharani Vijayaba of Bhavanagar, (2) Her Highness Jayaba, Maharani of Wadhawan, No. 1, Cunningham Road, Bangalore.
 (3) Confirming party Shri V. Mohan Rao, S/o Sri V. Venugopal, No. 6, Linghi Chetty Street, Madras-1. Shri V. Venugopal, No. 20, Masilomony Road Royapet, Madras,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the ojbections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site No. 1, being part of premises No. 2, Mid Ford Gardens, Civil Station, Bangalore-1. Site measuring 4775 sq. ft. Boundaries:

Fast: Mid Ford Gardens 49'9"

West: Site No. 3—50'6'
North: Site No. 2—95'0'
South: Property of Mico 95'0'
Document No. 4250 dated 21-3-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 19-11-1974.

(Transferor) Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF ANCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORF-27.

Bangaloic-27, the 18th November 1974

No. CR-62/2356/73-74/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorty, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore-27,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dubbarry Group Estates, situated at Hosur, Holaluguke and Chennakotte village and Kurichi village, Virajpet Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at

Virajpet, Document No. 330, on 27-3-1974,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- Kumari Meenakshi Achi of Chattinad, W/o late Kumararajah M.A.M. Muthiah Chettiar of Chettinad.
 - 2. Smt. Sigapi Achi, W/o Sri M.A.M. Ramaswamy Chattiar of Chettinad, Chattinad House, Madras-28.

(Transferors)

(2) M/s. Chettinad Plantation Private Ltd., "Catholic Centre", No. 6, Armenian St., Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a peroid of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a light to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dubbarry group estates situated in Hosur, Holaluguke and Chennankotte village and Kurichi Village, Virajpet Faluk.

Hosur (Ammathinad)=403.56 acres.

Holangukke (Ammathinad)=271.95 arres.
Chennakotte (Ammathinad)=35.00 acres.
Kurichi Srimangalanad=5.70 acres.

Total = 716.21 acres.

(Total=289.81 Hectares). Document No. 330 dt. 27-3-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 18-11-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 19th November 1974

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75,---Whereas, I M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 2 situated on plot No. 33, Shivvilas Palace, Indore, ituated at Indore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 26-3-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the caquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

- (1) M/s Saligram Natwarlal Neema, & Co., through partner Shri Bachhulal S/o Shri Babulal Gupta. 393, M. G. Road, Indore. (Transferor)
- (2) M/s Sachhanand & Sons Joint family, through (1) Shri Sachhanand S/o Shri Vasantmalji, 10, Ganji

Compound Indore, (2) Shri Kishandas S/G-Shri Newandramji, 25 Chooti Gwaltoli Indore (3) Shri Vasudev S/o Shri Pherumalji, 3, Katju Colony, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding puragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2 situated on Plot No. 33 Shivvilas Palace, Indore Area $18'-9'' \times 20' \times 13' \times 6'$

> M. F. MUNSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bhopaí

Date · 19-11-74.

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 19th November 1974

Ref. No. JAC/ΛCQ/BPL/74-75.--Whereas, I M. F. Munshi.

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 1 (Municipal No. 33) situated on Plot No. 33 Shivvilas, Indore situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at

Indore on 5-3-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Incomê Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- M/s Saligram Natwarlal Neema, & Co., through partner Shri Bachhulal S/o Shri Babulal Gupta, 393, M. G. Rond, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Sadhuram S/o Shri Pokhardas, (2) Shri Keshavdas S/o Shri Pokhardas, 12, Palsikar Colony, Indore (3) Shri Mohanlal S/o Shri Tehalramji (presently at Ramsagarpara, Raipur) (4) Smt, Chandrabai W/o Shri Vrijlalji R/o 12, Palsikar Colony, Indore

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 1 (Municipal No. 33) situated on Plot No. 33 Shivvilas, Indore. Area $19' \times 20' \times 10' \times 6'$.

M. F. MUNSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhonal

Date: 19-11-74.

Scal ·

*Strike off where not applicable

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st November 1974

Ref. No IAC ACQ/BPI /74-75.—Whereas I M. F. Munshi.

being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

property situated between K.M. Stones No. 5 & 6 and on the West side of Indore-Khandwa Road, in Khasra No 6/1 (Part), 7/4 (part), 7/5 (Part), 7/6 (part) and 7/8 (part) situated at Village Limbedt of Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore on 14-3-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Rani Laxmidevi W/o Commanding General Sir Bahadur Shamsherjung Bahadur Rana R/o Khandwa Road, Indoie. (Transferor)
- Shri Şaradkumar S/o Shri Ramnarainji Agarwal. Minor through Shri Ramnarain Motilalji Agarwal R/o 4/2 Shirdanand Marg Indore (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated between K.M. Stones No. 5 & 6 and on the West side of Indore-Khandwa Road; in Khasra No 6/1 (part), 7/4 (part), 7/5 (part), 7/6 (part) and 7/8 (part) situated at Village Limbodi of Indore.

M. F. MUNSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal

Date: 21-11-74.

1 ORM ITNS -- ----

(2) Str V Siyananda Reddy R/o 3 6 266, Himayatnagar, Hyderabad.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad the 30th November 1974

Ref No. RAC. No 51/74-75 - Whereas I, K Venkataraman.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6-3-347/70 situated at Punjagutta, Hyderabad (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 22-3-1974

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

(1) 1. Sri Y. Stinivasulu Reddy, Junior Engineer, Electricity Project Hostal, Palavancha-Kothagudem Termal Station, 2. Sri Y. Radha Krishna Reddy, C/o Central Wate House, Post. Corporation at National Conference of the Computation of the Com Nellore (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable perty will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property: H. No. 6-3-347/20 Known as 'Ananda' at Dwarakapuri, Punjagutta, Hyderabad, Area 800 Sq. Meters.

> K. S. VENKATARAMAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Hyderabad

Date · 30-11-1974.

Seal:

23--386 GI/74

FORM JTNS-

(2) Mr. Navin Chatrabhuj Majitlia, No. 268 Unper Palace Orchard Bangalore-6 (Transfered)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE **BANGALORE-27**

Bangalore-27, the 8th November 1974

Ref. No. C R. 62/2262/73-74/ACQ.(B).-Whereas, I, R. Reichnameorthy, inspecting Assistant Commissioner of mecone-tax, Acquisition Range, Bangalore-27 being th. Competent Authority under section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R. 25,000/- and bearing No. Vacant site New No. 76 (old No. 19) situated at Nandidurg

Road, Bangalore-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gendhinagar, Bangalore 9, Document No. 5142 on 11-3-1974 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction of evasion or the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been reco ded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :-

(1) Air Commodore (Retd) Sri A. A. Narayanan, No. 21 I Main Road, Jayamahal Exten. Bangalore-6. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site New No. 76 (Old No. 19) Nandidurg Road, Bangalore-6 E to W =108'

3640 sft

N to S = 80°

Document No. 5142 dt. 11-3-1974.

R. KRISHNAMOOR THY

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner

of Income-Tax. Acquisition Range

Bangalore,

Date: 8-11-1974.

FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-27

Bangalore-27, the 8th November 1974

No. CR. 62/2444/73-74/Acq(B),—Whoreas, I, Shri R. Krishnamoorthy, I₁A.C. of Income-tax (Acq) Range, Bangalore-27,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House in premises No. 79/1D, situated at Nandidurga Road, 46th Division, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Gandhinagar, Bangaloic-9, Document No. 5278 on 20-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri R Dasarath, No. 157 Domlur, Bangalore. (Transferor)

(2) Mrs. Chinnammaba Desaraj Urs. Melville House Cottage, Palace Road. Bangalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULL

House in premises No. 79/1D, Nandidurga Road, 46th Division, Bangalore.

Boundaries:

East: 79/1C, Nandidurga Road,

West · Common passage,

North: Plot of Raghava Reddy

South: Premises Nos. 79/2 and 79/3, Nandidurga Road.

Document No. 5278 dt. 20-3-74.

R. KRISHNAMOORIHY
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissions
of Income-Tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Date: 8-11-1974.

FORM J.TNS .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

IAX ACΓ, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST COMMISSIONER OF INCOMP TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad the 30th November 1974

Ref No RAC 50/74-75 - Where is I K > Venkatai aman,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair exceeding Rs 25,000/- and bearing 8/258 situated at Gulzarpeta Ananthapur (and more

fully described in the Schedult innexed hereto), his been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Ananthapur on 28 3-1974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income tax. Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely .-

- (1) Sti P Nageshan S/o P Subramanyam Relited feacher 114, R S Meds Street Tirupathi (Transieror)
- (2) Smt B Savitramma W/o B Siecnivasa Rao, Advocate H No 8/258 Gulzarpet, Ananthapur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from hie date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the ımmovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No 8/258 Gulzarpeta Ananthapur Area 17.3 Cents

> K S VENKATARAMAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date 30-11-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE **RANGALORF-27**

Bangalore-27, the 7th November 1974

No. CR. 62/2450/73-74/Acq(B)—Whereas, I, Shri R. Krishnamoorthy, I.A.C. (Acq) Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of

1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Vacant site No. 1-A, situated at Palace Road, Bangalore-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Gandhinagar, Bangalore-9. Document No. 5368 on 25-3-1974

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, J hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :--

- (1) Shri Ravishankar Nandalal Rawell, No. 285, Rajamahal Vilas Extension, Bangalore-6. (Transferor)
- (2) Shrimati Krishnavathi, W/o G. D Sharms, No. 484, 47th Cross, 'A' V Block, Jayanagar, Bangalore-11. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a from the service of notice period of 30 days period on the respective persons, whichever expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Vacant site bearing No. IA, Palace Road, Bangalore-6. N to S — 33-1/3'E to W — 120'4000 Sq. ft.

Document No. 5368 dated 25-3-1974.

R. KRISHNAMOORTHY Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Bangalore,

Date: 7-11 1974

ΓORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-IV. CALCUTTA

Calcute 16 the 22nd November 1974

AC/146/R IV/Cal/74-75 -- Whereas No 1. Ref Bhattachai vva.

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing
Dag Nos 27 and 28 situated at Calcutta

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Regisering Officer

District Sub Registrar Alipore Dist 24 Parganas on 28 3 74 for an apparent consideration which is les than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to helieve that the fau market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered tor the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now therefore in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incomotax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely -

- (1) 1 Kachilal Gorey
 - 2 Pantosh Goley
 - 3 Manicklal Gorey
 - 4 Modoklal Gorey
 - 5 Ratanlal Gorev 115, Raja Rajendtalal Rd Calcutta-10
- 6 Sm Nilan Biswas, 66/2-A Sashi Bhusan Dev St Calcutta-12
 - 7 Sm Labanya Kundu 66/2 A Sashi Bhusan Dev St Calcutta-12 (Transferor)
- (2) M/s A Talukdai & Co (Feitiliseis) Pr Ltd 15 Clive Row Calcutta I

(liausferce ;

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette er a period of 30 days from the service of notice on the respuctive pursons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice ignist the acquisition of the immovable property will be fixed and rotice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding patigraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION -Ihe terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

2 Bighas 2 sq. ft. land Mouja Nimak Pokian P.S. Judav-pui. Dist. 24-Parganas, and as more particularly described in the Instrument of Transfer

S BHATTACHARYYA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-IV 54 Rafi Ahmed Kidwai Calcutta 16

Dife 22-11 1974

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 7th December 1974

Ref. No RAC No 56/74-75—Whereas, 1, K Syenkataraman,

being the Competent Authority under section

269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

7-1-39/10 situated at Miichi Compound Nizamabad (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nizamabad on 27-3-1974

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-lax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

 Sri Narasagoup S/o Narsagoup, R/o Weekly Bazar, Nizamabad,

(Transferor)

(2) Sti Chakinala Siddi Rajeswai S/o Shankaraiah (Minor) Represented by father Sti Ch. Shankaraiah, Bada Bazai Nizamabad (Tiansferee)

Obections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property House bearing Nos. Ground floor No 7-1-39/10 (Half portion) and first floor 7-1-39/11-A one fourth portion) situated at Mirchi Compound, (Mehaboob (agh) Nizamabad

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Hydernbad

Date: 7-12-1974

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.

HYDERABAD

Hyderabad, the 7th December 1974

Ref. No RAC No. 55/74-75.—Whereas, I, K S Venkataraman,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7-1-39/10 situated at Mirchi Compound Nizamabad (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 25-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Sri Narasagoud S/o Narasagoud, R/o Weekly Bazar, Nizamabad.

(Transferor)

(2) Sri Chakinala Nimbaiah, S/o Ch-Shankaraiah, Bada Bazar, Nizamabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: H. No. 7-1-39/10 Half portion and first floor No. 7-1-39/11-A One fourth portion at Mirchi Compound, Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN.

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 7-12-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 6th December 1974

No. RAC. No. 54/74-75.—Whereas, I. K. S. Venkataramn, being the Competent Authority under section

269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15-9-599 587 situated at Mahaboobgunj Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 6-3-1974

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

24—386 GI/74

(1) Sri Bal Krishnadas S/o Parmandas, R/o 4-3-346 Bank Street, Hyderapad.

(Transferor)

(2) Smt. Devi Bai, W/o Arjundas R/o 1-2-385 Gaganmahal, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Ground floor, first floor, Second floor bearing M. No. 15-9-599, 15-9-587, and portion of No. 15-9-588 589 and 598 measuring 130 Sq. Yds. at Mahaboobgunj, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 6-12-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE. HYDERABAD

Hyderabad, the 13th December 1974

Ref. No. RAC. No. 60/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 887 & 888 situated at Mirjalguda, village Miryalguda, Tq.

(and more bully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registerd under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Miryalguda, on 13-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mudundi Kondaraju, S/o Sri Bangarraju, R/o Vadur, village, Tanuku Tq. West-Godawarl. Dist.

 (Transferor)
- (2) S/Sri 1. Medisetti Venkateshwarlu, 2. M. Venkataratham, 3, Bhongir Venkaiah, 4. Appana Rangalah, 5. Guntur Rajeshwerao, 6. Nila Laxmaiah, 7. Edukulu Satyanarayana, 8. Chedla Satyanarayan, 9. Gouru Rangarao, 10. Venpti Ramlingaiah, 11. Gouru Rangarao, 12. Thedla Vijayakumar, all are partners, residing at Miryalguda. Tq. C/o Sri Raja Rice and Groundnut Oil Mill, Miryalguda Tq. Nalgonda Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property wil be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whon notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961

(43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property; No. 14/102, Survey No. 887, and 888 1.37 Acrs. at Mirjalguda, village, Miryalguda, Tq. Nalgonda Dist. Known as Sri Raja Rice and Ground-nut Oil Mill.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 13-12-1974.

FORM INTS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

BANGALORE-27

Bangalore-27, the 7th November 1974

No. CR.62/2448/73-74/Acq(B).—Whereas, I. Shri R. Krishnamoorthy, I.A.C. (Acq) Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

Vacant Site No 1A, situated at Palace Road, Bangalore-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Gandhinagar Bangalore-9. Document No. 5366/73-74 on 25-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such

transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Shri Ratilal Nandlal Rawell, No. 285, Rajamahal Vilas Extension, Bangaore 6. (Transferor)

- (2) Shrimati Krishnavathi, W/o G, D. Sharma, No. 484, 47th Cross, 'A', V Block, Jayanagar, Bangalore-11, (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.

 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site bearing No. 1A, Palace Road, Bangalore-6, E to W --120' N to S --33-1/3' 4000 Sq. ft. Document No. 5366 dated 25-3-1974.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Bangalorc.

Date: 7-11-1974.

FORM INTS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-27

Bangalore-27, the 7th November 1974

No. CR.62/2449/73-74/Acq(B).—Whereas, I. Shri R. Krishnamoorthy.

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant site No. 1-A, situated at Palace Road, Bangalore-6 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed Registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registraing officer at Gandhinagar, Bangalore-9. Document No 5367/73-74 on 25-3-1074 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have bee recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Labhshankur Nandlal Rawell. No. 285, Rajamahal Vilas Extension, Bangalore-6 (Transfeior)
- (2) Shrimati Krishnavathi, W/o G D Sharma, No. 484 47th Cross A, V Block, Jayanagar Bangalore-11. (Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHPDULE

Vacant site bearing No. 1A, Palace Road, Bangalore-6. E to W — 120'
N to S — 33-1/3' 4000 Sq. ft.
Document No. 5367 dated 25-3-1974

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Bangalore,

Date: 7-11-1974.

(2) Shri Sivva Sankarlingam, S/o Narvaiah, R/o 9-10-143 Girmajipet, Warangal. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 26th November 1974

Ref. No. R.A.C. No. 45/74-75.—Whereas I, K. S. Venkataraman.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9-10-143 situated at Girmajipet, Warangal (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Reigstering Officer

Warangal on 30-3-1974

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Sivva Sundersanam, S/o Narsaiah R/o 9-10-143 Girmajipet, Warangal. Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: No. 9-10-143, Girmajipet, Warangal, 123 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 26-11-1974.

Scal.

(Tradisteror)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG. BOMBAY-20.

Bombay-20, The 12th November 1974

Ref. No. AP. 194/IAC.AR.IV/74-75.—Whereas, I, G. S. Rao the Inspecting Asstt. Commissioner of income Tax, Acquisition Range IV. Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, S. No. 147 situated at Bhandup

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), that been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Bombay on 29-3-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid eds the apparent consideration therefor by more than nor cent of such apparent consideration and that the fifteen tion for such transfer as agreed to between the consideration, and the transferee(s) has not been truly stated transferor(s, trument of transfer with the object of the market with the object of the said ins

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfero.

 Act, 1961 (43 of arising from the transfero; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-t. X Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XX. of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ratansey Karsondas & Others, 9. Walkee Street, Fort, Bombay-400001. (Transferor)
 - (2) Shri Vinsent S. Remedios Remedios House, Opp: Vikhroli Rly. Stn. (E), Bombay-83. (Transferee)
- *(3) Shri Vinsent S. Remedios. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or percel of vacant land or ground hearing the Survey No. 147 (Pt) & C.T.S. No. 174 situated at Kanjur, admeasuring 3266 sq. yds. in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban and bounded on or towards the north by the property of the vendor, on or towards the south by the property of the purchasers, on or towards the east by Nala and on or towards the west by Jangal Mangal Road

G. S. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range-IV,
Bombay.

Date: 12-11-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-IV.

CALCUTTA

Calcutta-16, the 12th November 1974

Ref. No. AC/145/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, S. Bhattacharyya,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. 302 C.I.T. Scheme VI-M situated at Calcutta, (and more fully

described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Sub-Registrar, Scaldah on 11-3-1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Sri Amal Krishna Pal (Present Address not known.)

(Transferor)

- (2) Smt. Sarda Devi Mittal, 302, C.I.T. Scheme No. VI, M. Calcutta.
- (3) Sri J. N. Mitra. (Tenant-cum-person in occupation.)
 tion.)
 [Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom, notice is given, under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 Kattah 7 chattaks being a two storied building and a land at Plot No. C.I.T. Scheme No. VI M. Calcutta.

S, BHATTACHARYYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
Acquisition Range-IV,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 16-9-1974

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1.

Calcutta-1, the 25th November 1974

Ref. No. Ac-71/R-II/Cal/74-75.—Whereas. I. R. V. Lalmawia, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

612/1, situated at Diamond Harbour Road, 'O' Block, Plot No. 15, P. S. New Alipore, Calcutta-53

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at District Registrar of 24-Parganas, Alipore on 28-3-1974 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferes(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Sri Pranabendra Nath Banctjee, 612/I, Diamond Harbour Road, P. S. New Alipore, Calcutta-53. (Transfetor)
- (2) Smt. Maya Banerjec, Daughter of Late Dhirendra Nath Banerjee, 612/1, Diamond Harbour Road, 'O' Block, Calcutta-53.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the bearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3-cuttahs, 15-chittacks & 30-sq. ft. together with a building being premises No. 612/1, Diamond Harbour Road, 'O' Block, Plot No. 15, P.S. New Alipore, Calcutta-53.

R. V. I.ALMAWIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
P-13. Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date: 25-11-1974.

(2) Star Paper Mills Ltd., through Dy. Manager, B. L. Lohia, 27, Brabourne Road, Calcutta-I.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd November 1974

Ref. No. Acq/68/Saharanpur/73-74/2032.—Whereas, 1 Y. KHOKHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) nave reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3/1393 situated at Baldeo Dass Bajoria Road, Saharannur (and more fully decembed). Saharanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferrd as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 16 of 1908 in the office of Registering Office.
at Saharanpur on 3-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) Aditya Kumar Bajoria S/o Hari Shanker Bajoria, R/o Shyama Prasad Mukerji Road, Calcutta through guardian Hari Shanker Bajoria,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a peroid of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every persons to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided one third share in the building known as (Gate House) bearing Municipal No. 3/1393 togetherwith Kitchen Block, Garages, servants quarters, cattle sheds, store room, with lawns, passages, courtyards, kitchen gardens for vegetables having an area of 186245 sq. feet (20693-8/9 square yards) corresponding to 10347 square metres situated et Baldeo Dass Bajoria Road, Saharanpur, near Double Phatak, transferred for Rs. 1,33 333,.33 p.

> Y. KHOKHAR. Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 2-11-1974

Seal:

25-386 GI/74

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd November 1974

Ref. No. Acq/67/Saharanpur/73-74/2035.—Whereas, J. KHOKHAR,

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3/1393 situated at Baldeo Dass Bajoria Road, Saharanpur

No. 3/1393 situated at Baldeo Dass Bajoria Road, Saharanpur (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 3-3-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Ashok Kumar Bajoria, S/o Srl S. S. Bujoria, R/o 125, Shyama Prasad Mukerji Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Star Paper Mills Ltd., through Dy. Manager, Sri B. L. Lohia, 27, Brabourne, Road, Calcutta-1. (Transferee) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heared at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided one third share in the building known as (Gate House) bearing Municipal No. 3/1393 together with Kitchen Block, Garages, servants quarters, cattle sheds, store room, with lawns, passages, courtyards, kitchen gardens for vegetables having an area of 186245 sq. feet (20693-8/9 square yards) corresponding to 10347 square metres situated at Baldeo Dass Bajoria Road, Saharanpur, near Double Phatak, transferred for Rs. 1,33,333.33p.

Y. KHOKHAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kanpur.

Date: 2-11-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE-I,
AAYAKAR BHAVAN_M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 3rd December 1974

Ref. No. AR.1/732-9/Mar.74.—Whereas, I, S. S. Phadke, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range1, Bombay, being the competent authority under section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 10984 of C.S. No. 135 of Malabar & Cumballa Hill Division situated at Walkeshwar Rd., Malabar Hill (and more fully des-

cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Sub-Registrar, Bomba, on 5-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri Yogendra Jamnadas Dalal.
- (Transferor)
- Ichhalaxmi Vithaldas Mehta, Kirtikumar Vithaldas Mehta.

(Transferee)

(3) Tenans.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of Quit and Ground Rent Land or ground with messuage, tenements or dewelling house standing thereon, situate lying and being at Walkeshwar Road, Malabar Hill, Bombay in the Registration District and Sub-District of Bombay City and Bombay Subarban containing by admeasurement 355 square yards equivalent to 280–10 square meters or thereabouts and bounded on the East by land bearing Cadastral Survey No. 136 (part) on the West by the Malabar Hill Road, on the North by land bearing Cadastral Survey No. 136 and on the South by the property hearing Cadastral Survey No. 134 and which land hereditaments and premises are registered in the books of the Collector of Land Revenue under Old No. 64, New No. 11302, Old Survey No. 135 of Malabar and Cumballa Hill Division and in the Books of the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under 'D' Ward No. 2051, Street No. 247, Walkeshwar Road.

S. S. PHADKE,

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bombay.

Date: 3-12-1974.

Form ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 25th November 1974

Ref No. RAC. No. 48/74-73.—Where is, I K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 405/18 situated at Gandhinagar, Tirupathi,

(and more

futly described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Thirupathi on 4-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Smt. Dasu Maha Lakshmma, W/o Aajaneyulu, Palakol Narsapur Tw. West Godawari, Dist. A.

(Transferor)

(2) Sri Koneti Nagaiah, 2. E. Krishrateddy, 3. D. Dharmiah, R/o TT.D. quarters K.T. Road, Tirupathi.

[Transferce]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right of be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Plot No. 405 Ward, No. 18 Door No. 3 TS. No. 459 Gandhinagar, Tirupathi, Chittoor, District,

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority, inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 25-11-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-III, AAYAKAR BHAVAN, M.

CARVE MARG, BOMBAY-20 Bombay-20, the 18th November 1974

Ref. No. A R./III/502/74-75.—Whereas, I R. G. Nerurkar, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range IIÍ Bombay,

being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 8, S.No. 480 situated at Malad (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Sub-Registrar's Bandra Office on 29-3-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Salim Badrudin Maladwala, Executor of the Last Will and I estament of Smt. Kulsumbat Badruddin Maladwala and Salim Badrudin Maladwala & Badrudin Esmail Maladwala all of "Avillion" Off Little Gibbs Road, Malabar Hill, Bombay-6.

Transferor

(2) CUTCH CO-OPERATIVE HOUSING SOCIETY LTD. S.No. 480, Off Mamlatdarwadi Road Extension. Malad West, Bombay-64.

(Transferee)

(3) LIBERTY INVESTMENTS, "Avillion" Oil Little Gibbs Road, Malabar Hill, Bombay-6.

(Person in occupation of the property)

(4) LIBERTY INVESTMENTS, "Avillion" Off Little Gibbs Road, Malabar Hill, Bombay-6.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every persons who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land formerly of Khoti Tenure and now held and assessed under the Maharashtra Land Revenue Code with the structure thereon situate lying and being on Southern Side Off Mamlatdar Wadi Road Extension in Malad (West formerly in the Borivli Taluka and Registration Sub-District of Bandra District Bombay Suburban and now within the limits of Greater Bombay in the Registration District and Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban containing by admeasurement 714.86 square metres equivalent to 855 square yards or thereabouts and bearing S.No. 480 (part) and City Survey No 227/8 and denoted as Plot 8 and bounded as follows:—

that is to say on or towards the East by the Survey No. 479, on or towards the West by the proposed 30 feet wide road, on or towards the North by the Plot bearing plot No. 7 of the said Survey No. 480 and on or towards the South by the Plot bearing No 9 of the said Survey No. 480.

R. G. NERURKAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 18-11-1974

FORM INTS-

NOTICE UNDR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE **BANGALORE-27**

Bangalore-27, the 8th November 1974

No. CR.62/2443/73-74/Acq(B).—Whereas, I, Shi R. Krishnamoorthy,

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax, Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dwelling house in premises No. 79/1C, situated at Nandidurg Road, 46th Division, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Gandhinagar, Bangalore-9, Document No. 5256 on 18-3-1974 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (7) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely -

- (1) Shri R. Raghav Reddy, No. 157, Domlur Road, Bangalore-17 (Transferor)
- (2) Shri Rachel Chacko Glemin, Coonoor, Niligiris Tamilnadu (Madras) (Transferce)
- *(3) Bible Society of India, [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dwelling house situated in premises No. 79/1C, Nandidurg Road, 46th Division, Bangalore.

Site measuring 1443 Sq. ft.

Document No. 5256 dt. 18-3-1974

R KRISHNAMOORTHY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 7-11-1974,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th December 1974

No. RAC.No.52/74-75.—Whereas, I. K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1105/6/4 situated at Somajiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-

tering Officer at

Hyderahad on 29-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Ruquia Bai, W/o Saifuddin, M. Kanchawala, H. No. 5-9-29/A/1, Bashirbagh, Hyderabad, (Transferor)
- (2) Sri Metharam, S/o Naraindas, 2. Motiram, S/o Metharam, R/o 3-4-529/1/1 Lingampally Hyderabad.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Land and building bearing M. No. 1105 ward, No. 6 Circle. No. 4, Block No. 3, (Old M. No. 496, Ward. 4) consisting of ground floor and first land area admeasuring 2915 Sq. Yds. at Somajiguda, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 6-12-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 11th December 1974

No. RAC.No.59/74-75.—Whereas, I K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-9-883 situated at Gowdown Road, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 30-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Gangoni Rajubai, W/o M. G. Gangaram. C/o M. G. Cycle Taxi, R/o Gajulpeta, Nizamabad.

 (Transferor)
- 1. Sri Kaleru Narsing Rao,
 2. Kaleru Yadagiri,
 3. Sri Kaleru Laxminarayana,
 all 3 sons of Sri Keleru Guruvahiah,
 R/o Devi Road,
 Nizamabad.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that the date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Municipal No. 7-9-883, situated at Gowdown Road, Nizamabad. Total Area 1806 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 11-12-1974

(1) Sri M. Bathiah, 2. M. Srirangam, 3. G. Harikesavulu, Sri Kalahastri, Tirupathi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Y. Babu Rao, R/o H No. 3/852 & 853 Nagiri St. Sri Kalahastn, Tirupathi.

Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 23rd November 1974

Ref. No. RAC. No. 41/74-75.—Whereas, I K. S. VEN-KATARAMAN.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 853 & 852/3 situated at Nagiri Street, Sri Kalahastri, (and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Tirupathi on 15-3-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-26-386 GI/74

Objections, if any, to the acquisition of the said properts may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Building D. No. 3/852 and 853 Nagiri St. Srl

Kalahasti, Tirupathi.

Land 219.28 sq. mt. Ground F'oor 127.67 sq. meters.

Same as 2nd Floor, Old building

K. S. VENKATARAMAN. Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad,

Date: 23-11-1974

FORM JTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I, AAYAKAR BHAVAN M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 3rd December 1974

Ref. No. AR-I/733-10/Mar.74.—Whereas, I, S. S. Phadke, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay,

Acquisition Range-I. Bombay, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 1350 of Malabar and Cumballa Hill Division

situated at Walkeshwai Rd., Malabar Hill more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

officer at Raipur on 4-3-74 for an apparent con-

sideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Dilipkumar Jamnadas Dalal.

(Transferor)

- (2) Mukund Vithaldas & Amita Mukund Mehta.
 (Transferee)
- *(3) Tenants.

[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of Quit and Ground Rent Land or ground with messuage, tenements or dewelling house standing thereon, situate lying and being at Walkeshwar Road, Malabar Hill. Bombay in the Registration District and Sub-District of Bombay City and Bombay Subarban containing by admeasurement 355 square vards equivalent to 280–10 square meters or thereabouts and bounded on the East by land bearing Cadastral Survey No. 136 (part) on the West by the Malabar Hill Road, on the North by land bearing Cadastral Survey No. 136 and on the South by the property bearing Cadastral Survey No. 136 and on the South by the property bearing Cadastral Survey No. 134 and which land hereditaments and premises are registered in the books of the Collector of Land Revenue under Old No. 64, New No. 11302, Old Survey No. 2/28 and New Survey No. 7266 and Cadastral Survey No. 135 of Malabar and Cumballa Hill Division and in the Books of the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under 'D' Ward No. 2051, Street No. 247, Walkeshwar Road.

S. S. PHADKE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range, Bombay.

Date: 3-12-1974,

FORM ITNS----

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER ACQUISITION RANGE-I, AAYAKAR BHAVAN, M., KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 3rd December 1974

Ref. No. AR-I/731-8/Mai.74.—Whereas. I, S. S. Phadke, the Inspecting Asset, Commissioner of Income

Acquisition Range-I. Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 135 of Malabar & Cumballa Hill Division (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Parietration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Register

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-Sub-Registrar, Bombay on 5-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the store that the statement of believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (Transferor) (1) Dineshkumar Jamnadas Dalal.
- (2) Smt. Usha Devendra Mehta. (Transferee)
- (3) Tenants.

[Person(a) in occupation of the propertyl.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning and given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of Quit and Ground Rent Land or ground with messuage, tenements or dewelling house standing thereon, situate lying and being at Walkeshwar Road, Malabar Hill, Bombay in the Registration District and Sub-District of Bombay City and Bombay Subarban containing by admeasurement 355 square yards equivalent to 280-10 square meters or thereabouts and bounded on the East by land bearing Cadastral Survey No. 136 (part) on the West by the Malabar Hill Road, on the North by land bearing Cadastral Survey No. 136 and on the South by the property bearing Cadastral Survey No. 134 and which land property bearing Cadastral Suivey No. 134 and which land hereditaments and premises are registered in the books of the Collector of Land Revenue under Old No. 64, New No. 1302, Old Survey No. 2/28 and New Survey No. 7266 and Cadastral Survey No. 135 of Malabar and Cumballa Hill Division and in the Books of the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under 'D' Ward No. 2051, Street No. 247 Walkeshwar Road.

S. S. PHADKE,

Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bombay.

Date: 3-12-1974.

Sri Balkishandas S/o Parmanand Das, R\$\textstyle 4-4 341/1 Sultanbazar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Ishwari Bai, W/o Ganga Ram, H. No. 1-2-385, Gaganmahal, Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 6th December 1974

No. RAC. No. 53/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15-9-587, 599 situated at Mahaboobgunj, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer, at Hyderabad on 6-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any of the other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the heating of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Ground floor, first floor and Second floor, bearing Nos. 15-9-587, 599 and portion of premises Nos. 15-9-588, 589 and 598, land area 130 Sq. Yds at Mahaboobgunj, Hyderabad, A.P.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 6-12-1974

Seal ·

4. Smt. Kalyani Roy of 15/1A, Ballygunge Station Road, Calcutta-19.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 15th November 1974

Ref. No. 205/Acq. R-III/74-75/Cal.--Whereas, I. L. K. Ralasubramanian

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 266A situated at Rashbehari Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule

annexed hereto) has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sub-Registrar Sealdah on 18-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue or this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :--

- (1) 1. Smt. Chhabi Rani Moitra.
 - Sri Jitendra Nath Moitra. 3. Sri Bikash Moitra, all of P-38, Lake View Road, Calcutta.

(2) Sri Dhiresh Kr. Chakraborty, 221, Rashbehari Avenue, Calcutta-19.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of vacant land measuring more or less three cottahs and 14 chittacks at Municipal premises No. 266A, Rashbehari Avenue, P. S. Ballygunge, Calcutta L. K. BALASUBRAMANIAN Registrar Sealdah.

> L. K. BALASUBRAMANIAN Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 15-11-74.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 3rd December 1974

Ref. No. AR.I/730-7/Mar.74.—Whereas, I. S. S. Phadke. the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Acquisition Range-I. Bombay,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 135 of Malabar & Cumballa Hill Division situated at Walkeshwar Rd., Malabar Hill (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as new dead registered under the Yadland

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Sub-Registrar, Bombay on 5-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice nuder sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:---

(1) Shri Devendra Jamnadas Dalal.

(Transferor) (Transferec)

(2) Smt. Jayshri Kirlt Mehta.

*(3) Tenants.

[Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 of 1961) shall have the (43 same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of Quit and Ground Rent Land or ground with messuage, tenements or dewelling house standing thereon, situate lying and being at Walkeshwar standing thereon, situate lying and being at walkeshwar Road, Malabar Hill, Bombay in the Registration District and Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban containing by admeasurement 355 square yards equivalent to 280–10 square meters or thereabouts and bounded on the East by land bearing Cadastral' Survey No. 136 (part) on the West by the Malabar Hill Board on the Neutrino the West by the Malabar Hill Road, on the North by land bearing Cadastral Survey No. 136 and on the South by the property bearing Cadastral Survey No. 134 and which land hereditaments and premises are registered in the books of the Collector of Land Revenue under Old No. 64. New No. 11302, Old Survey No. 2/28 and New Survey No. 7266 and Cadastral Survey No. 135 of Malabar and Cumballa Hill Division and in the Books of the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under 'D' Ward No. 2051, Street No. 247, Walkeshwar Road.

> S. S. PHADKE, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Bombay.

Date: 3-12-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING AUTHORITY
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE II, P-13, CHOWRINGHEE
SQUARE, CALCUTTA-1

Calcutta-1, the 27th November 1974

Ref. No. Ac/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I, R. V. Lalmawia.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

24B, situated at New Road, Calcutta-27

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer District Registrar. Alipore on 7-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Ac,t 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sarala N. Vasa, 24-B New Road, Alipore, Calcutta-27, (Transferor)

(2) Srl Navnit Kumar Sheth, 24B, New Road, Alipore-Calcutta-27. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b. by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on the 2nd floor of 24B, New Road, Alipore, Calcutta-27, having an area of 1178-sq. ft.

R. V. LALMAWIA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Dato: 27-11-1974.

FORM ITNS .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY.
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I CALCUTTA

Calcutta, the 18th November 1974

Ref. No. TR-1622/C_421/CAL-1/73-74.—Whereas, I S. K. Chakravarty,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 55, situated at Ezra Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at

Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North, Calcutta on 26-3-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Shree Narasingsahay Mudangopal (Engineers)
 (P) Ltd.
 (Transferor)
- (2) Suraj Bai Mundhra

(Transferes)

[Person(s) in occupation of the property]

- (3) 1. M/s. Dowell's Electric Works.
 - 2. M/s. Electric Industries.
 - 3. Mr. Dwarka Das Mohta,
 - 4, M/s. Dinesh Chandra Ratilal Shah.
 - 5. M/s. India Electricals Syndicate.
 - 6. Mr. Karan Singh Kausal.
 - 7. M/s. Ajit Radio Corporation Pvt. Ltd.
 - 8. Mr. Vidya Singh.
 - 9. Mr. Raman Lai Daga.
 - 10. Mr. S. N. Biswas.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date & place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The two separate portions of second floor of the premises No. 55 Ezra St. Calcutta containing floor space of 1410 stt, and 940 sft. aggregating to 2350 sft. a little more or less numbered as unit No. 55/2A Ezra St., Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-I.

P-13, Chowringhee Square, Calcutta.

Date: 18-11-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR

BHAVAN, M. KARVE MARG. BOMBAR-20.

Bombay-20, 12th November 1974

Ref. No. AP. 192/IAC.AR.IV/74-75.—Whereas, I, G. S. Rao, the Inspecting Asstt, Commissioner of Income Tax. Acquisition Range IV, Bombay,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. Nos. 74 77 & 88 situated at Bhandup (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-

Bombay on 28-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

- (1) Shri Ratansey Karsondas & Others, 9, Wallace Street, Bombay-1. (Transferor)
- (2) Shri Jagdish Sinha, Gamdevi Road, Bhandup, Bombay-78. (Transferee)

- *(3) Shri Sayyad Abdul Hamid Kadri, Mahim, Bombay. (Person in occupation of the property)
- *(4) Shri Musa Mohamed, Dargah Road, Nahur, Bom-(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of vacant agricultural land or ground bearing S. Nos. 74 77 and 88 situated at Village Nahur. Taluka Kurla, District Bombay Suburban, Registration Sub-District Bandra, and now included in T. Ward of Municipal Corporation of Greater Bombay, admeasuring 16700 sq.

G. S. RAO, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 12-11-1974

Seal.

27-386GI/74

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, GIRMAJIPET

Girmajipet, the 26th November 1974

No. R.A.C. No. 44/74-75.—Whereas, I K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9/741 & 742 situated at Girmajipet, Warangal (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Warangal on 25-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Sri Sivva Mallaiah, S/o Narasaiah, No. 9-9-94 and 9-9-95 Girmajipet. Warangal.

(Transferor)

(2) Sri Sivva Sudarsanam, S/o Narsaiah, H. No. 9-9-95 Girmajipet, Warangal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: House No. 9-9-94 and 95 at Girmajipet, Warangal. 205 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 26-11-1974

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY INSPECT-ING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE II, P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1.

Calcutta-1, the 27th November 1974

No. Ac-74/R-II/Cal/74-75—Whereas I R. V. Lalmawia, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot Nos. 2650 & 2661, situated at JL No. 30, Kh. No. 3224, Mouza, Thana & Distt. Burdwan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Registrar of Assurances, Calcutta on 16-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

- (1) 1 Sti Hanuman Prasad Chiripal,
 - 2 Sri Shyam Sundar Chiripal, 3 Sri Binode Kumar Chiripal,

 - 4 Sti Pramanik Chiripal (minor) represented by
 - father, Sri S. S. Chiripal, 5 Sri Bishwa N. Chiripal for self & guardian of minor Sashi Kanta Chiripal,

all of 8/1/1, Alipur Road, Calcutta-27.

(Transferor)

(2) Sri Rama Krishna Banerjee of Kopa Village, Thana Katalpur, Bankura. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring .47-acres, bearing Plot Nos. 2650 and 2661 in J. L. No. 30, Kh. No. 3224, Mouza, P. S. & Distt. Burdwan.

R, V. LALMAWIA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range II, P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date: 27-11-19/4

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE II, P-13, CHOWRNIGHEE SOUARF, CALCUTTA-1

Calcutta-1, the 27th November 1974

Ref. No. Ac/R-II/Cal/74-75.—Whereas I, R. V. Lalmawia,

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have
reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
24B, situated at New Road Calcutta-27
(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at District Registrar, Alipore on 7-3-1974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftees percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the afor said property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sarala N. Vasa, 24-B New Road, Alipore, Calcutta-27, (Transferor)

(2) Sri Shib Shankar Basu, 24B, New Road, Alipore, Calcutta-27, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat on the 1st floor of premises No. 24B, New Road, Alipore, Calcutta-27. having an area of 1178-sq. ft.

R. V. LALMAWIA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date: 27-11-1974.

FORM INTS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARGE, BOMBAY-20

Bombay-20, 12th November 1974

Ref. No AP. 193/IAC.AR.IV/74-75.—Whereas. I, G. S Rao, the Inspecting Asstt, Commissioner of Income Tax at Bombay on 6-3-1974

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 74 (Pt.) 77 (Pt) & 88 (Pt) signated at Nahui (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officei

Bombay on 6-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such market as agreed to between the masteroi(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which bught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid, property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby muste proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

(1) Shii Jagdish Sinha, Gamdevi Road Bhandup, Bombay-78 Transfelor

- (2) Hoechst Pharmaceuticals Ltd., Ramon House, Backbay Reclamation, Bombay-20. (Transferce)
- "(3) Hoechst Pharmaceuticals Ltd (Person in occupation of the property)
- *(4) Syed Abdul Hamid Kadıı (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHFDULE

All pieces or parcels of vacant agricultural land situate in Village Nahur, Taluka Kurla, District Bombay Suburban, Registration Sub-District Bombay Suburban and District Bombay City, bearing Survey Nos. 74 (Pt), 77 (Pt) and 88 (Pt) C.T.S. Nos. 485 (Pt), and 486 (Pt), admeasuring 13965 sq mts.

G 5 RAO

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range-IV,
Bombay.

Date: 12-11-1974.

Seal:

*Strike off where not applicable.

FORM INTS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE,

KANPUR

Kanpur, the 30th November 1974

Ref. No. F Acq/92/Agra/73-74/2168.—Whereas I. R. Khokhar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

23 situated at Lajpat Kunj, Agra (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Agra on 29-3-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilities the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Smt. Gayatri Kulsrestha, 23, Lajpat Kunj, Agra, (Transferor)

(2) Shri Bal krishna Arora, 3/29, Kandhari Road, Agga. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property bearing House No. 23, situated at Laipar Kuni, Agra transferred to apparent consideration of Rs. 50,000/-.

Y. KHOKHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Kanpur.

Date: 30-11-74.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA.

Calcutta, the 25th November 1974

Ref. No. IR-71/C-69/Cal-2/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. 17 situated at Tantibagan Road, Calcutta (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sub-Registrar, Sealdah, Calcutta on 22-3-1974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Msmt. Saira Khatun.

(Transferor)

- (2) 1. Md. Anwar Hossain.
 - 2. Md. Rafique
 - 3, Md. Abu Saleh.
 - 4. Md. Shamim Akhter.
 - 5. Md. Islam.
 - 6. Md. Anser Atam.
 - 7. Msf. Nurjahan Begum.
 - 8. Msf. R. Khsana Begum,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 3 Kathas 38 aft. more or less alongwith partly two storeyed and partly three storeyed brick built house with a corrugated shed at premises No. 17 Tantibagan Lane Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,

Acquisition Range-I,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax P-13, Chowringhee Square, Calcutta.

Date: 25-11-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME.TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORF-27

Bangaloic-27, the 18th November 1974

No CR 62/2261/73-74/Acq(B)—Whereas, I, R Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. House No 6, IInd Cross, Annamma Temple Extension, situated at Subedar Chatram Road, Bangalore-9, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred, as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Document No 5140 on 11-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration between the transferor(s) and the transfere (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 169D of the Income_tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- Shri K T Veeraraghavan, S/o Late Srimivasa Iyengar, No 6, II Cross, Annamma Temple Extension, Subedar Chatram Road, Bangalore 9
- (2) Shri k V Mahabala Rao, Prop Hotel Janatha Opp to Picture Palace Hassan

(Iransferce)

(Transferor)

- *(3) Shil N Laxmipathy,
 [Person(s) in occupation of the Property]
 - [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person, who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 6 Hud Cioss, Annamma Femple Extension, Subedar Chatram Road, Bangalore-9.

East to West 30' Site measuring 2,385 sq ft.

North to South: 79'6''

Document No. 5140 dated 11-3-1974.

R KRISHN AMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date 18-11-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTTION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 26th November 1974

Ref No. RAC No 43/74-75 -- Whereas, I. K. S. VEN-KATARAMAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3/210 situated at Ananthapur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Offices

at Ananthapur on 8-3-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1937).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Smt. M. Padmavathamma, W/o M. Mallareddy,
 M. Somasekarareddy, 3. M. Sayanadhareddy,
 S/o M. Maklareddy, Anguthapur

(Transferor)

(2) Smt. D. Anantha Laxmmi, W/o D. Venkateshwarireddy, 2. R. Udayasundarı Kumari, W/o R. Ramareddy, Ananthapur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby further notified that every person to whom the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Property: D. No. 3/210 Firm Road New Town, Ananthapur, 22 Cents.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 26-11-1974

Scal:

28--386GI/74

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME FAX ACT 1961 (43 OL 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF THE INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad the 26th November 1974

Ref No RAC No 46/74.75 Whereigh I IK S VEN KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No 9-9-94 & 95 situated it Girmijapit Williams II (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tron ferred a jet of ed registered under the Indian Registration Act 1700 (1) of 1908) in the office of the Registering Office it Warangal on 24 3 1974

for an appaient consideration which is less than the fair mixible value of the afore aid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afores decreed. The apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the cenderation for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(c) has not been trultated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or classion of the transferor to pay tax under the In our tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income along from the trassferor; and/o
- (b) facilitating the concealment of any mome on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, [96] (43 of 1961) have been recorded by mo

Now, therefore, in pursuance of section 269C. [hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:-

(1) Sivva Mallalah, S/o Narsaiah, H No 9-9-95 Girun jipet Warangal

(Transferor)

(2) Sivva Sankarlingam, S/o Narsaiah No 9-9-94 Gumappet, Waiangal

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said pro-

- (i) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 40 days from the service of notice on the respective person whichever period expire later.
- (h) by any of the person interested in the said immovable properly within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice i aim to the acquisition of the immovable propriety will be fixed and notice thereof half be given to every person who has made such objection and the free of the property

It is hereby further notified that every person to hom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No 9-9-94 and 95 i Gilmanpet Warangel, 169 sq yds

K > VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, acquisition Range Hyderabad

Date 26-11-1974

Seal

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME JAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd November 1974

No. Acq/112/D Dun 74-75/2033.--Whereas, T. Y. Khokhai.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No 20 situated at Paltan Bazar, Dehradun tand more fully described in

object of -

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 29-3-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have and that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay fax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:---

- (1) 1 Sri Vijay Kuma Gupta S/o Sri Brahma Swarup Gupta, R/o 16-B. Tashkent Marg, Allahabad,
 - 2 511 Ravendra Pratap Lahoti S/o Sri Devendra Pratup Lahott, Malti Mahal III Road, Khar, Bombay-52.

(Transferor)

(1) I Su Bhupendia Singh S/o Srl Ram Naiain, R/o 20-A. Govind Nagar, Dehradur,

(Transferee)

(4) I Natam Bankers, 20, Palfau Bazar, Dehradun.
 2 Khurja Stores, 20, Palfan Bazar, Dehradun.
 (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period ct 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation: The terms and expressions used here-m as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

tomovable property bearing old No. 27 and new No. 20, situated at Paltan Bazar, Dehradun, transferred for apparent consideration of Rs. 47,000/-. The immovable property is a two storeyed building consisting eight rooms including shops. Covered area of ground floor is 1280 Sq. It. and that of 1 floor 600 Sq. Ft.

Y. KHOKHAR

Competent Authority

Inspecting Assistanc Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Kanpur.

Date: 2-11-74

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-27.

Bangalore_27, the 19th November 1974

No (R 62/2458/74-75'Acq(B).—Whereas, I, R. Krishna-mootthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a tail market value exceeding Rs. 25,000/_ and bearing No. Valuant Sile—bearing New No. 132, (Old No 109). Subedai Chatram Road, Bangalore-20,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Gandhinagar, Bangalore-9, Document No. 380 on 22-4-1974, consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any neomearising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri B. A. S. Balaisma Muithy, No. 7. Souths Find Road, Seshadripuram, Bangalore-20. (Transferor)

[PART III—Sec. 1

(2) M/s., Venkatagırı Mansions (P) Ltd., No. 42, Srintvasanılaya, 3rd Cross 1Vth Block Kumara Paik West, Bangalore-20 (Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site bearing New No. 132(Old No. 109), Subedar Chatram Road, Bangalore-20

East to West: 51'

North to South: 108'

Boundaries

East · Property of purchaser

West . II Main Road, Sheshadripuram

North . Thimmaiah's House

South . Swastic Theatre

Document No 380 dated 22-4-1974

R KRISHNAMOORTHY.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Bangalore

Date: 19-11-1974

NOTICE UNDER SECTION 169D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOMELIAX, ACQUISITION RANGE. BANGALORE-27

Bangalore-27, the 19th November 1974

No CR-62/2505/74-75 Acq(B) --Whereas, I. R. Krishna-moorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fab market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Ks. Nos. 94, 95 and 96, Hathore village situated at Kundala Hobb, Devanahalli, Faluk, Bangalore Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Pagistation Office.

of the Registering Officer at Devanahalli, Document No. 280 on 24-4-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for instrating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely .-

(1) I Shri K Naiayanaswamy 5/0 Laxminarayana, Sustry, No. 20, Hind Main 10ad, Tata Silk form, Basavanagudi, Bangalore-4, 2. Sri Appanna s/o Krishnaswamy, No. 3. Link roud, West, Bangalore-1. (Transferor) (2) Shii Shamanna s/o Munihanumanthappa, Jakkur, Yelahanka Hobli, Bangalore North Inluk

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respectivo persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any made in response to his notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land S. Nos. 94, 95 and 96, situated at Ilathore village, Kundala Hobli, Devanahalli, Taluk, Bangelore Distt.

Measuring 32 acres and 11 guntas Document No 280 dated 24-4-1974,

> R KRISHNAMOORTHY. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date 19-11-1974.

FORM LINS

(2) Shri S. Srinivasa, S/o Subramanaya Iyer, No. 48, 18th Cross, Malleswaram, Bangalore

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTIT COMMISSIONER OF INCOME-LAX, ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 19th November 1974

No CR-62/2188 · 73-74/Acq(B) —Whereas, I, R. Krishna moorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have teason to believe that the immovable property, having a fait matket value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 4 forming a portion of vacant site No. 89/1, VI Main Road, in between 15th and 16th Crosses, situated at Malleswaram, Bangalore-3.

(and more fully described

in the schedule annexed hereto), has been transferred as persleed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajajinagai, Baugalore, Document No. 4807 on 4.3-1974,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the encealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to, be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

1. G. V. Srimvasan,
 2. Smt. S. Jayalakshmi,
 No. 79, Vanivilas Road, Basavanagudi,
 Bangalore-4.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transfered of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 4, forming a crition of vacant site No. 89/1, VI Main Road, in between 15th and 16th Crosses. Malleswaram, Bangalore-3.

East to West 60°

North to South: $72'-15'\times60'$ 3,420 Sq. ft.

Document No. 4807 dated 4-3-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Bangalore.

Date : 19-11-1974,

Seal

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPFTENT AUTHORITY,
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1
CALCUTTA

Cilcuita the 18th November 1974

Ref. No. TR-1621/C-420 CAI-1/73-74 —Whoteas, I. S. K. Chaktavarty.

being the competent authority under

section 269B of the Income-tax Act 1961 (43) of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fur transfer value exceeding Rs 25,000/ and bearing No-No 55 situated it Ezra Street, Calcutta

Carl more fully described in the

Schedule aimexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Registrat of Assurances, 5 Govt Place North Calcutta on 26-3-74

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income tax. Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any arcome of any moneys or other assets which trave not been or which quart to be disclosed by the transfers. For the purposes of the Indian In come-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons tor initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income Tax Act, 1961 43 of 1961) to the following persons namely—

(1) M/s Shree Nuisingsahay Mudangopol (Figineers)
(P) I td

(Fransferor)

(2) Smt. Sadapurna Devi Mundhra

(Transferee)

(4) Union Bank of Indo

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is helply truther notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

t very (viron)

The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULF

Portions of the first floor of the premises No. 55, Hzru Street, Calcutta containing an aggregate floor space of 3786 sff, a little more or less being unit No 55/1A, Ezra Street, Calcutta

5 K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I
P-13, Chowdinghee Square, Calcutta

Date (18-11-1974

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIX

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTE. COMMISSIONER
OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, 60761, ERANDAWANA KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 20th November 1974

Ref. No. C.A/5/March/74/Haveli-II/144.--Whereas. J, H. S. AULAKH,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 29 Hissa No. 1A and 2A, situated at Pimpti Waghere District Poona.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Haveli-II on 29-3-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) M/s. Onkat Investments and Properties Ltd. having its registered office at No 18 Netan Subhas Road, Calcutta-1

(Transferor)

(2) (1) Shii Narottani Lakirchand Chohan

(2) Smt. Narmada Narottam Chohan (3) Shri Narendra Narottam Chohan

(4) smt. Chanipa Narendra Chohan

(5) Shri Dilip Narottam Chohan.

(6) Shri Hemant Narottam Chohan All residing at 222, Mahatma Gandhi Road, Poona-1.

(Fransferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of vacant non agricultural land structed at village Pimpri Waghere, Taluka Haveli, District Poona in artificial the jurisdiction of sub Registrar Haveli, beatter, and being the Eastern portion S.No. 29 Hissa Nos. 14 and 2 now temperature S.No. 29 Hissa Nos. 1A and 2A on the Bombay Poona Road within the limits of the New Pimpri Chinchwad Township Council totally admeasuring three acres and ten gunthas together with a well and two sheds standing thereon and bounded as follows:—

to the North by portion of S.No. 29 Hissa No. 28 and

to the North by portion of S.No. 29 Hissa No. 2B and Bombay Poona Road, on or towards West by portion of Survey No. 29 Hissa No 1B. On or towards the South by Survey No. 28. On or towards the East by partly S. No. 30 and partly by Bombay Poona Road One Shed 40'×60'.

and one Shed 15'×20' Free-hold.

H & AULAKH.

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date · 20-11-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMECIAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 19th November 1974

No. CR-62/2202/73-74/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range, Bangalore-27,

being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land forming part of S. No. 231(P) now bearing Municipal No. 248, Doddigunta, situated at Cox town, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivajinagar, Bangalore, Document No. 4032 on 1-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) Shrimati Premavathi, No. 9. Cambridge road, Bangalore-8.

(Transferor)

(2) Shri R. Sampathraj, No. 1056, 7th Main Road, Sreerampuram, Bangalore-21.

Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land forming part of S. No. 231(P), now bearing Municipal No. 248, Doddigunta, Cox town, Bangalore.

Total area of the land 14,520 sft.

E.W.
$$-\frac{88'+134'}{2}$$

N.S. $-\frac{124'+206'}{2}$

Boundaries:

East: Kadirappa's property.

West, Water drain.

North: K. N. Mohan's land.

South: K. N. Bhagyalaxmi's land.

Document No. 4032 dt. 1-3-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Bangalore.

Date: 19-11-1974.

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME_TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 19th November 1974

No. CR-62/2447/73_74/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorty, Inspecting Assistan' Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bangalore-27,

being the Competent

Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Vacant site—portion of site New No. 132, (Old No. 109), situated at Subedar Chatram Road, Bangalore-20,

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Offirer at

Gandhinager, Bangalore-9, Document No. 5351 on 25-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any lacouse arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri B. A. S. Balarama Murthy. No. 7, South End Road, Sheshadripuram, Bangalore-20.

(Transferor)

(2) M/s. Venkatagiri Mansions (P) Ltd, No. 42, Srinivas Nilaya, 3rd Cross, IV Block, Kumara Park West, Bangalore-20.

(Transferee)

[Person(s) in occupation of the Property].

[Person(5) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 day, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a such objection, and the transferee of the property.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Vacant site—portion of site new No. 132, (Old No. 109), Subedar Chatram Road, Bangalore-20.

East to West 51 -- North to South 90'

Boundaries:

East: Subedar Chatram Road,

West: Remaining portion of property.

North: Thimmaiah's property. South: Swastic Theatre.

Document No. 5351 dated 25-3-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 19-11-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME_TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 19th November 1974

No. CR-62/2442/73_74/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 10, Cresent road, situated at High grounds, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed here-

to), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Gandhinagar, Bangalore-9, Document No. 5255 on 18-3-1974 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating—the oncealment of any income or the moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Vimala Sivappa, No. 4, Lavelle road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri K. S. Prasad, No. 10, Cresent Road, High grounds, Bangalore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 10, Cresent road, High grounds, Bangalore-1. (Corporation Division No. 44).

Site area measuring=1618 sq. yards.
Total area of the building=40 sq. meters.

Document No. 5255 dated 18-3-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 18-11-1974.

Seal -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY, INSPECT-ING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I. CALCUTTA

Calcutta, the 18th November 1974

No. TR-1619/C-445/Cal-1/73-74 --- Whereas, I, S Chakravarty.

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 55 situated at Ezra Street (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North. Calcutta on 26-3-74

apparent consideration which is for an 1069 fan market value of the aforesaid property the I bave lo believe that the reason market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transici as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957'(27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesid property by the issue of this notice under sub-section '1) of section 269D or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely --

1) M/s. Shree Nursingsahay Mudangopal (Engineers) Private Ltd.

(2) 1 Shri Makhanlal Mundhra

(Transf

- 2. Jagmohan Das Mundhra
- (3) 1 Contral Instrument & Equipments
 - Modern Electric Corporation 3 Mundhra Trading Agency
 - Apollowo Engineering Corpn.

5 Dawlal Gopaldas.

[Person(s) in occupation of the Property]

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable properly within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property,

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHFDULT

Two portions of third her of premises No. 55. Ezra Street, Cilcutta containing floor , co negregating 1929 sq. ft a little more of less jointly numbered as unit No. 55/3-A Ezra Street, Calcuit.

S. K. CHAKRAVARTY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-1,

Date 18-11-74

(Transferor)

Seal:

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER CY PUBLICATIONS, DELHI, 1974